

## मिट्टियाँ

प्रदान करते हैं। मिट्टी की ऊपरी सतह को विकसित होने में हजारों वर्ष लग जाते हैं जबकि अपक्षय द्वारा कुछ ही समय में मिट्टी की सतह नष्ट होकर भूमि बंजर रूप में परिवर्तित हो जाती है। भूमि क्षरण के लिये कृषि पद्धतियों के अतिरिक्त अन्य कारक जैसे प्राकृतिक एवं आर्थिक भी उत्तरदायी होते हैं। इस देश में प्राकृतिक कारकों में वायु, जल एवं हिमानी उल्लेखनीय हैं। आर्थिक क्रियाएँ जैसे कृषि करना, वन काटना, पशु चारण, खान खोदना भी भूमिक्षरण में वृद्धि करती हैं। यहाँ लगभग 7.3 करोड़ हेक्टेयर भूमि भूमिक्षरण के कारण बेकार हो गई है। मिट्टी अपरदन से मिसौसिपी के पूर्व, केन्टुकी, टेनेसी, आयोवा, अप्लेशियन के दक्षिणी भाग और पूर्वी ओकला हामा में बहुत हानि हुई है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में मिट्टी का कटाव अधिक होने के कई कारण हैं:

(i) वनों को अन्नाधुन्य काटा गया जिससे कि मिट्टी को जमाये रखने वाले पौधों को जड़ें नष्ट हो गईं। इस कारण वायु के उड़ने, पानी के बहाव इत्यादि के कारण मिट्टी बह गई।

(ii) पौधों के नष्ट हो जाने से मिट्टी में वानस्पतिक पदार्थ भी कम हो गया और मिट्टी घटिया हो गई और किसानों ने उसका त्याग कर दिया जिससे कुछ समय बाद वह भूमि बिल्कुल ही बंजर हो गई।

(iii) पश्चिमी उच्च मैदानों में अत्यधिक घास को चराई के कारण ऊपर की मिट्टी पर से पौधों का सुरक्षित कवच नष्ट हो गया जिससे ऊपर की मिट्टी कट गई।

(iv) बार-बार एक ही प्रकार की खेती करने से मिट्टी के पोषक तत्व खर्च हो गये जिससे मिट्टी घटिया हो गई।

(v) मिट्टी के कटाव को रोकने के प्रयत्नों की कमी भी एक विशेष कारण है। जब वन काट दिये गये तो मिट्टी को पकड़ने वाले पौधों का अभाव हो गया। वर्षा होने पर पानी बहते समय उखड़ी हुई मिट्टी को बहाकर ले गया। इस प्रकार से मिट्टी कटती चली गई और सदैव के लिये बेकार हो गई।

(vi) संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में वैयक्तिक स्वतन्त्रता पर बहुत जोर दिया जाता है। वहाँ के निवासी मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए किये जाने वाले प्रयत्नों को सरकारी जबरदस्ती समझ कर मानने से इन्कार कर देते थे।

मिट्टी का कटाव रोकने के प्रयत्न- मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए कई प्रकार से प्रयत्न किये जा रहे हैं। उनमें से मुख्य प्रयत्न

निम्नलिखित हैं:

(i) नदियों पर बांध बनाये गये हैं जो पानी की अबाध गति को रोकते हैं। इससे खेतों की मिट्टी के उखड़ने पर बह जाने में कमी आ जाती है। इस प्रकार का सबसे बड़ा कदम टेनेसी नदी घाटी योजना के रूप में उठाया गया।

(ii) बहुत से क्षेत्रों में खेती करना बन्द कर दिया गया है और वहाँ पशु चराने की व्यवस्था फिर कर दी गई है। खेती रोकने से मिट्टी नहीं उखड़ती और वहाँ जमी रहती है। ऐसा अधिकतर पश्चिमी मैदान में किया गया है।

(iii) दक्षिण-पूर्व में पानी के बहाव से जो लम्बी नलियाँ बन गई थी उन्हें भर दिया गया जिससे पानी का बहाव सुगमता से न हो सके।

(iv) जिन ढालों के वन नहीं काटने चाहिये थे वहाँ पर पुनः वन लगा दिये गये हैं।

(v) खेती कन्दूर विधि से की जाने लगी है जिससे मेंढों की दिशा पानी के बहाव की दिशा के समकोण होती है। इस विधि से पानी के बहाव में रुकावट पड़ती है।

(vi) मिट्टी के उपजाऊ न रहने पर उसे छोड़ नहीं दिया जाता बल्कि खाद की सहायता से उपजाऊ बनाया जाता है। फास्फोरस की खाद का विशेष उपयोग किया जाता है।

(vii) ढालों की खेती भी प्रारम्भ कर दी गई है क्योंकि ढालों की जड़ों में एक प्रकार के जीवाणु होते हैं जो मिट्टी के लिये नाइट्रोजन की खाद तैयार करते हैं जिससे मिट्टी को अपने आप ही खाद मिल जाती है।

(viii) बंजर हुए क्षेत्रों में ऐसे पेड़-पौधे लगाये गये हैं जो बहुत शीघ्र उग आते हैं तथा उनकी जड़े बहुत गहरी चली जाती हैं। इन पौधों के कारण मिट्टी जमी रहती है। इन पौधों से ह्यूमस भी तैयार हो जाती है।

(ix) ओंधियों वाले क्षेत्रों में पेड़ों की पट्टियाँ इस प्रकार लगाई गई हैं जिससे कि ओंधियों के चलने में कोई रुकावट न पड़े। ऐसा करने से मिट्टी उड़कर इधर-उधर जाने नहीं पाती।

(x) जहाँ तक सिंचाई सम्भव है वहाँ सिंचाई की सहायता से जमीन को खेती के योग्य बनाया जाता है।

(xi) कृत्रिम खाद द्वारा मिट्टी के उर्वरापन को बढ़ाया जा रहा है।

□ □

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

लकड़ियां भी बहुमूल्य है।

(2) मध्यवर्ती पठारी प्रदेश : यह क्षेत्र यूक्रेन नदी से कुस्कोकविम नदी की घाटियों तक फैला है। यहां के धरातल में एकरूपता पायी जाती है। यहां पर चौड़े शीर्ष वाले उच्च प्रदेश है तथा नदियों की चौड़ी घाटियां हैं। यहां की जलवायु विषम है। यहां पर वर्षा कम होती है। यहां पर विस्तृत भूभाग है जिनका अधिक उपयोग नहीं किया जाता है। भूमि का उपयोग कृषि एवं पशुचार के लिए किया गया है। यहां के एक तिहाई भाग पर वन हैं। इनमें काई एवं काले स्प्रूस पाये जाते हैं। सफेद बर्च, बालसम, पोपलर, ब्लैक काटन उड, एरपेज तथा टमासक के वृक्ष पाये जाते हैं। यहां पर इमारती लकड़ी के कारखाने अभी आरंभिक अवस्था में हैं। इसके साथ ही यहां पर कृषि का फैलाव भी अधिक हो रहा है।

(3) आर्कटिक मैदानी भाग : यह कनाडा के टुण्ड्रा प्रदेश का विस्तार है। बृक श्रेणियों इसे मध्यवर्ती पठारी भाग से अलग करती हैं। भूमि निम्न तथा ढालू है। उत्तर की ओर प्रवाहित होने वाली सरिताओं ने इसे काट कर विछिन कर दिया है। टुण्ड्रा में एस्कीमों की संख्या अधिक है। यहां पर केरीबाक शिकारी तथा ध्रुवीय मछुआरे रहते हैं। फर व्यापारी भी यहाँ पाये जाते हैं। खाद्य सामग्री आधुनिक शरों में सुरक्षित रहती है। कनाडा का सीमावर्ती प्रदेश होने से यहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने यहां सुदूर शीघ्र चेतावनी रेखा पद्धति को जो सामरिक महत्व का है, स्थापना की है। यहां पर शृंखलाबद्ध राडार स्टेशनों की स्थापना भी की गई है। अधिक दूरी के मारक राडार युक्त प्रक्षेपास्त्रों से रूस की तरफ आर्कटिक पार तक बम गिराये जा सकते हैं। इम्लू की तरह रेडोमस का निर्माण किया गया है जहां राडार सुरक्षित किये जाते हैं। यहां पर देशी एवं विदेशी कंपनियों द्वारा तेल निकाला जाता है।

(4) अल्पूशियन द्वीप समूह: यह अलास्का प्रायद्वीप के पश्चिम में स्थित है जो कि रूस के कामचटका प्रदेश से केवल 1000 किमी. दूर है। यह द्वीप अधिकांश समय धुंध में घिरा रहता है, क्योंकि यहां जापानी गर्म धारा तथा बैरिंग टंडी धारा मिलती है। यहाँ अक्सर समुद्री चूफान एवं झंझावात आते रहते हैं। यहां पर बहुत से स्खानों के वृक्ष झंझावात से उखड़ जाते हैं तथा समुद्र द्वारा बहा लिये जाते हैं। यहाँ कारण है कि यहां वृक्ष की जगह घास ज्यादा उपयुक्त है। इसके अन्तर्गत 20 द्वीप आते हैं जिनमें प्रमुख अहू, उनालास्का आदि हैं। बाकी सबसे बहुत छोटे हैं। इनमें से अधिकांश पर पहाड़ी अथवा ज्वालामुखी पर्वत के रूप में पाये जाते हैं। कुछ टापू बसे हुए हैं। यहां आदिवासियों की जनसंख्या अधिक है जिनमें से अधिकांश शिकारी हैं। ये सील एवं बालरस का शिकार करते हैं। मुख्य प्रायद्वीप की ही तरह ये निवासी भी अमेरिकी सरकार के संरक्षण में हैं। यहां का सबसे बड़ा ग्रामीण अधिवास अलास्का बंदरगाह के निकट स्थित है।

फेयर बैंक्स (Fair Banks): यूक्रेन नदी की सहायक नदी

तानना नदी के तट पर बसा मध्यवर्ती भाग का मुख्य नगर है।

जुन्यु (Juncau): केट चिकन के उत्तर में स्थित यह एक बंदरगाह नगर है। अल्पूमोनियम का कारखाना है। मत्स्य व्यवसाय का यह प्रमुख केन्द्र है। यहाँ कागज व लुग्दी बनाने की मिलें हैं।

केट चिकन (Ket Chikan): अलास्का पेन हैण्डल का यह महत्वपूर्ण नगर एवं बंदरगाह है। यहाँ लकड़ी की लुग्दी बनाने की मिल है। यहाँ जस्ता व तांबा के भंडार हैं जिनसे खनिज प्राप्त होते हैं।

## 15. हवाई द्वीप समूह

### (Hawaii Group of Islands)

हवाई द्वीप समूह उत्तरी प्रशांत महासागर में  $18^{\circ}30'$  और  $22^{\circ}15'$  उत्तर अक्षांश और  $154^{\circ}40'$  से  $160^{\circ}40'$  पश्चिमी देशान्तर के मध्य स्थित हैं। हवाई द्वीप की खोज सर्वप्रथम 1778 में जेम्स कुक ने की थी। हवाई द्वीप को 1959 में संयुक्त राज्य अमेरिका के 50वें राज्य के रूप में सम्मिलित किया गया। इस द्वीप समूह का क्षेत्रफल 16,095 वर्ग किलोमीटर है। इस द्वीप समूह में 8 बड़े द्वीप (1) हवाई (Hawaii) (2) माउई (Maui) (3) ओआहु (Oahu) (4) कायुआई (Kauai) (5) मोलोकई (Molokai) (6) लनाई (Lanai) (7) निहायू (Nihaui) (8) काहूलावी (Kahoolawe) तथा कई अन्य छोटे-छोटे द्वीप सम्मिलित किये जाते हैं। हवाई द्वीप सबसे बड़ा है जिसका क्षेत्रफल 1,037.5 वर्ग किलोमीटर है। हवाई द्वीप की शृंखला में 100 से अधिक द्वीप हैं जो उत्तर-पश्चिम से दक्षिणी-पूर्व दिशा में फैले हैं। इनकी लंबाई 2575 किमी. है। संयुक्त राज्य अमेरिका से इसकी दूरी 3200 किमी. है।

धरातल : इन द्वीपों का निर्माण ज्वालामुखी लावा से हुआ है। यह द्वीप समूह एक चाप के आकार में लगभग 600 किमी. की लंबाई में फैला है। मुख्य हवाई द्वीप की ऊंचाई सबसे अधिक है। यहां दो प्रमुख ज्वालामुखी पर्वत हैं। जिसमें माउनाकी (Maunakea) की ऊंचाई 4599 मीटर तथा माउना लोवा (Mauna Loa) की ऊंचाई 4560 मीटर है। माउई द्वीप की अधिकतम ऊंचाई 3340 मीटर है। सबसे कम ऊंचाई काठआई द्वीप की है (1720 मीटर)। इन ज्वालामुखी की चोटियाँ बर्फ से जमी रहती हैं। इन द्वीपों में मूंगे की चट्टान, एटॉल से भी संबंध रहा है। लावा के जमाव के कारण द्वीपों में उच्च भाग पाये जाते हैं। इन पर्वतीय भागों में अपक्षय के कारण परिवर्तन हो गये हैं। इन द्वीपों में मोलोकाई तथा मोई निम्नभूमि के द्वीप हैं। इन द्वीपों में सबसे अधिक प्राचीन द्वीप कायुआई (Kauai) है जो वायु और जल के अपक्षय के कारण समतल बनाया गया है। इस द्वीप में ज्वालामुखी क्रिया आज भी सक्रिय है और हवाई द्वीप में निक्षिप्त अर्थात् पश्चात् लावा निकलता है जो एक मनोहारी दृश्य है। यहां के पांच ज्वालामुखियों में से किलुआ तथा माउना ज्वालामुखी अभी भी सक्रिय हैं। माउना

मिलता है। तांबा, चांदी, जिंक तथा सीसा तट के दूसरी तरफ पेनहेडल केटचिकन में तथा सोने की खानों से गौण उत्पादक के रूप में निकाला जाता है। क्रोमाइट केसाई प्रायद्वीप के दक्षिणी किनारे पर निकाला जाता है। सोहा अलास्का प्रायद्वीप के शीर्ष स्थल से तथा सेंट जेनेड से निकाला जाता है।

**उद्योग (Industries) :** अलास्का में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। यहां पर निर्माण उद्योग बहुत कम है। यहां पर मछली की पैकिंग, धातु गलाने के कारखाने सीमित एवं लघु उद्योग के रूप में स्थित है। आग मशीन, नाव उद्योग, मशीन बनाने के कारखाने, छापाई एवं प्रकाशन उद्योग हैं। अधिकांश उद्योगों के सीमित होने के प्रमुख कारणों में श्रम की अनुपलब्धता तथा बड़े-बड़े बाजार क्षेत्रों की कमी है। अलास्का में आरा मशीनों एवं लुग्दी मशीनों को सुचारु रूप से संचालन हेतु विद्युत शक्ति केटचिकन विद्युत केन्द्र से उपलब्ध करवायी जाती है। अंकोरेज, मतानुस्का घाटी तथा सेवार्ड के नवीन लुग्दी कारखानों को शक्ति अंकोरेज के उत्तर में नवनिर्मित एकलुला बांध से उपलब्ध करवायी जा रही है। एक परियोजना के अंतर्गत ऊपरी युक्कान नदी के प्रवाह को मोड़कर कनाडा, प्रशांत खाड़ी तट पर स्थित नये अल्पुमीनियम प्लांट को विद्युत पहुंचाना है। इसके साथ ही ताडया के पास किरिमट में एक नवीन एल्पुमीनियम कारखाना लगाया गया है।

**पर्यटन :** वर्तमान में अलास्का पर्यटकों के लिए एक विशेष मनोरंजन केन्द्र बन गया है। यहां पर अलास्का राज्य मार्ग द्वारा पहुंचा जा सकता है। वायु एवं जलमार्ग से भी यह क्षेत्र गम्य है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण एवं मनोरंजन केन्द्र मैकिन्ले शिखर राष्ट्रीय उद्यान है। यहां के अन्य आकर्षण मछली आखेट केन्द्र, शूटिंग तथा जंगली पशुओं के जीवन का अध्ययन है।

**परिवहन एवं संचार व्यवस्था :** अलास्का का विकास परिवहन एवं संचार साधनों के विकास पर अत्यधिक निर्भर करता है। यद्यपि इस प्रदेश में संसाधनों की कमी नहीं है लेकिन इसके संसाधन क्षेत्र में बिखरे हुए हैं तथा बाजार की स्थिति भी काफी दूर है। यहां पर संचार व्यवस्था का विकास खनन केन्द्रों एवं सामरिक महत्व को देखते हुए किया गया है। राज्य में तीन नौकारोहण योग्य नदियां हैं। यूक्रेन अपने मुहाने से 3200 किमी. तक नौकारोहण के लिए उपयुक्त है। यह नदी ग्रीष्म ऋतु के तीन महीने तक व्हाइट तट तक खुली रहती है। इसकी सहायक नदी तनान, फेयरबैंक तक नौकारोहण योग्य हैं। कोस्कोविम 1050 किमी. तक उपयुक्त है। यूनान का छिछला डेल्टाई भाग इसमें जाने वाले जहाजों के आकार को नियंत्रित करता है। जाड़े के दिनों में ऊपरी भाग में स्लेज गाड़ी का प्रयोग किया जाता है जिसमें कुत्ते तथा रैंडियर दोनों का ही प्रयोग किया जाता है। ठंड से जमे हुए जल मार्ग पर इसके द्वारा यात्रा सुविधाजनक होती है।

तटीय क्षेत्रों में जहाजों का उपयोग अधिक होता है। अलास्का के अधिकांश अधिवास बंदरगाह हैं। प्रशांत सागरी तट का अधिकांश भाग लगभग पूरे वर्ष हिम रहित रहता है। किन्तु कुछ उपखाड़ी द्वीप जैसे कुक अल्पकाल के लिए जम जाता है। बैरिंग समुद्र वर्ष के केवल चार महीने ही खुला रहता है। आर्कटिक तट केवल एक महीने तक ही हिम रहित रहता है।

स्थल परिवहन के रूप में यहाँ दो रेल मार्ग हैं तथा सड़क मार्ग काफी फैले हुए हैं। एक रेलवे लाइन क्लोडाइक खानों की सेवा के लिए व्हाइट पोस होती हुई पेनहेडल तक गई है तथा दूसरी लगभग 800 किमी. लंबी है जो सेवार्ड से फेयर बैंक तक है। इसका निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका ने किया। यह मार्ग अंकोरेज, मतानुस्का सुस्तिवाना, नैनान घाटी तक गया है।

अलास्का की प्रमुख सड़कें इस प्रकार हैं :

(1) अमेरिकन कांग्रेस द्वारा निर्मित अलास्का राजमार्ग : इसका निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध के समय किया गया था। यह मार्ग फेयर बैंक तक गया है। यह मार्ग महाद्वीपीय अमेरिका एवं अलास्का को सीधा जोड़ता है।

(2) रिचर्डसन राजमार्ग : 1910 में निर्मित यह मार्ग वाल्डेज (प्रिंस विलियम साउण्ड) से फेयरबैंक तक है।

(3) सेवार्ड, अंकोरेज, मतानुस्का को जोड़ने वाली सड़क है।

(4) कुछ स्थानीय छोटी-छोटी सड़कें जो कि फेयरबैंक को अन्य स्थानों से जोड़ती हैं।

जुनासाड, अंकोरेज, फेयरबैंक, कोडियाक नोम आदि सभी छोटे नगरों में हवाई अड्डे हैं जो वायु यातायात से जुड़े हैं। कोपेनहेगन से टोकियो जाने वाली स्केन्डीनेवियन वायु मार्ग पर अंकोरेज नामक एक छोटा हवाई अड्डा स्थापित किया गया है।

**व्यापार :** अलास्का का सम्पूर्ण व्यापार संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा नियंत्रित है। व्यापारी यहां समुद्रों द्वारा संबंध स्थापित करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रमुख व्यापारिक बंदरगाह सीएटल है। अलास्का में अंकोरेज, केटचिकन और जुनु प्रमुख व्यापारिक नगर हैं। यहां से मत्स्य उत्पाद, फर, सोना और अन्य धातुएं निर्यात की जाती हैं। यहां का व्यापार बहुत ही कम है।

**अलास्का के भौगोलिक प्रदेश (Geographical Regions)**  
उष्णवर्षा एवं जलवायु के आधार पर इसको निम्न भागों में बांटा जा सकता है।

(1) प्रशांत सागरीय तटवर्ती क्षेत्र एवं पर्वत श्रेणियां : यह प्रदेश एक कटा-फटा पर्वतीय क्षेत्र है। जहाँ बर्फ के मैदान, गहरी घाटियां, फियोर्ड तट, सर्क आदि पाये जाते हैं। क्योंकि यह क्षेत्र अलास्का का सबसे सुगम्य क्षेत्र है इसलिए अलास्का का सबसे घना बसा क्षेत्र है। यहां का जाड़े का मौसम अधिक सर्द नहीं होता जिससे यहां मछली उद्योग विकसित हुआ है। साथ ही यहां के जंगलों की

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

ने वायुयान उद्योग और फिल्म उद्योग को आकर्षित किया है। पेट्रोलियम का क्षेत्र होने के कारण यहाँ तेल शोधन तथा पेट्रोरसायन उद्योगों का काफी विकास हुआ है। मोटरगाड़ियों के निर्माण में डेट्रायट के बाद इसका दूसरा स्थान है।

#### 14. अलास्का प्रदेश (Alaska Region)

उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पश्चिम में स्थित अलास्का एक ऐसा भौगोलिक प्रदेश है जो अपने मुख्य अंग संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ साधारणतया मार्गाचित्र में नहीं दिखाया जाता है। इसका प्रमुख कारण इसकी भौगोलिक स्थिति है। सोवियत संघ से बैरिंग जलडमरूमध्य की लगभग 10 किमी. चौड़ी खाई इसे अलग करती है। इस प्रदेश की खोज सर्वप्रथम रूसवासियों ने 1749 में की थी। सन् 1867 में अलास्का को अमेरिका ने रूस से खरीद लिया था। सन् 1959 में इसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने 49वें राज्य के रूप में स्वीकृत किया।

अलास्का का विस्तार  $50^{\circ}$  उत्तर से  $51^{\circ}7'$  उत्तर और  $130^{\circ}$  पश्चिम देशान्तर से  $173^{\circ}$  पूर्व देशान्तर के मध्य है। इस राज्य का क्षेत्र 1466 हजार वर्ग किमी. है। यह टेक्सस राज्य से तीन गुना बड़ा है।

यहाँ के मूल निवासी रेड इंडियन, एलेट्स तथा एस्किमो कहलाते हैं। यहाँ सोने की खोज के कारण बीसवीं सदी से अमेरिकी निवासियों की रुचि बढ़ी। यूकान, लोप्टाइक तथा अन्य तटवर्ती भागों में उत्खनन हेतु मानव अधिवासों की स्थापना हुई। फिर धीरे-धीरे लोगों का ध्यान नये धातुओं की ओर भी गया। सालमन मछली पकड़ने का धन्धा भी विकसित हुआ। 1930 के आसपास कृषि भी लोगों ने आरम्भ कर दी। द्वितीय विश्व युद्ध में अलास्का का सामरिक महत्व भी बढ़ा। यहाँ सुरक्षात्मक साधनों को बढ़ाया गया।

तटीय प्रदेश में घिरल जनसंख्या है किन्तु फिर भी सोना, ताँबा, मछली तथा फर द्वारा लोग काफी संपन्न हो गए। हालाँकि कुछ लोग इस प्रदेश को हिमआंधी और तूफानों के देश के नाम से संबोधित करते हैं क्योंकि इस प्रदेश का 1/3 भाग आर्कटिक कटिबंध में स्थित है। फिर भी इसके बहुत से बंदरगाह वर्ष भर हिमरित रहते हैं। यहाँ पर तेल, कोयला, लकड़ी तथा जल विद्युत संसाधन के साथ कृषि एवं पशु चारण के लिए भूमि है। यहाँ से महान वृत्त (Great Circle Route) मार्ग वाशिंगटन से टोकियो जाता है। यहाँ की 40% जनसंख्या श्वेत लोगों की है और बाकी में 10% एस्किमो तथा 10% रेड इंडियन्स हैं। अधिकतर अधिवास दक्षिण के तटीय भाग में पाए जाते हैं।

जुनियाउ नगर यहाँ की राजधानी है जिसकी जनसंख्या 13,500 है। अब यहाँ एक बंदरगाह 'अंकोरेज' के विकसित होने से जनसंख्या

में वृद्धि हुई है।

**उच्चावच एवं संरचना (Relief & Structure) :** अलास्का उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित पर्वत मालाओं का ही विस्तार है। कनाडा के यूकन और ब्रिटिश कोलम्बिया के समान ही इसका धरातल है। यहाँ का मध्य भाग पठारी है जिसके चारों ओर पर्वत श्रेणियाँ हैं। इस मध्य पठारी भाग पर अनेक नदियाँ बहती हैं।

प्रशान्त सागरीय पर्वत मालाएं तट पर दक्षिण की ओर ब्रिटिश कोलम्बिया तक फैली हैं। अलास्का प्रायद्वीप, अलास्का श्रेणी पैनहैण्डल आदि इसके विस्तार हैं। ये दक्षिण सीमान्त को चाप का आकार देती हैं।

प्रशान्त सागरीय पर्वत मालाएं  $140^{\circ}$  पश्चिमी देशान्तर के पश्चिम में दो साखाओं में बंट गई हैं :

(a) सेंट एलिस (St. Elias) पर्वत श्रेणी (माउंट सेंट एलिस 5484 मी.) जो उत्तर की ओर प्रिंस विलियम साउंड और दक्षिण पश्चिम की ओर नाई (Kuai) प्रायद्वीप तक फैली है।

(b) रेंगल (Wrangell) एवं अलास्का श्रेणी यहाँ के मैकिनले पर्वत (Mt. McKinley) (6184 मी.) उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची पर्वत श्रेणी है। यह उत्तर की ओर मुडुकर कुक की खाड़ी के सहारे दक्षिण-पश्चिम में अलास्का प्रायद्वीप से संबंधित हो जाती है तथा अल्पशिपन श्रेणी के रूप में फैली है।

प्रशांत श्रेणियों में उत्तर में यूकान तथा सुस्कोक्विक्वन नदियों के बेसिन हैं जो लगभग समानान्तर दिशा में फैले हैं। इन दोनों के विस्तृत डेल्टा हैं जो कि स्टूविन झील की दलदली निम्न भूमि में स्थित हैं। ये दोनों नदियाँ बैरिंग सागर में गिरती हैं। इन पर्वतों से अनेक हिमनद उतरकर समुद्र की सतह तक आ जाते हैं।



आर्कटिक वृत के अतिरिक्त अलास्का में ब्रूक्स (Brooks) की श्रेणियाँ हैं जो कि संरचना की दृष्टि से रॉकी तथा मैकेन्जी पर्वतों का विस्तार हैं। इनकी ऊँचाई 2440 मी. है। प्रशांत श्रेणियों में हिम-सैदान है जहाँ हिमनद पाये जाते हैं। इनमें से कुछ समुद्र तल पर हैं। इनमें सबसे बड़ा हिमनद सेंट एलिस पर्वत से संबंधित है, जिसका नाम पिटमोन्ट मालामीना हिमनद है।

**जलवायु (Climate):** अधिक उत्तर में स्थित होने से यहाँ की जलवायु ठंडी है। यहाँ की जलवायु में एकरूपता भी नहीं मिलती। अधिकांश वर्षा हिम के रूप में होती है जो कि उत्तर में प्रशांत तट की ओर कम होती जाती है। औसत हिमपात 200 सेमी. है। आर्कटिक तट पर 43 सेमी. से अधिक हिमपात होता है। अलास्कन पैन हैंडिल (Alaskan Pan Handic) में वातावरण एवं पर्वतीय दोनों प्रकार की वर्षा होती है। यहाँ की अधिकांश वर्षा शीत ऋतु में होती है जबकि आंतरिक भागों में ग्रीष्मकाल में अधिक होती है। अल्यूशियन द्वीप के दक्षिणी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम वृष्टि होती है।

अलास्का के आर्कटिक क्षेत्र में औसत तापक्रम बहुत कम रहता है। जहाँ  $-6^{\circ}$  से. औसत ताप रहता है। आंतरिक भागों में अन्य भागों की अपेक्षा अधिक ठंड पड़ती है। पेनहैंडिल तट फिर भी गर्म रहता है। यहाँ औसत ताप  $22^{\circ}$  से. से  $28^{\circ}$  से. रहता है, इसका कारण समुद्र का प्रभाव है। यहाँ उत्तरी प्रशांत प्रवाह तटों पर बहती है। गर्मियों में पेनहैंडिल तथा आंतरिक दोनों ही भागों में गर्मी रहती है, लेकिन ब्रुक्रेणों का उत्तरी भाग ठंडा रहता है। औसत वार्षिक तापान्तर बहुत अधिक रहता है। प्रशांत सागर तट पर समुद्री प्रभाव से जलवायु सम पाई जाती है।

#### तापक्रम ( $^{\circ}\text{C}$ ) तथा वर्षा (cms.) का वितरण

नगर	जनवरी	जुलाई	वार्षिक वर्षा
उच्च हारबर	$0^{\circ}$	11	150
फेयर बैंक्स	$-23^{\circ}$	17	25
जुन्यु	$2^{\circ}$	14	200

**वनस्पति (Vegetation):** उपज काल छोटा होने के कारण अधिकांश अलास्का में वन कम घने हैं। अलास्का के अधिकांश भाग में विशेषकर अधिक उत्तर में टुंड्रा वनस्पति पाई जाती है। लेकिन यहाँ मध्य एवं तटीय घाटियों तथा पर्वतीय ढालों पर संकुल वन पाए जाते हैं। कोलम्बिया के वनों की ही तरह तटीय वन भी सघन हैं। यहाँ पर हेमलाक, सिरका, स्प्रूस तथा पश्चिमी रेड सिडर के वृक्ष मिलते हैं।

यहाँ की कुछ इमारती लकड़ी का उद्योग, सालमन के लिए पैकिंग बॉक्स बनाने तथा सिरका एवं स्प्रूस दक्षिण की ओर प्रशान्त तटवर्ती क्षेत्र वाशिंगटन और केलिफोर्निया को जहाजों द्वारा भेजा

जाता है। जहाँ पर इनका उपयोग विमान उद्योगों में किया जाता है। कुछ लकड़ी जापान को भी निर्यात की जाती है। आंतरिक विरल जंगल-आंतरिक घाटी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं। कुछ लकड़ी स्थानीय लोगों द्वारा ईंधन के रूप में प्रयुक्त की जाती है।

**जलविद्युत (Hydro Electricity):** अलास्का में संभावित जलशक्ति बहुत अधिक मात्रा में है, विशेषकर पेनहैंडिल में। लेकिन यह क्षेत्र बाजारों से दूर है। यही कारण है कि यहाँ पर बहुत कम मात्रा में जलशक्ति का उत्पादन होता है। अतः यहाँ पर बहुत कम उद्योग जैसे आर-मशीन एवं लुग्दी उद्योगों का ही विकास हुआ है।

**जीव सम्पदा (Animal Resources):** यहाँ पर लोमड़ी मस्कचूहे तथा मिक फर के लिए पकड़े जाते हैं। यहाँ का सबसे प्रसिद्ध पशु भूरा भालू है जो कि कोडिका द्वीप में पाया जाता है। सबसे अधिक फर सोल में पाया जाता है। अब इन पशुओं को सरकारी संरक्षण दिया जा रहा है। फिर भी कुछ शिकार अभी भी किया जा सकता है। अब फर वाले पशुओं के लिए बहुत से चारागाह बनाए गए हैं। फर एकत्रित करना यहाँ का पुराना पेशा है।

**मत्स्य उद्योग (Fishing):** अलास्का की आय का मुख्य स्रोत मत्स्य उद्योग है। यहाँ पर सालमन मछली बहुतायत में पाई जाती है। यहाँ पर ब्रिटिश कोलम्बिया से अधिक सालमन मछलियाँ पकड़ी जाती हैं। कुछ मछलियाँ यूक्रेन तथा अन्य नदियों में पकड़ी जाती हैं। लेकिन अधिकांश को तटीय भागों में जाल डालकर मछलियों के ऊपरी स्रोतों में जाने से पूर्व ही पकड़ लिया जाता है। मछली पकड़ना और उन्हें पैक करना दोनों ही कार्य मौसमी हैं। इसी कारण अन्य काल के लिए श्वेत एवं इंडियन दोनों ही जातियाँ इसी काम में लगी हैं। सर्वप्रथम 1878 में यहाँ पहला पैकिंग केन्द्र खोला गया। अब सभी छोटे पोतों पर इसके केन्द्र पाए जाते हैं। जुन्यु (Juneau), सिल्का, काडोवा, एन्कोरेज (Anchorage) तथा केट चिकन (Ket Chikan) आदि नगरों में अनेक व्यक्ति इस उद्योग में लगे हैं। ग्रिम्स यहाँ की एक अन्य प्रमुख मछली है जो कि अलास्का के प्रशान्त तटीय भागों के छिछले समुद्रों में रहती है। पेनहैंडिल के मछुआरों इनको पकड़ते हैं। किन्तु पूंजी की कमी तथा ताजा मछली के निकट बाजारों की कमी से ये सीमित मात्रा में ही पकड़ी जाती है। ग्रिंस रूपर्ट (ब्रिटिश कोलम्बिया) पुगेट साउण्ड आदि के जहाज भी यहाँ मछली पकड़ने के लिए आते हैं।

अलास्का प्रायःद्वीप, कोडियाक और आसपास के निकटवर्ती टापू तथा अल्यूशियन द्वीपों में अच्छी घास उत्पन्न होती है जिस पर यहाँ कुछ मवेशी तथा भेड़ें पाली जाती हैं। किन्तु गर्मियों में भारी वर्षा

केन्द्रीय घाटी के किनारे गिरिपद वाले भागों में घास, प्राकृतिक वनस्पति के रूप में पायी जाती है। राज्य में प्रमुख रेन्ज इन्ही घास-स्थलों में विकसित किये गये हैं। इन घास-स्थलों में फरवरी से मई तक हरी घासें पर्याप्त चारा प्रदान करती हैं। शुष्क ग्रीष्म ऋतु में झाड़ियों से चारा तो मिल जाता है परन्तु चूँकि उनमें प्रोटीन की कमी होती है। इस उद्योग के विकास का एक कारण यहाँ की बढ़ती हुई आबादी के फलस्वरूप मौस की बढ़ती हुई माँग है।

#### खनिज एवं शक्ति के संसाधन (Minerals & Power Resources)

कैलीफोर्निया सोने के खनन के लिये 1849 से प्रसिद्ध रहा है। सोना मुख्य रूप से ब्लैमाय पर्वत और सियरा नेवादा के उत्तरी गिरिपद में प्राप्त होता है। अन्य खनिज इस प्रकार हैं : पारा (केन्द्रीय तटीय क्षेत्र), सुहागा (मृत घाटी), पोर्टल (मृत घाटी के दक्षिण में सियर्स झील), टंगस्टन (रेड पर्वत और सियरा नेवादा में विशप), लोह-अयस्क (लास ऐंजिल्स के 250 किमी. पूर्व ईगिल पर्वत), क्रोम (रेनो के निकट पिलिकेन), प्लैटिनम (सियरा में प्लेसरविले), गंधक और मैंगनीस।

कैलीफोर्निया के प्रमुख खनिज पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस हैं। 1974 में यहाँ कुल 284.6 करोड़ डालर मूल्य का खनिज उत्पादन हुआ, जिसमें 174.8 करोड़ डालर मूल्य का, अर्थात् 61.4 प्रतिशत पेट्रोलियम ही था। पेट्रोलियम के उत्पादन में कैलीफोर्निया का स्थान सं. रा. अमेरिका के राज्यों में तौसर है। पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस के क्षेत्र लास ऐंजिल्स क्षेत्र, लास ऐंजिल्स के उत्तर में तट के किनारे और दक्षिणी सैन ज्वेकिन घाटी आदि में हैं।

कैलीफोर्निया में जल विद्युत का सर्वप्रमुख स्रोत कोलोरैडो नदी पर निर्मित ह्यूब बाँध है। यह बाँध कैलीफोर्निया राज्य के बाहर पड़ता है लेकिन यहाँ निर्मित 1345 मेगावाट प्रतिष्ठापित क्षमता वाले विद्युत-स्टेशन से लास ऐंजिल्स महानगरीय क्षेत्र में विद्युत की पूर्ति की जाती है। इसके अतिरिक्त सैक्रामेन्टो नदी पर निर्मित शास्ता बाँध (विद्युत-उत्पादन क्षमता 375,000 कि.वा.) तथा केस्विक बाँध और सैक्रामेन्टो की सहायक अमेरिकन नदी की दो सहायक नदियों के संगम पर स्थित फल्सम बाँध (Fulsom) सैन फ्रान्सिस्को खाड़ी क्षेत्र के उद्योगों और केन्द्रीय घाटी की कृषि को विद्युत प्रदान करते हैं।

#### मत्स्य एवं वन उद्योग (Fishing & Forest based Industries) :

मूल्य की दृष्टि से मत्स्य उत्पादन में कैलीफोर्निया का स्थान प्रायः सं.रा. अमेरिका के राज्यों में प्रथम ही रहता है। सैन डिआगो, सैन पेट्रो और सैनफ्रांसिस्को सभी योताश्रयों में बड़ी संख्या में बेड़े रहते हैं जो दक्षिण में पेरू से लेकर उत्तर में अलास्का तक मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। पकड़ी जाने वाली मछलियों में मुख्य तूना, छोटी हेरिंग जाति की मछली माकरेल, रॉकफिश, चिपिटो, सारडीन (Sardine), सामन और समुद्र केकड़ हैं। कैलीफोर्निया में,

विशेषकर सैन-फ्रान्सिस्को खाड़ी क्षेत्र, लास ऐंजिल्स, सैन डिआगो और मान्टेरी में, बहुत से मत्स्य शीत भण्डार केन्द्र हैं।

लकड़ी काटने और चौरने का काम उत्तरी तटीय श्रेणियों और सियरा नेवादा के पश्चिमी ढालों पर काफी विकसित है, क्योंकि यहाँ क्षेत्र अच्छी लकड़ी वाले क्षेत्र हैं। लकड़ी के उत्पादन में कैलीफोर्निया का स्थान ओरेगन के बाद दूसरा है। यहाँ की लकड़ियों से प्रमुखतया फर्नीचर तथा फलों के पैकिंग के डिब्बे बनाये जाते हैं।

**निर्माण उद्योग :** कृषि कार्य विकसित होने पर भी कैलीफोर्निया की 85 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास करते हुए व्यापार एवं उद्योगों से जीविकोपार्जन करती है। यहाँ कृषि, खनिज तथा वनों पर आधारित उद्योगों का विकास हुआ है। यहाँ के उद्योगों को तीन समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है :

**प्रथम वर्ग** में प्राथमिक व्यवसाय से जुड़े उद्योग हैं, जैसे मछली, फल तथा साग सब्जी की पैकिंग, आर मशीन, फर्नीचर उद्योग, मौस पैकिंग, तेल शोधन पर आधारित रसायन उद्योग, कपास से बिनोले निकालना, चुकन्दर से शक्कर बनाना, शराब बनाने का उद्योग।

**द्वितीय वर्ग** के उद्योगों में मुख्य रूप से उष्ण कटिबन्धीय देशों से आयात की हुई वस्तुओं का संसाधन सम्मिलित है। आयात की हुई वस्तुएँ इस प्रकार हैं- कोको, कहवा, नारियल, गन्ने की चीनी, मसाला, रबड़, कठोर लकड़ी इत्यादि जिन्हें सैनफ्रांसिस्को तथा लास ऐंजिल्स में संसाधित किया जाता है।

**तृतीय वर्ग** में बड़े उद्योग हैं जो द्वितीय विश्वयुद्ध काल में विकसित हुए। मोटर वाहन उद्योग ओकलेण्ड और लास ऐंजिल्स में स्थित है। लास ऐंजिल्स में मोटर टायर बनाये जाते हैं। सैनफ्रांसिस्को खाड़ी में सेन पेट्रो और सैन डिआगो में जलयानों का निर्माण होता है। हॉलीवुड में फिल्म उद्योग स्थित है।

**सैनफ्रांसिस्को :** प्रशान्त महासागर के तट पर स्थित यह प्रसिद्ध प्राकृतिक बन्दरगाह है। पनामा नहर के कारण इसका महत्व बढ़ गया है। एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजिलैण्ड और दक्षिण अमेरिका के देशों के साथ व्यापार इसी बन्दरगाह से होता है। यहाँ से शराब, फल, पेट्रोल, मौस, सोना, लकड़ी आदि का निर्यात और चाय, चीनी, रेशम, नारियल आदि का आयात होता है। यहाँ जहाज, लौहा, लकड़ी और ऊनी वस्त्र के कारखाने हैं।

**लास ऐंजिल्स :** सैनफ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में विविध प्रकार के उद्योगों की स्थापना हुई है, जैसे जलयान उद्योग, विद्युत यंत्रों का निर्माण, परिवहन उपकरण (Transport Equipments) इत्यादि।

लास ऐंजिल्स महानगर एक निम्न भूमि तथा गिरिपद क्षेत्र में बसा हुआ है। यह सैनफ्रांसिस्को से बड़ा है। इसकी जनसंख्या 70,32,075 है, जो प्रतिवर्ष 2 लाख की दर से बढ़ती जा रही है। यहाँ 30 प्रतिशत क्रियाशील जनसंख्या उद्योगों में लगी है। यहाँ की भौतिक दशाओं

मिश्रित वन हैं। शुष्क क्षेत्र में झाड़ियाँ हैं। दक्षिणी पूर्वी मरुस्थलीय भाग में मरुद्भिद वनस्पति पाई जाती है।

सियरा नेवादा का अधिक वर्षा वाला पश्चिमी ढाल घने वृक्षों से ढका है। लेकिन कैसाई के साथ यहाँ की वनस्पति में भिन्नता पैदा हो जाती है। कम वर्षा वाले गिरिपद में घासें अल्पकाल के लिए उगती हैं। इससे थोड़ा ऊपर छोटे बेपरल के वृक्ष उगते हैं। इसके थोड़े से ऊपर जहाँ वर्षा अधिक होती है, छोटे बाँज के वृक्ष हैं। यह शुष्क वनों का वृक्ष है। इससे भी ऊपर वर्षा में काफी वृद्धि हो जाने के कारण शुष्क वनों का स्थान आर्द्र वन ले लेते हैं। इन वनों में बृहत् चीड़, शकंरा चीड़, देवदारु, शेत फर, लाल फर, रेडवुड आदि वृक्ष हैं। यहाँ का रेड सीडर विश्व का सबसे मोटा वृक्ष है। व्यापारिक वनों के क्षेत्र के ऊपर तापक्रम इतना कम हो जाता है कि वृक्ष नहीं उग पाते। झाड़ियाँ उगती हैं और शीर्ष भाग हिम से ढका रहता है।

**कृषि (Agriculture):** कैलीफोर्निया संयुक्त राज्य अमेरिका का महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र है। मूलरूप में यह चरवाहों का प्रदेश था। लेकिन 1870-80 में सूखे के कारण गाँवों के स्थान पर भेड़ चालन लोकप्रिय हुआ। 1880-90 के बाद यह प्रमुख गेहूँ उत्पादक राज्य हो गया। इसके बाद परिवहन मार्गों के विस्तार के साथ फलों की खेती का विस्तार हुआ। यहाँ फलों का भी क्षेत्रीय विशिष्टीकरण हो गया है।

यहाँ सिंचाई की सुविधा ने कृषि के विकास में अधिक योगदान किया है, यहाँ के सिंचित क्षेत्रों में तीन प्रमुख क्षेत्र हैं :

(1) मध्य घाटी में प्रवाहित नदियों सैक्रामेण्टो और सेनज्वेकिन के जल को सिंचाई के काम में लाया जाता है। यहाँ सैक्रामेण्टो नदी के अतिरिक्त जल को सेनज्वेकिन के कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए लाया जाता है जिससे 2.63 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई सम्भव हो सकी है। इसी को केन्द्रीय घाटी सिंचाई योजना कहते हैं। इस सिंचाई की सुविधा से यहाँ कपास की खेती बड़े पैमाने पर की जाने लगी है।

(2) दूसरा सिंचित क्षेत्र लास एंजिल्स है। यह जलोढ़ पंखों में सिंचाई का विकास कर कृषि में आश्चर्यजनक उन्नति की है।

(3) इम्पीरियल-कोयला घाटियाँ तीसरा सिंचित क्षेत्र है। यह एक मरुस्थलीय क्षेत्र है जहाँ वार्षिक वर्षा 7 सेमी. होती है। यहाँ कोलोरेडो नदी पर इम्पीरियल व ह्यूवर बाँध बनाकर यहाँ सिंचाई की उत्तम व्यवस्था हो गई है।

**फलों की कृषि :** फलों के उत्पादन के कारण ही कैलीफोर्निया की प्रसिद्धि है। सेनज्वेकिन घाटी में कैलीफोर्निया का 3/4 से अधिक अंगूर, 2/3 आड़ू, 15 प्रतिशत सन्तरा, 50 प्रतिशत आलू बुखारा, 40 प्रतिशत जैतून और 90 प्रतिशत अंजीर पैदा होते हैं।

सेक्रामेण्टो घाटी में अधिक वर्षा तथा कम ताप रहने से यहाँ भी फलों के बगीचे हैं। इस घाटी और सियरा नेवादा के गिरिपद में

कैलीफोर्निया के 10 प्रतिशत फल तथा मेवा का उत्पादन होता है। यहाँ बादाम अधिक पैदा होता है। इसके अतिरिक्त आलू बुखारा और नाशपाती भी अधिक पैदा होती है। यहाँ नाशपाती उत्पादक क्षेत्र का 50 प्रतिशत भाग है।

कैलीफोर्निया का चौथा बड़ा फल-उत्पादक क्षेत्र दक्षिणी कैलीफोर्निया है-तेहाचपी पर्वत के दक्षिण के आठ काउन्टीज। यहाँ की कृषि में फलों का महत्व अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। यहाँ के फलों एवं मेवों के कुछ क्षेत्रफल के 65 प्रतिशत भाग पर नींबूवर्गीय फल उत्पन्न किये जाते हैं। एलीगेटर नाशपाती तथा नींबू का व्यापारिक उत्पादन लगभग इसी क्षेत्र में, विशेष कर के सेन डियामो, अर्रिज तथा लास एंजिल्स काउन्टीज की तटीय घाटी में सकेन्द्रित है।

**शाकभाजी की कृषि :** कैलीफोर्निया की फल उत्पन्न करने वाली घाटियाँ ही शाकभाजियों का भी उत्पादन करती हैं। कैलीफोर्निया में 30 प्रकार से अधिक सब्जियों का व्यापारिक उत्पादन होता है, जिसमें से कुछ के उत्पादन में यह राष्ट्र में अग्रगण्य है। यहाँ बाजार में ताजा बिकने वाली शतावरी सलाद और फूलगोभी का देश का लगभग आधा क्षेत्रफल, गाजर, खरबूजा और अजमोड़ा का एक-तिहाई क्षेत्रफल और मीठी तम्बाकू का तीन-चौथाई क्षेत्रफल है। टमाटर और लौमा बीन का उत्पादन भी काफी क्षेत्र में किया जाता है। टमाटर कैलीफोर्निया की कृषि-आय का एक प्रमुख स्रोत है।

**फसलों की कृषि :** कपास यहाँ की प्रमुख फसल है। यहाँ 2.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर कपास का उत्पादन होता है, यहाँ प्रति हेक्टेयर उत्पादन 1120 किग्रा. है जो किसी भी राज्य के प्रति हेक्टेयर उत्पादन से अधिक है। कैलीफोर्निया टेक्सास के बाद संयुक्त राज्य का दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है। यहाँ कपास का सर्वप्रमुख क्षेत्र सैन ज्वेकिन घाटी है, जहाँ सिंचाई द्वारा कपास का उत्पादन किया जाता है। दूसरा क्षेत्र इम्पीरियल घाटी है। चुकन्दर के उत्पादन में यह देश का अग्रणी राज्य है। खाद्यान्नों में चावल, शीतकालीन गेहूँ और जौ पैदा किये जाते हैं। गेहूँ और जौ की खेती मध्य घाटी में होती है। चावल की कृषि सैक्रामेण्टो घाटी के दक्षिण भाग और सैन ज्वेकिन घाटी के उत्तर तथा मध्यवर्ती भाग में की जाती है।

**पशुपालन :** कैलीफोर्निया में पशुपालन भी काफी विकसित है। 1999 में यहाँ 9,32,000 दूध देने वाली गायें, 56.3 लाख कुल गौधन (जिसमें 9.6 लाख दूध देने वाली गायें थीं), 10.2 लाख भेड़ें और 1.58 लाख सूअर थे। यहाँ के पशुपालन उद्योग को प्रभावित करने वाला एक कारक यहाँ के क्षेत्र-सस्यो की कृषि है। केन्द्रीय घाटी में चुकन्दर का सीरा तथा लुगदी, विनोला और ऐल्फैल्फा खिलाकर गायों एवं भेड़ों को मोटा किया जाता है। कैलीफोर्निया के पड़ोसी शुष्क जलवायु वाले राज्यों एरीजोना, नेवादा, ओरेगन और टेक्सास से गायें और भेड़ें मोटे होने के लिए केन्द्रीय घाटी में भेजे जाते हैं।

है।

(b) लास एंजिल्स श्रेणी : प्रधानतया ज्वालामुखी श्रृंखलाओं से निर्मित यह अनुप्रस्थ श्रेणी उत्तर-दक्षिण दिशा में विस्तृत न होकर पूर्व-पश्चिम दिशा में विस्तृत है। इसका निर्माण भ्रंशोत्पन्न शैल खण्डों से हुआ है। यह श्रेणी समुद्र-तट पर स्थित लास एंजिल्स निम्न भूमि को घेरती है। यह निम्न भूमि मानव-अधिवास का केन्द्र है।

(c) सैन डियागो श्रेणी : यह कैलीफोर्निया प्रायद्वीप की उच्चभूमि का उत्तरी भाग है। यह एक भ्रंशोत्पन्न उच्च भूमि है, जिसका सुकाव पश्चिम की ओर साधारण और पूर्व की ओर तीव्र है। यह ग्रेनाइट का बना हुआ है।

(d) क्लैमाथ पर्वत : यह तटीय श्रेणियों के उत्तर में स्थित और तटीय उच्च भूमि में सबसे अधिक पर्वतीय है। इसके आन्तरिक भाग में कई 2100 मीटर से 2700 मीटर ऊँची चोटियाँ पाई जाती हैं। यहाँ खलित तथा भ्रंशित कायान्तरित चट्टानें पाई जाती हैं जो तटीय श्रेणियों की चट्टानों से अधिक पुरानी और कठोर हैं। यहाँ आग्नेय अन्तर्वेधन काफी हुआ है।

2. मध्यवर्ती घाटी : यह तटीय श्रेणियों एवं सियरा-नेवादा के मध्य स्थित गर्त है जो 640 किमी. लम्बा और 80 किमी. चौड़ा है। वर्तमान धरातल का निर्माण निकटवर्ती पर्वतों से लाये अवसादों के निक्षेप से हुआ है। यह घाटी पश्चिम में तटीय श्रेणी, पूर्व में सियरा नेवादा, उत्तर में क्लैमाथ पर्वत और उत्तर-पूर्व में दक्षिणी कॉस्केड पर्वत से घिरी है। इसका क्षेत्रफल 54,400 वर्ग किमी. है। इस घाटी के उत्तरी भाग में सैक्रो मेन्टो नदी और दक्षिण में सैनज्वेकिन नदी प्रवाहित होती है। यह घाटी जलोढ़ मिट्टी से ढूँक गई है।

3. सियरा नेवादा : यह पर्वत श्रेणी पूर्णतः कैलीफोर्निया राज्य में विस्तृत है। यह एक भ्रंशोत्पन्न पर्वत है। इसका पूर्वी ढाल तीव्र है। यह 640 किमी. लम्बा तथा 80-130 किमी. चौड़ा है। इसकी चोटियाँ गोलाकार हैं जिनमें अधिकतर 3600 मीटर से अधिक ऊँची है। यहाँ गहरी हिमनद निर्मित घाटियों का निर्माण हुआ है।

4. दक्षिणी कॉस्केड : यह पर्वत श्रेणी ज्वालामुखी द्वारा निर्मित है। यहाँ कई ज्वालामुखी विद्यमान हैं जिनमें सर्वप्रमुख शास्ता ज्वालामुखी (Mt. Shasta 3187.3 मीटर) है। इसका धरातल काफी ऊँचा-नीचा है। जहाँ नीचे भाग समुद्र-तल से 1800 से 2500 मीटर ऊँचे हैं, वहाँ ऊँचे भाग 3000 से 4200 मीटर ऊँचे हैं।

5. द्रोणी तथा श्रेणी प्रदेश : कैलीफोर्निया का पूर्वी भाग द्रोणी एवं श्रेणी प्रदेश में आता है। इस प्रदेश के तीन उप-प्रदेशों के भाग कैलीफोर्निया में पड़ते हैं। ये हैं - वूह्ट द्रोणी, सोनोरा का मरुस्थल और साल्टन-द्रोणी। इनमें साल्टन द्रोणी सबसे दक्षिण में कैलीफोर्निया के खाड़ी के शीर्ष तक विस्तृत है।

जलवायु (Climate): कैलीफोर्निया की जलवायु सामान्य तौर से भूमध्यसागरीय जलवायु मानी जाती है। लेकिन इसके विभिन्न भागों

में बहुत अधिक विभिन्नता मिलती है। तटवर्ती भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर वर्षा घटती जाती है और तापक्रम बढ़ता जाता है। लेकिन ठंडी कैलीफोर्निया समुद्री धारा के कारण तट पर विशेषकर ग्रीष्म ऋतु में प्रायः कुहरा पड़ता है। कुहरे के कारण सैनक्रॉसिस्को का तापमान केवल 15 से. ही रहता है और इस प्रकार वार्षिक तापान्तर 90° से. से कम रहता है।

केन्द्रीय घाटी में तापक्रम तथा वर्षा में और अधिक विभिन्नता पायी जाती है। यहाँ की जलवायु काफी हद तक महाद्वीपीय है। उत्तर से दक्षिण वर्षा की मात्रा तेजी से घटती जाती है और दक्षिणी छोर पर तो मरुस्थलीय दशाएँ पाई जाती हैं। इसी प्रकार घाटी का पूर्वी भाग, जो सियरा नेवादा के निकट है, पश्चिमी भाग की तुलना में अधिक आर्द्र है। तटीय भाग और घाटी दोनों में ही ग्रीष्म ऋतु लगभग वर्षा-विहीन हो रहती है। अधिकांश वर्षा शीत ऋतु में होती है। जुलाई और अगस्त शुष्क महीने हैं। सितम्बर में थोड़ी सी वर्षा होती है जो जनवरी तक क्रमशः बढ़ती जाती है। जनवरी सबसे आर्द्र महीना है। इसके बाद फिर वर्षा क्रमशः घटती जाती है। सैनक्रॉसिस्को के कुल 51 सेमी. वर्षा में से मई से सितम्बर तक केवल 2-5 सेमी. वर्षा होती है। घाटी में ग्रीष्मकालीन तापक्रम ऊँचा हो जाता है और शीतकाल में पाला पड़ता है जिससे वर्धन-काल सीमित होता है। परन्तु सियरा नेवादा पर्वत वाष्प युक्त समुद्री हवाओं के मार्ग में एक ऊँची बाधा पैदा करता है। सियरा नेवादा का शीर्ष उत्तर में 1200-1500 मीटर से लेकर दक्षिण में 2700 मीटर ऊँचा और चोटियाँ तो 4,000-4,200 मीटर ऊँची हैं। इस ऊँची बाधा के कारण सियरा नेवादा के पश्चिमी ढाल पर धोर वर्षा होती है। इसके गिरिपद में स्थित फाल्सम में वार्षिक वर्षा 60-65 सेमी. होती है जो ऊँचाई के साथ-साथ बढ़ती जाती है और शीर्ष के पास लगभग 1800 मीटर की ऊँचाई पर स्थित सिस्को में बढ़कर 130 सेमी. हो जाती है। लेकिन वर्षा की अधिकांश मात्रा ऋतु में होती है, इसलिए उसका रूप हिमपात का हो जाता है। यही हिम का मोटा आवरण ग्रीष्म ऋतु के शुष्क महीनों में केन्द्रीय घाटी को जल प्रदान करता है। पर्वत शीर्ष के पूर्व में वृष्टिछाया का क्षेत्र है, जहाँ नीचे की ओर तेजी से वर्षा कम होती जाती है और नीचे चलकर मरुस्थलीय दशाएँ पाई जाती हैं।

प्राकृतिक वनस्पति (Natural Vegetation): यहाँ की स्वलाकृति और जलवायु दशाओं में विविधता के कारण कैलीफोर्निया की प्राकृतिक वनस्पति में विविधता पायी जाती है। यहाँ कहीं वन, तो कुछ भागों में घास या झाड़ियाँ पायी जाती हैं। तटीय उच्च भूमि के उत्तरी भाग में रेडवुड, डगलस फर और यलोपाइन के वन पाये जाते हैं। इनमें से रेडवुड सबसे लम्बा वृक्ष होता है। तटीय उच्च भूमि के दक्षिणी भाग में छोटे चेपरल वृक्षों के वन हैं। मध्य घाटी के पश्चिमी भाग में भी ये वन पाये जाते हैं।

मध्य घाटी में घास, पर्णपाती और सदाबहार छोटे वृक्षों के



के लिए डेयरी उद्योग को विकसित किया गया है। इस भूमि के अधिकांश कृषिगत भूमि पर दूध देने वाले पशुओं को खिलाने के लिए चारे की फसलें जैसे जई, जौ और घासों पैदा की जाती है। शेष कृषिगत भूमि पर फल तथा शाक भाजियाँ उत्पन्न की जाती है। निम्न भूमि में मुर्गी पालन भी किया जाता है। यहाँ स्ट्राबेरी, ब्लैक बेरी, रास बेरीज का अधिक उत्पादन किया जाता है। शुष्क दूध तथा डिब्बा बंद मटर रेल द्वारा पूर्वी राज्यों को भेजे जाते हैं।

**2. पशुपालन :** कास्केड के पूर्व साया के पठार पर, जहाँ भूमि इतनी ऊबड़-खाबड़ और वर्षा इतनी कम होती है कि गेहूँ का उत्पादन नहीं हो सकता। फसलों के उत्पादन का स्थान पशुपालन ले लेता है। पशुओं के चरागाह सिंचित घाटियों और वनाच्छादित पर्वतीय भागों के बीच वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं। ऊँचे पर्वतीय भाग घने वनों से आच्छादित हैं, इसलिए पशुचारण अधिक ऊँचाई तक नहीं हो पाता और मध्यम ऊँचाई वाले भागों तक ही सीमित है। यहाँ गाय तथा भेड़ें पाली जाती हैं। सिंचित घाटियों में गायें तथा पर्वतीय ढालों पर भेड़ें पालने का कार्य किया जाता है। इनसे मांस व ऊँन प्राप्त होती है।

**3. फलों एवं साग सब्जी की कृषि :** फल एवं साग सब्जी के क्षेत्र में गीण व्यवसाय के रूप में दुग्ध उत्पादन किया जाता है। नगरों के निकट दुग्ध उत्पादन की प्रधानता है और नगरों से दूर जाने पर फलों एवं शाक भाजियों का उत्पादन महत्वपूर्ण होता जाता है।

फलों एवं साग सब्जी की कृषि मुख्य रूप से मध्यवर्ती कोलम्बिया बेसिन में कोलम्बिया तथा उसकी सहायक नदियों की घाटी में की जाती है। नदियों तथा झीलों के किनारे सुरक्षित (यद्यपि शुष्क) वेदिकाओं पर सिंचाई द्वारा फलों के बाग लगाये गये हैं। फलों के बड़े बागान कोलम्बिया की सहायक वेनाची याकिमा (Yakima) तथा ओकानागन नदियों की घाटियों में लगाये गये हैं, जहाँ कई प्रकार के फल उत्पादन किये जाते हैं। लेकिन सेब तथा नाशपाती सर्वप्रमुख हैं। इन घाटियों में 60 प्रतिशत कृषि भूमि पर फलों का उत्पादन होता है। ये घाटियाँ कास्केड के पूर्व में पड़ती हैं। कास्केड के पश्चिम में पगेट जल-संधि तथा कोलिज घाटी की निम्न भूमि में पर्णपाती झाड़ियों वाले फल, जैसे लोगन बेरी, ब्यायसेन बेरी, ब्लैक बेरी, स्ट्राबेरी, रसभरी, यंगबेरी इत्यादि पैदा किये जाते हैं। इसी पश्चिमी भाग में विलामेटी की घाटी में आलुबुखारा, आड़ू (दक्षिण में) सेब, नाशपाती, विलायती मकोय, फिल्वर्ट और अखरोट के बगीचे पाए जाते हैं।

फलों की तरह इस प्रदेश की विभिन्न घाटियों में कई प्रकार की साग-सब्जी जैसे आलू, प्याज, बीन और मटर भी उत्पन्न की जाती हैं। स्नेक नदी की घाटी आलू के लिए प्रसिद्ध है।

**4. गेहूँ की कृषि :** मध्यवर्ती कोलम्बिया बेसिन का पूर्वी भाग

एक घास-स्वल्प है, जिसे पैलूस (Palouse) के नाम से जाना जाता है। यह पश्चिम की गेहूँ की पेंटी है। यह पूर्वी वाशिंगटन तथा पश्चिमी इडाहो के क्षेत्र में विस्तृत है। पैलूस की उछरी-पूर्वी और दक्षिणी सीमाएँ लगभग 900 मीटर की समोच्च रेखा द्वारा निर्धारित होती है क्योंकि इसके बाद से पर्वत प्रारम्भ हो जाते हैं। पैलूस के पश्चिम में कोई स्थलाकृतिक सीमा तो नहीं है लेकिन पश्चिमी सीमा पर वर्षा इतनी कम होती है (15 से 20 सेमी.) कि गेहूँ की कृषि संभव नहीं है। पैलूस की लोएस मिट्टियाँ कम वर्षा और घास की वनस्पति के कारण उपजाऊ, बारीक तथा भुरभुरी हैं और इसलिए गेहूँ उत्पादन के लिए आदर्श है। यहाँ वर्षा कम होती है इसलिए गेहूँ की कृषि मुख्य रूप से सूखी खेती की विधियों से की जाती है। पैलूस की पूर्वी सीमा पर, जहाँ वर्षा कुछ अधिक होती है, गेहूँ की परती भूमि पर विशिष्ट फसल के रूप में मटर पैदा की जाती है।

**निर्माण उद्योग (Manufacturing Industry):** इस प्रदेश में खनिजों का अभाव होते हुए भी पोर्ट लैंड तथा पगेट जल-संधि के नगरों में बहुत तेजी से निर्माण उद्योगों का विकास हुआ है। यहाँ उद्योगों का विकास दो कारणों से संभव हो सका है—(1) पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में औद्योगिक वस्तुओं की बढ़ती हुई माँग तथा (2) शक्ति के साधनों की उपलब्धता। यहाँ जल विद्युत का उत्पादन अधिक होता है। यहाँ अनेक नदियों पर विद्युत उत्पादन स्टेशन हैं। स्नेक, विलामिंगटन, स्मोकन और कोलम्बिया नदियों पर विद्युत का उत्पादन होता है। यहाँ कैलीफोर्निया से पेट्रोल मंगाया जाता है।

यहाँ के प्रमुख उद्योग ये हैं : एल्यूमिनियम, लकड़ी के सामान, जलयान, वायुयान, ऊनी सिले-सिलाये वस्त्र और खाद्य-उद्योग (Food Industries), जैसे मछलियों, फलों और शाक भाजियों की डिब्बाबंदी, सान्द्रित दूध (Condensed Milk) बनाना और आटा मिल।

उत्तर-पश्चिमी प्रशान्त-तटीय प्रदेश में एल्यूमिनियम उद्योग की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध काल में की गई। यहाँ इस उद्योग के लिए कोलम्बिया घाटी योजना से काफी मात्रा में जल विद्युत उपलब्ध हो जाती है। एलुमिना मैक्सिको के खाड़ी-तटीय क्षेत्र में लाया जाता है। यहाँ एल्यूमिनियम के कारखाने वैंकूवर (वाशिंगटन) लांगव्यू, ट्रास्टडेल, टेकोमा और स्मोकेन में हैं। इस प्रदेश में निर्मित अधिकांश एल्यूमिनियम का उपभोग सिएटल और लांस ऐंजिल्स ने वायुयान के कारखानों द्वारा किया जाता है। जल विद्युत का काफी उपयोग लकड़ी के सामानों को बनाने में भी होता है।

पोटलैंड एवं सिएटल में ऊन उद्योग का केन्द्र है, जहाँ खेले के कपड़े बनाये जाते हैं। खाद्य संशोधन उद्योग अनेक स्थानों पर स्थित है।

पगेट जल-संधि और कोलम्बिया के निचले भागों में जलयान

मध्यवर्ती भाग ब्ल्यू पर्वत तथा दक्षिणी भाग हार्ने बेसिन कहलाता है।

**नदियाँ (Rivers):** इस प्रदेश की सर्वप्रमुख नदियाँ कोलम्बिया और उसकी सहायक स्नेक हैं। कोलम्बिया नदी अपने शीप भाग में कनाडा में रॉकी पर्वत की खाई से बहती हुई सेलिकक पर्वत को पार करती है और फिर दक्षिण दिशा में बहती हुई कनाडा की सीमा (49° अक्षांश) को पार करती है। इस भाग में इसके दाहिने किनारे पर याकिमा (Yakima) नदी और बायें किनारे पर स्नेक नदी मिलती है। ओरेगन की सीमा पर पहुँचने के बाद यह पश्चिम की ओर बहती है और सम्भवतः एक पूर्ववर्ती नदी के रूप में कॉस्केड पर्वत को एक बड़े महाखड्ड से पार करती है। आगे चलकर पोर्टलेण्ड नगर के बाद इसमें विलामेटी और लांगव्यू में कोलिन नदियाँ आकर मिलती हैं। इसके बाद तटीय श्रेणियों वाले भाग में कोलम्बिया की एस्वउरी है।

स्नेक नदी येलोस्टोन नेशनल पार्क से निकलती है। ओरेगन और इडाहो राज्यों की सीमा पर यह एक गहरे महाखड्ड से होकर बहती है, जहाँ 65 किलोमीटर की दूरी तक इस महाखड्ड की गहराई 2100 मीटर से भी अधिक है। यह गहरा भाग 'तरक का महाखड्ड' कहलाता है, जो कोलॉरेडो नदी के ग्रैन्ड केन्यान से भी गहरा है।

**जलवायु (Climate):** इस प्रदेश की जलवायु की दृष्टि से दो भागों में बाँटा जा सकता है - (1) कॉस्केड के पश्चिम का क्षेत्र जहाँ, उत्तर-पश्चिमी यूरोपीय जलवायु और (2) अन्तर्पर्वतीय पठार जहाँ शुष्क महाद्वीपीय जलवायु है।

पश्चिम भाग में तटीय श्रेणियों और कॉस्केड के पश्चिमी ढालों पर भारी वर्षा होती है। इन ढालों पर वर्ष में 200 सेमी. से भी अधिक वर्षा होती है। सर्वाधिक वर्षा ओलम्पिक पर्वत की ओलम्पस चोटी पर 355 सेमी. होती है। इन दोनों श्रेणियों के बीच में स्थित विलामेटी-पगेट जल-संधि की निम्न भूमि तटीय श्रेणियों की वृष्टि छाया में पड़ जाती है इसलिए यहाँ वर्षा 100 सेमी. से कम होती है। इस सम्पूर्ण पश्चिमी भाग में शीत ऋतु में सर्वाधिक वर्षा होती है। शीत ऋतु में हिमपात भी होता है। निम्न भूमि में ग्रीष्म ऋतु का काफी समय शुष्क ही बीतता है।

कॉस्केड के पूर्व में वर्षा तेजी से कम होने लगती है और उत्तर में कोलम्बिया बेसिन योजना वाले क्षेत्र तथा दक्षिण में हार्ने-बेसिन में 25 सेमी. से भी कम वर्षा होती है। परन्तु वांशिगटन राज्य में कोलम्बिया के पठार के पूर्वी भाग में, विटररूट पर्वत की ओर ऊँचाई बढ़ने से वर्षा 50 सेमी. से अधिक होती है। फलस्वरूप यहाँ गेहूँ की कृषि की जाती है। इसे पैलूस क्षेत्र कहते हैं। पश्चिमी भागों में वार्षिक तापान्तर कम पाया जाता है। यहाँ ग्रीष्म ऋतु शीतल और शीत ऋतु कम ठंडी होती है।

**वन (Forest):** इस प्रदेश में वन महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं। कॉस्केड पर्वत के पश्चिमी ढालों पर डगलस फर के वन पाये जाते हैं। डगलस फर के वृक्ष 60 मीटर ऊँचे और 2 से 3 मीटर व्यास वाले होते हैं। यहाँ वृक्ष तेजी के साथ बढ़ते हैं। ये वन उद्यम इमारती लकड़ी प्रदान करते हैं। यहाँ रेडवुड के वृक्ष भी साथ में उगते हैं। शीत ऋतु में इस भाग में कम हिमपात होने से वर्ष भर वनों में लकड़ी काटने का कार्य चलता है। बाजार से दूरी तथा ऊँचा-नीचा धरातल लकड़ी काटने के संघे में प्रमुख बाधाएँ हैं।

कॉस्केड पर्वत के पूर्व में जहाँ वर्षा कम होती है, चीड़ के वन हैं। यहाँ वृहत् चीड़ के लगभग शुद्ध वन हैं। वन खुले हुए पार्क की भाँति हैं। यहाँ भी ऊँचे ढालों पर रक्त तालोश पत्र और अन्य शंकु धारी वृक्ष पाये जाते हैं। वांशिगटन और ओरेगन के वनों का व्यापारिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ के अधिकांश वन व्यापारिक महत्व के हैं। यहाँ आरा मिलों की संख्या बहुत अधिक है। बड़े आरा मिल समुद्र-तट पर और जल विद्युत की सुविधा वाले स्थानों पर स्थापित किये गये हैं। अधिकतर लकड़ी पनामा नहर के मार्ग से देश के पूर्वी भाग में और कुछ विदेशों को भेज दी जाती है।

ये दोनों राज्य मिलकर देश का लगभग 33 प्रतिशत इमारती लकड़ी का उत्पादन करते हैं। यहाँ वनों की अंधाधुंध कटाई नहीं की गई है। इस कारण वनों का कम विनाश हुआ है।

**मत्स्य उद्योग (Fishing Industry):** यहाँ के मूल निवासी प्राचीन काल से तटीय भाग और नदियों में मछली पकड़ने का कार्य करते थे। लेकिन गारे लोगों के यहाँ बसने के बाद यह व्यवसाय अधिक उन्नतिशील और वैज्ञानिक हो गया है।

इस प्रदेश की नदियों और समुद्र में काफी बड़े पैमाने पर मत्स्य-ग्रहण किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वाधिक सालाना मछली कोलम्बिया नदी में पाई जाती है लेकिन औद्योगिक प्रदूषण और कई बाँधों के बन जाने से सालाना मछलियाँ बहुत कम हो गई हैं। ये मछलियाँ पगेट जल-संधि में पकड़ी जाती हैं। कुछ तो ताजी बेची जाती हैं लेकिन अधिकांश डिब्बे में बंद करके देश के अन्य भागों तथा विदेशों को भेज दी जाती है। गहरे समुद्र में पकड़ी जाने वाली मछलियों में प्रमुख हेलिवट, दुना, हेरिंग और योंघा उल्लेखनीय हैं। सर्वाधिक मात्रा हेलिवट की रहती है। हेलिवट मछली से लीवर ऑयल निकाला जाता है।

**कृषि (Agriculture):** वांशिगटन और ओरेगन राज्यों में अनुकूल स्थानों पर लोगों के द्वारा कृषि कार्य भी किया जाता है। यहाँ चार प्रकार की कृषि का विकास हुआ है :

(1) दुग्ध उत्पादन, (2) पशुचारण, (3) फलों और साग सब्जी की कृषि, (4) गेहूँ की कृषि

1. डेयरी उद्योग (Dairy Industry) : विलामेटी घाटी पगेट जल-संधि की निम्न भूमि में प्रदेश के नगरों की दूध की आवश्यकता

से निकाला जाता है। यद्यपि यूटा राज्य में सर्वाधिक तांबा भण्डार है परन्तु सर्वाधिक तांबा राष्ट्र का 50% एरिजोना राज्य से निकाला जाता है जहाँ बिस्बी (Bisbee) दक्षिणी उच्चभूमि प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन केन्द्र है। प्रमुख खनिज केन्द्र बिस्बी, अजो, ग्लोबे, क्रासा ग्रेन्डे, मोरेन्सी है जहाँ पर सोना, चाँदी, मालवेडिनम और तांबा गलाने की भट्टियाँ पाई जाती हैं। राज्य में सीसा एवं जस्ता की खानें कम हैं। मैंगनीज यहाँ काफी मात्रा में निकाला जाता है। अन्य क्षेत्र मोण्टाना राज्य में जुटे हैं। पाक सिटी में चाँदी, सोना, जस्ता, तांबा निकाला जाता है। ग्रेट साल्ट लेक के दक्षिण में टिण्टिक (Tintic) की खानों से चाँदी और सोना प्राप्त होता है।

नेवादा एवं ऊटा मुख्यतः खनिज आधारित अधिवास हैं। वरजीनिया नगर सोना तथा चाँदी प्राप्त करने के लिए स्थापित किया गया था। नेवादा के इली खान से सोना, चाँदी, तांबा निकाला जाता है। कार्लिन में सोने की खान है। ओरेज की सीमा पर मरकरी (पारा) का विदोहन होता है। यहाँ पर कुछ मात्रा में लोहा, सीसा और जस्ता भी निकाले जाते हैं। सम्पूर्ण प्रदेश में उर्जा स्रोतों का अभाव है। यहाँ पर इसलिए कोई भी इस्पात उद्योग नहीं है। मुख्यतः ताँबे को गलाने का उद्योग इली में तथा मैंगनीशियम गलाने का उद्योग हेन्डरसन में है।

ऊटा राज्य में कोयले को खदानें बावास श्रेणी में है। साल्ट लेक सिटी में तेल कृष एवं तेल शोधक कारखानें हैं। ताँबा, सीसा, जस्ता सोना, चाँदी सभी धातुएँ यहाँ उच्च कोटि की हैं तथा खुली खुदाई विधि द्वारा निकाली जाती है। मालवेडिनम, कोबाल्ट और टंगस्टन भी निकाला जाता है। पश्चिमी बिन्गम (Bingham) में सीसा शोधक कारखाना है। दक्षिणी ऊटा तथा पश्चिमी कोलोरेडो में यूरेनियम, वैनाडियम आदि निकाला जाता है। ऊटा के प्रमुख आधारीक खनिज पोटाश, नमक, फास्फेट है जिन पर आधारित साल्ट लेक नगर, गार्सफिल्ड, जेनेवा आदि में उर्वरक के कारखानें हैं तथा रसायन उद्योग पाए जाते हैं। सोडियम क्लोराइड को सीधे दक्षिणी पशुपालक किसानों को बेच दिया जात है।

यहाँ पर अधिवासों और परिवहन मार्गों का विकास इन्हीं खनिजों की प्राप्ति के आधार पर हुआ है। अब इन्हीं खनिजों पर आधारित कुछ उद्योग भी विकसित हुए हैं। इनका आधार स्थानीय बाजार परिवहन मार्ग तथा समुद्रों से दूरी के आधार पर हुआ है।

**निर्माण उद्योग (Manufacturing Industries) :** निर्माण उद्योग में यह प्रदेश पिछड़ा हुआ है। खनिजों के साफ करने के उद्योग स्थापित किये गये हैं। प्रोवो (Provo) के निकट जिनेवा में लोहा-स्टील बनाने की मिल है। साल्ट लेक सिटी में आटा पीसने और माँस डिब्बों में बंद करने के उद्योग स्थापित किये गये हैं। यहाँ से निर्मित वस्तुएँ चाशिंगटन, ओरेज एवं केलिफोर्निया में बेची जाती हैं। यहाँ का सबसे प्रचलित उद्योग खाद्य सामग्री संरक्षण, डिब्बों में पैकिंग

करना तथा सुखाना है। यह सामग्री सिंचित प्रदेश से आती है। ग्रीको में लौह-अयस्क शोधन शाला है। नेवादा राज्य में मेकमिल, एरीजोना राज्य में डगलस, मोरेन्सी, मियामी, कार्क डेल स्थानों पर धातु शोधक भट्टियाँ पाई जाती हैं।

**पर्यटन व्यवस्था :** सर्वत्र पहाड़ी एवं घाटियों के संगम ने इस क्षेत्र को पर्यटकों का आकर्षण केन्द्र बना दिया गया है। यहाँ पर रेल, सड़क तथा वायुमार्ग के विकास ने इसको और भी सुगमता प्रदान की है। यहाँ पर धूम्रकम, बर्गकम, नगी एवं स्वच्छ आकाश ने इस व्यवसाय के विकास में काफी सहायता की है। एरीजोना में ग्रेड केनियन में नीका चालन, पेटीफील्ड फारेस्ट, मेट्रो ज्वालामुखी केन्द्र तथा उद्यान इसके प्रमुख आकर्षण केन्द्र हैं। प्राचीन आदिवासियों एवं स्पेनिश मिशन के प्राचीन चिन्ह, मानव निर्मित बोल्टर बांध आदि अन्य प्रमुख आकर्षण बिन्दु हैं। उत्तरी भाग में ग्रीक काल तथा दक्षिणी भाग में प्रारंभिक जाड़े में पर्यटकों की अधिकता होती है।

**परिवहन संचार :** ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र में सर्वप्रथम मैक्सिको की ओर से स्पेनवासी आये थे। उन्होंने व्यापारिक बंदरगाह के रूप में एरीजोना एवं न्यू मैक्सिको की स्थापना की। यहाँ की प्रमुख रेल लाइनें इस प्रकार हैं :

1. **सान्ता फी :** जो कि कंसास नगर के निकट से आरंभ होकर गिला बेसिन होती हुई सानडियागो तक तथा उत्तर से सान्ता फी लासएंजिल्स तक जाती है।

2. **ओरेज ट्रेल :** यह भी कंसास नगर से होती हुई यंकी पर्वतों को पार कर दक्षिणी दर्रे से (व्योमिंग) फोर्ट वैकूबर, पोर्ट लैंड, स्नेक एवं कोलंबिया जाती है।

3. **केलिफोर्निया ट्रेल :** यह मुख्यतः 40 खदानों से होकर गुजरती है। सेक्रोमेण्टो सैनफ्रांसिस्को से होती हुई ग्रेट बेसिन, हम्बोल्ट नदी घाटी को जाती है।

**जनसंख्या :** यहाँ की जलवायु एवं भौतिक दशाएँ जनसंख्या के घनत्व को नियंत्रित करती हैं। किन्तु बहुमूल्य धातुओं की खानों एवं उपजाऊ घाटियों में जहाँ सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध है, जनसंख्या अधिक पाई जाती है। नेवादा राज्य की कुल जनसंख्या 50 लाख से अधिक है, फिर भी जनसंख्या दो व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है जबकि एरीजोना में 6 व्यक्ति/किमी<sup>2</sup> तथा ऊटा में 5 व्यक्ति/किमी<sup>2</sup> घनत्व है।

**रेड इंडियन जनसंख्या :** यहाँ के मूल निवासी रेड इंडियन थे। ये अब भी आंतरिक भागों में कहीं-कहीं मिलते हैं। इनमें होपी और नोवाजो प्रमुख हैं। ये जातियाँ अब मैक्सिको के रेगिस्तान में नियास करती हैं। ये लोग समूहों में रहते हैं। इनके मकान स्कीपर कहलाते हैं। लेकिन आज भी ये पिछड़े हुए इलाकों में रहते हैं जहाँ कृषि अथवा पशुचारण कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं।

पर्यटन से भी इनको लाभ मिलता है। इनके द्वारा बनाई गई

कृषि के उत्पादन का क्रिया है। निम्नलिखित तथ्यांक पाये जाते हैं। इनमें ऋतुक्षरण की क्रिया से प्राप्त अवसाद मिलते हैं। यह उपभाग अनेक अन्तःप्रवाह प्रदेश में विभाजित है। अनेक नदियाँ पर्वतों से उतर कर 'प्लायस' (Playas) में समाप्त हो जाती हैं। इस भाग में हम्बोल्ट सबसे बड़ी नदी है। नेवादा राज्य में पश्चिम की ओर 800 किमी. बहने के पश्चात् खारे पानी की इसी नाम की झील में गिरती है।

उपविभागीय क्षेत्र में आंतरिक प्रवाह वाले बेसिन, उपसहायक स्रोत, छिछले प्लायस, झीलें, नमकीन झीलें पाई जाती हैं। इनमें ग्रेट साल्ट झील, कारसोन पिरामिड, हम्बोल्ट आदि प्रमुख हैं।

(3) दक्षिणी कोलोरेडो पठार : उत्तरी कोलोरेडो पठार 1,525 से 3,500 मी. ऊँचा है और युईण्टास (Uintas), वाश रॉकी (Wastch) और एरीजोना उच्चभूमि प्रदेश से घिरा हुआ है।

जिनमें मुख्य रूप से कोणधारी वृक्ष पाये जाते हैं। यहाँ 'येलो पाइन', डगलस फर, सफेद फर, शुगर पाइन आदि वृक्ष पाये जाते हैं। धरातलीय भागों में मुख्य प्राकृतिक वनस्पति है। लगभग 1200-1800 मीटर की ऊँचाई पर पर्याप्त वर्षा से जुनीफर के वृक्ष उगते हैं। इन जंगलों में पाइन और ओक के वृक्ष भी मिलते हैं। निम्न भूमि पर गुच्छे वाली घास, स्लेजव्रश, झाड़ियाँ उगती हैं। विलोज के वृक्ष जलस्रोतों के निकट उगते हैं।

अर्थव्यवस्था : इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः उखनन पर आधारित है। कृषि यहाँ गौण है।

कृषि (Agriculture) : कृषि यहाँ पर कम महत्वपूर्ण व्यवसाय है। केवल 3 प्रतिशत भाग पर खेती होती है, जहाँ सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वहाँ कृषि की जाती है। अधिकांश कृषि योग्य भूमि उत्तर में है जहाँ स्नेक और कोलंबिया नदियों पर अनेक बाँध बनाकर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवायी गयी है। भूमि को परती

जाती हैं।

यहाँ विशेष राष्ट्रीय उद्यानों का विकास किया गया है जिनमें (1) ग्लेशियर राष्ट्रीय पार्क (Glacier National Park), (2) येलो स्टोन राष्ट्रीय पार्क (Yellow Stone National Park), (3) रॉकी पर्वत राष्ट्रीय पार्क (Rocky Mountain National Park) मुख्य हैं। प्रत्येक वर्ष अनेक सैलानी इन राष्ट्रीय उद्यानों को देखने जाते हैं।

**कृषि :** जहाँ कहीं भी जलवायु, उष्णकटिबंधीय एवं मिट्टी कृषि के लिए उचित है बहुत सीमित क्षेत्र में कृषि की जाती है। घाटियों के निचले भागों में जहाँ कहीं भी सिंचाई की सुविधा है, शुष्क विधि से कृषि की जाती है। यहाँ पर मुख्यतः चुकंदर, सब्जी (आलू विशेष) और कुछ अनाज उत्पन्न किये जाते हैं। फल भी लगाये जाते हैं। विषम जलवायु, समतल भूमि की कमी के कारण कृषि के लिए संभावनाएं कम हैं।

**पशुपालन :** रॉकी पर्वतीय प्रदेश में मवेशी एवं भेड़पालन अधिक प्रचलित व्यवसाय है। मोंटाना में कृषि की अपेक्षा पशुपालन अधिक किया जाता है। भेड़ों की अपेक्षा मवेशी अधिक पाले जाते हैं क्योंकि यहाँ का भूदृश्य बहुत ही ठबड़-खाबड़ है तथा चरागाह उत्तम प्रकार के नहीं हैं। यहाँ पर पशुचारण ऋतु प्रवास के अनुसार

उत्खनन नगर के रूप में उभरा था। यह पत्थर का केंद्र स्थल है।

रॉकी पर्वत प्रदेश में विभिन्न प्रकार के अधात्विक खनिज, सोना, चांदी, तांबा, सीसा, जस्ता आदि मिलते हैं। ये खनिज लोह धातुएं, मालवेडिनम, बेनाडियम, टंगस्टन, क्रोमियम तथा मैंगनीशियम आदि मिलता है। ऊर्जा उत्पन्न करने वाले खनिजों में पेट्रोलियम, कोफला, तेल शेल, यूरेनियम आदि नदी घाटियों में छिटपुट मिलते हैं। इडाहो, पश्चिमी व्योमिंग, पश्चिमी मोंटाना में फॉस्फेट काफी मात्रा में मिलता है जो कि उर्वरक उद्योग में प्रयुक्त होता है। संयुक्त अयस्क को गलाने वाली भट्टियों एवं शोधक कारखानों में इन्हें अलग किया जाता है। ये शोधक कारखाने जहाँ भी शक्ति का स्रोत है, वहाँ स्थापित हैं। अधिकांश शोधशालाएं न्यूजर्सी में हैं जो कि खानों से बहुत दूर स्थापित हैं।

लिडविले सोना तथा चांदी का उत्खनन केंद्र है। यह एक बड़ा नगर है। अब यहाँ जिंक का उत्पादन भी होता है। निकट ही सोना, चांदी और सीसा तथा तांबे की खानें भी हैं। इसके साथ ही लोहा एवं मैंगनीज भी पाया जाता है। उत्तर में 3350 मीटर गहरी ग्रेड क्लाइमैक्स खान है जो कि संसार में मालवेडिनम की प्रमुख स्रोत है। इनको इस्पात में मिलाकर विशेष प्रकार के यंत्र बनाये जाते हैं। मालवेडिनम के साथ गौण पदार्थ के रूप में टंगस्टन मिलता है, जिस पर मोटर

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

काजल प्रत्यादि का उत्पादन किया जाता है, (2) तेल-शोधक कारखाने और (3) सस्ते ईंधन, विशेषकर प्राकृतिक गैस पर आधारित धातु-शोधक कारखाने जैसे अर्माको का जस्ता-शोधक कारखाना, जहाँ जस्ता रॉकी क्षेत्र से लाया जाता है।

विधिता में वायुयान निर्माण उद्योग, प्यूब्लो में इस्पात उद्योग केन्द्रित है।

**परिवहन तथा नगर :** यहाँ परिवहन मार्ग पूर्व-पश्चिम दिशा में विस्तृत हैं। परिवहन-मार्गों का उत्तर-दक्षिण दिशा में विस्तार केवल दो क्षेत्रों में पाया जाता है : (1) वृहत् मैदान के पश्चिमी किनारे पर राकी के गिरि-पट में, जहाँ जनसंख्या का घनत्व काफी अधिक है और (2) गेहूँ की पेटियों में, जहाँ रेलमार्गों तथा सड़कों का जाल पाया जाता है। वृहत् मैदान में जनसंख्या बिरली बसी है। अधिक घनत्व या तो गेहूँ की पेटियों के पूर्वी भाग में पाया जाता है या रॉकी के गिरि-पट के निकट मैदान के पश्चिमी छोर पर। वृहत् मैदान के पश्चिमी किनारे वाले नगर, जैसे रॉसवेल (Roswell), प्यूब्लो, कोलोरेडो स्प्रिंग्स, डेन्वर, शियने (Cheyenne), बिलिंग्स और ग्रेट फाल्स वृहत् मैदान और रॉकी पर्वत दोनों ही प्रदेशों को सेवा करते हैं।

## 10. रॉकी पर्वतीय प्रदेश (Rocky Mountain Region)

यह रॉकी पर्वतीय प्रदेश बड़े मैदान और अर्न्तपर्वतीय पठारी प्रदेश के मध्य एक उत्तर-दक्षिण विस्तृत प्रदेश है। इसके अन्तर्गत मोन्टाना, व्योमिंग, उटा, कोलोरेडो, इडाहो तथा न्यू मैक्सिको के राज्य आते हैं।

**उच्चावच :** राकी पर्वत नये मोड़दार पर्वतों की शृंखला में आते हैं। इनका निर्माण भी टर्शियरी युग में हुआ था। इन पर हिम सरिताओं, सामान्य अपरदन, ज्वालामुखी आदि क्रियाओं का प्रभाव पड़ा है। स.रा. अमेरिका में इस पर्वतमाला की चौड़ाई 320 किमी. है। इस भाग में अनेक चोटियाँ 4370 मीटर ऊँची हैं। धरातल की दृष्टि से रॉकी पर्वतीय भाग को तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं : (1) उत्तरी रॉकी, (2) मध्य रॉकी अथवा व्योमिंग बेसिन, और (3) दक्षिणी रॉकी पर्वत।

(1) **उत्तरी रॉकी :** इस पर्वतीय भाग का विस्तार मोण्टाना और इडाहो राज्यों में है। इस भाग में पर्वत उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की दिशा में है। उत्तर की ओर पर्वत शृंखला लेविंस पर्वतमाला है अन्य पर्वत दक्षिण की ओर फैले हुए हैं। मोण्टाना राज्य में हिमानी का प्रभाव स्पष्ट दिखायी देता है। इस भाग में लटकती घाटियाँ तथा U-आकार की घाटियाँ पायी जाती हैं जो भारी हिम प्रभाव को प्रगट करती हैं।



### रॉकी पर्वतीय प्रदेश

(2) **मध्य रॉकी :** मध्य रॉकी व्योमिंग राज्य में है। यहाँ मुख्यतः दो धरातलीय बेसिन हैं : पहला, बिग हॉर्न बेसिन (Big Horn Basin) जो पूर्व में बिग हॉर्न पर्वत, दक्षिण-पश्चिम में विण्ड रिबर रेंज (Wind River Range); उत्तर-पश्चिम में एब्सरोका रेंज (Absaroka Range) से घिरा हुआ है। दूसरा, बेसिन व्योमिंग (Wyoming) बेसिन है। दक्षिण में युईण्टास (Uintas) और पश्चिम में उटा राज्य के वाश पर्वत (Wash mountains) से घिरा हुआ है। इन दोनों बेसिन के पूर्व में लैरामी पठार (Laramie Plateau) है जो पूर्व के पश्चिमी मैदान का ही भाग है।

(3) **दक्षिणी रॉकी :** उत्तर-दक्षिण दिशा में दो समान्तर पर्वत शृंखलाएँ हैं जिनके बीच में ऊँची घाटी बेसिन हैं पूर्व की ओर 'कोलोरेडो फ्रण्टरेंज' (Colorado Front Range) है जिसका दक्षिणी विस्तार सॅग्रे-डी. क्रिस्टो पर्वत कहलाता है। पश्चिमी शृंखला पार्क रेंज (Park Range) कहलाती है जिसके दक्षिण में सान-जुआन पर्वत हैं। इसके मध्य के बेसिन को पार्क बेसिन कहते हैं। कोलोरेडो राज्य में लगभग 30 पर्वत चोटियाँ 4,270 मीटर से अधिक ऊँची हैं। इनमें माउण्ट एलबर्ट (Mt. Elbert), लॉंग पीक (Long's Peak) और पाइक पीक (Pike's Peak) मुख्य हैं। न्यू मैक्सिको राज्य में इन पर्वतों की ऊँचाई कम हो गयी है।

**जलवायु :** यहाँ की जलवायु पर्वतीय जलवायु है, अधिक

संयुक्त राज्य अमेरिका के वृहत् मैदान का विस्तार केन्द्रीय कनाडा से लेकर रायो ग्रान्डे नदी तक है। यह रॉकी पर्वत के पूर्व में स्थित है। यह अर्द्धशुष्क क्षेत्र है जहाँ वनस्पति के रूप में घास मिलती है। रेड इंडियन सभ्यता होने के बाद आज यह बड़े पैमाने पर खाद्यान्नों का उत्पादन, पशुपालन और पेट्रोलियम का उत्पादन करता है। इनकी चौड़ाई रॉकी पर्वत तथा केन्द्रीय निम्न भूमि के बीच औसतन 650 किमी. है। उत्तर में कनाडा, पश्चिम में रॉकी पर्वत तथा पूर्वी सीमा पर मिसौरी तथा बाल कौंस कगार है।

**उच्चावच (Relief) :** यह शैथिल चट्टानों से निर्मित पठार है। यह पूर्वी सीमा पर 450 मीटर ऊँचा है लेकिन पश्चिम की ओर ऊँचाई क्रमशः बढ़ती जाती है। रॉकी पर्वत के निकट इसकी ऊँचाई 1500 से 1800 मीटर हो जाती है। पूर्व की ओर ढाल धीमा है। इस प्रदेश में रॉकी पर्वत के अपरिचित पदार्थों का निक्षेप पाया जाता है। वृहत् मैदान का उत्तरी भाग मिसौरी के पठार के नाम से जाना जाता है।

## 9. वृहत् मैदान/पश्चिमी मैदानी प्रदेश Great Plains / Western Plain Region

सं. रा. अमेरिका में वृहत् मैदान का उत्तरी भाग मिसौरी के पठार के नाम से जाना जाता है। पठार का तल सपाट तथा ढालू है। दक्षिणी सीमा पर पाइन रिज का कगार है। इस कगार के दक्षिण में तीन स्वलाकृतिक पेटियाँ उत्तर से दक्षिण विस्तृत हैं। मध्यवर्ती पेटि अन्य दोनों पेटियों से ऊँची है। इसे उच्च मैदान कहा जाता है। उच्च मैदान को टेक्सास राज्य में उत्तर में लानो एस्टे कैडो तथा दक्षिण में एडवर्ड पठार के नामों से जाना जाता है। उच्च मैदान के पूर्व में एक निम्न मैदान पेटि है। इन दोनों पेटियों के बीच एक कम ऊँचाई का कगार है, जिसे 'ब्रेक आफ प्लेन्स' कहते हैं। निम्न मैदान की पेटि में विच्छेदन खूब हुआ है जिसके फलस्वरूप इसका ऊपरी जलोढ़ आवरण लगभग कट चुका है। तीसरी अर्थात् पश्चिमी पेटि उच्च मैदान और रॉकी पर्वत के बीच स्थित आंतरिक निम्न भूमि की एक लंबी तथा संकरी पेटि है। इसका उत्तरी भाग गोशेन होल, मध्यवर्ती भाग कोलॉरैडो का गिरिपद तथा दक्षिणी भाग पीकास घाटी कहलाता है। कोलॉरैडो के गिरिपद और पीकास घाटी के बीच ऊँचा रेटन सेक्शन है, जहाँ लावा से डके मेसा, ब्लूट और अन्य ज्वालामुखीय आकृतियाँ पायी जाती हैं।

**जलवायु (Climate) :** यहाँ की जलवायु महाद्वीपीय स्टेपी प्रकार की है। महाद्वीपीय आंतरिक प्रदेश होने के कारण वृहत् मैदान में वार्षिक तापान्तर बहुत अधिक रहता है। मैदान के उत्तरी किनारे पर शीत ऋतु में  $-45^{\circ}$  से  $-51^{\circ}$  से. तक तापमान अंकित किया गया है तथा दूसरी ओर ग्रीष्म ऋतु में अधिकतम तापक्रम पूरे मैदान में

$38^{\circ}$  से. से अधिक तक पहुँच जाता है। शीत ऋतु में तापमान अक्षांशों के बढ़ने के साथ-साथ कम होता जाता है। मैदान के दक्षिणी छोर पर जगदी में औसत तापमान  $10^{\circ}$  से. रहता है, जबकि कनाडा की सीमा पर घटकर  $-18^{\circ}$  से.  $-15^{\circ}$  से. तक पहुँच जाता है। दूसरी ओर ग्रीष्म ऋतु के तापमान में क्षेत्रीय अंतर अक्षांशों और ऊँचाई के अनुसार पाया जाता है। मैदान का ऊँचा पश्चिमी किनारे पूर्वी किनारे की तुलना में ठंडा रहता है। लेकिन शीत ऋतु में पश्चिम से आने वाली शुष्क तथा गर्म धिनूक हवाओं के कारण मैदान का पश्चिमी भाग पूर्वी भाग की तुलना में गर्म हो जाता है। वर्षाकाल उत्तर में 120 दिनों से लेकर दक्षिण में 300 दिनों का होता है।

वर्षा की मात्रा दक्षिण-पूर्व में लगभग 75 से.मी. से कम होते-होते उत्तर पश्चिम में 35 से.मी. से भी कम रह गयी है। प्रदेश के अधिकांश क्षेत्र में 50 से.मी. से कम वार्षिक वर्षा होती है। शीत ऋतु में वर्षा और हिमपात दोनों ही हल्की होती है। वर्ष की 70 से 80 प्रतिशत वर्षा मई और सितम्बर के बीच अर्थात् ग्रीष्म ऋतु में होती है, जब गौधों के विकास का समय होता है। वर्षा की मात्रा एक वर्ष से दूसरे वर्ष घटती-बढ़ती रहती है। यहाँ की वर्षा में अनिश्चितता के कारण कभी-कभी कई वर्षों तक लगातार सूखा पड़ता है।

### मिट्टियाँ और वनस्पति (Soils & Vegetation)

इस मैदान में पूर्व से पश्चिम की ओर वर्षा की कमी होने का प्रभाव मिट्टी और वनस्पति पर भी पाया जाता है। यहाँ पूर्वी भाग में काले रंग की चरभोजम तथा पश्चिम में भूरे रंग की चैस्टनट मिट्टियाँ पायी जाती हैं। यहाँ की मिट्टियों की निचली पर्तों में कुछ गहराई पर लवणों का जमाव पाया जाता है। लवणों की पर्त की गहराई यहाँ की वनस्पति को प्रभावित करती है।

यहाँ काली मिट्टी के क्षेत्र में लंबी घास और अर्द्धशुष्क भूरे रंग की मिट्टी वाले क्षेत्रों में छोटी घास वनस्पति के रूप में पायी जाती है। काली मिट्टी में नमक की पर्त 75 से 100 से.मी. की गहराई पर होने पर लंबी जड़ों वाली घास पैदा होती है। पश्चिम की ओर लवण की पर्त 20 से 30 से.मी. की गहराई पर होने से छोटी जड़ों वाली घास ही पायी जाती है। काली मिट्टी अल्पधिक उपजाऊ है। लंबी घास के क्षेत्र में अब कृषि का विस्तार हो रहा है।

### कृषि (Agriculture)

कृषि के आधार पर इस प्रदेश को निम्नलिखित पाँच उप-प्रदेशों में बाँटा जा सकता है :

1. **बसंतकालीन गेहूँ की पेटि :** इसका विस्तार दक्षिणी डकोटा, उ.प. मिनीसोटा, उत्तरी डकोटा और उत्तरी-पूर्वी मोंटाना राज्यों में है। कठोर शीत ऋतु के कारण यहाँ गेहूँ को बसंत ऋतु में बोना पड़ता है।

बसंत ऋतु के शीतल होने तथा ग्रीष्म ऋतु में अधिक वर्षा होने

से भिन्न है (120-140 दिन की तुलना में 150-200 दिन)। इस क्षेत्र में बोवाई देर से करने का कारण जाड़े की बर्फ पिघलने तथा कठोर पाला के समाप्त होने का इन्तजार रहता है जो कि अक्सर मई के आरंभ में होता है। यहां पर बाष्पीकरण की दर कम होने से डकोटा, उत्तरी पूर्वी मोंटाना तथा पश्चिमी मिसौरी में वर्षा की मात्रा कम होने पर भी गेहूँ की कृषि की जाती है। बसंत कालीन गेहूँ शीतकालीन गेहूँ की अपेक्षा अधिक पश्चिम तक उगाया जाता है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण गर्मी की वर्षा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल उत्पादन का एक चौथाई भाग बसंतकालीन गेहूँ क्षेत्र से आता है। उत्तरी डकोटा में सबसे अधिक शरद कालीन गेहूँ उत्पन्न किया जाता है। अधिकांश गेहूँ से मिनिषोपोलिस, ह्युलुथ, शिकागो आदि नगरों में आटा बना लिया जाता है। इसके साथ ही काफी बड़ी मात्रा में गेहूँ का निर्यात महान झीलों से होकर अटलांटिक बंदरगाहों द्वारा किया जाता है। यह गेहूँ कड़ा, प्रोटीन में धनी और डबल रोटी बनाने में उत्तम होता है। पूर्व के नम भागों में भी गेहूँ अधिक उत्पन्न किया जाता है। फिर भी विस्तृत कृषि के कारण यहां प्रति हेक्टेयर उपज का औसत कभी भी 400 किग्रा. से अधिक नहीं होता।

गौण उपज के रूप में यहां पर फ्लेक्स, जौ, चारा और ओट उत्पन्न किया जाता है। रेड नदी की घाटी वाले नम भाग में मिश्रित कृषि की जाती है तथा यह घनी आबादी वाला भाग है।

डकोटा की शीत कालीन गेहूँ पेट्टी के कृषकों के लिए सूखा एक भयंकर समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए कृषकों ने समोच्च रखन कृषि विधि अपनाई है। साथ ही साथ सुरक्षा पट्टी का निर्माण किनारे-किनारे वृक्ष लगाकर किया जाता है। कृषकों ने सूखा सहन करने वाली फसलों को लगाया है जैसे उत्तर में जौ तथा दक्षिण में सोरघम।

कहावत है कि 'गर्मी की रातों में यहां के किसान मक्का की फसल बढ़ने की आवाज सुनते हैं'। इसका अर्थ है कि इस मेखला में मक्का तेजी से बढ़ता है तथा एक दिन में 5 सेमी. की ऊंचाई तक बढ़ जाता है। ज्ञातव्य रहे कि प्रत्येक तीन में से दो किसान तथा प्रत्येक चार में से एक हेक्टेयर पर मक्के की खेती की जाती है।

(d) चारा तथा दुग्ध प्रदेश : शीतकालीन गेहूँ मेखला के पूर्वी क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम धूप, बढ़ती हुई वर्षा की मात्रा पाई जाती है। यहां पर हल्की विक्षालित मिट्टियां हैं जो कि हिमानी द्वारा अपक्षरण से बनी हैं। ये मिनीसोटा और उत्तरी विस्कांसिन तक मिलती हैं। इस प्रदेश में अनाज उत्पन्न करने की अपेक्षा दुग्ध व्यवसाय, चरागाह तथा ओट की खेती कृषि के साथ अधिक लाभप्रद है। 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक कृषि फार्मों में पशुओं

को खिलाने के लिए चारा उत्पन्न किया जाता है। सम्पूर्ण प्रदेश में क्रीम और चीज के कारखाने पाये जाते हैं। अधिकांश कृषक यूरोपियन मूल के हैं जो अपने स्वदेशी ढंग से दुग्ध व्यवसाय करते हैं।

विस्कांसिन, मिनेसोटा एवं मिशीगन संयुक्त राज्य के कुल उत्पादन का 1/5 भाग उत्पन्न करते हैं। विस्कांसिन के 80 प्रतिशत फार्म दुग्ध व्यवसाय में लगे हैं। अधिकांश पशु होलस्टाइन नस्ल तथा डेनिस ब्रीड के हैं। जरसी नस्ल के पशुओं से अधिक मक्खन निकलता है इसलिए इनका पालन दूध एवं पनीर प्राप्त करने की अपेक्षा मक्खन प्राप्त करने के लिए किया जाता है। विस्कांसिन प्रमुख दुग्ध पशुपालन राज्य है। यहां पर संयुक्त राज्य का लगभग 50 प्रतिशत मक्खन, दूध, पनीर बनाया जाता है। शिकागो में यहां के उत्पादों की बड़ी मांग है। मिनेसोटा में विस्कांसिन की तरह मक्खन का उत्पादन प्रमुख है। दूध, अण्डा, मांस बेचना यहां के लोगों का प्रमुख वाणिज्य-व्यापार एवं आय का साधन है।

(e) इमारती लकड़ी एवं दुग्ध व्यवसाय : मिनीसोटा के सुदूर उत्तरी पूर्वी एवं उत्तरी मध्य क्षेत्र, उत्तरी विस्कांसिन और उत्तरी मिशीगन के क्षेत्र इस कृषि प्रदेश के अंतर्गत आते हैं। यद्यपि यहां का मुख्य आय स्रोत लोह-अयस्क है। यहां पर शस्यावधि बहुत छोटी है। इस क्षेत्र में शीतकाल में भारी हिमपात होता है तथा हल्की पॉडजोल मिट्टियां पाई जाती हैं। यह प्रदेश सफेद पाइन से ढका हुआ है। कहीं-कहीं पतझड़ किरम के वृक्ष भी मिलते हैं।

जहां कहीं मिट्टी की गहराई अधिक है, चारागाह पाये जाते हैं। जहां पर वन साफ कर दिये गये हैं वहां पर चारा तथा अन्य जड़ों वाली फसलें उत्पन्न की जाती हैं। पशु चारागाह बनाये गये हैं तथा पशुपालन किया जाता है लेकिन दक्षिण की अपेक्षा कम विकसित है। कुछ अधिवासों को यहां से दुग्ध आपूर्ति की जाती है लेकिन अधिकांश का मक्खन एवं पनीर बना लिया जाता है क्योंकि निकट में ताजे दूध के बड़े बाजार नहीं हैं। यहां के कृषक अपनी आय बढ़ाने के लिए वनों में कार्य करते हैं। मछली पालन एवं झील के पर्यटकों के लिए कैटरिंग भी करते हैं।

(f) फल उत्पादक पेट्टी : मध्य पश्चिम में फलों के बगीचे पाये जाते हैं। फल मुख्यतः व्यक्तिगत उपभोग के लिए कृषक के घरों के चारों ओर लगाये जाते हैं। लेकिन यहां पर कई जिलों में व्यापारिक फलों का भी उत्पादन किया जाता है जिनका विवरण निम्नानुसार है :

(1) इरी झील का दक्षिण तटीय भाग तथा निर्माण उद्योग के नगरों के मध्य इनका विकास हुआ है।

(2) मिशीगन झील के पूर्वी तटीय भाग में, दक्षिण में विशेषकर अंगूर, पीच एवं लघु फलों का उत्पादन किया जाता है। उत्तर में सेब, पीपर्स एवं चेरी के बगीचों की वरीयता मिली है।



संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

नाइट्रोजन की मात्रा में वृद्धि होती है। इसका उत्पादन दक्षिणी मिनेसोटा, आयोवा, उत्तरी पूर्वी मिसौरी, इलिनॉयस, इन्डियाना तथा पश्चिमी ओहियो के आधे भाग के साथ ही, इसका उत्पादन मध्य अटलांटिक मैदान, कंसास के सीमावर्ती प्रदेश, मिसौरी, मिसोसिपी घाटी, सेंटलुईस तथा विक्सबर्ग में भी होता है। यहां से सोयाबीन तेल का निर्यात होगा है।

**ओट** मक्का मेखला का तीसरा उत्पादन है। इसकी विशेषता यह है कि यह कम तापक्रम पर भी पकने में समर्थ है। अब इसका अधिकांश स्थान सोयाबीन की कृषि ने ले लिया है।

मक्का मेखला में अब चरागाह बहुत अधिक नहीं है। परन्तु अलाफाल्फा एवं क्लोवर घास यहां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनका महत्व चारे के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने (नाइट्रोजन) में है।

मक्का मेखला के अधिकांश कृषक आलू तथा अन्य सब्जियां भी उगाते हैं जैसे मटर, टमाटर एवं फलीदार सब्जियां। छोटे बगीचों में सेब, बेरी समूह के फल तथा कर्हो-कर्ही बेर, पीच, पीयर्स, चेरी भी उत्पन्न किये जाते हैं। फर के उत्पादन के लिए भी पशु पाले जाते हैं।

ज्ञातव्य है कि मक्का उत्पादन संयुक्त राज्य अमेरिका के गेहूँ, धान एवं अन्य अनाजों के कुल उत्पादन से अधिक होता है। मक्के को दो दिन गर्म पानी में रखने से जो जल बनता है उसे 'स्टीपवाटर' (Steepwater) कहते हैं। यह औषधियां, विटामिन तथा खनिज बनाने के काम आता है। शीत पेर्यों में शकर की जगह मोठे मक्के का प्रयोग होता है।

**मक्का मेखला में पशुपालन** : यहां का अधिकांश मक्का पशुओं के लिए (सूअर, भेड़ एवं अन्य पशु) प्रयुक्त किया जाता है। इन पशुओं द्वारा उत्पादित पदार्थ ही कृषकों की आय का स्रोत होते हैं। मक्के के उपयोग से पशुओं को मोटा कर अधिक गोशत की प्राप्ति की जाती है तथा शुष्क पश्चिमी मैदान में पशुओं के चारे के रूप में प्रयुक्त किया जाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के आधे से अधिक सूअर अपना जीवन मक्का मेखला में व्यतीत करते हैं। यही कारण है कि इसे 'हाग मेखला' के नाम से भी पुकारा जाता है। इन पशुओं को मक्का के पके खेतों में खुसा दिया जाता है, जिसको 'होगिंग डाउन कर्न' (Hogging down corn) कहते हैं। इस क्रिया द्वारा मक्के का प्रत्येक भाग पशुओं द्वारा खा लिया जाता है।

मक्का-पेटी में अधिकांश गोमांस वाले पशु पाले जाते हैं। पूर्व तथा पश्चिमी भागों में जहां ग्रीष्म ऋतु अपेक्षाकृत ठंडी है वहां बड़ी-बड़ी नगरीय बस्तियों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए दूग्ध पशुओं का पालन किया जाता है। मक्का मेखला में कुछ कृषक गायें तथा मुर्गी पालन भी करते हैं, तथा स्थानीय रूप से अण्डा, मुर्गी का मांस

तथा दूध का व्यवसाय करते हैं।

मक्का मेखला में सूअर की तरह भेड़े भी काफी संख्या में पाई जाती है। कुछ किसान छोटे समूहों को 'लैम्ब' के रूप में पालते हैं जिन्हें पतझड़ के मौसम में बेचकर ठन प्राप्त किया जाता है। पश्चिम के शुष्क प्रदेशों जैसे राकी पर्वतों के चारागाहों में भेड़ के बच्चों को खरीदकर बड़ा और मोटा करने के लिए मक्का तथा ओट खिलाते हैं। इनका प्रयोग गोमांस एवं सूअर मांस से कम होता है।

(b) **शीतकालीन गेहूँ उत्पादक मेखला** : शीतकालीन पेटी उत्तर में स्थित है। मक्का मेखला के दक्षिण-पश्चिमी भाग में शीत कालीन गेहूँ उत्पादक मेखला कंसास के चारों किनारे पर पाई जाती है। मक्का, गेहूँ एवं पशुपालन एक साथ किया जाता है। किन्तु पश्चिम में जहां पर औसत वर्षा 50 सेमी. से कम हैं जोतें बड़ी हैं। यहां पर चरागाह भी अधिक पाये जाते हैं। यहां पर शीतकालीन चारे के रूप में मक्का की अपेक्षा सोरघम की कृषि की जाती है।

उल्लेखनीय है कि कंसास के लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्रफल में शीतकालीन गेहूँ उत्पन्न किया जाता है। यह गेहूँ कटोर होता है। उत्तर पूर्व के नम भागों में सोयाबीन एवं मक्का तथा सोरघम एवं दक्षिण पूर्व में अलाफाल्फा फिल्ट पहाड़ी में उत्पन्न किया जाता है। सिंचाई द्वारा कृषि घाटी क्षेत्र जैसे अरकंसास नदी घाटी में चुकन्दर, आलू, बीन्स और फलों के बागान लगाये जाते हैं। गेहूँ एवं मक्का अलाफाल्फा की अपेक्षा अधिक पाई जाती हैं। परन्तु ये फसलें शीतकालीन गेहूँ के क्षेत्र की अपेक्षा कृत्रिम सिंचित क्षेत्रों में अधिक पाई जाती हैं। इसी प्रकार की कृषि नेब्रास्का में होती है। यहां लंबी घासों बालुकायुक्त पर्वतों पर पाई जाती है। ये भेड़ चारण के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

कंसास में उत्पन्न गेहूँ का कुछ भाग खाड़ी क्षेत्र द्वारा निर्यात भी किया जाता है। इस मेखला में पशु बेचने से भी किसान की आय गेहूँ के बराबर ही होती है। कंसास और नेब्रास्का में पश्चिम क्षेत्र की ही तरह पशु पालन होता है जो मक्का मेखला के आयोवा क्षेत्र की तरह किया जाता है। कंसास शहर गोशत पैक करने का एक बड़ा केन्द्र है।

यहां प्रति फार्म औसत क्षेत्रफल निम्नवत है:

**गेहूँ का प्रति फार्म औसत क्षेत्रफल**

(हेक्टेयर में)

राज्य	क्षेत्रफल	राज्य	क्षेत्रफल
1. दक्षिणी डकोटा	270	6. ओक्लाहामा	171
2. उत्तरी डकोटा	252	7. मिनेसोटा	73
3. कंसास	219	8. आयोवा	67.5
4. नेब्रास्का	177	9. मिसौरी	61
5. टेक्सास	175		

(c) **बसंत कालीन गेहूँ मेखला** : यह क्षेत्र मक्का मेखला के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यहां पर बौने का समय शीत कालीन गे

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

विकास मोटर नगर के रूप में हुआ है। इसका सम्बन्ध मोटर कारपोरेशन से है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का तीसरा मोटर कार उत्पादक नगर है। यह नगर फोर्ड कम्पनी तथा सामान्य मोटर कम्पनियों का मुख्यालय है।

इस नगर में मोटर, यांत्रिक, शीशा उद्योग, पेन्ट, रबड़ तथा असीद धातुओं के कारखाने पाये जाते हैं। यहाँ पर गोश्त की पैकिंग, आटा चक्की और रसायन उद्योग भी काफी विकसित अवस्था में पाये जाते हैं।

**अंकरोन:** इरी झील के दक्षिण में ओहियो राज्य के अन्तर्गत स्थित है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा रबड़ उद्योग का केन्द्र है। यहाँ पर प्राकृतिक एवं कृत्रिम दोनों ही प्रकार के रबड़ के सामान बनते हैं।

**क्लीवलैण्ड, टोलेडो एवं इरी झील के लघु नगर:**

**क्लीवलैण्ड:** यह नगर एक छोटी नदी कुपाहोगा के मुहाने पर स्थित है। इसका बन्दरगाह अर्द्ध कृत्रिम है। इसका विकास चूना पत्थर आयात करने तथा ऊपरी झील एवं लेब्रोडोर से लोह अयस्क के आयात के लिए किया गया था। इस नगर में लोह-इस्पात उद्योग के अलावा मोटरों को एकत्रित किया जाता है। यह तेल शोधक कारखानें (ओहियो द्वारा तेल आपूर्ति) तथा रसायन, पेन्ट्स, कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक, कपड़ा धोने का साबुन आदि उद्योगों का केन्द्र है।

**इरी और टोलेडो:** ये दोनों नगरी क्लीवलैण्ड के इस्पात उद्योग से काफी प्रभावित हैं। इरी नगर पेन्सिलवैनिया का प्रमुख झील बन्दरगाह है। यहाँ पर जहाज निर्माण एवं सागरी यांत्रिकी के कारखाने हैं। टोलेडो नगर इरी झील के दाहिने किनारे पर मायुब नदी पर स्थित है। यह कोयले का एक बड़ा बन्दरगाह है।

यहाँ पर महत्वपूर्ण शोधक कारखाने हैं। प्राकृतिक गैस का कारखाना, काँच बनाने का कारखाना तथा परिवहन सम्बन्धी यंत्रों का निर्माण भी यहाँ होता है।

**डुलुथ:** डुलुथ महान झीलों के व्यापारिक मार्ग के तीर्थ पर स्थित है। यहाँ से प्रेयरी क्षेत्र के उत्पादों का व्यापार किया जाता है। ऊपरी झील की लकड़ी एवं लोहा के फलस्वरूप यहाँ पर लकड़ी एवं लोहा उद्योगों का विकास हुआ है। यहाँ से गेहूँ और लोह-अयस्क का व्यापार संभव होता है।

**मुख्य नदी पर स्थित नगर:** उत्तर के आंतरिक औद्योगिक क्षेत्र में बहुत से नगरों का विकास आंतरिक नदियों पर हुआ है तथा बहुत से नगर झील तट पर विकसित हुए हैं। इनमें मिनियापोलिस, सेन्टपाल, सेन्टलुइस नगर, मिसीसिपी नदी पर कंसास, ओहामा, मिसौरी पर पिट्सबर्ग, सिनासिनाटी, लुइसविले, इन्डियाना ओहियो नदी पर स्थित है। बहुत से नगर छोटी-छोटी कम महत्वपूर्ण नदियों

पर भी विकसित हुए हैं जैसे इन्डियानापोलिस, डायटन कोलम्बस, छेज माइन्स आदि।

**8-(B) : उत्तरी आंतरिक कृषि प्रदेश (Northern Interior Agricultural Region)**

उत्तरी आंतरिक कृषि प्रदेश के उत्तर में औद्योगिक प्रदेश, दक्षिण में दक्षिणी आंतरिक प्रदेश, पूर्व में अपलेशियन तथा पश्चिमी मैदानी प्रदेश स्थित हैं। इसके अन्तर्गत उत्तरी डकोटा, दक्षिणी डकोटा, नेब्रस्का, कन्सास, मिसौरी आन्डोवा, इन्डियाना, इलिनॉयस, मोन्टाना आदि राज्यों के भाग आते हैं। यह वास्तव में मिसीसिपी नदी का मैदानी भाग है।

**उच्चावच:** यह मैदानी भाग पेलियोजोइक एवं टर्शियरी युगीन शैलों से बना है। ऊपरी झील का क्षेत्र कठोर चट्टानों वाला है तथा पूर्व केम्ब्रियन युगीन है। दक्षिणी पूर्व की ओर सिलूरियन एवं आर्दोविसियन युगीन चट्टानें भी मिलती हैं। धरातल समतल है। कहीं-कहीं सामान्य उभार दिखलाई पड़ते हैं। ऊँचाई 600 मी. से कम है।

**जलवायु:** इस प्रदेश में शीतोष्ण प्रायद्वीपीय जलवायु मिलती है। वार्षिक माध्य तापमान (Mean Annual Temperature)  $11^{\circ}$  सेल्सियस रहता है। जुलाई का तापमान  $20^{\circ}$  से  $24^{\circ}$  सेन्टिग्रेड के बीच रहता है। ठंड में उत्तरी भाग में शून्य से कम तापमान भी पाया जाता है। यहाँ वर्षा लगभग 50 सेमी. से 100 सेमी. तक होती है। सामान्य रूप से शस्यावधि दक्षिण से 200 से उत्तर में 100 दिनों तक होती है।

ओहामा तथा सिनासिनाटी में जनवरी का तापमान क्रमशः  $5^{\circ}$  से. व  $0.6^{\circ}$  से. तथा जुलाई का तापमान क्रमशः  $25^{\circ}$  से. व  $25.6^{\circ}$  से. रहता है और वर्षा की मात्रा जनवरी में क्रमशः 18 सेमी. व 89 सेमी. तथा जुलाई में वर्षा की मात्रा क्रमशः 102 सेमी. व 86 सेमी. होती है।

इस प्रदेश के पश्चिमी भाग में टारनेडो एवं पूर्व में लू का प्रभाव पड़ता है।

**वनस्पति:** प्राकृतिक वनस्पति ऊँची प्रेयरी घास है। नदियों के किनारे वन भी पाये जाते हैं। यहाँ की उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र के अधिकांश भाग कोणधारी वनों तथा फिर मिश्रित वनों से घिरे हैं। इनमें कठोर लकड़ी वाले पर्णपाती वन प्रमुख हैं। दक्षिण-पश्चिमी भाग में वर्षा की कमी के कारण घास के मैदान पाये जाते हैं। लंबी घासों पूर्व के वर्षा वाले भागों में तथा छोटी घासों मध्य-पश्चिम के सीमांत प्रदेशों में मिलती हैं। जल स्रोतों के निकट वृक्ष भी मिलते हैं। इस क्षेत्र में कृषि की वजह से बहुत ही कम भागों में प्राकृतिक वनस्पति मिलती है। मिनेसोटा के कम उपजाऊ भाग, उत्तरी विस्कॉन्सिन तथा उत्तरी मिशिगन में प्राकृतिक वनस्पति पाई जाती है।

से। बिजली के सामान भी पिट्सबर्ग, सिनसिनाटी और मिलवांकी आदि केन्द्रों में बनाये जाते हैं। इस्पात सम्बन्धित उद्योगों के अलावा कुछ अन्य उद्योग मध्य-पश्चिमी प्रदेश में मिलते हैं जो इस प्रकार हैं-

1. **माछ मिलें** शिकागो, मिनिपापोलिस, बफैलो, सेन्टलुईस, कंसास नगर, डुलुथ आदि में पायी जाती हैं इनकी स्थिति का प्रमुख कारण निकटवर्ती क्षेत्रों में मक्का तथा गेहूँ क्षेत्र का होना तथा उपभोक्ता बाजार का निकट पाया जाना है।

2. **गोश्त पैकिंग** : ये उद्योग उन क्षेत्र में विकसित हुये हैं जहाँ के निकटवर्ती क्षेत्रों में पशुचारण, मक्का उत्पादन होता है। इसके प्रमुख केन्द्र शिकागो, कंसास नगर, ओम्हा, सेन्टलुईस, सेन्ट पाल, सिनसिनाटी, इंडियाना पोलिस, डेमोइन्स आदि हैं।

3. **बूट व जूटा उद्योग** : दक्षिण, पूर्वी विस्कांसिन, दक्षिण ओहियो, इलीनियस आदि में इस उद्योग का प्रसार है। सेन्टलुईस इसका केन्द्र है।

4. **सब्जी पैकिंग उद्योग**: मक्का पेटी व पूर्वी भाग (विस्कांसिन), जहाँ की सब्जी उगाने का धन्धा विस्तृत रूप से पाया जाता है, यह उद्योग विकसित हुआ है।

**फर्नीचर उद्योग** : यह उद्योग पूर्वी कठोर लकड़ी के वनों एवं ऊपरी झील के पाइन जंगलों पर निर्भर है। ये उद्योग प्रयात रेखा के विद्युत शक्ति गृह से प्रभावित स्थानों पर स्थित है। शीशा एवं रसायन उद्योग पिट्सबर्ग, कनावाह घाटी, सेन्टलुईस तथा झीलों पर स्थित अन्य नगरों जैसे शिकागो, डेट्रायट और क्लीवलैण्ड आदि में केन्द्रित है।

मध्य पश्चिमी उद्योग प्रदेश में बहुमुखी उद्योगों के विकास का कारण यहाँ की अतुलनीय विद्युत शक्ति है। अब इसका और अधिक विकास आपुविक शक्ति की वजह से हो रहा है। इस प्रदेश में उद्योगों के विकास के अन्य कारण इस प्रकार हैं- विभिन्न प्रकार की भोज्य सामग्री, विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे पदार्थ, कुशल श्रमिक तथा अच्छा संगठन व्यवस्था, निकटवर्ती आन्तरिक बाजार, सुदृढ़ संचार व्यवस्था तथा परिवहन साधन। जिस प्रकार उत्तरी अटलाण्टिक क्षेत्र उन्नतिशील है उसी तरह उत्तरी औद्योगिक प्रदेश भी पूर्ण विकसित है।

**उत्तरी आन्तरिक औद्योगिक प्रदेश के प्रमुख नगर**

शिकागो और मिलवांकी इस प्रदेश के प्रमुख व्यापारिक एवं वाणिज्य के केन्द्र हैं जो कि मिशिगन झील के पश्चिमी तट पर स्थित है। डेट्रायट नगर हॉन एवं इरी झीलों के मध्य स्थित है। क्लीवलैण्ड तथा इसके निकटवर्ती क्षेत्र इरी झील के दक्षिणी किनारे पर स्थित है। डुलुथ सुपीरियर झील के पश्चिमी तट पर स्थित है।

**शिकागो**: संयुक्त राज्य अमेरिका का शिकागो नगर सबसे

अधिक घने बसे नगरों में से एक है। नवीन संसार का यह सबसे बड़ा बहुसामुदायिक नगर है। शिकागो की 20 प्रतिशत जनसंख्या मीग्रो है तथा यहाँ बड़ी संख्या में आइरिश, जर्मन, चेक, पोलिश और इटैलियन रहते हैं। शहर की आबादी बढ़ने के साथ इसका विकास झील के तटीय प्रदेश में 25 किलोमीटर तक हो गया है। सारे क्षेत्र में रेल का जाल बिछा है फिर भी ट्रैफिक जाम आदि समस्याओं से यह महानगर ग्रसित है।

यह नगर मध्य-पश्चिम की राजधानी है। यह संसार का सबसे बड़ा रेलवे केन्द्र है। राष्ट्रीय रेल आर्डर फर्म का यह मुख्यालय है। यहाँ पर दस हजार कारखानें हैं। यह आन्तरिक प्रदेश का सबसे बड़ा फुटकर एवं थोक व्यापार एवं वाणिज्य का केन्द्र है। यह उत्तरी अमेरिका का प्रमुख सांस्कृतिक एवं मनोरंजन केन्द्र के साथ-साथ संसार के प्रमुख कानफ्रेन्स का केन्द्र भी है।

शिकागो नगर की स्थिति क्रिच पर व्यापारियों द्वारा छोटी शिकागो नदी पर चुनी गई थी। यह एक सुरक्षित पोताश्रय भी था। इलीनियस नदी द्वारा मिसीसिपी से जुड़ कर समुद्री बन्दरगाह तक नौकागम्य है। शहर में विश्व का सबसे बड़ा स्टाकवाइड था जो सन् 1970 में बन्द कर दिया गया। यहाँ से थोक में लोह-अयस्क, कोयला, लकड़ी और अनाज का व्यापार किया जाता है। शिकागो नगर की निर्मित वस्तुओं का अधिकांश व्यापार रेल तथा सड़क मार्गों द्वारा किया जाता है। शिकागो राष्ट्र के 40 प्रतिशत रेल मार्गों का टर्मिनस है।

शिकागो के कारखानों में औद्योगिक वस्तुएँ उत्पादन की जाती हैं जो कि सम्पूर्ण न्यू इंग्लैण्ड के कुल उत्पादन का आधा है। इसके अन्तर्गत सभी लोह-इस्पात उद्योग, तेल शोधक (मुख्यतः गैरी एवं इंडियाना के भारी उद्योग) लोकोमोटिव, कृषि तथा बिजली के यन्त्र, पेन्ट, चार्निंस, साबुन फर्नीचर, चमड़ा, कपड़ा, पुस्तकें एवं अखबार आदि हैं।

**मिलवांकी**: यह नगर शिकागो से 145 किमी. उत्तर एक छोटी नदी मिलवांकी पर स्थित है। नदी मुहाने पर स्थित होने के कारण यह एक अच्छा बन्दरगाह है। यह एक 'लघु शिकागो' है। यह भी प्राचीन काल में फर स्टेसन के रूप में विकसित हुआ था। अब यह मुख्य झील बन्दरगाह एवं निर्माण उद्योग का शहर है। झीलों द्वारा इसे काफ़ी मात्रा में लकड़ी, कोयला तथा गेहूँ निर्यात के लिए प्राप्त होता है। मिलवांकी एवं उसके उपनगर का मुख्य आटा चक्की, मद्यकरण (Brewing) गोश्त पैकिंग, चमड़ा उद्योग, कपड़ा, बिजली के उपकरण तथा मोटर गाड़ी उद्योग हैं।

**डेट्रायट** : मिशिगन का सबसे बड़ा नगर है तथा प्रदेश में पाँचवें स्थान पर है। यह नगर डेट्रायट नदी पर स्थित है जहाँ पर महान झीलों के रास्ते पर पुल द्वारा पार किये जाते हैं। इस शहर का

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

वामिलियन पहाड़ियों के लोह-अयस्क को ले जाया जाता है। ऐश लैण्ड बन्दरगाह येनोकी के संघम का तथा मारक्वेटे बन्दरगाह लोहे का तथा एस्केंनलावा मेन्सेमिनी के लोहे का परिवहन करते हैं।

क्लीवलैण्ड, बफैलो, टोलेडो और लतोरिनिया इरी झील पर स्थित हैं। इन सभी की अपनी बड़ी-बड़ी घम्भन भद्रितियां हैं। एस्ताबुला, कनेक्टिकट और फेयरपोर्ट जो कि इरी झील पर स्थित हैं, सभी से पिट्सबर्ग, यंगस्टन तथा अन्य आंतरिक लोह-इस्पात केन्द्रों को रेलों द्वारा लोहा भेजा जाता है।

**लोहा-इस्पात उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र:**—आंतरिक औद्योगिक क्षेत्र में लोहा-इस्पात उद्योग बहुत विकसित है। इसके तीन प्रमुख क्षेत्र :

(अ) पिट्सबर्ग क्षेत्र।

(ब) इरी झील का डेट्रायट क्षेत्र।

(स) शिकागो प्रदेश।

इसके अलावा वर्जीनिया तथा केंटुकी क्षेत्र में, डुलुथ के आस-पास के क्षेत्रों में लोहा इस्पात उद्योग मिलता है। अन्य आवश्यक खनिजों में मैंगनीज, क्रोमियम, टंगस्टन, निकिल आदि का अग्यात किया जाता है। कोयले के गौण उत्पाद गैस तथा अमोनिया से गरम करने तथा कोलतार बनाने के उद्योग भी हैं। लोहे के अन्य सामान इनागोट, प्लेट, कास्टिंग, ट्यूबरेल आदि का निर्माण भी किया जाता है।

(अ) पिट्सबर्ग इस्पात प्रदेश: इस प्रदेश में 1760 से ही इस्पात का निर्माण हो रहा है। किन्तु 19वीं शताब्दी के आरम्भिक वर्षों में कोनेल्सविले तथा पश्चिमी पेन्सिलवेनिया के आस-पास के क्षेत्रों के खनिज तथा ऊपरी झील क्षेत्र के अयस्क के उपयोग से यहाँ इस उद्योग का काफी विकास हुआ। यह क्षेत्र अमेरिका के प्रमुख लोहा-इस्पात उत्पादकों में से एक हो गया है। आज कल यहाँ पर फिल्लाडेलफिया एवं बाल्टीमोर बन्दरगाहों द्वारा आयातित लोहे का उपयोग किया जाता है।

इस क्षेत्र के अन्तर्गत यंग्स्टाउन (ओहियो), चीलिंग (पश्चिमी वर्जीनिया), जांसटाउन (पेन्सिलवेनिया) तथा अन्य बहुत से छोटे-छोटे केन्द्रों में लोहा-इस्पात का उत्पादन होता है। यह क्षेत्र सब मिला कर संयुक्त राज्य अमेरिका का एक तिहाई इस्पात उत्पन्न करता है।

(ब) इरी झील के तटवर्ती प्रदेश : यहाँ भी पूर्णतः यह उद्योग विकसित है। इस्पात केन्द्र झील क्षेत्र से विकसित होता हुआ पश्चिमी पेन्सिलवेनिया तक पहुँच गया है। बहुत सारे नगर इस उद्योग में लिप्त हैं जो इस प्रकार हैं:-

(अ) कालुमेट जिला के साथ ही दक्षिणी शिकागो, गैरी,

हाम्मोन, इंडियाना बन्दरगाह और मिलवांकी।

(ब) इरी झील के तटीय क्षेत्र पर स्थित एवं क्लीवलैण्ड, बफैलो, टोलेडो, लारिन तथा इरी आदि आते हैं।

(स) डेट्रायट

(द) डुलुथ

ये सभी केन्द्र मिनेसोटा, मिशीगन एवं विस्कॉसिन बन्दरगाहों द्वारा कच्चा खनिज प्राप्त करते हैं। इन केन्द्रों के लिए कोयले की आपूर्ति पेन्सिलवेनिया तथा पश्चिमी वर्जीनिया द्वारा होती है।

(स) शिकागो क्षेत्र: यह इस्पात उद्योग क्षेत्र मिशीगन झील पर स्थित है। यह एक बड़ा बन्दरगाह है तथा गैरी इस्तका सहयोगी नगर है। लोहा एवं कोयले की आपूर्ति यहाँ अन्य केन्द्रों की ही तरह जल यातायात से होती है। पेन्सिलवेनिया तथा पश्चिम वर्जीनिया से इसे कोकिंग कोयला प्राप्त होता है।

**इस्पात उद्योग के अन्य परिधीय क्षेत्र :** उपरोक्त वर्णित सभी क्षेत्र संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल उत्पादन का लगभग दो तिहाई भाग की आपूर्ति करते हैं। इसलिए दक्षिण के अन्य इस्पात उत्पन्न करने वाले केन्द्रों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। पश्चिमी वर्जीनिया, केंटुकी के सीमावर्ती केन्द्रों में कुछ महत्वपूर्ण इस्पात बनाने वाले केन्द्र ओहियो नदी पर स्थित हैं जैसे इरोनटन, हटिंगटन (पश्चिमी वर्जीनिया), ऐशलैण्ड (केंटुकी) हैं।

**अन्य निर्माण उद्योग:** उत्तरी औद्योगिक क्षेत्र में सैकड़ों इंजीनियरिंग के कारखाने हैं जिनको पश्चिमी मध्य भाग की सहायता मिलती है। डेट्रायट का मोटर उद्योग नगर निर्मित इस्पात पर आधारित है। इंजीनियरिंग उद्योग काफी विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है किन्तु सभी इस्पात केन्द्रों में एक इंजीनियरिंग उद्योग अवश्य पाया जाता है। पश्चिम-मध्य के खेतिहर प्रदेश में कृषि यांत्रिक उद्योग फैला हुआ है। शिकागो, स्प्रिंगफील्ड और पियोरिया प्रमुख केन्द्र हैं। इलिनियस के राष्ट्र के 50 प्रतिशत तथा अन्य आस-पास के प्रदेशों में 30 प्रतिशत कृषि औद्योगिक यन्त्र बनते हैं तथा इस उद्योग का विकास इस प्रदेश को अब भी निरन्तर लाभान्वित कर रहा है।

अन्य इंजीनियरिंग निर्माण करने वाले कारखानों में मोटर बनाने के कारखाने तथा उल्खन यन्त्र एवं रेलवे निर्माण का केन्द्रीयकरण पाया जाता है। तार बनाने, टिन प्लेट (कैनिंग करने के लिए) पाइपों का निर्माण, वायुयान, जलयान तथा समुद्री इंजिन, भवन बनाने के लिए हाइवे तार, जाली, इस्पात बनाने आदि के कारखानों का केन्द्रीयकरण पाया जाता है।

एल्युमीनियम के तार का कारखाना पिट्सबर्ग, ओहियो की घाटी में स्थित है। एल्युमीनियम कई स्थानों से प्राप्त किया जाता है जैसे केंटुकी, पश्चिमी वर्जीनिया का सीमावर्ती भाग, मैसेना (न्यूयार्क), वंडी (उत्तरी कैरोलीना), अलकोआ (टेनेसी) आदि

समस्या का रूप धारण करती जा रही है। अधिकांश औद्योगिक उपयोग के लिए तेल पाईप लाईनों द्वारा पश्चिमी राज्यों, टेक्सास एवं ओक्लाहामा से आता है। यहाँ के प्रमुख तेल क्षेत्र निम्नलिखित हैं:-

(1) **अप्लेशियन तेल क्षेत्र:** आज कल इस क्षेत्र में कुल पेट्रोल उत्पादन का 1 प्रतिशत प्राप्त होता है। यहाँ का तेल संकरी पर्वदार चट्टानों की पट्टी में पाया जाता है जिसका विस्तार पश्चिमी पेन्सिल्वानिया, पश्चिमी वर्जीनिया, पूर्वी ओहियो, पूर्वी केंटुकी राज्यों में पाया जाता है। पश्चिमी पेन्सिल्वानिया से 19 वीं शताब्दी में सबसे अधिक तेल प्राप्त किया जाता था। लेकिन आज भी यहाँ प्राचीन तरीके द्वारा बहुत ही अच्छे किस्म का तेल बहुत कम मात्रा में निकाला जाता है। यहाँ का तेल बहुत आसानी से निकाल कर तथा शोधित कर चिकनाई के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है। यहाँ के तेल में काफी बड़ी मात्रा में गैसोलिन मिलता है। यह प्रदेश 1880 से प्रमुख गैस उत्पादकों में से एक है। यहाँ का तेल इस प्रदेश में प्रमुख ईंधन के रूप में घरेलू तथा कारखानों में प्रयुक्त होता है। यह कांच उद्योग, बर्तन, सीमेन्ट आदि उद्योगों में शक्ति के साधन के रूप में प्रयुक्त होता है।

(2) **इलीनियस तेल क्षेत्र:** इसका विस्तार दक्षिण-पश्चिम इण्डियाना और पश्चिमी केंटुकी में है। यहाँ का तेल मुख्यतः शिकागो में शोधित होता है। यहाँ के तेल का गुण पेन्सिल्वानिया के तेल से एकदम भिन्न है। यद्यपि यहाँ काफी मात्रा में तेल निकाला जाता है, परन्तु यहाँ भी उत्पादन में बराबर ह्रास दिखाई पड़ रहा है।

(3) **लीमा इण्डियाना तेल क्षेत्र:** यह क्षेत्र उत्तर-पश्चिम ओहियो और इण्डियाना के आस-पास के क्षेत्रों में फैला है। इस प्रदेश में पहले भी बहुत तेल निकाला जाता था किन्तु अब उत्पादन में बहुत कमी आई है। यह तेल अच्छे किस्म का है किन्तु पेन्सिल्वानिया के तेल कृपों से कम अच्छा है।

(4) **मिशीगन तेल क्षेत्र:** यह क्षेत्र नये तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक है किन्तु यहाँ उत्पादन बहुत कम तथा कुएँ काफी बिखरे हुए पाये जाते हैं।

**लोह-अयस्क (Iron-Ore):** कोयले के बाद इस प्रदेश का दूसरा महत्वपूर्ण खनिज लोहा है। वास्तव में संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल उत्पादन का 80 प्रतिशत यही निकाला जाता है। यह प्रदेश संसार के प्रमुख उत्पादकों में से एक है तथा पहले बहुत से वर्षों तक यह विश्व का सबसे अधिक लोहा उत्पन्न करने वाला क्षेत्र था। मेसाबी, वरमिलियन आदि मुख्य लोह क्षेत्र हैं।

**तांबा (Copper):** संयुक्त राज्य अमेरिका में तांबा कोनावा प्रायद्वीप के पश्चिम में सुपीरियर झील के तट पर पाया जाता है। यह बेसाट्ट लावा में पाया जाता है। यहाँ के मूल निवासी इसे धातु के

रूप में बहुत पहले से प्रयोग में लाते थे, जबकि श्वेतों के आगमन के बाद 1840 में इसकी खुदाई हुई। अब खुदाई के कारण यहाँ की खानें बहुत गहरी हो गई हैं।

यहाँ के उद्योगों को विभिन्नता प्रदान करने वाला एक अन्य बहुत महत्वपूर्ण खनिज नमक (Salt) है। नमक ओहियो एवं मिशीगन झीलों से प्राप्त किया जाता है। कुछ नमक पश्चिमी वर्जीनिया में भी मिलता है। यहाँ का रासायनिक उद्योग इस पर आधारित है जिसमें कानावाहा घाटी तथा पश्चिमी वर्जीनिया के उद्योग सबसे बड़े हैं। इससे कार्बिक सोडा, सल्फ्यूरिक एसिड, क्लोरीन, इथेन, कृत्रिम रबर, कच्चा नाईलॉन तथा अन्य उद्योग जो कि नमक की अपेक्षा मुख्यतः कोयले तथा पेट्रोलियम पर आधारित हैं, चलाये जाते हैं।

**लोहा-इस्पात उद्योग (Iron-Steel Industry):** सर्वप्रथम यहाँ पर 1840 में लोहे की खुदाई आरम्भ हुई। ऊपरी क्षेत्र संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रमुख उत्पादक था। इसमें सुपीरियर झील अयस्क बहुत ही उच्च श्रेणी का है। ऊपरी क्षेत्र के लौह खनिज कई प्रकार की चट्टानों में विभिन्न स्थानों पर मिलता है, जिनमें चार प्रमुख स्थान हैं:

(1) **मेसाबी पहाड़ी:** यह मिनीसोटा राज्य में है। यहाँ पर पूरे प्रदेश का आधा भाग लोहा निकाला जाता है। यहाँ के जमाव विस्तृत तथा क्षैतिज मोटे स्तर के रूप में पाये जाते हैं।

(2) **क्यूना पहाड़ी:** यह क्षेत्र भी मिनीसोटा राज्य में है जो कि मेसाबी क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। यहाँ पर लोह-अयस्क के साथ मैंगनीज के जमाव भी मिलते हैं।

(3) **वरमिलियन पहाड़ी:** यह मिनीसोटा में मेसाबी के 16 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। यहाँ भंडार अधिक है।

(4) **सुपीरियर तथा मिशीगन झील के मध्य की पहाड़ी:** इसके अन्तर्गत मारक्विटी, मेनीमिंगी, पेनोकी की पहाड़ियाँ (मिशीगन झील) तथा 1961 में जोजेबिक पहाड़ी, जो विस्कॉन्सिन में आती हैं। लौहांश भी यहाँ के अयस्क में पर्याप्त मात्रा में मिलता है। साथ ही निकटवर्ती बाजार एवं नौकायन, जलमार्गों की प्राप्ति इसका महत्व और अधिक बढ़ा देती है।

विभिन्न प्रकार के लोह-अयस्क को विशेष जहाजों द्वारा विशेष निर्माण केन्द्रों, शिकागो, क्लीवलैण्ड को भेज दिया जाता है या फिर छोटे बन्दरगाहों को भेज दिया जाता है, जहाँ से ये खनिज आंतरिक भागों को रेल मार्गों द्वारा जैसे पिट्सबर्ग आदि पहुँचा दिये जाते हैं। उत्पादन का कुछ भाग झील क्षेत्रों से निर्यात कर ओन्टोरियो के हैमिल्टन आदि क्षेत्रों को भेज दिया जाता है।

दुसुथ सुपीरियर झील पर स्थित है। यहाँ से मेसाबी तथा क्यूना,

**धरातल (Relief) :** जैसा कि झीलों का निर्माण हिमनद के क्रमशः आगे बढ़ने और पीछे खिसकने के कारण हुआ है अतः अनेक स्थानों पर हिम जमाव पाये जाते हैं। इस क्षेत्र में पठारी भाग है, टटबंध का निर्माण हुआ है जिन्हें कि झीलों का निर्माण हुआ है। अधिकांश भाग मैदानी है तथा मध्यवर्ती मैदान का भाग है।

यह प्रदेश पूर्व में अप्लेशियन पर्वतों से सीमित है। सामान्य ऊँचाई 600 से 1500 मीटर के बीच है। यहाँ बड़ी झीलें हैं तथा मिसिसिपी एवं ओहियो तथा उसकी सहायक नदियों के भाग आते हैं।

नदी घाटियों में पहले वनस्पति थी। अब कृषि एवं उद्योगों के प्रसार से प्राकृतिक वनस्पति का ह्रास हुआ है। प्रेयरी घास प्रमुख है। यहाँ पॉडजोल एवं प्रेयरी मिट्टियाँ पाई जाती हैं।

**जलवायु (Climate) :** यहाँ की जलवायु महाद्वीपीय प्रकार की है। ग्रीष्म ऋतु गर्म तथा शीत ऋतु काफी ठंडी होती है, लेकिन वर्षा कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में होती है। चक्रवातों के मार्ग में पड़ने के कारण यहाँ मौसमी परिवर्तन काफी हुआ करते हैं और प्रायः सुखारें पड़ती हैं। वर्षा पूर्वी ओहियो में 110 सेमी० से पश्चिम की ओर घटती हुई पश्चिमी किनारे पर 50 सेमी. रह जाती है, लेकिन पश्चिम की ओर अधिक वर्षा बसंत ऋतु तथा प्रारम्भिक ग्रीष्म ऋतु में होती है, जो फसलों के उत्पादन का समय होता है। यहाँ फसलों के पकने का समय 100 दिन से कम होता है।

**मिट्टियाँ :** इस प्रदेश में मुख्य रूप से तीन प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं:- (1) पॉडसॉल, (2) धूसर-वधु पॉडसॉलिक और (3) प्रेयरी। पॉडसॉल मिट्टियाँ प्रदेश के उत्तरी भाग, अर्थात् उत्तरी मिशिगन, उत्तरी विस्कॉन्सिन और उत्तरी मिनीसोटा में पाई जाती हैं। कनाडा की सीमा पर पॉडसॉल मिट्टियाँ पथरीली और बहुत कम गहरी हैं, लेकिन शेष भाग में ये बलुई से लेकर चोका-प्रधान दोमट तक हैं। ये मिट्टियाँ निक्षालित तथा अम्लीय हैं। इनमें प्राकृतिक उर्वरता की कमी है। धूसर-वधु पॉडसॉलिक मिट्टियों का निर्माण पर्वपाती वनों के नीचे बूनेदार हिम नदीय अपोड पर हुआ है। ये काफी गहरी हैं। इनमें अम्लता भी अपेक्षाकृत कम है। इसकी प्राकृतिक उर्वरता तो मध्यम श्रेणी की है। ये मिट्टियाँ प्रस्तुत प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी भाग में पाई जाती हैं। परन्तु दक्षिण पूर्वी ओहियो में अलेघनी पठार की पॉडसॉलिक मिट्टियाँ पथरीली हैं। प्रेयरी मिट्टियाँ प्रदेश के दक्षिण-पश्चिमी भाग में पाई जाती हैं। इन मिट्टियों का निर्माण लम्बी घासों के नीचे हुआ है। इनमें ह्यूमस काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है। ये काफी उपजाऊ हैं।

**वनस्पति (Vegetation) :** यहाँ तीन प्रकार की वनस्पतियाँ भी पाई जाती हैं: (1) उत्तर में शंकुधारी एवं पर्वपाती वृक्षों के मिश्रित वन (2) दक्षिण-पूर्व में पर्वपाती वन और (3) दक्षिण-पश्चिम में लम्बी घास। निम्नभूमि के अधिकांश वन तथा घासों काट

कर साफ कर दी गई है। मिश्रित वनों में पाये जाने वाले प्रमुख पर्वपाती वृक्ष श्वेत तथा लाल चीड़, पूर्वी विपगर्जर तथा पीत भूज है और प्रमुख शंकु वृक्ष श्वेत तथा कृष्ण स्प्रूस, बाल्मस तलीसपत्र, पाताल चीड़, वनपिप्पल तथा श्वेत भूज है। पर्वपाती वन-क्षेत्र में बाँज तथा टिफरी की प्रधानता है।

**खनिज पदार्थ:** इस क्षेत्र के निकट कोयला और लोहा प्राप्त होता है। मध्यवर्ती मैदान के कृषि प्रदेश में इलीनॉस, इण्डियाना के कोयला क्षेत्र के निकट है। लीमा इण्डियाना क्षेत्र अपने पेट्रोलियम उत्पादन क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध है। झीलों द्वारा आवागमन के साधनों की सुविधा रहती है। कोयला खनन के दो प्रमुख क्षेत्र अज्ञात हैं:

(1) **अप्लेशियन कोयला क्षेत्र:** इस क्षेत्र में समस्त राष्ट्र के अनुमानित भण्डार का 90 प्रतिशत कोयला भण्डार है। देश के उत्पादन का 60 प्रतिशत कोयला इस भाग के पूर्व में स्थित अप्लेशियन पठार से प्राप्त होता है। पश्चिमी पेन्सिलवेनिया इनका मुख्य उत्पादक प्रदेश है।

(2) **पूर्वी आन्तरिक कोयला क्षेत्र:** इलीनायस से पश्चिमी केण्टुकी और दक्षिण-पश्चिम इण्डियाना राज्य तक फैला हुआ है। यहाँ मुलायम धुँरे वाला बिटुमीनस कोयला प्राप्त होता है। यह क्षेत्र संयुक्त राज्य का दूसरे नम्बर का कोयला उत्पादक क्षेत्र है। इन दो प्रमुख कोयला खनन क्षेत्रों के अतिरिक्त दो छोटे कोयला उत्पादक क्षेत्र और हैं- (1) आयोवा कन्सास मिसौरी क्षेत्र जिसे पश्चिमी आन्तरिक कोयला क्षेत्र भी कहा जाता है, (2) मिशिगन राज्य कोयला क्षेत्र (The Northern Interior Coal Field)।

3. **पश्चिमी आन्तरिक कोयला क्षेत्र:** यह कोयले का कम महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह मिसौसिपी के पश्चिम में स्थित है। इसके अन्तर्गत मुख्यतः आयोवा, कंसास, मिसौरी आदि राज्य आते हैं। यहाँ पर कोयले की किस्म निम्न कोटि की है। कोयले में उच्च मात्रा में गंधक मिलता है। इसका मुख्य रूप से उपभोग औद्योगिक नगरों जैसे डेस मोइन, कंसास एवं ओमाहा में होता है।

**पेट्रोलियम:** अप्लेशियन तेल क्षेत्र संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल तेल उत्पादन का 2 प्रतिशत तेल उत्पादन करता है जो पश्चिमी पेन्सिलवेनिया, ओहायो राज्य में स्थित है। इलीनायस तेल क्षेत्र जो आन्तरिक क्षेत्र के नाम से पुकारे जाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में तेल का सबसे पहला कुँआ सन् 1859 में खोदा गया था। यह कुँआ पेन्सिलवेनिया राज्य में पिट्सबर्ग से 130 किलोमीटर उत्तर स्थित टिटुसविले नामक स्थान में खोदा गया था।

इस क्षेत्र में हजारों कुँओं से आज पेट्रोल प्राप्त किया जाता है। जिसकी गहराई अब 1.5 किलोमीटर तक है। जब से इंजन एवं मोटरकारों का आविष्कार हुआ है, पेट्रोल की खपत में बड़ी तीव्रता से वृद्धि हुई है तथा इसकी आवश्यकता की पूर्ति एक कठिन

**ओक्लाहामा :** यह ओक्लाहामा नगर की राजधानी है। यह नगर अरकंसास एवं उसकी सहायक कनाहियन नदी पर बसा है। यह एक प्रमुख व्यापारिक नगर है। सन् 1999 में उसकी जनसंख्या 10 लाख से अधिक है।

**तुलसा :** यह नगर अरकंसास नदी पर स्थित ओक्लाहामा का व्यापारिक केन्द्र है। इसकी जनसंख्या 1999 में 8 लाख से अधिक है। यहां पर पेट्रोलियम उद्योग पाया जाता है। यहां से दक्षिण की तरफ कोयला, सोपाथोन तथा अन्य खनिज भेजे जाते हैं। यहां पर जल विद्युत केन्द्र है तथा मनोरंजन केन्द्र भी विकसित किया गया है।

**डलास :** इस नगर की जनसंख्या 1960 में केवल 679,000 थी। यहां पर कपास की धुलाई, बिनीलों से तेल निकालने के कारखाने, मोटर निर्माण उद्योग आदि पाये जाते हैं। इसके पश्चिम में इसका सह नगर फोर्टवर्थ है। दोनों की जनसंख्या 1999 में 45 लाख से भी अधिक है।

**सान एण्टोनिया :** यह एक प्राचीन ऐतिहासिक केन्द्र है। यह स्पेनिशों का प्राचीन अधिवास है। यहां पर वस्त्र उद्योग का विकास हुआ है। शीतकालीन भ्रमण केन्द्र के रूप में भी उपयोग में लाया जाता है। इसकी जनसंख्या 6,00,000 से अधिक है। अब यह एक पर्यटन एवं व्यापारिक केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है तथा जुआ घरों के लिए प्रसिद्ध है।

**फोर्टवर्थ :** इसकी जनसंख्या लगभग 3,40,000 है। यहां प्रमुख सांस्कृतिक भूटुर्य मिलते हैं। वायुयान निर्माण केन्द्र भी है। संघार के साधन अच्छे हैं तथा उड़ान के लिए यहां का मौसम बहुत अच्छा है। यह डलास का प्रतियोगी नगर है।

**परिवहन :** मिसौसिपी नदी पर 1811 में नौका संचालन आरम्भ हुआ था। बाद में इसका व्यापारिक उपयोग बढ़ा। किन्तु आज कल रेल मार्गों का विकास हो जाने से नदी परिवहन में कमी आई है। इस मार्ग का उपयोग जल परिवहन के सस्ता होने, भारी मात्रा में कच्चे पदार्थ जो शीघ्र नष्ट नहीं होते हैं, जैसे : बॉक्साइट, कपास, पेट्रोलियम, अनाज, शाकर आदि का परिवहन किया जाता है।

## 8. उत्तर केन्द्रीय अन्तवर्ती/आन्तरिक प्रदेश (Northern Central or Interior Region)

यह प्रदेश महान झीलों के दक्षिण में विस्तृत है। इस प्रदेश के अन्तर्गत ओहियो, मिशीगन, विस्कॉंसिन, मिनीसोटा, आयोवा, इलिनियस तथा इंडियाना राज्य पूर्णतः और उत्तरी मिसौसी, उत्तरी-पूर्वी कन्सास, पूर्वी नेब्रास्का सम्मिलित है। यह प्रदेश कृषि एवं उद्योगों का एक अद्भुत संगम है।

इस प्रदेश के उत्तर में औद्योगिक क्रियाओं का केन्द्रीयकरण

तथा दक्षिण में कृषि कार्यों का आधिपत्य होने के कारण इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। तदनुसार दोनों का नामकरण किया गया है यथा (A) उत्तरी आन्तरिक औद्योगिक प्रदेश,  
(B) उत्तरी आन्तरिक कृषि प्रदेश।

### 8 - (A) : उत्तरी आन्तरिक औद्योगिक प्रदेश (Northern Interior Industrial Region)

यह प्रदेश महान झीलों के दक्षिण में स्थित है। इसके पश्चिम में मिसौसिपी नदी, दक्षिण में निवली तथा मध्य ओहियो नदी तथा पूर्व में अलेघनी का पठार स्थित है। इसके उत्तर में महान झीलों और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा है। इसके अन्तर्गत विस्कॉंसिन, इलिनियस, ओहियो, इंडियाना, पं० पेन्सिलवेनिया तथा पं० न्यूयार्क राज्यों के भाग आते हैं।

महान झीलों का निर्माण हिमनद के आगे बढ़ने और उसके वापस हटने की क्रिया द्वारा हुआ है। इन क्रियाओं के बीच में हिम जमाव के कारण अनेक भागों में प्राकृतिक जमाव के कारण पानी एकत्रित हो गया और झीलों का निर्माण हुआ है। हिमनद का विस्तार दक्षिण में उस स्थान तक था जहाँ जल विभाजक रेखा है और पानी का बहाव किसी सीधी रेखा में होकर दक्षिण की ओर था। इन महान झीलों का निर्माण सात अवस्थाओं में पूर्ण हुआ है:

**प्रथम अवस्था** में हिमनद का जल विभाजक रेखा के दक्षिण तक था जिससे कि पिघला हुआ पानी मिसौसिपी नदी के माध्यम से मैक्सिको खाड़ी में पहुँचता था।

**द्वितीय अवस्था** में हिमनद का जल विभाजक रेखा से काफी पीछे खिसकने के कारण पानी के छोटे-छोटे एकत्रित भाग बन गये तथा जब भी पानी का बहाव मिसौसिपी से होता रहा।

**तृतीय अवस्था** में हिमनद के और अधिक पीछे हटने के कारण डुलूथ झील, शिकागो झील तथा मोमी झील का निर्माण हो गया।

**चतुर्थ अवस्था** में हिमनद के और अधिक पीछे हटने के कारण पूर्व की दोनों झीलों का झील वारेन (अब झील ईरी) और ओप्टोरियो का निर्माण हुआ।

**पंचम अवस्था** में हिमनद अधिक उत्तर की ओर खिंचने के कारण झीलों का निर्माण हुआ और पानी का बहाव मोहक-हडसन द्वारा होता था।

**छठी अवस्था** में हिमनद के सेण्टलॉरिस घाटी से हट जाने के कारण तथा उत्तर-पूर्व की ओर धँसाव के कारण समुद्र का जल भीतरी भाग तक आ गया और ओप्टोरियो तक भर गया।

**सातवीं अवस्था** में स्तर का उठना और झीलों की वर्तमान अवस्था तक पहुँचना।

पुनः डंग से करते हैं। यहां की प्राकृतिक जनसंघति चौड़ी पत्ती वाले वन को काट कर यहां के निवासी भेड़ एवं अन्य पशुओं को पालते हैं। जंगलों के कोचड़ वाले भाग में सुअर को चराते हैं। यहां का अधिकांश भू-भाग बहुत अग्ररिक्त है। प्राचीन काल से यहां के लोग मक्का मेखला तथा राष्ट्र के अन्य उपयोगी क्षेत्रों में प्रवाहित होते रहे हैं। यहां का 1/5 भाग अभी भी जंगलों से ढका है। इनको जलाने के लिए तथा रेलवे स्लीपर के लिए एवं फर्नीचर के लिए काटा जाता है।

ओजाक का यह भाग जहां खनिजों की खुदाई की जाती है सबसे महत्वपूर्ण है। ओजाक, ओपीटा, मेसिफ नदी के तटवर्ती भाग पर स्थित है। विशेषकर अल्कंसास में लाल सेब के बाग, स्ट्राबेरिज, पीच, अंगूर, एप्रोकॉट और सब्जियां बोयी जाती हैं। ये सभी मुद्रादायी फसलें हैं। सिंगमसील्ड में कुछ कपास की कृषि की जाती है।

यद्यपि यहां पर परिवहन की व्यवस्था कम है फिर भी कुछ पर्यटक ओजाक में आते हैं। यहां एक प्रमुख पर्यटन स्थल गरम जल का स्रोत है। यह ओपीटा के पूर्वी किनारे पर स्थित है। यहां का राष्ट्रीय शक्ति केन्द्र सबसे अधिक आकर्षण केन्द्र है।

**खनिज संपदा :** दक्षिणी आंतरिक प्रदेश खनिज की दृष्टि से सम्पन्न नहीं है। यहां कोयला कुछ मात्रा में पाया जाता है। कुल कोयले का वार्षिक उत्पाद 60 लाख टन से अधिक नहीं है। कोयले की मुख्य खानें पश्चिमी आंतरिक भाग में स्थित हैं। दक्षिण में मिसौरी तथा ओक्लाहामा की खानें हैं। यहां पर बिजली हुई लिग्नाइट के संचय पाये जाते हैं। ओपीटा में एन्थ्रासाइट कोयले के संचय मिले हैं। यहां पर मिलने वाला कोयला निम्न श्रेणी तथा ठसका बाजार भी कम है।

मध्यप्रायद्वीपीय तेल एवं गैस खाड़ी तटीय उत्खनन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह उत्तरी टेक्सास और ओक्लाहामा के एक बड़े भाग पर विस्तृत है। न्यू मैक्सिको, दक्षिण अरकंसास, उत्तरी लुसियाना, मिसौरी और कंसास में भी बहुत से तेल कूप हैं।

ओजाक के निकट बहुत से खनिजों के भण्डार हैं। सेन्ट क्रॉसिस पर्वत पर लोह-अयस्क के भण्डार हैं। उत्तरी-पूर्वी ओजाक के उत्खनन से बहुत कम मात्रा की पूर्ति सम्भव है। दक्षिणी-पूर्वी मिसौरी में सीसा एवं कोबाल्ट के भण्डार हैं। ट्री स्टेट (दक्षिण-पश्चिमी मिसौरी) कंसास, ओक्लाहामा में जस्ता के भण्डार तथा सीसा मिलता है। इन दोनों क्षेत्रों में धातु कारखाने गहराई में पाई जाती हैं। चांदी, सीसा और जस्ता के साथ गंधक उत्पाद के रूप में पायी जाती है। जोपलिन प्रो स्टेट यहां का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र है। यहां पर सफेद शीशा एवं ग्रेट बनये जाते हैं। ओजाक में बेरिट का उत्पादन होता है जिसका प्रयोग तेल निकालने में कोचड़ की

रोकथाम के लिए किया जाता है। इसके साथ ही इसका उपयोग राष्ट्र के ग्लास, पेट्ट एवं कृत्रिम स्वर उद्योगों में किया जाता है।

दक्षिण-पश्चिमी लिटिल रॉक (ओजाक) से राष्ट्र का 90 प्रतिशत बॉक्साइट प्राप्त होता है जो कि अल्युमिनियम उद्योग का मुख्य कच्चा पदार्थ है। हुरीकेन क्रॉक (Hurricane Creek) में अल्युमिना बनाने का कारखाना है। यहां पर एक विद्युत्कृत केन्द्र जोन्सविले में है।

**निर्माण उद्योग :** दक्षिण आंतरिक भाग में पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा कोयले के भण्डार पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं। किन्तु यहां के कारखानों में बहुत कम जनसंख्या कार्य करती है। दक्षिणी क्षेत्र में पर्वतपदीय तथा खाड़ी क्षेत्र ही औद्योगिक दृष्टि से महत्व रखते हैं, आंतरिक भाग कम महत्वपूर्ण है। रुई की धुलाई, बिनीलों से तेल निकालने को मिलें तथा खाद्य पदार्थों को तैयार करने के कारखाने तथा धातु कार्य के उद्योग यहां पाये जाते हैं। किन्तु यहां पर कोई भी बहुत बड़ा औद्योगिक केन्द्र, सिवाय तटीय क्षेत्रों के, विकसित नहीं हुआ है। यहां पर उत्तर की अपेक्षा-क्रम की आपूर्ति तथा बाजार दोनों ही छोटे हैं। किन्तु शीघ्रता से परिवर्तित हुई अर्थव्यवस्था अब कृषि में दृष्टिगोचर होने लगी है। लुगदी-कागज उद्योग, लिटिल रॉक नगर तथा मुख्यतः अरकंसास में स्थापित हुए हैं। डर्बर्क, रसायन उद्योग एम्फोस हेल्थ, बाजू नगर में, इस्पात उद्योग लोनेस्टर, उत्तरी-पूर्वी टेक्सास में (स्थानीय अयस्क पर आधारित) पाया जाता है। फल एवं सब्जी संरक्षण उद्योग इस क्षेत्र में बड़ी तेजी से वर्त्-वर्त् विकसित हो रहा है, इस प्रकार वर्तमान में उद्योगों के विकास की प्रवृत्ति परिलक्षित होने लगी है।

**प्रमुख नगरीय बस्तियां :**

(A) **मिसौसिपी नदी पर विकसित नगर :** इस क्षेत्र के अधिकांश नगर मिसौसिपी नदी पर विकसित हुए हैं।

**मैम्फिस (Memphis) :** यह नगर न्यू ओर्लिन्स एवं सेण्ट्लुइस के मध्य मिसौसिपी नदी पर बसा है। इसकी जनसंख्या लगभग 12 लाख से अधिक है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा कपास व्यापार का केन्द्र है। कच्चे माल का निर्यात दक्षिण के बन्दरगाहों द्वारा किया जाता है। यहां पर फर्नीचर उद्योग तथा उच्च स्तरीय उपभोक्ता सामग्रियों का निर्माण होता है।

**विक्सबर्ग :** यह नगर भी मिसौसिपी नदी पर स्थित है तथा यह रेलवे क्रॉसिंग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यह मैम्फिस नगर से आकार में छोटा है। पास ही एक अन्य नदी बन्दरगाह है।

**कैरो :** यह नगर ओहियो एवं मिसौसिपी नदियों के संगम पर स्थित होने के कारण नदी बन्दरगाह के रूप में एक छोटा नगर है।

**प्रदेश के पश्चिमी नगर**



काम आती है। बिनीले का छिलका कागज उद्योगों में कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। ओटनी में फसे बहुत छोटे कण रेशों से जिन्हें लिंटेर्स (Linters) कहा जाता है। इनसे भारई, सूती फेल्ड, गन फाटन सेल्यूलोस, फोटोग्राफिक फिल्म तथा रेयान बनाया जाता है।

अधिकांश कपास दक्षिणी राज्यों के मिल्स में जाती है। न्यू इंग्लैण्ड, क्लिवाडेलिया, हडसन, मोहाक के आसपास के नगरों में तथा कपास की कुछ मात्रा विश्व के अन्य देशों को उनकी मांग के अनुसार निर्यात कर दी जाती है। बहुत सारे बन्दरगाह इस निर्यात कार्य में लिप्त हैं, जैसे हडसन, गालबेस्टन (टेक्सास के कपास का) न्यू ओरियलियन्स (मिसौसीपी बावू के मैदान की कपास का) सवाना (कुछ पीडमोंट की कपास तथा अटलांटिक उत्पाद का)। कम महत्व के कुछ बन्दरगाह जैसे पोर्टआर्थर, मोबिल, पेन्साकोचा, चार्ल्स्टन, विलमिंगटन भी कपास व्यापार में लगे हैं।

### कपास मेखला की आधुनिक प्रवृत्ति

(i) कपास व्यापार के उतार-चढ़ाव से उत्पादन क्षेत्र में कमी तथा फसल-चक्रों का उपयोग।

(ii) कपास उत्पादन में आधुनिक तकनीक का प्रयोग विशेषकर यन्त्रीकरण, जिससे श्रम की मांग में कमी, उर्वरकों का अधिक प्रयोग, कपास के साथ अन्य फसलों को भी पर्याप्त महत्व देना।

(iii) फार्मों को किराये पर देने की प्रथा में कमी, भागीदारी प्रथा का विकास, अधिकांश अश्वेत श्रमिकों का पश्चिम की ओर नगरों में पलायित होना, गरीब श्रेत जनसंख्या दक्षिण के कारखानों की ओर अग्रसर।

(iv) संख्या में कमी होने के कारण औसत जोतों में तथा व्यक्तिगत फार्मों में विकास जिसमें कृषि यन्त्रों का उपयोग एवं फार्मों की आमदनी में बढ़ोतरी हुई है।

(v) भूराक्षण में विकास जैसे टेनेसी घाटी परियोजना, कृषि के अतिरिक्त पशुपालन, सोयाबीन, ब्लोबर तथा अन्य फसलें उगाना तथा निर्धारित योजनाबद्ध तरीके से फसल चक्रों का प्रयोग, कंटूर विधि द्वारा कृषि, पट्टे के रूप में फसलों को बोना, फलों में वृक्षारोपण तथा अपरिदित पर्वतों की चोटियों पर जंगलों का रोपण आदि।

(vi) उपरोक्त क्रिया से प्रति हेक्टर उपज में वृद्धि होती है।

(vii) ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण तथा पाइपों द्वारा पानी की आपूर्ति।

(viii) ग्रामीण जनसंख्या में कमी, नगरीयकरण में वृद्धि तथा संयुक्तराज्य अमेरिका के अन्य भागों की अपेक्षा विकास की गति में बहुत तेजी।

(ix) स्वास्थ्य एवं शिक्षा में विस्तार।

इस प्रकार कृषि एवं उद्योगों के संतुलित विकास के बाद इस प्रदेश का परिदृश्य बदलेगा और इस भाग को गरीब एवं पिछड़ा नहीं कहा जा सकेगा।

**अर्थव्यवस्था :** दक्षिणी भाग, अटलांटिक मैदान एवं पोंडनाप्ट प्रखण्ड में कृषि वैविध्यता से अब तेजी से दक्षिणी आंतरिक भाग की कपास मेखला समाप्त हो रही है। अब यह केवल एकल व्यापारिक फसल वाला क्षेत्र नहीं रह गया है। यह वैविध्य निर्माकित स्थितियों पर आधारित है :

1. कपास का बाल बीबिल से पौड़ित होना।

2. कपास की प्रतियोगिता में बहुत से कृत्रिम रेशों के उत्पादन से संसार में कपास के मूल्य तथा उपयोग में भारी गिरावट आई है।

3. भारत तथा ब्राजील में कपास के उत्पादन में वृद्धि से तथा सस्ता होने से इनकी अधिक मांग।

4. दक्षिण में जनसंख्या की वृद्धि तथा जीवन स्तर के विकसित हो जाने से वहां पर खाद्य पदार्थ की मांग में वृद्धि।

5. किसानों की जागरूकता में वृद्धि।

अब कपास मेखला में अधिक अच्छे किस्म का मक्का, पट्टिका कृषि के रूप में बोया जाने लगा है जिससे प्रति हेक्टर उपज बढ़ी है। ओकलाहामा और टेक्सास के शुष्क भागों में सोरघम की कृषि की जाती है। बहुत से स्थानों पर कपास के साथ पशुपालन भी किया जाने लगा है। अमेरिकन लोगों के भोजन में बदलाव आने से यहां के अधिकांश लोग गोमांस के लिए पशुओं का पालन करते हैं। दुग्ध देने वाले पशुओं का पालन भी होता है। अब दक्षिण के आंतरिक प्रदेश में विभिन्न प्रकार के पशुचारों को लाया जाता है, विशेषकर सोयाबीन जो कि टेनेसी, मिसौरी, अरकंसास और लूसियाना में अधिक प्रचलित है। मटर, मूंगफली, मछमली फली, काउपीज (Cowpeas), लेप्सीडे जा, कुडजू (Kudzu) आदि तीन वर्षीय फसल चक्र के अन्तर्गत बोये जाते हैं। यहां पर मुर्गी उद्योग एवं अण्डे के उत्पादन ने बहुत अधिक उन्नति की है। मिसौसीपी की जलोढ़ मिट्टी वाली घाटी तथा अरकंसास में सिंचाई द्वारा खान एवं स्वीट पोटेटो की कृषि बहुत हो सकल अंग से की जाती है। अब बहुत से जिलों में सब्जियां तथा फल उगाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

**ओजाक :** यह दक्षिणी की एक पुरानी भूमि है। इसकी भौगोलिक दशायें एवं अर्थव्यवस्था इतनी भिन्न हैं कि उनकी जानकारी करना अपरिहार्य हो जाता है।

ओजाक क्षेत्र पर कृषि लगभग नहीं होती है। यह कपास मेखला के सीमांत भाग पर स्थित है। यहां के निवासी कंटुकी एवं टेनेसी के उच्च भागों में रहने वाले निवासियों से बहुत कम मिलते हैं। ये लोग काफी पिछड़े हुए हैं। प्राचीन घाटी में ये लोग मक्का की कृषि

पहुँचे जाने वाले से टेक्सास की कपास की प्रभावित होना पड़ता है। इसके लिए कुपकोई को दुबारा कपास खींच पड़ता है या फिर दूसरे प्रकार के बीजों को बोते हैं। जहाँ पत्ती भी 50 सेमी. से कम लम्बा होती है वहाँ पर कपास की कृषि के लिए सिंचाई आवश्यक है। इसीलिए कपास उत्पादन की पहिली सीमा 50 सेमी. की वर्षा रेखा निश्चित करती है। फिर भी टेक्सास तथा ओकलाहामा के कुछ जगहों में जहाँ की वार्षिक वर्षा 43 सेमी. है वहाँ पर सिंचाई द्वारा कपास उगाई जाती है।

दक्षिणी क्षेत्र में निरन्तर कार्यक्रम की निराला तथा एक-एक कर वर्षा की पुनः कपास उत्पादन की आदतें दशाएँ उत्पन्न करती हैं। अल्पविक्रम अर्धसहस्राब्दीय नयी खेती में बहुत सी जंगली पत्तों एवं पौधों को उत्पन्न करने में सहायक होती है। साथ ही बीजों के बढ़ने का खर्च भी उत्पन्न हो जाता है।

कपास की कृषि उत्पत्ता की अतिशीघ्र खींच लेती है, इसीलिए इसमें बराबर फेदास और फसलें की खाटों का उत्पन्न आवश्यक है। अब सम्पूर्ण कपास मेखला में उत्पन्न का प्रयोग किया जाता है। फ्लोरिडा का फसलें इसके लिए उत्पन्न होता है। मेडिसिन मिन्ससो ड्रील से तथा कैलीफोर्निया से, वाट्रेट थिरी से प्राप्त किया जाता है। अधिकांश खाद दक्षिणी संयुक्त राज्य या उत्पत्ती क्षेत्रों में निर्मित होती है।

कपास की कृषि में सबसे महत्त्व की आवश्यकता होती है जो कि इस क्षेत्र में सरलता से उपलब्ध है। इसमें नये पश्चिमी क्षेत्रों की नई तकनीकों द्वारा उत्पन्न होने वाली कपास के लिए अधिकांश क्षेत्र महत्त्व का प्रयोग किया जाता है। अब कपास की कृषि को कारी मशीनीकृत कर दिया गया है।

वर्तमान के कपास के मुख्य भूभाग पर दृष्टिकोण करें तो संयुक्त राज्य अमेरिका की कपास मेखला में कारी परिवर्तन हो गया है। अब कपास का लगभग आधा उत्पादन टेक्सास से आता है जो कि मिसौसिपी क्षेत्र के उत्पादन का लगभग दूना है। ओकलाहामा, न्यूमैक्सिको, एरिजोना, (विशेषकर साउथ नदी की खाटी) कैलीफोर्निया (सैनजोसिन खाटी) ये सभी कपास उत्पादन के नवीन क्षेत्र हैं जिनको इसके उत्पादन से प्राथमिकता मिलती है। टेक्सास-ओकलाहामा के निम्न क्षेत्रों ने कपास उत्पादन में बरीयता प्राप्त की है :

- (1) पश्चिमी टेक्सास के उत्तरी-पश्चिमी उच्च-मैदान प्रदेश और ओकलाहामा के दक्षिणी विकटवर्ती क्षेत्र।
- (2) दक्षिणी टेक्सास का उत्पत्ती प्रदेश।
- (3) उत्पत्ती प्रदेश के उत्तर स्थित प्रेयरी प्रदेश।
- (4) पूर्वी क्षेत्र प्रदेश में निम्न उपप्रदेशों ने बरती महत्वपूर्ण कपास में बरीयता प्राप्त कर ली है।

(a) मिसौसिपी के बाढ़ के मैदान एवं आस-पास के लोपस

मिट्टियों के क्षेत्र जिनमें पूर्वी अरबोरास, पश्चिमी मिसौसिपी टैपली के क्षेत्र आते हैं।

(b) आन्तरीक हटीय प्रदेश इन्में आर्जेन्टा एवं कैरोलीना आते हैं जहाँ पर मिट्टियाँ चिकनी हैं।

(c) अरबोरास में मध्य टैपली खाटी।

(d) कैरोलीना का पीटमोन्ट खाटा और आर्जेन्टा।

संयुक्त राज्य अमेरिका की अधिकांश कपास मुख्यतः देश की तथा राष्ट्रीय कपास है। किन्तु मिसौसिपी, टेक्सास एवं पश्चिम जर्मनी में लम्बे देशे वाली टान्कोटि की कपास होती है। लेकिन इस प्रकार की कपास पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में कपास होग से पौधित नहीं की जाती। सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्र बड़ी तेजी से पश्चिम की ओर सरकने का रहे हैं। इसके कई कारण हैं :

(1) मुख्यतः दक्षिणी क्षेत्र मुदा उत्पादन तथा मिट्टी की उत्तरी खाटी में तेजी से इस के कारण मुख्यतः अब मुशरोपण कर रहे हैं तथा अधिक प्राविशाल किसान पश्चिम की ओर की कृषि करने लगे हैं जहाँ अधिक उपजाऊ मिट्टी है।

(2) अधिक नम जगहों में जहाँ कपास की बोधियों में बोधे लग जाते हैं, वहाँ पर टपाओं का सिद्धवान कर टैक-वाम करने का प्रयत्न किया जाता है। जबकि सूष्क खास में मैदानों में इनकी उत्पत्ति उत्तरी तेजी से नहीं होती। विविध कपास का बोधा बोधियों को प्राप्नुहित होने से पूर्व ही नष्ट कर देता है। सर्वप्रथम 1892 में मीक्सिको से इस बोधे ने टेक्सास में प्रवेश किया था। वहाँ से 1907 में यह बोधा मिसौसिपी के क्षेत्र में तथा 1920 तक अटलान्टिक के हटीय क्षेत्र में फैल गया। किन्तु इन बोधों से पूर्वी क्षेत्र में विशेष मुकाम होता है।

यहो कारण है कि संसारभर के सूती वस्त्र उद्योग को कपास के अन्य क्षेत्रों को अज्ञोता तथा टेक्सास आदि प्रदेशों में खोजना पड़ा।

(3) कपास के उत्पादन में लागत स्पष्टों को कम करने के लिए पश्चिम में अधिकाधिक मशीनों का प्रयोग आरम्भ किया गया जिससे पूर्व के कपास उत्पादकों से पश्चिमी कपास का दाम अधिक न हो। कपास की विद्युत खेती करने से भूमि की उत्पत्ता भी कम नष्ट होती है।

कपास से दो प्रकार के व्यापारिक उत्पादन मिलते हैं :

(i) कपास का रेशा जिस पर संसार का सूती वस्त्र उद्योग आधारित है, तथा

(ii) कपास के बीजों से तेल निकालना।

कपास मेखला में तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में बिनीले से तेल बनाने के बहुत से कारखाने पाये जाते हैं। बिनीले का तेल खाने, माजरीन बनाने, साबुन, मोमबत्ती तथा मशीनों में चिकनाई लगाने के काम आता है। बिनीले द्वारा प्राप्त खुरी उत्पन्न करने के

है। यहां से कपास, आटा, अनाज, तम्बाकू, लकड़ी, शोधित पेट्रोल, मशीनें, वाहन आदि निर्यात किये जाते हैं, जिनका निर्माण नगर एवं इसके पृष्ठ प्रदेश में किया जाता है। कच्चा खनिज तेल, शक्कर, कहवा, सीसल, नाइट्रेट, केला, बाक्ससाइट, जूट आदि आयात किये जाते हैं। नगर में तेल एवं चीनी की शोधन शाखाएँ हैं। इनकी जनसंख्या 1985 में 13 लाख थी। यहां पर खाद के कारखाने, कपास तथा बिनीला, तेल कारखाने भी पाये जाते हैं।

**बेटान राग :** मिसिसिपी नदी पर स्थित यह एक अन्य बन्दरगाह है जो कि तेल बन्दरगाह एवं तेल शोधक केन्द्र है। यह बाक्ससाइट एवं लोहा के लिए महत्वपूर्ण है। यहां अल्युमिना तैयार किया जाता है। यहां पर समुद्री टैंकर आसानी से पहुंच जाते हैं तथा यहां से ऊपर की ओर नदी द्वारा तेल भेजा जाता है। कुछ सामान मिनियापोलिस, पिट्सबर्ग और नोक्सविले तथा शिकागो को भी भेजा जाता है।

**पेन्साकोला:** यह फ्लोरिडा पेनहैंडल के सिरे पर स्थित है। यहां से इमारती लकड़ी, कपास तथा फास्फेट का व्यापार किया जाता है। यहां पर उर्वरक के कारखाने पाये जाते हैं। यह देश के लिए हवाई अड्डा के रूप में भी काम करता है। यह एक मछली आरखेटक बन्दरगाह एवं केन्द्रस्थल भी है।

**गालवेस्टन (Galveston) एवं हाउस्टन (Houston):** ये दोनों ही टेक्सास के प्रमुख बन्दरगाह हैं। दोनों ही 10.3 मीटर गहरी 93 किलोमीटर लम्बी जलयान नहरों से जुड़े हैं। गालवेस्टन एक कृत्रिम बन्दरगाह है जो कि अन्दर की ओर एक सुरक्षित बालू के टीले पर स्थित है। यह बन्दरगाह हरीकेन से सुरक्षित है जो नगर को अक्सर प्रभावित करते हैं। यहां पर भारी सामानों का आयात किया जाता है जैसे पेट्रोलियम, गंधक, टिन, सिस्सल आदि। पानी के जहाजों से कपास, पेट्रोल, गेहूँ और गंधक निर्यात किया जाता है।

हाउस्टन की जनसंख्या 1999 में 46 लाख के लगभग है। यह नहर द्वारा गालवेस्टन से जुड़ा है। यहां पर बड़े-बड़े तेल शोधक कारखाने, रसायनिक उद्योग, पेन्ट, सीमेन्ट के साथ ही इस्पात उद्योग भी हैं। अन्य उद्योग में गोश्त पैक करने के कारखाने, इन्जीनियरिंग, बिनीले से तेल निकालने आदि के कारखाने भी हैं। यहां पर पांच ट्रंक रेल मार्ग हैं। बन्दरगाह के रूप में यहां से टेक्सास एवं प्रेयरी की कपास तथा अनाज निर्यात किया है। काफी, जूट, केला, न्यूजप्रिंट आदि यहां आयात किये जाते हैं।

**मोबिल (Mobile):** यह तथा खाड़ी तट का सबसे अच्छा आन्तरिक प्राकृतिक बन्दरगाह है तथा प्रदेश की कपास, इमारती लकड़ी का व्यापार इसी बन्दरगाह से किया जाता है। यह नगर, रेल, जल एवं स्थल मार्गों द्वारा केन्द्रीय अलाबामा कोयला क्षेत्र से

जुड़ा है। जहाज निर्माण, सीमेन्ट अल्युमीनियम (आयातित बाक्ससाइट द्वारा) कागज एवं लुग्दी उद्योग (दक्षिणी वाइन एवं कड़ी लकड़ी से) आदि इस बन्दरगाह पर अवस्थित हैं।

## 7. दक्षिणी आंतरिक प्रदेश (Southern Interior Region)

मक्का मेखला के दक्षिण में एक विस्तृत भाग पर यह प्रदेश फैला हुआ है। यह प्रदेश खाड़ी तटीय मैदान से उत्तर में पूर्व-पश्चिम विस्तृत है। इसके पूर्व-पश्चिम में अपलेशियन, उत्तर में आन्तरिक कृषि प्रदेश तथा पश्चिम में विशाल मैदान का प्रदेश है। इसमें जार्जिया, अलाबामा, मिसिसिपी, लाउजियाना, अरकंसास एवं टेनेसी राज्यों के भाग आते हैं। यहां एक लम्बे काल से कपास की खेती होती चली आ रही है। इसलिए इसे कपास की पेट्री भी कहा जाता है। इसका विस्तार अपलेशियन पर्वतपदीय प्रदेश, अंध महासागरीय तट तथा टेक्सास एवं ओकलोहामा के उच्च मैदानी भाग तक है। यहां की अधिकांश कृषि में नमी है तथा सामान्य जीवन स्तर वाली है। अब मशीनीकरण होने से कृषि में विविधता आई है।

**उच्चावच :** यह अपलेशियन पर्वत तथा ओजार्क पठार से सीमित है। यहां की भौम्याकृति में बहुत अधिक विविधता होती है। दक्षिणी आंतरिक भाग धरातल की दृष्टि से तीन भागों में बांटा जा सकता है :

- ओजार्क-ओचीटा को उच्च भूमि
- अवसादी जमाव के मैदान
- मिसिसिपी नदी का बाढ़ का मैदान

(a) **ओजार्क-ओचीटा की उच्च भूमि** - यह पठारी भाग पेलोजोइक चट्टानों से निर्मित इस मैदानी भाग के मध्य में एक द्वीप के समान है। इस पठारी भाग के दक्षिण में रेड नदी के उत्तर में मिसौरी नदी बहती है। इसकी उत्तरी सीमा रेड नदी निर्धारित करती है जिसको अरकंसास नदी काटती है। संरचना की दृष्टि से ये अपलेशियन क्षेत्र से मिलती है तथा उसी की तरह दक्षिणी एवं पश्चिमी किनारों पर कोयला एवं तेल की खदानें मिलती हैं। इनका आकार (गुम्बद) की तरह है। अपक्षय एवं संकुचन द्वारा यह विभिन्न उपवर्गों में बट गई है :

- ओचीटा का उच्च भाग :** लगभग 900 मीटर ऊंचाई वाले भूभाग यहां पाये जाते हैं जिनमें समानान्तर मोड़दार कटक पाये जाते हैं। यहां पर पर्वत एवं चाटी एकान्तर पर पाये जाते हैं।
- बोस्टन पर्वत :** ड्राइट नदी के दक्षिण में बोस्टन पर्वत स्थित है जिसकी सबसे ऊंची चोटी 823.5 मी. ऊंची है।

दोनों खनिजों का विशेष स्थान है। खाड़ी क्षेत्र का तेल क्षेत्र संसार के महान तेल क्षेत्रों से एक है। इसका विस्तार पूर्व में टेक्सास, लूसियाना तथा साल्ट डोम तक है। यहाँ पर 1901 में खुदाई कार्य आरम्भ हुआ था। 6 1/2 किलोमीटर गहराई तक तेल पाया जाता है। सीमावर्ती तटीय भागों में पाये जाने से तेल के लिए फ्लोरिडा एवं टेक्सास राज्यों में विवाद भी हुआ था। टेक्सास जहाँ पर मध्य प्राय:द्वीपीय तेल भी निकाला जाता है, राष्ट्र का लगभग 1/3 भाग तेल उत्पन्न करता है। लूसियाना का द्वितीय स्थान है। देश के अन्य भागों की अपेक्षा यहाँ सर्वाधिक प्राकृतिक गैस भी निकाली जाती है।

खाड़ी क्षेत्र का पेट्रोल बहुत भारी किस्म का है। यह जलाने के लिए अधिक उपयोगी है। इसका अधिकांश उपयोग उद्योगों के लिए खाड़ी क्षेत्र में होता है विशेषकर टेक्सास में। अटलांटिक क्षेत्र के लिए जलयानों द्वारा यहाँ से तेल भेजा जाता है। आन्तरिक क्षेत्र में पेट्रोल का परिवहन पाईप लाईनों द्वारा किया जाता है।

खाड़ी क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण खनिज गंधक, नमक तथा मैग्नीशियम है। गंधक मुख्यतः टेक्सास के बोलिंग (Boling) और ब्रेजोरिया (Brazoria) क्षेत्रों से प्राप्त होता है। तटीय प्रदेश में नमक के गुम्बद पाये जाते हैं। केपराक से ये खनिज प्राप्त किये जाते हैं। संसार में सबसे अधिक नमक लूसियाना की अवेरी आईलैंड पहाड़ी (Avery Island Hills) संसार की सबसे बड़ी खान से निकाला जाता है। मैग्नीशियम बहुत हल्का पदार्थ है। इसका उपयोग वायुयान के इंजन तथा मोटर गाड़ियों में किया जाता है। इसे टेक्सास के फ्रीपोर्ट से निकाला जाता है।

**उद्योग :** देश के कुछ औद्योगिक नगर इस भौगोलिक प्रदेश में स्थित हैं। पेट्रोल सम्बन्धी उद्योग, सूती वस्त्र तथा रसायन उद्योग इस प्रदेश के प्रमुख उद्योग हैं। खाड़ी तटीय भाग में कार्पस क्रिस्टी, मोबाइल, ह्यूस्टन (Houston), व्यूमाण्ट, पोर्टआर्थर, न्यू आर्लिंयॉस, बेयोनरॉग आदि प्रमुख औद्योगिक नगर फैले हुए हैं। ये सब संयुक्त राज्य अमेरिका के एक औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण करते हैं। अधिकांश उद्योग पेट्रोलियम, गैस आदि पर आधारित ईंधन तथा स्थानीय कच्चे माल पर आधारित हैं। धातु उद्योग भी विकसित हैं क्योंकि जलयानों द्वारा आसानी से कच्चा माल लाया जा सकता है। इस क्षेत्र में कपास की कृषि के बावजूद भी सूती वस्त्र उद्योग बहुत कम हैं।

टेक्सास तथा लूसियाना में तेल शोधक कारखानों का बाहुल्य है। इसके प्रमुख केन्द्र लेक चार्ल्स, न्यूओर्लिंयॉस, ह्यूस्टन, गालवेस्टन, बेटाउन, साबाइन, लोक न्यूमान्ट, कार्पसक्रिस्टी आदि हैं।

तेल शोधक कारखाने तथा ऑयल क्रेकिंग के गौण उत्पादों पर आधारित यहाँ पर रसायन उद्योग तथा कच्चा नाइलॉन, ऑर्ज

नामक स्थान पर, कृत्रिम रबड़ पोर्टनेक्स (Port Neches), बॉटनरॉग (Baton Rouge) में तथा बेटाऊन में, मोटर, टायर उद्योग, टयरेक के कारखाने, कीड़े मारने की दवा, पेन्ट, साबुन, एल्कोहल विस्फोटक पदार्थ के कारखाने, औषधियाँ बनाने के कारखाने तथा प्लास्टिक बनाने के कारखाने पाये जाते हैं।

प्रदेश का गंधक एवं नमक भी रसायन उद्योगों के विकास में सहायक हुए हैं। सल्फ्युरिक एसिड बनाने में स्थानीय नमक का उपयोग होता है। कागज सल्फाइड लुग्दी से बनाया जाता है। अरेन्ज होस्टनशिप, कनाल में बहुत से उपरोक्त उद्योगों से सम्बन्धित कारखाने हैं। तटीय भागों में शेल द्वारा क्लोरिन तथा कार्बिक सोडे का निर्माण किया जाता है। इन सभी उद्योगों के लिए विद्युत शक्ति प्राकृतिक गैस द्वारा प्राप्त की जाती है।

धातु उद्योग, विशेष कर लौह अयस्क, बाक्साइट, टिन और जिंक पर आधारित हैं। कच्चे माल की प्राप्ति लिटिलरॉक, अरकंसास, जमाइका, गुयाना से की जाती है। एल्युमिना मोबिलिस तथा वाटन रोग में तथा टेक्सास के बहुत से तटवर्ती क्षेत्र से प्राप्त किया जाता है। तेल शोधक कारखाने-न्यू ओर्लिंयॉस, पोर्ट लावाका तथा कार्पस क्रिस्टी में पूर्णतः नवीन साज समान से युक्त कारखाना लगाया गया है। ह्यूस्टन में इस्पात का कारखाना, कार्पसक्रिस्टी में जस्ता शोधन, फल तथा मछली संरक्षण के कारखाने तथा लकड़ी एवं लुग्दी के उद्योग स्थापित हैं।

यहाँ का उत्पादित सामान प्रदेश से बाहर भेज दिया जाता है। अधिकांश नगर बन्दरगाह हैं जो आन्तरिक प्रदेशों से परिवहन मार्गों द्वारा जुड़े हैं।

**प्रमुख नगर एवं बन्दरगाह:** अधिकांश नगर बन्दरगाह होने के कारण परिवहन के सभी साधनों से पूर्णतः लाभान्वित हैं। इसके द्वारा काफी कच्चा माल तथा निर्मित वस्तुएं परिवहित की जाती हैं।

**न्यू ओर्लिंयॉस (New Orleans):** यह यहाँ का सबसे पुराना एवं महत्वपूर्ण नगर है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के महान प्रवाह क्षेत्र मिसिसिपी-मिसौरी में स्थित है। यह प्रमंसोसीयों द्वारा फर व्यापार के लिए स्थापित किया गया था। यह नगर खाड़ी से 175 किलोमीटर दूर मिसिसिपी नदी के छाड़न क्षेत्र में स्थित है। यही कारण है कि मिसिसिपी नदी की बाढ़ से इसका बचाव हो जाता है। नगर के पूर्वी एवं दक्षिणी भाग में नहरों का विकास किया गया है, जिनमें नौकायान होता है। नहरों का प्रयोग भारी माल के परिवहन में होता था, किन्तु रेल मार्गों के विकास से इनका प्रयोग कम हुआ। 11 मीटर गहरे चैनल की व्यवस्था करके इसको मुख्य जल मार्ग से जोड़ दिया गया है। इस प्रकार यह इलाई तथा ब्रिटेन साठड से जुड़ गया है। रेल मार्गों द्वारा यह अटलांटा, बर्मिंघम, शिकागो, टेक्सास एवं कलिफोर्निया से जुड़ा है। यह दक्षिणी राज्यों का प्रमुख बन्दरगाह

पकात भी कृषक हरिकेन जैसे उष्ण कटिबंधीय चक्रवात से अपनी फसल की सुरक्षा करने में पूर्णरूपेण असफल रहते हैं।

अन्य कृष्युपजों में अनाज एवं गन्ना है जो कि उपजाऊ पीट एवं मस्क मिट्टियों में उगाये जाते हैं। यह अकीचोबी झील के दक्षिणी भाग में पाये जाते हैं। पशुपालन उत्तर की ओर अधिक प्रिय व्यवसाय है। अधिकांश मवेशी भारतीय बर्मा नस्ल के ही हैं। मवेशियों को रसीले फलों के व्यर्थ निकले पदार्थों पर पोषित किया जाता है। अधिकांश मवेशी शहर के निकट दूध के लिए तथा मांस के लिए निकटवर्ती क्षेत्रों में पाले जाते हैं। फ्लोरिडा का मुख्य ठर्रक स्रोत यहां पर मिलने वाला फास्फेट का संघय है। यह खानों से खुली खुदाई द्वारा प्राप्त किया जाता है। यह प्रदेश विश्व के लगभग एक तिहाई फास्फेट की आपूर्ति करता है। यहां पर इसका शोधन भी होता है। कपास पेटो को भी फास्फेट की यहीं से आपूर्ति की जाती है।

**पर्यटन :** आजकल प्रदेश की मुख्य आय का स्रोत यहां का पर्यटन उद्योग है। यहां जितनी आय टुक फार्मिंग, रसीले फलों एवं खनिजों से नहीं होती उतनी अकेले पर्यटन उद्योग से होती है। यहां का जनवरी का तापक्रम 15° सेग्रे. रहता है जो कि अच्छा खासा सुखदाई तापक्रम है। यहां झीलों, बालुकामय समुद्र तटीय मैदानों का विस्तार पाया जाता है। छिछले समुद्र तट के साथ सुख्यवस्थित सुविधापूर्ण परिवहन व्यवस्था मिलती है। यह क्षेत्र सड़क, रेल एवं वायु तीनों मार्गों द्वारा सेवित है जो कि पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। यह आधुनिकता से परिपूर्ण है। डिजनेलींड के निर्माण ने तो इस उद्योग को चमत्कारिक सफलता प्रदान की है।

यहां का सबसे बड़ा पर्यटन केन्द्र मियामी है जो कि पिछले 40 वर्षों से उन्नति कर रहा है। 1920 में यहां केवल 42000 व्यक्ति ही थे। 1985 में यहां की जनसंख्या 800,000 हो गई थी। यदि इसके उपनगरों की जनसंख्या भी मिला ली जाय तो यहां की जनसंख्या 10 लाख हो जायेगी। अवकाश प्राप्त उद्योगपतियों एवं व्यापारियों का यह गृह क्षेत्र है। न्यूवा के शरणार्थियों के लिए यह एक आश्रय स्थल है। इसके साथ ही विश्व के अनेक बड़े उद्योगों के व्यापारिक एवं वाणिज्य संस्थान स्थापित हैं। इनके साथ-साथ ही यह विश्व का सबसे बड़ा पर्यटन स्थल है। यहां की सम्पन्नता दक्षिण के पाम बीच, दक्षिण का सेंट पीटर्सबर्ग तथा विभिन्न छोटी-छोटी जगहें जैसे डेटोन बी, की वेस्ट, छोटा सा नौकातट (Naval base) तथा स्पंज एवं टर्टिल मछली पकड़ने के दक्षिणी सीमा पर स्थित फ्लोरिडा आदि पर आधारित है। हरिकेन आदि से अक्सर यहां रेल मार्गों की क्षति हो जाती है। इसलिए मोटर मार्गों की भी व्यवस्था हो गई है। केपकानवाल पर नया राकेट केन्द्र बनाया गया है जो कि बैज्ञानिकों को भी अपनी ओर आकर्षित करता है।

फ्लोरिडा का सबसे बड़ा नगर जेक्सनविले है जो कि सेंट जोन

नदी के मुहाने से 48 किमी. ऊपर बसा है। यहां से फास्फेट और इमारती लाकड़ी निर्यात की जाती है। फ्लोरिडा के वनों से प्राप्त लाकड़ी से यहां के कारखानों में लाकड़ी की लुग्दी, कागज, पानी के जलान आदि बनाये जाते हैं। यहाँ पर पास में एक जहाजी बेड़ा नगर भी है। इसकी 1985 की जनसंख्या 8 लाख से अधिक थी।

**टेम्पा सेंटपीटर्सबर्ग :** ये दो जुड़वां नगर फ्लोरिडा के पश्चिमी तट पर स्थित है। इनकी 1985 की जनसंख्या 17 लाख थी। यहां सिगार बनाये जाते हैं। परिवहन मार्गों से ये नगर अन्य सभी नगरों से संबंधित है।

**मियामी :** यह नगर फ्लोरिडा के दक्षिणी सिरे पर स्थित है तथा विश्व प्रसिद्ध सैरगाह है। सन् 1985 में इसकी जनसंख्या 17 लाख थी। पर्यटन के अलावा यहां अनेक राजनीतिक सम्मेलन तथा संस्थागत वार्षिक बैठकें, अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियां आदि होते हैं। होटल उद्योग यहां प्रधान है।

## 6. खाड़ी का तटीय मैदान (Gulf Coastal Plain)

यह प्रदेश मैक्सिको की खाड़ी के तटवर्ती भाग में फैला हुआ है जो नम उष्ण कटिबंधीय जलवायु की विशेषताएं रखता है। यह तटीय भाग मानव अधिवास एवं कृषि के लिए अनुपयुक्त है। इसका विस्तार टेक्सस राज्य के तटीय क्षेत्र से अलाबामा राज्य के तटीय भाग तक है। यह प्रदेश कपास मेखला के दक्षिण तटीय प्रदेश में तट के सहारे विस्तृत है। इनका प्रवाह दक्षिण की ओर है।

तटीय भाग में परिवद्ध लैगून (Enclosed Lagoons) तथा तटीय दलदल पाये जाते हैं। रैतीली मिट्टी में कृषि की जा सकती है। यह भाग भारी वर्षा तथा हरिकेन के निरन्तर प्रभाव में रहता है।

**जलवायु :** इस भाग में शीत ऋतु गर्म और गर्म ग्रीष्म ऋतु होती है। अतः वर्ष पर्यन्त उष्ण ताप के कारण यहां की जलवायु उष्ण रहती है। वर्षा 150 सेमी. के लगभग होती है परन्तु मैक्सिको सीमा के निकटवर्ती क्षेत्र में वर्षा केवल 50 सेमी. होती है। अधिकांश भाग में तापमान जनवरी माह में 11° सेल्सियस और जुलाई माह में 27° सेल्सियस रहता है। न्यूओर्लियंस में हर माह वर्षा होती है। विभिन्न नगरों के तापक्रम एवं वर्षा इस प्रकार है :

	तापक्रम एवं वर्षा			
	जनवरी		जुलाई	
	ताप°से.	वर्षा सेमी.	ताप°से.	वर्षा सेमी.
गाल्वेस्टन	12.2	68	28.9	102
मोबाइल	10.6	119	26.7	178
न्यूओर्लियंस	12.2	114	27.7	165

**वनस्पति :** यहां की प्राकृतिक वनस्पति लम्बी पत्तों वाले वृक्ष तथा स्लाश पाइन के वृक्ष हैं। इनके अतिरिक्त दलदली वन, पालतों

**कैम्डेन :** यह नगर डेल्टावेयर नदी के दूसरे किनारे पर फ्लोरिडाहैलफिया की दूसरी तरफ स्थित है। यहां पर रेडियो, टेलीविजन बनाए जाते हैं। तांबा शोधन पास ही से निकले तांबे से किया जाता है। सखियों का संरक्षण तथा कपड़ा उद्योग भी है। चेस्टर में भी कपड़ा बनाने के कारखाने हैं। यहां रसायन भी बनाया जाता है।

**हेमरहेम्टन रोड :** जोसापीक खाड़ी की अंतिम सीमा पर हेमरहेम्टन रोड नामक नगर स्थित है जो कि नॉरफोल्क के तथा न्यूपोर्ट न्यूज को कोयले के व्यापार में सहायता प्रदान करता है। यह पश्चिमी वर्जीनिया के कोयले का परिवहन करता है। यहां से तम्बाकू, कपास, इमारती लकड़ी आदि का परिवहन होता है।

### 5. फ्लोरिडा प्रायद्वीप (Florida Peninsula)

फ्लोरिडा अन्य अंध महासागरीय क्षेत्रों से बिल्कुल भिन्न है। यहां की भौतिक संरचना, जलवायु, कृषि आदि सभी एकदम अलग प्रकार की है। इसलिए यह एक विशिष्ट प्रदेश है। यह क्षेत्र लगभग 150 किमी. लंबा है।

संपूर्ण प्रदेश अत्यन्त निम्न भाग है। यहां की सबसे अधिक ऊंचाई समुद्रतल से केवल 90 मीटर है। एक तिहाई दक्षिण के भाग की ऊंचाई कहीं भी 15 मीटर से अधिक नहीं है। यह एक हल्के उठाव वाला निर्माकृत सागरीय खूबतरा है जो कि चूने के नवीन पत्थरों से निर्मित है। कभी यह बहामा तथा यूकाटान (Yucatan) से जुड़ा हुआ था। उत्तर में कहीं-कहीं बालू से बके भाग हैं जो कि स्थानीय ऊंचाई को बढ़ा देते हैं। पूर्वी तथा दक्षिण तटीय क्षेत्रों में बालुका भित्ति (Sand Bars) तथा लैगून मिलते हैं। दक्षिणो तट का पानी निम्न अक्षांश तथा गल्फस्ट्रीम धारा के कारण गर्म रहता है। सारा प्रदेश चूने के पत्थरों से बना होने के कारण कार्स्ट भूदृश्य का चित्र प्रस्तुत करता है। चूना पत्थरों में अनेक खोलरंध तथा गड्ढे भी पाये जाते हैं जो भूमिगत जल प्रवाह बनाते हैं। दक्षिण में बहुत छिछली झील ओकीचोवी है जो कि पश्चिम की ओर प्राकृतिक रूप से बहती है। लेकिन कृत्रिम रूप से मुख्यतः दक्षिण-पूर्व की ओर बहाव है। दक्षिण की ओर की भूमि समुद्र तल से एक से दो मीटर ऊंची है। यह क्षेत्र मुख्यतः वीरान है। दक्षिण-पश्चिम में दलदली भूमि में साइप्रस तथा एक चौड़ी पट्टी मेनग्रेव वृक्षों की मिलती है। दलदल, काले रंग का नमकीन पानी तथा कीचड़युक्त है जो कि जलीय वृक्षों के लिए उपयुक्त है। इन वनों में बहुत सारे जंगली जीव-जंतु पाये जाते हैं। दक्षिण में प्रवाल निर्मित फ्लोरिडा क्रोन्च है। यहां की जलवायु स्वास्थ्य वर्धक है तथा वनस्पति सुन्दर पुष्पों से युक्त है, जो कि इसको सुरम्यता एवं भव्यता प्रदान करता है। इसी कारण यहां पर्यटन उद्योग खूब विकसित हुआ है।

**अर्थव्यवस्था :** फ्लोरिडा अपने शीतकालीन सब्जी तथा रसीले

फलों के लिए प्रसिद्ध है। उसके फलों एवं सब्जियों का मुकाबला कैलिफोर्निया और रायो ग्राण्डे घाटी के फल एवं सब्जी भी नहीं कर पाती। यहां की जलवायु नम तथा समशीतोष्ण है। यहां पिछले 70 वर्षों से निरन्तर सिंचाई सुविधा में विकास किया गया है जिससे रसीले फलों की कृषि की जाती है। इनको इकट्ठा करने के लिए प्रवासी



कर्मियों को लगाया जाता है। अधिकांश फल आखिरी नवम्बर से मार्च तक एकत्रित किये जाते हैं। कुछ फलों को बर्फ युक्त कर तथा कुछ को डिब्बाबंद कर संरक्षित कर मुख्यतः उत्तर के बाजारों को भेजा जाता है। यहां की फसल के 90 प्रतिशत उपज को जूस बना कर बेचा जाता है। फ्लोरिडा की मुख्य उपज संतरा है। यहां पर कोहरे एवं पाले की आशंका रहती है। लेकिन लगभग संयुक्त राज्य अमेरिका का आधा भाग संतरा यहीं से जाता है। अन्य दूसरे रसीले फलों में अंगूर और नींबू दक्षिणी-पूर्वी भाग में उत्पन्न किये जाते हैं। यहीं पर अन्ननास की कृषि भी की जाती है। आधुनिक कृषक अपना ध्यान कृषि में अत्यधिक नवीन वैज्ञानिक तकनीक को ओर लगाये रहते हैं। वे वैज्ञानिक विधि, रसायनिक खादों, छिड़काव तथा सिंचाई की ओर पूरा ध्यान देते हैं। फिर भी इतनी सुरक्षा विधियों को अपनाने

की कृषि केरोलीना तथा जार्जिया के तटीय मैदानों में की जाती है। चरार्थ यह फसल दक्षिणी-पूर्वी अलाबामा राज्य में भी उगाई जाती है किन्तु इसका महत्व यहाँ कम है। दक्षिण में बीन्स तथा मका प्राचीन समय से ही महत्वपूर्ण फसल है।

वाशिंगटन के दक्षिण में कृषि काफी लम्बे समय से करने के कारण भूमि अपनी उर्वरता खो चुकी है। इसके लिए फसल चक्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। अन्य ठपजों में यहाँ पर सतालू (Sweet Potatoes), मूँगफली, सोयाबीन की कृषि की जाती है। मूँगफली एवं सोयाबीन की कृषि से भूमि में नत्रजन की कमी पूरी हो जाती है। दोनों फसलों का उपयोग खाद्य तेल तथा पशुओं को खिलाने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही यहाँ पर पशुपालन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ पर पशु दूध एवं मांस दोनों के लिए पाले जाते हैं। साथ ही मुर्गी पालन भी होता है। अधिक अपक्षयित प्रदेशों को चरागाह के रूप में बदल दिया गया है। दक्षिणी केरोलीना तथा जार्जिया प्रदेश तरबूज तथा पोपेस के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं।

**मत्स्य उद्योग:** यह व्यवसाय तटीय भागों पर अधिक विकसित हुआ है। इस क्षेत्र में पकड़ी जाने वाली मुख्य मछलियों में हेरिंग, मेनहेडेन, फ्लाउडर, मेकरल आदि हैं। नदियों के निचले भागों में हेरिंग मछली पकड़ी जाती है। बलुई समुद्री किनारों पर भोंपे पाये जाते हैं। विश्व में सर्वाधिक भोंपे यहाँ पकड़े जाते हैं। फ्लोरिडा के तट पर अधिकांश मछलियाँ मनोरंजन के लिए पकड़ी जाती हैं। इनमें स्पोज तथा कर्पूर प्रमुख हैं। मत्स्य आखेट के प्रमुख केन्द्रों में जार्जिया, चेसापीक एवं डेलावेयर की खाड़ी प्रमुख हैं।

**पर्यटन उद्योग:** पर्यटन उद्योग मुख्यतः शहरी निवासियों के मनोरंजन के लिए विकसित हुआ है। ग्रीष्म ऋतु में उत्तर के नगर अटलांटिक सिटी, लॉगबीच, वर्जीनिया बीच पर लोग अपने ग्रीष्म अवकाश व्यतीत करने आते हैं। शीत मौसम में मियामी, फाम बीच, तथा फ्लोरिडा के अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्रों पर लोग अपनी छुट्टियाँ मनाते हैं।

बहुत से पर्यटक वाशिंगटन आदि नगरों से यहाँ पर महत्वपूर्ण दर्शनीय भवनों को देखने आते हैं। इनमें राजधानी क्षेत्र, ह्विट हाउस, माउंट वेरमोन आदि अनेक संग्रहालय तथा स्मृति भवनों को देखने आते हैं।

**उद्योग:** यहाँ उद्योगों का विकास करने में यूरोप से आये लोगों की कुशलता और तकनीक का बड़ा योगदान रहा है। यहाँ लोहा इस्पात उद्योग का प्रारम्भ पूर्वी पेन्सिलवेनिया में उपलब्ध लोहा अयस्क और अप्सेन्सियन क्षेत्र के धनों से प्राप्त लकड़ी के आधार पर हुआ। इस क्षेत्र में उद्योगों का स्थानीय बाजार तथा विदेशों से कच्चा माल आयात करने की सुविधा के आधार पर अत्यधिक

विकास हुआ है। मध्य अटलांटिक प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका की उत्तर-पूर्वी औद्योगिक पट्टी का ही एक भाग है। यहाँ औद्योगिक केन्द्रीयकरण के प्रमुख क्षेत्र हैं—(1) समुद्रतटीय क्षेत्र, (2) मध्य न्यूयार्क क्षेत्र

समुद्र तटीय प्रदेश के अन्तर्गत दक्षिण-पूर्वी न्यूयार्क, न्यू जर्सी, पूर्वी पेन्सिलवेनिया, पूर्वी मेरीलैण्ड और कोलम्बिया डिस्ट्रिक्ट सम्मिलित हैं। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सर्वप्रमुख औद्योगिक प्रदेश है। यहाँ के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया और बाल्टीमोर हैं। न्यूयार्क महानगरीय क्षेत्र विश्व का सबसे बड़ा औद्योगिक केन्द्र है। यहाँ के उद्योगों में प्रथम स्थान सिले-सिलापे बस्त्रों का और दूसरा स्थान मुद्रण का है। अन्य प्रमुख उद्योग विद्युत-मशीनें, विविध मशीनें, बेकरी तथा पेय पदार्थ, रसायन फैब्रीकेटेड धात्विक वस्तुएँ वायुयान और वस्त्र उद्योग हैं।

इस प्रदेश का दूसरा औद्योगिक क्षेत्र डिलावेयर घाटी में ट्रेंटन से विलमिंगटन तक विस्तृत है। यहाँ का सर्वप्रमुख औद्योगिक केन्द्र फिलाडेल्फिया है। फिलाडेल्फिया में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ, धरेलु सामान, बिजली के सामान, ऊँची वस्तुएँ, रेडियो, टेलीविजन, चमड़े की वस्तुएँ, सिगार और मशीनें बनाने के कारखाने हैं। दूसरा केन्द्र कैमडेन है, जहाँ जलयान उद्योग और डिब्बाबन्दी उद्योग प्रमुख हैं। अन्य महत्वपूर्ण केन्द्र विलमिंगटन, कियनी, मोरिसविले और ट्रैफ्टन हैं जहाँ धातु के सामान, रेल सम्बन्धी यंत्र तथा सामान, मोटर, वायुयान, इलेक्ट्रॉनिक आदि उद्योग स्थित हैं। मोरिसविले में लोहा तथा इस्पात उद्योग और विलमिंगटन में रसायन तथा वस्त्र उद्योग भी हैं।

तीसरा क्षेत्र पूर्वी पेन्सिलवेनिया है, जहाँ अपेक्षाकृत कम, पर महत्वपूर्ण उद्योग स्थित हैं। लेहाई घाटी में सोमेट उद्योग स्थित है। बेथलेहम, कोटसविले और स्टीलटन में लोहा और इस्पात तथा औद्योगिक मशीनों के कारखाने हैं। यहाँ का एक प्रसिद्ध उद्योग सिगार बनाना है, जिसके प्रमुख बड़े केन्द्र विल्किंस बार, हैजेल्टन, लंकास्टर, स्क्रेन्टन और रीडिंग हैं। इन केन्द्रों में ऊँची तथा कृत्रिम वस्त्र भी बनाये जाते हैं। चौथा औद्योगिक क्षेत्र चेसापीक की खाड़ी के शीप पर स्थित है। बाल्टीमोर यहाँ का प्रमुख केन्द्र है। यहाँ चीनी, पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरकों के कारखाने हैं। सपैरोज पार्इंट में लोहा-इस्पात का कारखाना है। बाल्टीमोर में जलयान उद्योग व वायुयान के उपकरण बनाने का उद्योग है। वाशिंगटन में मुद्रण कार्य की प्रधानता है।

औद्योगिक गतिविधियाँ अधिकतर उत्तर तथा समुद्र तटीय मैदान में हैं। जैसे प्रताप रेखा के निकट फिलाडेल्फिया नगर, बाल्टीमोर नगर आदि जहाँ जल विद्युत की सुविधा, आर्णविक शक्ति तथा आन्तरिक प्रदेशों के लिए मार्गों की सुविधाएँ प्राप्त हैं। यहाँ आन्तरिक

तथा इनमें पाइन के जंगल हैं। यहाँ को जलोद् मिट्टियों को छोड़ कर सभी मिट्टियाँ कृषि के लिए उपयुक्त नहीं हैं। यहाँ पर मिट्टियों में प्रवाह व्यवस्था की ओर विशेष ध्यान दिया जाता है।

**कृषि :** इस प्रदेश में जलवायु के अनुसार कृषि में भिन्नता परिलक्षित होती है। लेकिन कृषि पर मिट्टी एवं परम्परा का भी प्रभाव देखने को मिलता है। अंध-महासागरीय तट में कृषि वैभिन्यता पूर्ण है। यह जलवायु एवं बड़े नगरीय क्षेत्रों के सुगम्यता पर निर्भर करती है। कई देशों के लोगों के बसने के कारण यहाँ विभिन्न प्रकार की कृषि विधियों का विकास हुआ। यहाँ की वर्तमान कृषि प्रारूप के लिए समुद्र तटीय नगरों का विकास तथा पश्चिमी खाद्यान्न उत्पादक क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा मुख्यतः उत्तरदायी है।

बड़े-बड़े नगरों के विकास और अच्छी परिवहन-व्यवस्था के कारण यहाँ के कृषकों ने दुग्ध उत्पादन और ट्रक-फार्मिंग में विशिष्टता प्राप्त कर ली है। इस प्रकार की कृषि का विकास प्रदेश की भारी शहरी जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया गया है।

पेन्सिलवेनिया और न्यूयार्क में पशुपालन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। पेन्सिलवेनिया में कुल सस्य-क्षेत्र के 90 प्रतिशत भाग पर मक्का, जई, गेहूँ और घास पैदा की जाती है, इनमें से अधिकतर फसलें पशुओं के चारे के लिए उत्पन्न की जाती हैं। न्यूयार्क राज्य में कुल व्यापारिक कृषि-कार्य का लगभग आधा दुग्ध-उत्पादन से सम्बन्धित है।

परन्तु समुद्र तटीय मैदान की बलुई मिट्टी में दुग्ध उत्पादन

जाता है और मुर्गी पालन किया जाता है। तटीय मैदानों में विशेषकर न्यूजर्सी एवं डेलावेयर प्रायद्वीप तथा फ्लोरिडा में कृषि द्वारा अच्छी आय प्राप्त कर लेते हैं। यहाँ के कृषक उत्तर-पूर्व में स्थित नगरों के लिए ट्रक-फार्मिंग करते हैं। ये नगर न्यूयार्क, फिलाडेल्फिया, बाल्टीमोर तथा वाशिंगटन हैं। उत्तर में यहाँ पर उपज अवधि कम होती है यहाँ पर बाजार, बागान तटवर्ती किनारों पर स्थित है। इन स्थानों पर कुहरा एवं चाले की सम्भावना कम रहती है। यहाँ पर अच्छी सिंचित बलुई भूमि पर कृषि की जाती है। कृष्य भूमि में अत्यधिक खाद की व्यवस्था करनी पड़ती है जो कि काफी महंगी पड़ती है। यहाँ पर आलू, मकई, शतबेरी (Asparagus) हरी फलों आदि की कृषि की जाती है। काम्बेन जिले में सेब, पीयूष, बीच आदि बागाती कृषि के अन्तर्गत उत्पन्न किये जाते हैं। ताजे फलों के व्यापार के साथ-साथ यहाँ पर फलों का संरक्षण काम्बेन तथा बाल्टीमोर में किया जाता है। उत्तरी ट्रक-फार्मिंग प्रदेश में मुर्गी पालन तथा दुग्ध के लिए पशु-पालन भी किया जाता है। इनसे प्राप्त अण्डे, टर्की मुर्गियाँ तथा दूध से बने पदार्थों का भी व्यापार किया जाता है।

फ्लोरिडा में सेनफ्रेड के निकट केलेरी में शीघ्र तैयार होने वाले आलू, प्याज, भटर, बीन्स, टमाटर, मूली तथा शलाक लगाये जाते हैं। जार्जिया तथा केरोलीना में ट्रक-फार्मिंग कुछ ही भागों में की जाती है।

उत्तरी केरोलीना में तम्बाकू प्रमुख व्यापारिक फसल है। किन्तु दक्षिणी जर्जिया एवं जार्जिया में यह कम महत्व रखती है। कपास



तेल, कृषि यांत्रिकी तथा फर्नीचर का निर्माण होता है।

**बार्टोना** : टेनेसी घाटी का मुख्य नगर एवं व्यापारिक केन्द्र है। इस की जनसंख्या वर्तमान में 172265 है।

**नाक्सविले** : चीनी मिट्टी के बर्तन, वस्त्र, फर्नीचर और जस्ता वस्तुओं का निर्माण इस केन्द्र पर होता है। इसकी जनसंख्या वर्तमान में 1,90,758 है।

#### 4. अन्ध महासागर तटीय मैदान (Atlantic Coastal Plain)

अंध-महासागर तटीय मैदान एक विशिष्ट भौगोलिक प्रदेश है। यह प्रदेश उत्तर में बोस्टन नगर से दक्षिण में फ्लोरिडा तक विस्तृत है, किन्तु फ्लोरिडा को एक अलग प्रदेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसके अन्तर्गत न्यूजर्सी, पेन्सिलवेनिया, वर्जीनिया, उत्तरी एवं दक्षिणी कैरोलिया, जार्जिया आदि राज्य आते हैं। न्यूयार्क एवं बोस्टन के बीच अनेक निर्मित द्वीप हैं जिनमें लॉग आइलैण्ड द्वीप, नानट्रकेट, केपकाड प्रायद्वीप हैं। न्यूयार्क के दक्षिण में न्यूजर्सी, डेलमार्वा प्रायद्वीप, डेलावेयर खाड़ी, चीसापीक खाड़ी हैं। दक्षिण की ओर इसकी चौड़ाई बढ़ती जाती है तथा 160 किमी. तक हो गई है।

यहाँ का उच्चावच विविधतापूर्ण है। पठारी छोर पर आग्नेय चट्टानें हैं तथा मैदानी भाग पर क्रिटेशियस युग की परतदार चट्टानें हैं। कम ऊँचाई वाले कगार, बालुकामय भाग, तटीय मैदान एवं चूना पत्थर तथा दलदल वाले भाग पाये जाते हैं। उच्चावच के आधार पर यहाँ दो प्रदेश मिलते हैं।

1. बाह्य क्षेत्र - इसमें तीन उप भाग हैं:

(अ) अपतटीय (Off-Shore Bars) बार जिसमें केपहेट्रेस एवं बालुका स्तूप आते हैं।

(ब) आंतरिक दलदली एवं ज्वारीय भाग जैसे डिसमाल दलदल, पमलो को साउंड एवं इंडियन रिवर के लैगून।

(स) पश्चिम की ओर का बालुकामय मिट्टी का क्षेत्र।

2. आंतरिक तटीय मैदान जो अपेक्षाकृत ऊँचा भाग है।

इस प्रदेश में तटीय मैदान का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से दो प्रायद्वीप-डेलमार्वा तथा न्यू जर्सी और लॉग द्वीप करते हैं। तट के किनारे तरंग निर्मित भ्रूयुवें तथा वेदिकाएँ तटीय टिब्बें और विभिन्न प्रकार की रोधिकाएँ (Bars) पायी जाती हैं। तटीय मैदान, जिसकी आन्तरिक सीमा 'प्रपात रेखा' द्वारा निर्धारित होती है, क्रिटेशस कल्प से लेकर अभिनव महाकल्प तक की अपेक्षाकृत मुलायम चट्टानों से निर्मित एक कम ऊँचाई का मैदान है।

'प्रपात रेखा' जो इस प्रदेश में समुद्र से काफी निकट तक आ

गयी है, अप्लेशियन गिरिपद को तटीय निम्न भूमि से अलग करती है। जब अप्लेशियन पर्वत की पुराजोती महाकल्प की कठोर चट्टानों को छोड़कर नदियाँ तटीय भाग की मुलायम चट्टानों वाले भाग में पहुँचती हैं, तो दोनों की सीमा पर प्रपातों का निर्माण करती है। इसीलिए इस सीमा को 'प्रपात रेखा' कहा जाता है। वर्जीनिया के तट पर दलदली भाग पाये जाते हैं। भीतरी भाग में तटवर्ती भाग कुछ ऊँचा है जिसे आन्तरिक तटवर्ती मैदान कहते हैं। इस मैदान में अनेक नदियाँ पश्चिम से पूर्व की ओर बहती हैं। सरस्वोहना, पोटीमाक, लेईहाई, शिकिल, जुनिपट, रेपेहनाक तथा जेम्स नदियाँ प्रमुख हैं जिनसे यह प्रदेश कट-फट गया है। ये नदियाँ झरनों तथा प्रपातों का निर्माण करती हैं।

**जलवायु** : यह शीतोष्ण जलवायु का क्षेत्र है। सम्पूर्ण अंधमहासागरीय तट 100 सेमी. औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों के अन्तर्गत आता है। केवल उत्तरी तटीय भाग में ही हिम वर्षा होती है। जुलाई के तापक्रम की अपेक्षा जनवरी के ताप में काफी अन्तर पाया जाता है। अक्षांशों के बढ़ने से तापमान में कमी हो जाती है। जनवरी का तापमान मियामी में 19° से., न्यूयार्क में 0° से. तथा केपहेट्रेस में 8° से. रहता है जबकि जुलाई का तापमान इन्ही केन्द्रों पर क्रमशः 30° से., 24° से. तथा 26° से. रहता है।

इन सभी क्षेत्रों में पौधों के बढ़ने के समय में काफी अंतर है। उत्तर में यह 150 दिन तथा फ्लोरिडा में 300 दिन बोलने-बढ़ने की श्रुति है। उत्तर में कुहरे वाले दिनों की संख्या अधिक है जबकि दक्षिण में यह नगण्य है। यही कारण है कि उत्तर में केवल एक ही फसल उपज को जाती है जबकि दक्षिण में दो फसलें पैदा की जाती हैं।

**वनस्पति** : प्रदेश में प्राकृतिक वनस्पति में भिन्नता पाई जाती है। उत्तर में चौड़ी पत्ती वाले वन पाये जाते हैं। दक्षिणी फ्लोरिडा में दलदली एवं मैनग्रोव के वृक्ष पाये जाते हैं। इस प्रदेश में कठोर लकड़ी के वन पाये जाते हैं। बालू वाले भागों तथा दलदली प्रदेशों में पाइन के वृक्ष मिलते हैं। दक्षिणी आन्तरिक तटीय मैदानों में लम्बो एवं चौड़ी पत्ती वाले स्लैश तथा लोब्लोली आदि प्रजातियाँ पाई जाती हैं। तटीय निम्नभूमि में तटीय दलदली घासों और अच्छे अपवाह वाले भागों में चौड़, बांज, कृष्ण, नियाँस और नियाँस के वन पाये जाते हैं। तटीय निम्नभूमि में अभी भी काफी भूमि पर झाड़ियाँ तथा वन पाये जाते हैं।

अधिकांश वन कृषि एवं मानव आधिवासों के लिए काट कर साफ कर दिये गये हैं। फिर भी काफी वन क्षेत्र बचे हैं। अधिकांश वन जो बचे हुए हैं वे उपेक्षित पड़े हैं तथा उनको भी नष्ट किया जा रहा है तथा ठन्डे मवेशियों के चारागाह के रूप में अधिक प्रयोग किया जाता है। अधिकांश दक्षिणी भाग में इसी कारण कस्सर एवं

बन गया। यहाँ पर विशेष प्रकार के हेमेटाइट लौह अपसृक के संचय के साथ ही बहुत ही अच्छे किसिम का कोकिंग कोल भी मिलता है। स्थानीय खून पत्थर भी बहुत अधिक निकट पाये जाते हैं। विस्मोमेर पत्थर लौह इस्पात के इतिहास में एक आदर्शीय नाम यहाँ पर स्थित है लेकिन मुख्य कार्य समीप स्थित बर्मिंघम में होता है। यहाँ के इस्पात का कुछ भाग एशिया एवं लैटिन अमेरिका को निर्यात कर दिया जाता है। बाकी से फेरोकैल्शियम इमारतों तथा प्राकृतिक गैस तथा क्षेत्र के लिए पाइप बनाने जाते हैं। बर्मिंघम नगर में इस्पात के बड़े-बड़े बाजार हैं परन्तु उद्योग बहुत कम हैं।

(iii) पर्वतपटीय क्षेत्र : अलाबामा तथा वेसिलवेनिया के कूट एवं घाटी की तरह कोयला एवं स्लेटा नहीं पाया जाता, न ही यहाँ अन्य कोई खनिज पाया जाता है। अल्प मात्र में बाल्साइट, मैंगनीज, अभ्रक, जार्जिया क्षेत्र में पाये जाते हैं तथापि जल विद्युत की पर्याप्तता तथा लकड़ी, तम्बाकू, कपास तथा ग्रामीण जनसंख्या की उपलब्धता तथा साधारण उच्चावच के कारण यहाँ बहुत से उद्योग विकसित हुए हैं।

इस क्षेत्र में सूती वस्त्र, बिनीला से तेल निकालने, रसायनिक खाद, कृषि सम्बन्धी मशीनों बनाने के कारखाने स्थापित किये गये हैं। मुख्य केन्द्र अटलाण्टा, चार्लोट राउन, डारहम, विन्सटन, स्मार्टन बर्ग आदि हैं।

पर्वतपटीय क्षेत्र के अधिकांश नगरों में उपरोक्त उद्योग पाये जाते हैं, किन्तु वायुयान के उद्योग केवल अटलांटा में ही मिलते हैं। मुख्य औद्योगिक समूह न केरोलीना में पाया जाता है। परन्तु निर्यात एवं व्यापारिक नगर सम्पूर्ण पोट्सडैम राज्य में फैले हैं। यहाँ पर कोयला पश्चिम वर्जीनिया से, पेट्रोलियम तथा गैस केंटुकी एवं अलाबामा से पड़प लाइनों द्वारा प्राप्त किया जाता है। आणविक विद्युत शक्ति बहुत से स्थानों पर मिलती है। साथ ही साथ स्थानीय जल विद्युत आपूर्ति से यहाँ पर बाजारों का विकास हो रहा है जिससे लोगों का जीवन स्तर तेजी से ऊपर उठ रहा है। पोट्सडैम तथा तटीय क्षेत्र के कोयला मजदूर, गरीब क्षेत्र, तथा भूमि के कृषक तथा अप्रस्थित भूमि के कृषक सभी बढ़ती हुई कैम्प्ट्रों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

सालेन में तम्बाकू से सिगरेट बनाने के कारखाने हैं। तथा स्थानों पर कागज बनाने तथा फर्नीचर बनाने के उद्योग पाये जाते हैं। (विशेषकर उत्तरी केरोलीना में)। अन्य स्थानों में बिनीले तथा मृंगफली से तेल निकालने वाले उद्योग विकसित हैं। बर्टोन (उत्तरी केरोलीना) में अल्युमीनियम उद्योग भी हैं लेकिन यहाँ का मुख्य उद्योग कपड़ा ही है। उत्तरी तथा दक्षिणी दोनों ही केरोलीना में सूती तथा रेशम उद्योग की प्रमुखता है। यहाँ तक की जार्जिया तथा अलाबामा भी अब मेसोपुमेस से अधिक धातुओं का निर्यात करते हैं। प्रयात रेखा के नगरों के साथ ही साथ मेसोपुमेस, चार्लोट

(उत्तरी केरोलीना) स्मार्टनबर्ग, ग्रीनविले (दक्षिणी केरोलीना), लिनचबर्ग (वर्जीनिया) उपरोक्त सभी नगरों में सूती वस्त्र उद्योग प्रमुख स्थान रखता है। जबकि रेशम एकहिल (दक्षिण केरोलीना), सेरोनोक (वर्जीनिया) चार्लोट, रेशविला (उत्तरी केरोलीना) में, गदलान तथा अन्य कृत्रिम रेशों का उत्पादन, मार्टिनविले (वर्जीनिया), सेलबार्ड (उत्तरी केरोलीना) तथा अन्य छोटे नगरों में होता है।

(iv) टेनेसी घाटी क्षेत्र :- इस घाटी क्षेत्र में रसायनिक खाद एवं कागज के कारखाने प्रमुख हैं।

1933 में मुस्केल शोल्स (Muscle Shoals) में भी पर्याप्त शक्ति उपलब्ध नहीं थी जहाँ कि संयुक्तराज्य अमेरिका के दो बड़े वास्ट्रेट के कारखाने कार्यरत थे। अब इस क्षेत्र में और अधिक आयुध सामग्री बनाने के कारखाने खोले गए हैं। इस प्रदेश की चस्केट की चट्टानें तथा ज्वरकों का उत्पादन किया जाता है। मुस्केल शोल्स में ज्वरक के कारखाने, डकटाउन के सल्फ्यूरिक एसिड के कारखानों से सल्फ्यूरिक एसिड तथा पूर्वी टेनेसी की पहाड़ियों से लंबा प्रात किया जाता है। चट्टानुग जिले के बाल्साइट के कारखानों में भी काम होता है। अल्कोहल और लिग्नाइटिलर में अल्युमीनियम के शोधक कारखाने कार्यरत हैं। ओकविल पर ओकविले के निकट शासकीय आणविक ऊर्जा पर्यट स्थपित हैं। हिम्बरी नदी पर कालहाउन, बोकार में अप्रस्थित पहाड़ियों पर उगाये गये पाइन जंगलों से प्रात लकड़ी प्रमुख होती है। एकतर में धान भट्टी तथा ओकविले में इस्पात भट्टी है।

चट्टानुग और ओकविले यहाँ के प्रमुख बड़े अणुयान हैं। चट्टानुग यहाँ का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र, निर्माण उद्योग चिन्स एवं डाला लोहा, वस्त्र उद्योग, फर्नीचर उद्योग, क्रोमियम पिचलने के कारखाने हैं। ओकविले में इस योजना का मुख्यालय, निर्माण उद्योग, वस्त्र उद्योग, फर्नीचर बाजार उद्योग, जिक उद्योग (अल्युमिनियम पर्वतों से निकाला जाता है) तथा लोहे के सामानों के उद्योग पाये जाते हैं। संगमरमर पर नककाली का काम भी आस-पस के क्षेत्रों में होता है। टेनेसी विश्वविद्यालय भी यहाँ स्थित है।

**मुख्य नगर :**

**अटलाण्टा :** पर्वतपटीय क्षेत्र का प्रमुख नगर अटलांटा है जिसकी जनसंख्या 27.2 लाख है। इनमें अभी जनसंख्या वृद्धि भी है। यह जार्जिया की राजनैतिक राजधानी है। साथ ही साथ उत्तरी अमेरिका की यह प्रदक्षिण राजधानी भी है। उच्च श्रेणी की सेवा व्यवस्था मिलने के कारण यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र भी है। यहाँ कोकाकोला कंपनी का मुख्यालय है। यह वायु परिवहन का प्रमुख केन्द्र है तथा सलाबटी ओलंपिक खेलों का आयोजन रहा है। यहाँ कार, वायुयानिकी (Air Craft), कपड़ों के क्षेत्र में

दिया गया जिससे भूमि क्षरण रुका तथा वनों पर आधारित उद्योगों का विकास हुआ। कम वीरु डालों पर घास लगाई गई या फिर ऐसे पत्तों को लगाया गया जो अपनी जड़ों में नाइट्रोजन का संघन करती हैं या फिर जिनकी जड़ें मिट्टी में फैलकर उसके कटाव को रोकती हैं। पट्टिका कृषि (Strip Farming), सीढ़ी बनाकर कृषि, समोच्च रेखा के अनुसार कृषि आदि यहां की कृषि के साधारण ढंग हैं। यहां पर एक कृषि ब्यूरो खोला गया है जो कि कृषि के ढंग, उर्वरकों, कीड़ों से फसल के बचाव आदि के बारे में अवगत कराता है।

इस प्रकार टेनेसी घाटी परियोजना ने भू-संरक्षण के उपायों को लागू कर भूमि को रक्षा कर उसकी उत्पादकता में वृद्धि के साथ ही अनेक जलाशय बनाकर बाढ़ की समस्या पर अंकुश लगाया। सम्पूर्ण घाटी में वर्षा की मात्रा काफी (125 सेमी.) अधिक होने से भूमि संरक्षण के उपाय कारगर हुए हैं। नदियों के बहाव क्षेत्रों को सीमित कर बाढ़ नियंत्रण किया गया है।

**खनिज एवं शक्ति संसाधन :-** अप्लेशियन में अनेक कोयले की परतें हैं जो पेंसिलवेनिया, वर्जीनिया, तथा केंटुक राज्यों में प्रमुख हैं। यहां से देश का 70 प्रतिशत कोयला पैदा किया जाता है। पेंसिलवेनिया में एंड्रोसाइट कोयला मिलता है।

पूर्वी पेंसिलवेनिया में एन्ध्रसाइट का जमाव लगभग 125 किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है। यह क्षेत्र सस्क्वेहाना तथा डेलावर नदियों के मध्य अप्लेशियन श्रेणी तथा घाट प्रदेश के अन्तर्गत आता है। प्रमुख उत्पादन क्षेत्र लाकावाना (Lackawanna) व्योमिंग घाटी के मध्य कारवानेडाले तथा बिलकिसबेरे के मध्य फैला है। इस क्षेत्र के लगभग मध्य बिन्दु पर स्क्रैटन स्थित है। 1916 में यहां पर सबसे अधिक एक करोड़ टन एंड्रोसाइट निकाला गया था। अब यहां का उत्पादन प्रतिवर्ष लगभग 60 लाख टन रह गया है। यहां के स्थानीय उद्योगों द्वारा कुछ कोयला शक्ति के लिए उपयोग में लाया जाता है बाकी को रेल द्वारा फिलाडेलफिया, न्यूयार्क तथा न्यू इंग्लैण्ड को निर्यात कर दिया जाता है। यहां का कोयला काफी महंगा पड़ता है क्योंकि कोयले के संस्तर बहुत अधिक अनियमित रूप से वितरित हैं। कोयले की परतें कहीं-कहीं पतली हैं तो कहीं एकदम मोटी। संस्तर बहुत अधिक भंजित तथा तीव्र ढाल वाले भी हैं। साथ ही साथ इसको तेल, प्राकृतिक गैस, कोल गैस, कोयला, बिजली आदि की प्रतियोगिता भी करनी पड़ती है। इस प्रकार वह उत्तरी अमेरिका का मुख्य एन्ध्रोसाइट का स्रोत होते हुए भी धीरे-धीरे ह्रासोन्मुख है। पूर्वी पेंसिलवेनिया को खानें धीरे-धीरे बन्द होती जा रही है और यहां के मजदूर अन्यत्र जा रहे हैं।

अलाबामा कोयला क्षेत्र का अधिकांश विस्तार दक्षिणी अप्लेशियन पठार प्रदेश में है। लेकिन अप्लेशियन घाटी जोन में भी इसका विस्तार मिलता है। इसके मुख्य संस्तर को खुदाई खुली

खनन विधि से की जाती है। इनकी मोटाई 12 मीटर है। इस क्षेत्र से होकर ब्लैक वॉरियर नदी तथा तोमबिगनी नदिया मैक्सिको की खाड़ी में गिरती हैं। मॉबिल के पूर्व में इनमें नहरें बनाई गई हैं जिनसे कुछ इस्पात एवं कोयला टट को भेजा जाता है। कोयला क्षेत्र में रेल और सड़क की सुविधा भी है। कुछ मात्रा में बॉक्साइट, मैंगनीज, अभ्रक, जार्जिया क्षेत्र में पाये जाते हैं।

**औद्योगिक क्षेत्र :-** इस प्रदेश में विभिन्न उद्योगों का विकास हुआ है। यद्यपि टूक फार्मिंग, मछली पकड़ना मुख्य व्यवसाय है फिर भी अधिकतर जनसंख्या नगरीय केन्द्रों में रहती है। इस्पात उद्योग का विकास भी अधिक हुआ है। इस प्रदेश में चार औद्योगिक क्षेत्र प्रमुख हैं :-

1. पूर्वी पेंसिलवेनिया क्षेत्र
2. उत्तरी मध्य अलाबामा क्षेत्र
3. पर्वतपटीय (पीडमॉन्ट) क्षेत्र
4. टेनेसी घाटी क्षेत्र

(i) पूर्वी पेंसिलवेनिया औद्योगिक क्षेत्र : उपरोक्त सभी औद्योगिक क्षेत्रों में यह क्षेत्र सबसे पुराना एवं चना बस्ता क्षेत्र है। यह क्षेत्र पीडमॉन्ट एवं अप्लेशियन घाटी क्षेत्र दोनों को ही अंगीकार किये हुए है। 18वीं शताब्दी से ही इस क्षेत्र में स्थानीय लोहा से लोह वस्तुएं बनाई जाती हैं। पहले लोहे को चारकोल से पिघलाया जाता था। जब से स्थानीय एन्ध्रसाइट का पता लगा उद्योग और अधिक विकसित हुआ। 1940 में इस प्रदेश में उत्तरी अमेरिका की सबसे अधिक धमन भट्टियां थीं। गृह युद्ध ने यहां के उद्योग को काफी आगे बढ़ाया, परन्तु 1960 में पिट्सबर्ग की उन्नति से इस औद्योगिक क्षेत्र को काफी धक्का लगा। पिट्सबर्ग के पूर्वी क्षेत्रों में उल्टा लोहा बनाने के लिए सस्ता तथा अच्छी श्रेणी का लोहा मिलने के कारण यहां का इस्पात ज्यादा सस्ता पड़ता था। हेमेटाइट लोह अपस्क ड्रोल क्षेत्र से आयात किया जाता है। यहां पर एलेनटोन, बेथेलेहम (Bethlehem), लेही घाटी (Lehigh valley), रीडिंग स्टीलटन (सस्क्वेहाना) लेबनान आदि औद्योगिक केन्द्र हैं जो कि आयातित लोहे पर आधारित हैं तथा यहां पर पश्चिमी पेंसिलवेनिया तथा पश्चिमी वर्जीनिया से कोकिंग कोल आयात किया जाता है। हेरिसबर्ग, लेबनान के निकटवर्ती क्षेत्रों से एन्ध्रसाइट, शैल और चूना (लेही घाटी) से प्राप्त कर बहुत बड़ी मात्रा में सीमेंट का उत्पादन करता है। स्क्रैटन, बिलकिसबेरे, रीडिंग, हेरिसबर्ग में महिला मजदूरों की पर्याप्त संख्या होने से यहां पर सूती तथा ऊनी वस्त्र उद्योग, यांत्रिक उद्योग, खनिज यांत्रिक उद्योग पाये जाते हैं। बिलकिसबेरे में यांत्रिक एवं तार-रस्सी उद्योग, बेथेलेहम में मोटरकार उद्योग, हेरिसबर्ग तथा स्टीलटन में अन्य विभिन्न प्रकार के उद्योग पाये जाते हैं।

(ii) मध्य अलाबामा 1980 में प्रमुख लोह-इस्पात का केन्द्र

**वनोद्योग :-** ब्लूजिज क्षेत्र में वनों से इमारती लकड़ी, रेलवे स्लीपर तथा बेरल बनाने की लकड़ी, फर्नीचर तथा कागज बनाने हेतु लुग्दी आदि प्राप्त होती है। -क्षेत्र में जहाँ के वनों की लकड़ी शीघ्र ही पक जाती है, इन लकड़ियों का विशेष महत्त्व यहाँ के लुग्दी एवं कारखानों के लिए है। इस प्रकार के उद्योग अंध महासागरीय तटवर्ती क्षेत्रों में बड़ी शीघ्रता से फैल रहे हैं।

अप्लेशियन पठार के अधिकांश वन प्रदेशों पर सरकार का निवन्त्रण है। बहुत से उच्च प्रदेशीय क्रमिक इसमें अंशकालिक रूप में और बहुत से लोग स्थाई रूप से आरामशील तथा लकड़ी के अन्य कारखानों में काम करते हैं।

**पर्यटन :-** अप्लेशियन प्रदेश में प्राकृतिक वनस्पति एवं मौसम दोनों ही पर्यटन उद्योग को अपनी ओर आकर्षित करने में असफल हैं। फिर भी उच्च अक्षांशीय क्षेत्रों में चूँकि गर्मियों अपेक्षाकृत ठण्डी होने से शहरी लोग अपनी गर्मी की छुट्टियाँ बिताने तथा पर्वतीय दृश्यों का अवलोकन करने आते हैं। अप्लेशियन के नाटकीय दृश्यों में पर्वतपाद के तीव्र ढाल वाले उच्च प्रदेशीय भूदृश्य हैं। वर्जीनिया, ब्लूजिज, ग्रेट स्मोकी पर्वत, राष्ट्रीय उद्यान आदि यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। माउन्ट मिचेल के पास ही ऐशविला शहर है जहाँ पार्क है उसे देखने के लिए आस-पास के बड़े शहरों (वाशिंगटन, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया आदि) से काफी पर्यटक आते हैं। यहाँ का रिज एवं घाटी क्षेत्र प्राकृतिक सुरम्य पर्यटन स्थल है। वर्जीनिया का प्राकृतिक पुल (चना के पत्थर से बना मेड्रारब) तथा अन्य बहुत से कार्टर भूदृश्य, सिंक्रोहोल, कंदरायें आदि हैं जिन्हें देखने असंख्य पर्यटक प्रतिवर्ष आते हैं। वनाच्छादित क्षेत्र में कार्टस्किल एवं फिरगी झील है। दक्षिणी क्षेत्र में डेनिसी नदी द्वारा बनाई गई अनेक झीलों को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया हुआ है।

**कृषि :-** जैसी की इस प्रदेश की जलवायु, मिट्टी एवं भौगोलिक भूदृश्य में विभिन्नता परिलक्षित होती है वैसे ही वैविध्यपूर्ण इस प्रदेश की कृषि है। कृषि को उत्तर-दक्षिण, कूट एवं पठार तथा घाटी के आधार पर अलग किया जा सकता है।

पश्चिमी मेरीलेण्ड, उत्तरी वर्जीनिया, दक्षिण पेंसिलवेनिया, उत्तरी जर्सी तथा पिडमाण्ट का उत्तरी भाग बहुत धीमे ढाल वाला क्षेत्र है। यहाँ की मिट्टी ट्रिप्लिक चट्टानों से बनी हुई है तथा बहुत उर्वर है। यहाँ के कृषक बड़े ही परिश्रमी एवं शिक्षित हैं तथा यहाँ की संचार व्यवस्था बहुत उन्नत किस्म की है। इन सबके साथ सबसे बड़ी सुविधा नगरीय बाजारों की है। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन है परन्तु बहुत से मुर्गी फार्म भी मिलते हैं। यहाँ पर मिश्रित कृषि भी की जाती है जिनमें पशुपालन के साथ तम्बाकू, आलू की कृषि, सेब के बागीचे तथा ट्रक फार्मिंग के अन्तर्गत टमाटर, भुट्टा तथा पत्तागोभी उगाई जाती है। यहाँ का मुख्य कृषि

क्षेत्र सस्क्वेहाना नदी द्वारा घिरा लंकास्टर क्षेत्र है। यहाँ पर गहन-कृषि की जाती है। जोड़े में गेहूँ और मक्का के साथ चारा, तम्बाकू एवं आलू की कृषि की जाती है। यहाँ के अधिकांश फार्म 40 हेक्टेयर से कम जोत वाले हैं तथा काफी उर्वरता वाले हैं।

अप्लेशियन प्रदेश के पर्वत पदीय क्षेत्र के उत्तर में प्रमुख व्यापारिक फसल तम्बाकू है जबकि दक्षिण में व्यापारिक फसल कपास है। यहाँ पर उत्तर की अपेक्षा कम गहन कृषि होती है। साथ ही उत्तर जैसा वैज्ञानिक भी नहीं है। निरन्तर कृषि के कारण यहाँ बहुत सी भूमि की उर्वर शक्ति समाप्त हो गई है तथा उनमें क्षरण भी बहुत अधिक हुआ है। अब यहाँ पर भिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन आरम्भ किया गया है। खेतों में खाद का प्रयोग बढ़ा दिया गया है। मैन्हाट्टन क्षेत्र में मछली की खाद खेतों में फास्फेट की कमी को पूरा करने के लिए डाली जाती है। यहाँ की मुख्य फसल मक्का है। जिसका उपयोग मनुष्यों तथा पशुओं द्वारा खाद के रूप में किया जाता है। गोमांस के लिए पशुओं एवं मुर्गी को मक्का खिलाया जाता है। बाहरी पर्वतपाद को क्षेत्र में रसीले फलों जैसे पीच (कैरोलीना, जार्जिया), शकरकंद, सोयाबीन, मूँगफली आदि की कृषि की ओर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इन सब व्यवस्थाओं के बावजूद यहाँ फार्मों से आय कम तथा जनसंख्या का दबाव कुछ स्थानों पर अधिक परिलक्षित होता है।

कूट तथा घाटी क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र एवं घाटी आन्तय स्थल में, कृषि काफी विकसित व्यवस्था में है क्योंकि यह क्षेत्र अधिक उपजाऊ है। जबकि कूट तथा घाटी क्षेत्र के दक्षिणी भाग में कृषि उतनी उन्नतशील नहीं है। सेननदोह घाटी में गोमांस के लिए पशुपालन और दूध व्यवसाय के लिए पशु पाले जाते हैं। यहाँ पर गेहूँ, मक्का की कृषि तथा सेब की बागानी कृषि की जाती है। सस्क्वेहाना घाटी से उत्पन्न दूध यहाँ के व्यापारिक नगरों स्केडन तथा हेरिसबर्ग को जाता है।

अप्लेशियन कूट तथा घाटी के खुले विस्तृत पठारों भागों में कृषि बहुत अधिक लाभकारी व्यवसाय नहीं है। उच्च भूमि में वृक्षों को साफ कर भेड़ पालन होता है तथा ब्लूजिज में जहाँ कहीं ढाल पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वहाँ सेब के बागीचे लगाये गये हैं। अप्लेशियन पठार की घाटी, पिट्सबर्ग आदि झील क्षेत्र में डेयरी व्यवसाय के लिए फार्म बनाये गये हैं तथा उच्च भागों में ऊन के लिए भेड़ें पाली जाती हैं। परन्तु दक्षिण की उच्च भूमि पर मक्के की कृषि बिना किसी फसल चक्र के की जा रही है, जिससे भूमि का क्षरण तीव्रता से होना स्वाभाविक है। इस प्रकार की अवस्था पश्चिमी वर्जीनिया एवं केंटुकी क्षेत्रों के पहाड़ी प्रदेशों में देखने को मिलती है। यह क्षेत्र अमेरिका के अत्यन्त पिछड़े क्षेत्रों में शामिल किये जाते हैं।

यहाँ के कृषक जीविका निर्वाहक कृषि करते हैं अर्थात् अपनी

(ब) ब्ल्यू रिज

पर्वत-पदीय पठार एवं ब्ल्यू रिज अर्थात् इन दोनों को प्राचीन अप्लेशियन भी कहा जाता है क्योंकि ये रवेदार चट्टानों से बने हैं जिनमें मुख्यतः आग्नेय रूपान्तरित चट्टानें पायी जाती हैं।

(स) कूट एवं घाटी

(द) अप्लेशियन पठार

कूट एवं घाटी तथा अप्लेशियन पठार अर्थात् उपरोक्त दोनों पेलियोजोइक शैलों से निर्मित हैं।

(a) प्राचीन अप्लेशियन : ये अप्लेशियन के सर्वोच्च प्रदेश हैं। इनके अपरदन के निपेक्षों से नवीन अप्लेशियन का निर्माण हुआ। पर्वत-पदीय पठार मेरीलैण्ड, केरोलिना तथा जॉर्जिया राज्यों में विस्तृत है जो 80 से 160 किमी. तक चौड़ा है। पश्चिम की प्रपात रेखा के बाद इस पठार की पश्चिम में औसत ऊंचाई 366 मीटर है, परन्तु सस्वेहाना नदी के उत्तर में ऊंचाई कम है। पर्वत-पदीय पठार के पश्चिम में आग्नेय चट्टानों का क्षेत्र है। वेमिलवेनिया, वर्जीनिया, एवं जॉर्जिया राज्यों में ब्ल्यू रिज के क्षेत्र हैं जो परिवर्तित चट्टानों के भाग हैं। इनमें स्मोकी (Smoky) उन्हाका (Unaka) पर्वत हैं। पर्वत वेमिलवेनिया राज्यों में 24 किमी. परन्तु उत्तरी केरोलिना में 160 किमी. चौड़ाई में है जहां सब से ऊंचा धरातल 1830 मीटर ऊंचा है। पूरब की ओर डेलावेयर, सस्वेहाना, पोटेमैक, जेम्स आदि नदियां बहती हैं।

(b) नवीन अप्लेशियन : इसमें अप्लेशियन घाटी, पेलियोजोइक मोहदार पर्वत तथा पठार आते हैं। अप्लेशियन घाटी एक विस्तृत मैदानी भाग है जिसमें टेनेसी, होल्स्टन, शेनान्दो आदि नदियां बहती हैं। कूट एवं घाटी के समांतर उष्णकटिबंध में चूने पत्थर व शैल के जमाव मिलते हैं। जो पर्वत श्रेणियां हैं वे अप्लेशियन के धिरे-धिरे समाप्त भाग हैं। इनके पश्चिम में अलेखनी कणार है। इस क्षेत्र से पूर्व एवं पश्चिम की ओर नदियां बहती हैं।

अप्लेशियन पठार को अनेक नामों से जाना जाता है। इटस्मन घाटी में ये कैटस्किल पर्वत कहलाता है (1200 मी.)। दक्षिण में अलेखनी पठार है जो पश्चिमी वर्जीनिया में 1200 मी. ऊंचे हैं। कंबरलेण्ड नदी के दक्षिण में कंबरलेण्ड पठार है। इस पठार का डाल पश्चिम में मध्यवर्ती मैदान तक चला गया है।

अप्लेशियन पर्वत के दक्षिण पश्चिम के मैदान : अलेखनी के पठार के उत्तर में झोलों के मैदान स्थित हैं। डूरी झोल का दक्षिणी तटवर्ती मैदानी भाग बहुत संकर है जबकि ओम्पेरियो झील का दक्षिणी तटवर्ती मैदानी भाग काफी चौड़ा है। इन मैदानों में मुख्यतः सरोवरी एवं कुछ हिमानी कृत जमाव पाये जाते हैं जैसे इमतिन आदि। प्रमुख अप्लेशियन भाग प्लैमटोमीन युग की हिमचादर के सुदूर दक्षिण में है।

पश्चिम में अप्लेशियन का थोसा डाल संयुक्त राज्य अमेरिका

के मध्य मैदानी भाग की ओर है। केंद्रीय के प्रसिद्ध सरोवरी झील का अपरदिश भाग ब्लूग्रास बेसिन तथा टेनेसी का नारहिलेझील इसी प्रकार के दो बेसिन हैं जिनमें चूने के पत्थर तथा शैल के जमाव पाये जाते हैं। इनमें सघन घास तथा अच्छे जमाव उत्पन्न होते हैं। दक्षिण में नारहिले तथा माडरी में फायरफेक का उत्पन्न होता है।

अंध महासागरीय एवं खाड़ी तटीय मैदानों तथा उत्तरी अप्लेशियन के मध्य में काली मिट्टी की पेटी (Black Soil Belt) मिलती है, जिसमें पश्चिमी जॉर्जिया, मध्य अलाबामा, मिमीसिपी आदि की मिट्टियां काली तथा चूनेदार हैं। इनमें काफी असें से कृषि की जा रही है। इस क्षेत्र में नीग्रो जनसंख्या क्रमिक का कार्य करती है।

जलवायु : इस प्रदेश की जलवायु ठण्डी और आर्द्र है। अप्लेशियन के इस भाग की जलवायु अन्ध महासागरीय तटवर्ती प्रदेश से बहुत अधिक भिन्न नहीं है। किन्तु अनेक उष्णकटिबंध की अधिक विषमता के कारण अनेक सूक्ष्म स्तरीय जलवायु पाई जाती है। उदाहरण के तौर पर कूटों एवं घाटियों में भारी वर्षा तथा कूटों का तापक्रम कम तथा घाटियों में अधिक पाया जाता है। विस्तृत रूप से यह कहा जा सकता है कि उत्तरी भाग में शीत शीतोष्ण जलवायु पायी जाती है जहां फरवरी उगने का समय लगभग 150 दिन होता है तथा जनवरी का औसत तापक्रम लगभग 7° सेंटीग्रेड तथा जुलाई का औसत तापक्रम 21° सेंटीग्रेड रहता है। लेकिन दक्षिण में जहां गर्म शीतोष्ण जलवायु पाई जाती है। फरवरी उगने का समय बढ़कर 200 दिन तक हो जाता है तथा जनवरी का औसत तापक्रम 7° से और जुलाई का औसत तापक्रम 27° से रहता है।

सम्पूर्ण अप्लेशियन प्रदेश में वर्षा का वितरण समान है। वर्षा भी 85 सेमी. से कम वर्षा नहीं होती। साधारणतया वर्षा दक्षिण की ओर बढ़ती है जिससे ऊंचे स्थानों पर काफी वर्षा होती है। ईट स्मोकी पर्वत की शोटियों पर 200 सेमी. से अधिक वर्षा होती है। बहुत से ऊंचे भागों, डालों एवं चौटियों पर अधिक वर्षा के कारण मिट्टी में विच्छलन की क्रिया होती है। यह उन स्थानों पर अधिक क्रियाशील होती है जहां की प्राकृतिक वनस्पति को काट दिया गया है।

वनस्पति :- आज भी अप्लेशियन के काफी भाग वनों से आच्छादित है। इन वनों में शीतोष्ण कटिबन्धीय पत्तझड़ वाले वन पाये जाते हैं। इसमें ओक, बीच, हिक्कीरी एवं चेस्टनट मुख्य हैं। पर्वत चार क्षेत्रों तथा घाटियों में तथा कूटों के डालों के वन तथा अप्लेशियन पठार के वनों को काट कर पहले कृषि की जाती थी लेकिन अब अधिकांश भूमि पर पुनः वन लगाये गये हैं।

अर्थव्यवस्था :- यहां की अर्थव्यवस्था में कनेटोम, पर्वत कृषि एवं उद्योग महत्वपूर्ण है।

में तांबे एवं पीतल के हैण्डिल उद्योग महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। सिराक्यूज में भी उद्योग प्रमुख हैं। यहाँ पर बड़े अधिकांश तथा विश्वविद्यालय हैं। स्थानीय नमक के संघय मिलने से यहाँ पर रसायन एवं सोडा उद्योगों को स्थापित होने में बहुत सहायता मिली है। यहाँ के अन्य महत्वपूर्ण उद्योगों में सिले-सिलाए बस्त्र एवं टाईपराइटर तथा जुता निर्माण उद्योग हैं।

बैफैलों एवं सिराक्यूज के मध्य में रोचेस्टर (10 लाख) नगर स्थित है। यहाँ पर बैराज बना कर ओन्टेरियो झील से नहरे निकाली गई है। यह नगर इस्टमैन कोडक कंपनी का मुख्यालय है। यहाँ पर फोटोग्राफी से संबंधित पदार्थ तथा ट्रिक यन्त्र (Optical Goods) बनाए जाते हैं। किन्तु उपरोक्त पदार्थों से अधिक यहाँ आटा, पुरुषों के लिए बस्त्र, जूते, चप्पल, बिजली के यन्त्र तथा विभिन्न प्रकार की मशीनी उद्योगों का भी केन्द्र यह नगर है। उपनगरों को छोड़ यहाँ की कुल जनसंख्या 4 लाख है।

बैफैलो में लगभग 14.4 लाख निवासी यहाँ के सही क्षेत्र में निवास करते हैं। यह न्यूयार्क राज्य का दूसरा महत्वपूर्ण नगर है। इस नगर को न केवल हडसन-मोहाक संचार मार्ग का ही फायदा मिला है बल्कि यह महान झीलों के जलमार्ग के मध्य में भी स्थित है। यह एक अच्छा बंदरगाह होने के साथ ही साथ निर्माण तथा व्यावसायिक केन्द्र भी है। यह बंदरगाह पेन्सिलवानिया का कोयला कनाडा को तथा प्रेयरी का अनाज न्यूयार्क को पहुँचाता है। यह सुपीरियर तथा मिशीगन झीलों के बंदरगाहों से लौह अयस्क एकत्रित करता है तथा पेन्सिलवानिया से कोयला प्राप्त कर, लकवाना उपनगरीय क्षेत्र में इस्पात का निर्माण करता है। यहाँ पर देश की सबसे बड़ी आटा चक्की तथा विभिन्न प्रकार के अन्य उद्योग हैं। यहाँ पर तेल के कारखाने, लकड़ी के कारखाने, मोटर, हवाई जहाज निर्माण उद्योग, लोकोमोटिव तथा अन्य यांत्रिक एवं इंजीनियरिंग उद्योग स्थापित हैं। यहाँ पर तेल शोधक कारखाने, पानी के जहाज बनाने के उद्योग, दवाएँ, साबुन, रबर तथा रेवाने का निर्माण भी किया जाता है।

यहाँ नियाग्रा नदी से जल विद्युत शक्ति प्राप्त की जाती है। यहाँ की जल विद्युत शक्ति बैफैलों के साथ ही उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में पेट्रीरसायनिक उद्योग एवं आयुध, धात्विक उद्योग (Metallurgical) तथा लुग्दी एवं कागज उद्योग, फल संरक्षण, फलों के रस बनाने तथा बोटले बनाना, शराब बनाने वाले कारखानों की आपूर्ति करता है जो कि ओन्टेरियो झील के फल उत्पादन करने वाले जिलों में स्थित हैं।

(iii) एण्डरपॉइक पर्वत तथा सेन्टलारेन्स नदी क्षेत्र : एण्डरपॉइक पर्वत लगभग 1500 मीटर ऊँचाई वाला पर्वत है। यह अपेक्षाकृत एक विरल बसा हुआ क्षेत्र है। यह प्रदेश चारों तरफ से मोहाक एवं चेम्पलेन की निम्न भूमि तथा सेन्टलारेन्स नदी एवं

मोहाक नदी द्वारा घिरा है। सम्पूर्ण क्षेत्र में आग्नेय शिलाएँ एवं परिवर्तित शिलाएँ फैली हैं। यहाँ गोल सिरे वाले पहाड़ 'U' आकृति की त्रिज्यीय घाटियाँ हिमानीकृत झीलों से भरा पड़ा है। पूरा प्रदेश हिमानीकृत उष्ण भूमि का दृश्य उपस्थित करता है।

सम्पूर्ण प्रदेश कृषि विहीन है। केवल कुछ निम्न कोटि के डेयरी फार्म मिलते हैं। अधिकांश क्षेत्रों में जंगल फैले हैं। इन्हीं जंगलों पर आधारित कुछ लकड़ी की लुग्दी बनाने के कारखाने स्थित हैं। यहाँ पर मैग्नेटाइट नामक लौह अयस्क मिलता है लेकिन ये जमाव बहुत गहराई में पाये जाते हैं जिन्हें निकालना बहुत खर्चीला है। इस प्रदेश का महत्व आस-पास के नगरों से आने वाले सैलानियों के लिए आश्रय स्थल के रूप में है। इसी कारण यहाँ पर कुछ सुगम्य सड़कें हैं।

उत्तर-पश्चिम में न्यूयार्क राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र पर ओन्टेरियो झील स्थित है तथा उसी से निकलती हुई सेंटलारेन्स नदी बहती है। सेंटलारेन्स जलमार्ग प्रोजेक्ट (St. Lawrence Seaway Project) है जिससे विद्युत शक्ति मिलती है। इसका प्रयोग अन्तर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रोग्राम के लिए किया जाता है। इस परियोजना से न्यूयार्क तथा ओन्टेरियो दोनों ही समान रूप से लाभान्वित होते हैं। इस पर मेसेना अल्युमीनियम शोधक उद्योग तथा ओगडेनबर्ग का कागज उद्योग भी शक्ति के लिए आधारित है।

इन नगरों के चारों ओर की भूमि दुग्ध उत्पादक पशुओं के चारागाह के रूप में प्रयुक्त होती है। पशुचारण अमेरिका एवं कनाडा दोनों के क्षेत्रों में होता है।

### 3. अप्लेशियन प्रदेश (Appalachian Region)

यह प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी भाग में स्थित है। इसके अन्तर्गत उत्तरी एवं दक्षिणी केरोलिना, जार्जिया, अलाबामा, टेनेसी और केंटुकी राज्यों के भाग आते हैं। इसके पूर्व की ओर तटवर्ती मैदान है, पश्चिम में आंतरिक प्रदेश है, उत्तर में हडसन-मोहाक प्रदेश हैं तथा दक्षिण में दक्षिणी आंतरिक प्रदेश स्थित है। यह अप्लेशियन पर्वतों के मुख्य भाग से युक्त एक स्पष्ट क्षेत्र है।

उत्तरी केरोलिना में मिचेल पर्वत (Mt. Mitchell) 2045 मी. है। अप्लेशियन पर्वतों की लम्बाई 1500 किमी. तथा चौड़ाई लगभग 480 किमी. है। कम ऊँचाई के बावजूद भी पूर्वी तटों के आक्वजकों को इन्हें पार करके आना सम्भव नहीं था। बाद में नदी घाटियों से आंतरिक भागों में सम्पर्क बना। उत्तर में ओहायो नदी के मार्ग से और दक्षिण में कम्बरलैण्ड गैप के माध्यम से टेनेसी घाटी में प्रवेश कर केंटुकी और टेनेसी राज्यों में प्रवेश किया।

अप्लेशियन पर्वतों को चार भागों में बांटा जा सकता है :

(अ) पर्वत-पदीय पठार

मुरली मनोहर घाण्डेकर  
बालांतरा

से एक हडसन-मोनाक गलियारे से बफैलो, दूसरा न्यूयार्क को फिलाडेल्फिया से जोड़ता है। तीसरा पैसिलवेनिया रेल सड़क से पिट्सबर्ग को जिससे शिकागो भी पहुँचा जा सकता है। अंतिम न्यूयार्क को बोस्टन से जोड़ता है।

अब अंध महासागर के पार से अधिकांश आवागमन वायुयानों से होता है। यहाँ का ला गुबाराडिया हवाई अड्डा नैतहट्टन द्वीप के मध्य में स्थित है। यह अब आंतरिक उड़ानों में प्रयुक्त होता है। नवनिर्मित जान एफ केनेडी हवाई अड्डा अब अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रयोग में आता है। यह लांग आइलैंड पर स्थित है।

न्यूयार्क क्षेत्र की कुल जनसंख्या लगभग 1.23 करोड़ है। इसमें से न्यूयार्क नगर की जनसंख्या 1.08 करोड़ है। न्यूयार्क की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि निवास की समस्या ने कठिन रूप धारण कर लिया। परिवहन एवं यातायात अत्यधिक संकुल होने से भीषण रूप धारण करते जा रहे हैं। नगरीय भाग का अतिक्रमण ग्राम्य भाग पर होता जा रहा है। आलू के खेत (Market Garden) लांग आइलैंड में नये अधिवासों का रूप लेते जा रहे हैं। शहर से खेत जनसंख्या उपनगरों को पलायित कर रही है तथा मध्य भ.ग को नीग्रो तथा पोर्टीरिकन घेरते जा रहे हैं, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के अन्य बड़े नगरों में हो रहा है।

#### (ii) हडसन-मोहाक घाटी (Hudson-Mohawk Valley)

हडसन-मोहाक घाटी अप्लेशियन घाटी का एक मुख्य भाग है। इस भाग का धरातल मुलायम चट्टानों से बना है जिससे कि रिचलू, हडसन नदियों ने इस भाग को काफी काटा है।

रिचलू नदी उत्तर की ओर बहती है और मांट्रियल नगर तक जाती है जबकि हडसन नदी दक्षिण की ओर न्यूयार्क तक बहती है। मोहाक नदी एण्डरपॉक पर्वतों के पश्चिमी भाग से निकलती है। यह नदी उद्गम से दक्षिण की ओर बही है और ओनेडा झील के पूर्व में एकाएक 90° का कोण बनाकर पूर्वी तटीय भाग की ओर बहने लगती है तथा अलबनी नगर के पास हडसन नदी में मिल जाती है। हडसन नदी दक्षिण की ओर बहती है। इस तरह मोहाक नदी एण्डरपॉक और दक्षिण में केटस्किलस् पहाड़ियों के बीच अपना मार्ग बनाती है रिचलू और हडसन नदियों को चेम्पलेन नहर से जोड़ दिया गया है। इसी तरह मोहाक नदी को भी नहरों के माध्यम से पश्चिम में आन्टेरियो झील से जोड़ दिया गया है। इस तरह जल परिवहन की सुविधा के कारण हडसन-मोहाक घाटी का विकास हुआ। अब यहाँ सड़कें महत्वपूर्ण हो गई हैं। ध्यातव्य है कि यह क्षेत्र अंध महासागर के पूर्वी तट एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिक भागों को जोड़ता है।

**मुख्य केन्द्र एवं अर्धव्यवस्था :** हडसन संगम तथा चौड़ी मोहाक घाटी के मध्य अलबनी एवं बफैलों में लगभग 30 लाख लोग

निवास करते हैं। इनमें से अधिकांश जनसंख्या व्यापारिक एवं औद्योगिक नगरों में निवास करती है।

यह क्षेत्र न्यूयार्क को खाद्यान्न तथा कच्चा माल परिवहान करता है। अधिकांश औद्योगिक प्रतिष्ठान नहर तथा न्यूयार्क के मध्य रेलरोड पर स्थित हैं। इन उद्योगों का उत्पादन मंग के अनुपात अत्यधिक पट्टापूर्ण ढंग से किया जाता है। यहाँ पर प्रमुख रूप से कपड़ा एवं धातु उद्योग महत्वपूर्ण हैं। यहाँ शक्ति के विभिन्न स्रोतों से शक्ति प्राप्त की जाती है। पश्चिम नियाग्रा प्रपात से जल विद्युत शक्ति दक्षिण में ओनेसी नदी से, मोहाक में लिटिल फल से, हडसन में कोहोस झरने से प्राप्त किया जाता है। पेन्सिलवेनिया में कोहोस से शक्ति तथा बफैलों में पेट्रोल से प्राप्त होती है। यहाँ पर पेट्रोल शोधन कारखाने भी हैं। बायानने (Bayonone) में प्राकृतिक गैस एवं आधुनिक शक्ति प्राप्त की जाती है।

मोहाक संगम के निकट मुख्यतः चार औद्योगिक केन्द्र हैं :

1. अलबनी, 2. ट्राय, 3. कोहोस, 4. स्कैनेक्टैडी

(1) अलबनी : न्यूयार्क राज्य की राजधानी है यह हडसन के जलमग्न मुहानों से लगभग 240 किमी. पर स्थित है। यह नदी की ज्वारीय सीमा पर स्थित है। नदी नहर लगभग 8.2 मीटर ज्वारीय निम्न सीमा से गहरी है। अधिकांश भारी सामान शहर से जलमग्न द्वारा पहुँचता है। प्रेयरी क्षेत्र के अनाज तथा आटा अ. कनाडा से लकड़ी और लुग्दी का व्यापार इसी के द्वारा किया जाता है। यहाँ के कारखानों में विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ बनाई जाती हैं। जैसे - स्टेफ, रसायन, खिलौने आदि।

(2) ट्राय : यह अपेक्षाकृत छोटा नगर है। ट्राय नगर हडसन नदी के दूसरे किनारे पर बसा है। इस नगर में कमीज तथा ऊन की कॉलर बनाने की फैक्ट्रियाँ हैं।

(3) कोहोस : यह मोहाक के संगम पर स्थित है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे महत्वपूर्ण बुने हुए (Knitted) वस्त्रों का निर्माण केन्द्र है।

(4) स्कैनेक्टैडी : जिस प्रकार अलबनी हडसन नदी के संगम से दूर बसा है उसी प्रकार स्कैनेक्टैडी मोहाक नदी के संगम से दूर किन्तु जीफायन की दूरी पर बसा है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के बिजली के सामान्य सामानों का मुख्यालय है। यहाँ पर लोकोमोटिव, बिजली, मोटर, डाइनमों, रेडियो एवं टेलीविजन का उत्पादन होता है।

मोहाक नगर पर स्कैनेक्टैडी के उत्तर-पश्चिम में गल्लोवा बनाने वाला शहर एम्सटरडम स्थित है। एम्सटरडम के उत्तर-पश्चिम में ग्लोवनक्लोनगर स्थित है। इसके और ओनीडा झील के बीच टटिका एवं रोम स्थित हैं। टटिका में सूती वस्त्र उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग एवं सिलेमिलाए कपड़ों का उद्योग महत्वपूर्ण है। जबकि रोम

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

बन्दरगाह से संभव हो सका। इस प्रकार यह बड़ी झीलों (Great Lakes) के क्षेत्र से संबंधित हो गया तथा मध्य पश्चिमी क्षेत्र तक इसका पूरा प्रदेश संबंधित हो गया।

**निर्माण उद्योग एवं अन्य क्रिया-कलाप :** न्यूयार्क विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय राजधानी (Financial Capital) है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी शीर्ष व्यापार एवं निर्माण संघों का यह केन्द्र है। यह नगर देश के आंतरिक व्यापार एवं एक चौथाई थोक व्यापार से संबंधित है। यहां की 1/3 जनसंख्या तृतीय क्रिया-कलापों से संबंधित है जिसके अंतर्गत व्यापार, परिवहन विभिन्न सार्वजनिक एवं व्यापारिक नौकरियों में लगे हुए हैं।

न्यूयार्क नगर में साधारण छोटे उद्योग एवं उनके कारखाने हैं। यहां पर उन वस्तुओं के कारखाने अधिक हैं जिनके बनाने में अधिक प्रवीणता, नमूनों में वैविध्यता, परिवर्तनशील शैली, नेतृत्व में पहल करने वाले उत्पाद जिनका वितरण शीघ्रता से किया जा सके तथा जो कीमती वस्तुओं तथा आधुनिक नमूनों से उत्पादन का अधिक महत्व है। यहां सबसे बड़ा एकमात्र उद्योग वस्त्र उद्योग है। यहां पर विशेषकर महिलाओं के लिए वस्त्रों का निर्माण किया जाता है। यह मानहट्टन के पश्चिमी किनारे पर एक छोटे से क्षेत्र में स्थित है। यह उद्योग देश के लगभग 1/2 परिधानों की आपूर्ति करता है। दूसरा उद्योग छपाई उद्योग है। इसके अंतर्गत पुस्तकों का प्रकाशन, पत्रिका, साप्ताहिकी आदि हैं। अन्य उद्योग में भोज्य सामग्री की पैकिंग, इसमें कोसेर (Kosher) मीठ यहूदी निवासियों के लिए बनाया जाता है। हल्के इंजीनियरिंग उद्योग भी यहां पाये जाते हैं।

यहां के भारी उद्योग जर्सी नगर, नेबार्क, बेयोन (Bayonne) तथा एलिजाबेथ में केन्द्रित हैं। यहां पर न्यूयार्क की अपेक्षा कारखानों के लिए उपलब्ध भूमि सस्ती है। यह भाग रेल परिवहन द्वारा पूरा प्रदेश से सीधा जुड़ा है।

यद्यपि ईस्टर नदी तथा ब्रोकलोन जल मुहाने पर रेल सेवा की जतनी आवश्यकता नहीं है। यहां पर तेल पेरने (Oil Cracking), भारी इंजीनियरिंग उद्योग, जहाज बनाने के कारखाने, रसायन उद्योग, चमड़ा रंगने का उद्योग, चीनी शोधन उद्योग, अलौह धातुओं को गलाने की भट्टी जिसमें जिंक प्रमुख है, आते हैं। तांबा गलाने की भट्टी फ्रेन्कलिन (न्यूजर्सी) में हैं। उत्तरी नेबार्क (Newark) में संयुक्त राज्य अमेरिका का मुख्य सिल्क उद्योग, पेटरसन में स्थित है तथा यहाँ पर रेयान एवं प्लास्टिक उद्योग भी स्थापित हैं। ऊन एवं ऊनी वस्त्र उद्योग, लिलेन तथा ऊनी धागों की फैक्ट्रियां भी हैं। यहां देश के कुल औद्योगिक उत्पादन के मूल्य का 10 प्रतिशत उत्पादन होता है।

न्यूयार्क चूंकि एक बन्दरगाह है तथा जल-यत्न मार्गों का केन्द्र भी है इसलिए यहां पर खाद्य सामग्री, नमक तथा उष्ण कटिबंधीय

(Tropical) फल वैस्टइंडीज से तथा अन्य स्थानों से अनाज तथा मांस प्रायः द्वीप के आंतरिक भागों से आते हैं। न्यूयार्क नगर के समीप बड़ा बाजार है तथा यहां की ठंडी शीतोष्ण तथा वर्षा पूरित जलवायु के कारण यहां के अधिकांश कृषक दूध, अण्डा, मुर्गी तथा ताजी सब्जियां और ताजे फलों के उत्पादन में लगे हुए हैं। यहां के बहुत से कृषक महाद्वीप के प्रमुख उत्पादकों में हैं। यद्यपि उनकी जोतें छोटी हैं किन्तु उनमें अत्यधिक पूंजी निवेश किया गया है तथा अत्यधिक उर्वरकों का प्रयोग कर उन्हें उत्पादक बनाया जाता है। ओट का उत्पादन जाड़े के खाद्यान्न के रूप में किया जाता है। हरा मक्का काट कर चारे के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। अधिकांश डेयरी एवं मुर्गी मालम उद्योग चारगाहों के अंतर्गत आते हैं। ट्रक फार्मिंग लॉग ड्रॉप एवं न्यूजर्सी में किया जाता है। हडसन की घाटी में ताजे टमाटों की खेती की जाती है। स्प्राउट, हरी फली, पत्तागोभी, आलू तथा स्वीटकार्न उत्पन्न किये जाते हैं। यहां पर अधिकांश कृषि लंदन एवं पेरिस की तरह शीशे के अंदर ग्रीन हाउस में की जाती है।

न्यूयार्क राज्य में शशिगटन राज्य को छोड़कर देश का सबसे अधिक सेब उत्पन्न होता है। आन्टेरियो झील के किनारे पाई जाने वाली मिट्टी में बहुत से सेब, पीच एवं अंगूर के बगीचे मिलते हैं। हिमाली के जमाओं एवं मोरेन ब्लाक किनार लेक, जो कि दक्षिण में मोनाक गलियारे में भी बहुत से फलों के बगीचे पाये जाते हैं। उपरोक्त दोनों ही भाग चालू हैं। यहां पानी एवं पाला दोनों से ही बहुत कम हानि होती है।

परिवहन समस्या केवल न्यूयार्क नगर के विस्तार के कारण ही प्रबंध रूप धारण नहीं कर रही है। इसका मुख्य कारण है शहर में निरंतर काम करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि तथा उनका उपनगरों में निवास होना। भौतिक स्थिति की कठिनाई के कारण न्यूयार्क की स्थिति गंभीर है। मैनहट्टन तथा अन्य आस-पास के जिलों के मध्य कई पुलों का निर्माण किया गया है तथा सुरंग बनायी गयी हैं। अनगिनत नौकायन (Ferries) की व्यवस्था की गई है। फिर भी जब गगनचुंबी कार्यालय दिन के अंत में अपने कार्यकर्ताओं को छोड़ते हैं तो उससे जो दुर्दशा होती है उससे सड़कें एवं रेलवे स्टेशन तथा टप स्टेशन भी सुरक्षित नहीं रह जाते, क्योंकि कारों के पार्क स्थलों में पार्किंग स्थानों की कमी, बढ़ता हुआ पर्यावरण प्रदूषण तथा जमीन की अत्यधिक कीमत। बहुत से बड़े निगम अब अपने आफिस मैनहट्टन के पीछे ले जा रहे हैं लेकिन अब भी देश के 1/3 आफिस यहाँ हैं। शहर के तीव्र परिवहन व्यवस्था के लिए 'टोल रोड' (Toll Road) की स्थापना की गई है। उसके बावजूद भी परिवहन संकुलता में कोई कमी नहीं आयी है। ये आधुनिक मार्ग बहुत द्रुत हैं, तथा प्रवणता हेतु चार से आठ यातायात पथ से सुसज्जित हैं। इनमें



का जाल 'T' आकार का है। चैम्पलैन झील, ओन्टेरियो झील, रिचले कोरीडार एवं सेंटलॉरेंस नदी यहां के प्रमुख भौगोलिक तथ्य हैं।

उष्णकटिबंधी दृष्टि से यह एडिरॉन्डॉक पर्वतों का कटा-फटा क्षेत्र है तथा हिमानी अपरदन से प्रभावित रहा है। स्लाइड पर्वत (4750मी.) तथा केटस्किल पर्वत हडसन नदी के पश्चिम की ओर स्थित हैं। पूर्व में उत्तर दक्षिण टेक्नी श्रेणी है। न्यूयार्क नगर अपने आप में एक प्रदेश है।

न्यूयार्क नगर की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार की है कि यहां पर लगभग प्रतिवर्ष 100 सेमी. वर्षा होती है जबकि सबसे शुष्क महीने में भी 8 सेमी. वर्षा होती है। केटस्किल पर्वत एवं इसके जल प्रवाह क्षेत्र में इससे भी अधिक वर्षा होती है। बहुत सौ नदियों में बाढ़ आ जाती है। उनके पानी को जलाशयों में भर लिया जाता है और उसे नगर में पाइप लाइनों द्वारा पहुंचाया जाता है।

अध्ययन की दृष्टि से इस प्रदेश को तीन भागों में विभक्त कर सकते हैं :

- (i) न्यूयार्क महानगर क्षेत्र (New York Metropolitan Region)
- (ii) हडसन-मोहाक घाटी (Hudson-Mohawk Valley)
- (iii) एडिरॉन्डॉक पर्वत एवं सेंटलॉरेंस घाटी (Adirondock Mt. & St. Lawrence Valley)

#### (i) न्यूयार्क महानगर क्षेत्र

इस नगर का केन्द्र मैनहट्टन द्वीप (Manhattan Island) है। यह अपलेशियन पर्वतों के पाद प्रदेश में रवेदार चट्टानों से बना है। इसका विस्तार 75 किमी. है तथा हडसन एवं ईस्ट नदी, दोनों नदियों के बीच स्थित है। उत्तर में यह हारलेम नदी द्वारा मुख्य भूमि से अलग हो गया है। इसके निम्न भाग में लॉंग आइलैंड द्वीप है। न्यूयार्क नगर का पुराना नाम (1620 में) 'न्यू एमस्टरडम' था क्योंकि उसे हालैंड के निवासियों ने रेड इंडियन से लिया था। 1664 में ब्रिटेन के अधिकार में आने पर इसका नाम न्यूयार्क पड़ा। जर्सी नगर इसके पश्चिम में है। लॉंग आइलैंड न्यूयार्क एवं जर्सी नगर अनेक पुलों द्वारा एक दूसरे से संबंधित हैं। मैनहट्टन द्वीप से न्यूयार्क का विस्तार लॉंग आइलैंड (Long Island) के पश्चिम तक और स्टेन द्वीप (Staten Island) रिचमॉण्ड, हडसन नदी के पार तक तथा उत्तर में हार्लेम नदी के पार योन्कर्स (Yonkers) नगर तक है। इन नगरों के अतिरिक्त जर्सी नगर (Jersey), बेयोन (Bayonne), नेवाक (Newark) और एलिजाबेथ भी इसी महानगर प्रदेश के भाग हैं। यह एक बंदरगाह भी है। यहां बेडलॉय द्वीप पर विश्वप्रसिद्ध स्वतंत्रता की मूर्ति (Statue of Liberty) है। इसका पोताश्रय हडसन नदी पर 1.5 किमी. चौड़ा और विश्व में अद्वितीय है। यह अत्यन्त गहरा तथा वर्ष भर बर्फ रहित रहता है। यहां इटली, ग्रीस, पोर्टोरिको आदि की इतनी आब्रजक

जनसंख्या है कि सबके नाम पर अनेक क्षेत्र बस गये हैं जैसे लिटिल ग्रीस, लिटिल पोर्टोरिको। मैनहट्टन द्वीप नगर का हृदय है। केवल मध्य के आयताकार पार्क एवं कुछ अन्य जगहों को छोड़ सारे खुले स्थानों का निर्माण हो चुका है। द्वीप के दक्षिणी किनारे पर मुख्य व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं।

गगन चुम्बी 'इम्पायर स्टेट भवन' जो कि 410 मी. ऊंचा है, सबसे ऊंचा संसार का व्यापारिक केन्द्र का टावर है। पूर्वी निम्न भूमि में चीना टाउन, ग्रीनविच विलेज तथा लैटिन क्वार्टर है। उत्तर में दाइवेन्त्री में थियेटर्स है, पश्चिम में केन्द्रीय पार्क के फैले हुए भाग में उच्च कोटि के रिहायशी मकान हैं। यहाँ पर कोलंबिया विश्वविद्यालय है जबकि पूर्व में पूर्वी यूरोपियन एवं अन्य विदेशीय राष्ट्रीय लोग रहते हैं। केन्द्रीय पार्क के उत्तर में ऊपरी नगर पूर्व की ओर खिसक रहा है। हारलेम नदी मुख्य नीग्रो अधिवासों के मध्य बहती है।

अवलोकनीय है कि न्यूयार्क नगर एक विश्वव्यापी निवासियों का नगर है। 1820 से यहां पर लगभग 6 करोड़ अप्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका में आये, इनमें अधिकांश न्यूयार्क में बस गये। विदेशों में जन्मी जनसंख्या अभी भी बहुत है। ये छोटी इटली, छोटे ग्रीस, छोटे पोर्टोरिको आदि नामों से जाने जाते हैं। नगर पर लाखों हारलेम के नीग्रो का भार है। ब्रोकलीन के आधे नगरीय भाग में 20 लाख ज्यू लोगों (यहूदी) के अधिवास हैं। इस प्रकार यहां पर विश्व की सबसे बड़ी नगरीय जनसंख्या निवास करती है।

**न्यूयार्क बन्दरगाह :** न्यूयार्क एक प्राकृतिक बन्दरगाह है जिसकी गिनती विश्व के सुन्दर बन्दरगाहों में होती है। इसका बाहरी पोताश्रय सैंडीहुक तथा न्यूजर्सी के बीच में है। उत्तर की ओर कोने द्वीप से पोताश्रय का विस्तार कम हुआ है। ऊपरी न्यूयार्क खाड़ी चारों ओर से थल से घिरी है, जहां स्वतंत्रता की मूर्ति बनी है। यहां हडसन नदी 1.5 किमी. चौड़ी है जिससे भारवाही पोत आ-जा सकते हैं। यहां का पोताश्रय संसार के विशालतम पोताश्रयों में है जहां भारी जहाज बिना ज्वार की सहायता के आ सकते हैं तथा रात-दिन आवागमन हो सकता है। यहां की तट रेखा लगभग 1000 किमी. लम्बी है। न्यूजर्सी नगर की ओर कुछ छोटे बन्दरगाह हैं जो न्यूयार्क समेत देश का 20% व्यापार करते हैं। इसमें पेट्रोल एवं कोयला महत्वपूर्ण है। थल मार्ग से 60% भार रेलों द्वारा तथा 40% भार सड़कों द्वारा डोया जाता है। यहां के आयात में कच्चा तेल, लकड़ी, चीनी का शीरा, कॉफी, रबर, फ्लेक्स, रेशम आदि प्रमुख हैं। निर्यात में लोहा एवं इस्पात, शोधित पेट्रोल एवं अन्य उत्पाद मोटरकार, गेहूँ तथा आटा हैं।

सन् 1825 में ईरी नहर के बन जाने से देश के आंतरिक भागों से जुड़ जाने के कारण वहाँ की वस्तुओं का निर्यात न्यूयार्क के

संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

उत्तरदायी थे :

(1) यहाँ कृषि योग्य भूमि के अभाव के कारण उद्योगों के विकास की ओर लोग उन्मुख हुए। (2) यहाँ जनसंख्या अधिक होने तथा यूरोपवासियों में कुशल श्रमिक होने से कुशल और अकुशल श्रमिक अधिक संख्या में उपलब्ध थे। (3) यहाँ की नदियों के मार्ग में पाये जाने वाले प्रपातों से पर्याप्त विद्युत और जल उपलब्ध होने के कारण प्रारंभ में सूती वस्त्र के कारखाने इन प्रपातों के निकट स्थापित किये गये। (4) बड़े व्यापारियों ने उद्योगों में पूंजी निवेश किया। (5) यहाँ की जलवायु उत्साहवर्धक तथा शारीरिक स्फूर्तिदायक है। (6) आंतरिक भाग में बड़े बाजार विकसित होने से खपत के क्षेत्र भी उपलब्ध हो गये।

इन प्रदेशों के प्रमुख उद्योग निम्नलिखित हैं -

**ऊनी वस्त्र उद्योग :** इस प्रदेश में यह उद्योग प्रारंभ में बरेलू उद्योग के रूप में प्रारंभ हुआ था। आज यह विकसित उद्योग है। यहाँ देश के 60 प्रतिशत ऊनी वस्त्र तैयार होते हैं। ऊन को यहाँ आस्ट्रेलिया, अर्जेन्टाइना, न्यूजीलैंड से आयात किया जाता है। सूती वस्त्र उद्योग की भांति इस उद्योग में गिरावट नहीं आयी है।

**सूती वस्त्र उद्योग :** सन् 1920 से पूर्व यह प्रदेश सूती वस्त्र उद्योग का प्रधान केन्द्र रहा। लेकिन बाद में दक्षिणी संयुक्त राज्य में इस उद्योग की स्थापना से यहाँ इस उद्योग में गिरावट आ गई। इस प्रदेश में देश के 6 प्रतिशत कुएं हैं। सूती वस्त्र उद्योग मेरीमेक घाटी तथा फाल रिवर के क्षेत्र में केन्द्रित है। दक्षिणी भाग में इस उद्योग के केन्द्रीयकरण के निम्न कारण हैं : (1) कच्चे माल को उपलब्धता (2) यूरोप से मशीनों का आयात (3) पर्याप्त जल विद्युत की आपूर्ति (4) आर्द्र जलवायु (5) यूरोप से रसायनिक पदार्थों का आयात।

**जूता व चमड़ा उद्योग :** यह भी पुराना उद्योग है। बोस्टन, लिन, नेबरली, हार्लोहित, ब्रोकर्टन में जूता बनाने की फैक्ट्रियां केन्द्रित हैं। चमड़ा यहाँ पश्चिमी देशों एवं अर्जेन्टाइना से आयात किया जाता है।

**हल्के उद्योग :** अब यहाँ इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने की इकाइयों की स्थापना हुई है। अधिकांश इंजीनियरिंग उद्योग मेसाचुसेट्स और कनेक्टिकट में स्थित हैं। लकड़ी चौरने व लुग्दी बनाने के कारखाने वरमोष्ट और मेन राज्यों में हैं।

**पर्यटन उद्योग :** वर्तमान में यहाँ पर्यटन उद्योग का काफी विकास हुआ है। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक परम्पराएं, काठ अन्तरीप, पठारी व पहाड़ी भागों के आकर्षक प्राकृतिक दृश्य यहाँ पर्यटकों को आने के लिये आकर्षित करते हैं। शीत ऋतु में जब वर्षान्त और न्यू हेम्पशायर में ऊंचे पहाड़ी भाग हिमाच्छादित हो जाते हैं तो यहाँ शीतकालीन खेलों में भाग लेने के लिए पर्यटक इस भाग में आते हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिये यहाँ घने रेल मार्ग तथा सड़कें हैं और बड़ी संख्या में होटल, रेस्तरां आदि हैं।

**प्रमुख नगर**

**पोर्टलैंड :** यह तटीय मुहाने पर स्थित नगर है। यहाँ मछली पकड़ने का कार्य बड़े पैमाने पर होता है। यहाँ इंजीनियरिंग का सामान, जहाज बनाने, जूता बनाने के कारखाने हैं। यह शीत काल में भी नहीं जमने वाला बंदरगाह है।

**बोस्टन (Boston) :** यह एक बहुत बड़ा नगर है। यहाँ की जनसंख्या 1970 में 6,50,000 थी जो 1999 में 33 लाख हो गई तथा संपूर्ण शहरी क्षेत्र की जनसंख्या 39 लाख व्यक्ति है। एक लंबे समय से यह शहर प्रदेश की राजधानी है तथा प्रमुख मार्गों का केन्द्र है। ये व्यापारिक केन्द्र एवं निर्माण उद्योग का केन्द्र भी है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रमुख ऊन एवं चमड़ा बाजार है, तथा बहुत से उद्योग इसी शहर पर निर्भर करते हैं। कपड़ा मिल, इंजीनियरिंग तथा चीनी मिल, चाकलेट फैक्ट्री प्रमुख है। इस शहर में प्रदेश के श्रमिक बड़ी संख्या में वृत्तीयक क्रिया-कलाप-वित्त, बीमा, भूस्पर्धित एवं यांत्रिकीय कार्यों में लगी हुई है।

बोस्टन में एक पोताश्रय भी है। यहां ज्वार भाटे नहीं आते हैं। यह दो नदियों के मुहानों पर स्थित है जिनके नाम चार्ल्स एवं मिस्टिल है जो कि बोस्टन की खाड़ी में गिरती है। एक बंदरगाह के रूप में यह नगर न्यूयार्क के लिए विस्तृत रास्ता प्रदान करता है जो कि शीघ्रगामी तथा आसान है। यहाँ देश के आंतरिक भाग में पहुंचने का प्राचीन मार्ग भी है। इस बंदरगाह पर पेट्रोल, कोयला, लकड़ी लुग्दी, ऊन, चमड़ा, चीनी आदि इसके निर्यात को बढ़ाते हैं। मुख्यतः अनाज निर्मित वस्तुएं आदि तट पर व्यापार के लिए एकत्रित की जाती हैं।

न्यूयार्क विश्व व्यापार के लिए स्वतंत्र बंदरगाह है। बोस्टन एवं न्यूयार्क 20 किमी. तक केप आफ कोड प्रायद्वीप में नहर काट कर जोड़े गये हैं जिससे कि जहाज खतरनाक जल में अंदर न जा सके तथा बालू सरकने का भय न रहे।

## 2. न्यूयार्क एवं हडसन-मोहाक प्रदेश (New York and Hudson-Mohawk Region)

यह संयुक्त राज्य अमेरिका का एक विशिष्ट क्षेत्र है। यह प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तर में स्थित है। इसके उत्तर में कनाडा तथा पूर्व में अंध महासागर है। इस प्रदेश के अन्तर्गत न्यूयार्क महानगर, हडसन घाटी, मोहाक गैप (Mohawk Gap), तथा चेम्पलेन झील, रिचलू नदी क्षेत्र, सेंट लॉरेंस नदी और आण्टेरियो झील के दक्षिण का मैदान तथा एण्डरपुड्स पर्वत के भाग सम्मिलित है। हडसन एवं मोहाक नदियों की भूमिका इस प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण है। ये नदियां पूर्वी अंध महासागरीय तट एवं आंतरिक अमेरिका को जोड़ती हैं। इनके आधार पर परिवहन मार्गों

**Desert Soil**- पर्वतों से धिरे हुए भागों में वर्षा 12.5 सेमी. के लगभग होती है। यहाँ वनस्पति का अभाव होता है अतः इस मिट्टी में वाष्पतिक तत्वों का अभाव रहता है। यह खाकी भूरे रंग की मिट्टी है। इस मिट्टी में घुलनशील लवणों की अधिकता होती है। सिंचाई की व्यवस्था से यहाँ खेती की सुविधा हो गयी है। कोलोरेडो नदी पर बाँध बनाकर नहरें निकाली गई हैं। इसके क्षेत्र दक्षिणी इडाहो, पूर्वी ओरेगन, नेवादा, यूटाह, कोलोरेडो, न्यूमैक्सिको, अरीजोना और दक्षिणी कैलीफोर्निया हैं। ये पतली परत वाली मिट्टियाँ हैं। इनमें वनस्पति की कमी के कारण कार्बनिक तत्वों का अभाव पाया जाता है। कैल्शियम कार्बोनेट का पर्याप्त जमाव पाया जाता है। मिट्टी में नमक का अंश अधिक होता है। इन क्षेत्रों में जल के अभाव एवं वनस्पति की कमी के कारण यहाँ भौतिक अपक्षय अधिक क्रियाशील होता है। इस अपक्षय के कारण चट्टानों में विखण्डन होता है और वायु के अपरदनात्मक कार्य के कारण यहाँ ऊपरी परतों में बालू के मोटे कण पाये जाते हैं। यहाँ जिन क्षेत्रों में नमक क्रिस्टल के रूप में पाया जाता है वहाँ सिंचाई की सुविधा होने पर कृषि कार्य सम्भव है। इस मिट्टी में स्तर अधिकसित अवस्था में होते हैं। यह अनुपजाऊ मिट्टी है। पैतृक चट्टानों के आधार यहाँ मिट्टी विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रंग की पायी जाती है। कहीं लाल, कहीं भूरे अथवा कहीं खाकी रंग की मिट्टी पायी जाती है।

### (III) अन्य प्रकार की मिट्टियाँ

(1) **काँप मिट्टी (Alluvial Soil)** : समतल मैदानी भागों में जहाँ नदियाँ अपने साथ लाई हुई मिट्टी जमा करती हैं, वहाँ काँप मिट्टी मिलती है। प्रतिवर्ष नई परत जमती रहने के कारण यह मिट्टी निरन्तर उर्वरा बनी रहती है। यह मिट्टी अत्यधिक गहरी और जैव तथा खनिजों से युक्त होती है। काँप नई तथा पुरानी दोनों प्रकार की होती है। यह सर्वाधिक उपजाऊ मिट्टी है। इस मिट्टी में उर्वरक का प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं होती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में काँप मिट्टी का निक्षेप मिसौसिपी और उसकी सहायक नदियों के बाढ़कृत मैदान में पाया जाता है। काँप मिट्टी का मैदान लूजियाना, अर्कन्सास तथा मिसौसिपी राज्यों में पाया जाता है।

(2) **पर्वतीय मिट्टियाँ (Mountainous Soils)**- पर्वतीय भागों में ऊँचाई के अनुसार मिट्टी में भिन्नता आ जाती है। वैसे भी पर्वतीय भाग ढालू होने से यहाँ मिट्टी की पतली परत पायी जाती है। पर्वतों के तीव्र ढालों पर मिट्टी वर्षा जल के साथ नीचे बह जाती है। अतः

यहाँ मिट्टी की स्थायी परत नहीं पायी जाती है। ऊँचे ढालों पर कहीं-कहीं भूरी मिट्टी पायी जाती है। अल्पपर्वतीय पठारों में जहाँ सुष्क दशाएँ पायी जाती हैं खाकी रंग की मिट्टियाँ पायी जाती हैं। ऊँचे भागों में स्थित मिट्टी में घूने की मात्रा बढ़ती जाती है।

(3) **रेतीली मिट्टी (Sandy Soil)** : यह मिट्टी पानी सोख लेती है और इसकी सभी शीघ्र निकल जाती है। अनुपजाऊ होने के कारण यह खेती के काम की नहीं है। यह फ्लोरिडा राज्य के उत्तरी और मध्य भाग में, नेब्रास्का के उत्तरी, टेक्सास के उत्तरी और दक्षिणी भागों में मिलती है। इसके क्षेत्र लगातार फैले हुए नहीं हैं, जहाँ-तहाँ छोटे टुकड़ों में यह मिलती है।

(4) **दलदली मिट्टी (Marshy Soils)** : यह नदियों के डेल्टाओं और समुद्र तटीय भागों में पाई जाती है। मिसौसिपी के डेल्टाई प्रदेश के निचले भाग और मैक्सिको खाड़ी के तटीय भागों में इसका विस्तार है। इसमें चारल की खेती होती है तथा ठाड़ के वृक्ष उगते हैं।

### भूमिक्षरण (Soil Erosion)

भूमिक्षरण की समस्या यूरोपीयन लोगों के संयुक्त राज्य अमेरिका में आकर बसने के बाद उत्पन्न हुई है। जल-संरक्षण बढ़ने तथा उसकी छाछात्र सम्बन्धी आवश्यकता की पूर्ति के लिये इन लोगों ने यहाँ कृषि करना प्रारम्भ किया। कृषि कार्य के लिए भूमि प्राप्त करने के उद्देश से यहाँ वनों को काटा गया। वनों के काटने के परिणामस्वरूप यहाँ भूमिक्षरण प्रारम्भ हुआ। धीरे-धीरे भूमि के उर्वरण का ह्रास होने से मिट्टी की उत्पादकता कम होती गई। कुछ उपजाऊ भूमि लगभग बंजर हो गई। मिट्टी की ऊपरी परत के अपरदन से उसमें निहित जीव अवशेष भी मिट्टी के साथ प्रवाहित हो गये। ये ही जीव अवशेष जिन्हें ह्यूमस कहते हैं, पौधों को पोषण



संयुक्त राज्य अमेरिका : मिट्टी अपरदन के क्षेत्र

## मिट्टियाँ

न्यूयार्क राज्यों में मिलती हैं। ये मध्यम क्लिम की मिट्टियाँ हैं जिन पर कठोर लकड़ी वाले पतझड़ वन विकसित हुये। ऊपरी पत पतली है परन्तु वनस्पति को उपस्थिति इसमें ह्यमस पर्याप्त मिलती है। विशालन के कारण 'बो' क्षैतिज पत्तों में आर्मिक अंश अधिक है। विशालन की क्रिया उत्तर की ओर अपेक्षाकृत अधिक हुई है। यहाँ मिश्रित कृषि की जाती है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नियमित रखने के लिये इसमें उर्वरकों का मिश्रण करना आवश्यक है।

(3) स्ताल एवं पीली मिट्टी (Red and Yellow Soil) - इस मिट्टी में चूना और घुलनशील पदार्थों का अभाव रहता है तथा वानस्पतिक तत्व लोह और एलुमिना का अंश अधिक रहता है। लोहे की प्रधानता के कारण इस मिट्टी का रंग लाल है। कुछ वर्ष खेती करने के पश्चात् इसकी उर्वरा-शक्ति नष्ट हो जाती है। फसलें उगाने के लिए इसमें उर्वरकों (खादों) का प्रयोग आवश्यक होता है। इस कारण इस पर व्यापारिक फसलें पैदा करना लाभप्रद होता है। यहाँ कपास, तम्बाकू और फल पैदा किये जाते हैं। फ्लोरिडा राज्य को छोड़कर समस्त दक्षिणी-पूर्वी संयुक्त राज्य और मध्य अटलाण्टिक तट क्षेत्र में इस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है। न्यूजर्सी, डेलावेयर, मेरीलैण्ड, वर्जीनिया, अलाबामा, लूशियाना, दक्षिणी अरकंसास तथा पूर्वी टेक्सास में इस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है। इस मिट्टी का लाल-पीला रंग इस बात का संकेत है कि धीरे-धीरे यह स्लेट्टाइड होतो जा रही है। धरातलीय पत भूरे रंग की होती है। इसमें जीव अवशेषों की मात्रा कम होती है। इसकी नीचे की पत लाल एवं पीले रंग की होती है। कपास मेखला में इस मिट्टी का रंग पीला और अप्लेशियन क्षेत्र में लाल रंग होता है।

(4) प्रेयरी मिट्टी (Prairie Soil) : संयुक्त राज्य अमेरिका के आन्तरिक निचले प्रदेश के पूर्वी भाग में प्रेयरी मिट्टी पायी जाती है। इस भाग में लम्बी घास होती है। प्रेयरी मिट्टी का क्षेत्र चरनोजम मिट्टी प्रदेश के पूर्व में विस्तृत है। ये गहरी पत वाली मिट्टियाँ हैं यद्यपि ये मिट्टियाँ पोडोल्फर हैं फिर भी इनमें विशालन की क्रिया अधिक न होने से इनमें उर्वरापन अभी तक बना हुआ है। वर्षा अधिक होने से ये मिट्टी चरनोजम की अपेक्षा फसल उत्पादन की दृष्टि से अधिक महत्त्वपूर्ण है। इस मिट्टी में नमी को लम्बी अवधि तक धारण रखने की क्षमता है। इनमें विद्यमान प्राकृतिक उर्वरता के कारण इनमें अधिक खाद देने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इस मिट्टी में कपास, मक्का तथा गेहूँ की फसलें अधिक पैदा होती हैं। उत्तरी इलिनोइस, आयोवा, दक्षिणी मिनेसोटा, उत्तरी मिस्सौरी, पूर्वी ओकलाहामा और उत्तरी टेक्सास में प्रेयरी मिट्टी का विस्तार पाया जाता है। इस मिट्टी में जैव पदार्थों की मात्रा भी अधिक पायी जाती है।

## (II) पैडाकल्स मिट्टियाँ (Pedocals)

संयुक्त राज्य अमेरिका में पैडाकल्स वर्ग को निम्नलिखित मिट्टियों पायी जाती हैं—

(1) चरनोजम मिट्टी (Chernozem) - इसे काली मिट्टी के नाम से जाना जाता है। घास प्रधान क्षेत्रों में विकसित होने के कारण इस मिट्टी में जैव पदार्थों की प्रधानता होती है। साथ ही नाइट्रोजन भी पर्याप्त मात्रा में उपस्थित होता है। इसके मध्यवर्ती स्तर में चूने का जमाव पाया जाता है। इस मिट्टी के क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से लम्बी घास उगती रही है। इस घास के सड़े-गले अंशों के निरन्तर मिट्टी में मिलते रहने से इस मिट्टी का रंग काला हो गया है। इस मिट्टी की ऊपरी पत में कार्बनिक तत्वों की अधिकता है। इस मिट्टी के क्षेत्र में विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक क्षेत्र हैं। यहाँ गेहूँ अधिक पैदा होता है। दक्षिणी भाग में कपास की खेती की जाती है। इस मिट्टी के क्षेत्र का विस्तार ग्रेट प्लेन्स के अर्द्ध-पूर्वी भाग तथा प्रेयरीज घास क्षेत्र के पूर्वी भागों में है। यह उत्तरी डकोटा, दक्षिणी डकोटा, नेब्रास्का के पूर्वी भाग, कन्सास के पूर्वी भाग, ओकलाहामा के पश्चिमी भाग और उत्तरी टेक्सास में पायी जाती है।

(2) चेस्टनट मिट्टी (Chestnut Soil) - इस मिट्टी के कण एक-दूसरे को मजबूती से नहीं पकड़े रहते हैं। इसलिए यहाँ भूमि-कटाव भी अधिक होता है। कटाव रोकने के लिए गेहूँ की फसल काटने के बाद फूस के डण्डल खेत में खड़े छोड़े दिये जाते हैं ताकि वे मिट्टी को पकड़े रहें। इसमें काली मिट्टी की अपेक्षा वानस्पतिक तत्व की मात्रा कम होती है। इसकी उर्वरा-शक्ति भी कम होती है। इस प्रदेश में 254 से 508 मिमी. वर्षा होती है। यहाँ घास खूब उगती है, अतः पशुपालन खूब होता है। यह उत्तरी डकोटा, दक्षिणी डकोटा, नेब्रास्का के पश्चिमी भाग, मॉण्टाना, व्योमिंग और कोलोरेडो के पूर्वी भाग में फैली हुई है।

यह मिट्टी चरनोजम पेटी के पश्चिम में पायी जाती है जहाँ शुष्कता में वृद्धि हो जाती है और घासों भी छोटी उगती हैं। इनकी ऊपरी पत भूरे रंग की होती है। इनमें चूने का संचयन धरातल के काफी निकट लगभग 35 से 60 सेमी. की गहराई पर पाया जाता है। इनमें सोडियम और पोटेशियम लवणों की काफी मात्रा पायी जाती है। पौधों के लिये आवश्यक खनिज पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। इसकी ऊपरी पत पतली होती है। इसका रंग चरनोजम की तुलना में हल्का काला होता है। कार्बन तत्व भी अपेक्षाकृत कम होते हैं। यहाँ अब शुष्क कृषि विधि का प्रयोग होने लगा है।

(3) खाकी भूरी मरुस्थलीय मिट्टी (Grey and Brown

की मिट्टियों में घुलनशील तत्वों के घुलकर निक्षालित हो जाने के बाद अपुलनशील तत्वों जैसे लोहा और ऐलुमिना की प्रधानता होती है। यह मिट्टी बड़े कण युक्त तथा खनिज एम जैव तत्व रहित होती है। इसे लैटेराइजेशन प्रक्रिया कहते हैं। ये मिट्टियाँ आम्लिक होती हैं।

(2) शुष्क प्रदेश की मिट्टी : शुष्क, अर्ध-शुष्क प्रदेशों में चूना और लवण की मात्रा मिट्टी की ऊपरी तह पर अधिक होती है। इस प्रकार की मिट्टी में कैलशियम तत्व की प्रधानता होती है। कम वर्षा के क्षेत्रों में कैपिलरी (Capillary) क्रिया होती है जिसमें मिट्टी के निचले स्तर का जल ऊपर आने लगता है जिसके साथ चूना घुलकर ऊपरी सतह के ऊपरी भाग में पहुँचता है। शुष्कता के कारण इन क्षेत्रों में होने वाली वाष्पीकरण की क्रिया के कारण पानी भाप बनकर उड़ जाता है और चूना ऊपरी स्तर में जमा होता रहता है। इस प्रकार क्रमशः धरातलीय पत्तों में चूने व नमक आदि का अंश बढ़ता जाता है। वर्षा जल के साथ धरातल पर जमा चूने का कुछ अंश मिट्टी में कुछ सेमी. तक पुनः प्रवेश कर जाता है। इस चूने को पीधे की जड़े ग्रहण कर अपनी रासायनिक प्रक्रिया से चूने में बदल देती है। वनस्पति अवशेषों के साथ यह चूना पुनः मिट्टी में पहुँचकर मिट्टी को चूना प्रधान और आम्लिक बना देता है। इस प्रकार की मिट्टियों को 'पैडोकल' कहते हैं। वनस्पति की सभनता और ऊँचाई के अनुसार इसके गुण धर्म में परिवर्तन आ जाता है। पानी की कमी के कारण ऊपरी स्तर का चूना मिट्टी में क्षार भी पैदा कर देता है जिससे इसकी उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है।

संयुक्त राज्य में निम्न मिट्टियाँ पाई जाती हैं:

(I) पोडाल्फर मिट्टियाँ (Podalfers)

- (1) पोडजोल (Podzol)
- (2) खाकी भूरी पोडजोल (Grey and Brown Podzol)
- (3) लाल तथा पीली पोडजोल (Red and Yellow Podzol)
- (4) प्रेयरी मिट्टी (Prairie Soil)

(II) पैडोकल्स मिट्टियाँ (Pedocals)

- (1) चरनोजम (Chernozem)
- (2) चेस्टनट-भूरी मिट्टी (Chestnut-brown Soil)
- (3) खाकी भूरी मरुस्थलीय मिट्टी (Grey and Brown Desert Soil)

(III) अन्य मिट्टियाँ

- (1) कौंप (Alluvial Soil)
- (2) रेतीली मिट्टी (Sandy Soil)
- (3) दलदली मिट्टी (Marshy Soil)
- (4) पर्वतीय मिट्टी (Mountain Soil)

(I) पोडाल्फर मिट्टियाँ (Podalfers)

पोडजोल मिट्टी (Podzol Soil) : इस मिट्टी में चूना व लवण मिट्टी में घुलकर नीचे चले गये हैं और भूमि अनुपजाऊ रह गई है। यहाँ चरागाहों का विस्तार है। यह भूरे, खाकी, लाल और पीले रंग की होती है। घास के अतिरिक्त यहाँ जई, आलू और शाक-भाजियाँ पैदा की जाती हैं। इस प्रदेश में दुग्धशालाओं का विकास हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मिट्टी उत्तर-पूर्वी भाग के महानशील प्रदेश में और उत्तर-पूर्व में पायी जाती है। महानशील प्रदेश के अन्तर्गत उत्तरी मिशिगन और उत्तरी विसकांसिन, उत्तर-पूर्व में उत्तर-पूर्वी मिनेसोटा, मेन, न्यूहैम्पशायर, वर्मॉण्ट, उत्तरी न्यूयार्क, मैसाचुसेट्स और कनेक्टिकट राज्यों में पोडजोल मिट्टी का बाहुल्य है।

इन मिट्टियों में निक्षालन की क्रिया होने से मिट्टी में जैव अंशों की कमी हो जाती है। मिट्टी कम गहरी होती है। ये मिट्टियाँ बहुत अधिक अम्लीय होती हैं। गहराई से हल चलाने पर ही इसमें पेड़-पौधों की जड़े फैल पाती हैं। इन मिट्टियों में प्राकृतिक उर्वरता की कमी होती है। मिट्टी की पत भी पतली होती है।

(2) खाकी भूरी पोडजोल मिट्टी (Grey and Brown Podzolic Soil)

यह मिट्टी पोडजोल की अपेक्षा अधिक उपजाऊ होती है। इसमें जीवावशेषों की मात्रा अधिक रहती है। यहाँ तम्बाकू, गेहूँ व चारा पैदा होता है। कृषि व पशुपालन दोनों ही उद्योग समान रूप से होते हैं। इस प्रदेश में मिट्टी में उर्वरा शक्ति कायम रखने के लिए फसलों में हेर-फेर करके खेती की जाती है। यह मिट्टी पूर्वी टेनेसी, उत्तरी कन्सास, मिसौरी, केंटकी, इण्डियाना, दक्षिणी मिशिगन, दक्षिणी ओहियो, दक्षिणी वर्जीनिया, पेन्सिलवैनिया और



संयुक्त राज्य अमेरिका : मिट्टी प्रदेश

- (1) पोडजोल मिट्टी; (2) खाकी भूरी एवं काली मिट्टी; (3) लाल एवं पीली मिट्टी; (4) प्रेयरी मिट्टी; (5) चरनोजम; (6) चेस्टनट भूरी मिट्टी; (7) गहरी भूरी मिट्टी; (8) खाकी रेगिस्तानी मिट्टी; (9) पर्वतीय मिट्टी।

प्राकृतिक संसाधनों में मृदा सबसे महत्वपूर्ण एवं आधारभूत संसाधन है। मानव को अनेक आवश्यकताएँ जैसे भोजन, वस्त्र, गृह आदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में मृदा से ही पूरी होती हैं। मानव सभ्यता तथा संस्कृति के विकास में मृदा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मानव के दो महत्वपूर्ण व्यवसाय यथा कृषि करना और पशुपालन मिट्टी से सीधे जुड़े हुए हैं। मिट्टी का उपयोग मानव की वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास पर आधारित रहा है। नदी धारियों में सभ्यता के विकास का आधार केवल नदी जल की उपलब्धता ही नहीं रहो है अपितु नदी निर्मित मैदानों की उर्वर मिट्टी का योगदान भी रहा है। आज भी जनसंख्या का केन्द्रीयकरण उर्वर मिट्टी के क्षेत्रों में पाया जाता है।

पृथ्वी के ऊपरी धरातल पर मूल चट्टानों के टूटने से जो कण धरातल पर एकत्रित हो जाते हैं उनमें वनस्पति के तत्त्व मिल जाते हैं अथवा किसी अन्य स्थान से वायु या जल द्वारा स्थानान्तरित किये हुए चट्टानों के कण पत के रूप में जमा हो जाते हैं। इस प्रकार की पतें कुछ सेण्टीमीटर से लेकर सैकड़ों मीटर की मोटाई में हो सकती हैं। इस तहों में पेड़ों तथा पौधों की जड़ें आसानी से प्रवेश कर सकती हैं। इन पतों में जो पदार्थ मिले रहते हैं वह सब मिलाकर मिट्टी (Soil) कहलाते हैं। मिट्टी की रचना में जलवायु का प्रमुख हाथ रहता है। समान जलवायु वाले भाग में समान प्रकार की मिट्टियाँ देखने को आती हैं। इस प्रकार कह सकते हैं कि मृदा चट्टानों एवं खनिजों तथा जैव तत्वों का प्राकृतिक मिश्रण है जिसमें वनस्पति और पौधे पैदा करने की क्षमता होती है। मृदा निर्माण निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। मिट्टी का आधारभूत पदार्थ चट्टानों के विघटन और अपघटन से बने चूर्ण से प्राप्त होता है। इस चूर्ण में तीन प्रकार के खनिज तत्व विद्यमान होते हैं—

- (1) मिट्टी का ढेर बनाने वाले खनिज जैसे सिलिकन, लोहा तथा एल्यूमीनियम
- (2) पोषक खनिज जैसे कैल्शियम, नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम
- (3) गौण पोषक खनिज यथा मैगनेशियम, आयोडीन, मैगनीज, तांबा, सल्फर आदि। खनिजों के अतिरिक्त मिट्टी निर्माण के लिये जीव अवशेषों का मिट्टी में मिश्रण आवश्यक है। जीव अवशेषों द्वारा ही वनस्पति को मिट्टी से आहार प्राप्त होता है। मृत वनस्पति एवं जीवों के विघटन एवं सड़ने से जीव तत्व मिट्टी में पहुँचते हैं। मिट्टी की संरचना भी मिट्टी के गुण को प्रभावित

करती है। संरचना से आशय मिट्टी के कणों के आकार तथा उनके परस्पर गुन्थन से है। कणों के आकार के आधार पर ही हवा तथा पानी का प्रवेश मिट्टी में होता है। इन कणों के आधार पर ही मिट्टी को दोमट, बलुई या मटियार में वर्गीकृत किया जाता है।

मिट्टी निर्माण के कारकों में जलवायु का महत्वपूर्ण स्थान है। चट्टानों के टूटने और चूर्ण रूप में परिवर्तित होने में जलवायु की भूमिका सर्वोपरि है। मिट्टी में मिलने वाले जीव अवशेष भी जलवायु द्वारा प्रभावित होते हैं। जलवायु की विविधता के फलस्वरूप यहाँ अनेक प्रकार की मिट्टियों का पाया जाना स्वाभाविक ही है।

### मिट्टियों के प्रकार

मिट्टियों का वर्गीकरण कई प्रकार से किया जाता है। मिट्टी के कणों के आधार पर प्रायः मिट्टी के दो वर्ग किये जाते हैं। बारीक कणों वाली चोका मिट्टी और बड़े कणों वाली बालू कहलाती है। इन दोनों के मिश्रण से तीसरे प्रकार की मिट्टी बनती है जिसे दोमट (Loam) कहते हैं। जलवायु के विचार से मिट्टी को दो भागों में बाँटा जा सकता है—आर्द्र प्रदेश की मिट्टी और शुष्क प्रदेश की मिट्टी।

संयुक्त राज्य अमरीका में 50 सेमा. (508 मिमी.) वर्षा-रेखा इस देश को दो भागों में बाँटती है। पूर्व की ओर का भाग आर्द्र है और पश्चिम की ओर का शुष्क। इस प्रकार इस देश में पायी जाने वाली मिट्टी दो प्रकार की है:

(1) आर्द्र प्रदेश की मिट्टी : अधिक वर्षा के कारण भूमि के साथ सोखे हुए जल के साथ ऊपरी तहों में मिले हुए चूने और अन्य लवण घुलकर मिट्टी की निचली तहों में चले जाते हैं। इस प्रकार ऊपरी तहों पर पायी जाने वाली मिट्टी में लोह और एल्यूमिना की मात्रा अधिक होती है। इस प्रकार की मिट्टी को पेडाल्फर (Pedalfers) कहते हैं। अधिक वर्षा के कारण घुलनशील लवण जैसे पोटेशियम, सोडियम, कैल्शियम कार्बोनेट और मैग्नेशियम कार्बोनेट घुलकर गहराई की ओर निक्षालित हो जाते हैं। निक्षालन की इस क्रिया को पॉडजोलिजेशन (Podzolisation) कहते हैं। इस क्रिया से प्रभावित मिट्टियाँ आर्द्र या उपार्द्र क्षेत्रों में पायी जाती हैं।

पेडाल्फर शब्द ग्रीक शब्द पैडॉन, लैटिन शब्द ऐलुमेन तथा फेरम के प्रारम्भिक अक्षरों को मिलाने से बना है क्योंकि इस प्रकार

साफ कर दिये गये हैं। कई बार खेतों के लिए वनों में आग लगा दी जाती है।

### संरक्षण (Conservation)

वनों की रक्षा करने का विचार मनुष्य को तब आता है जब वह देखता है कि इनके नष्ट होने से जलवायु शुष्क होने लगी है और लकड़ी का अभाव हो गया है। अतः उसे इनकी रक्षा करने की आवश्यकता का अनुभव होता है। वनों के संरक्षण के लिए अनेक उपाय काम में लाये जाने लगे हैं। कौटों को नष्ट करने के लिए अनेक प्रकार की औषधि को खोज की गयी है। वनों से लकड़ी काटने पर भी प्रतिबन्ध लगाया गया है। कुछ वन राष्ट्रीय सम्पत्ति घोषित करके सुरक्षित रखे जाते हैं। जहाँ वन नष्ट हो गये हैं, वहाँ पुनः वृक्षारोपण द्वारा नवीन वन लगाये जा रहे हैं।

देश के शुष्क भागों की रक्षा हेतु देश के विभिन्न भागों में वृक्षारोपण किया जाता है। 1868 ई. में 146824 एकड़ भूमि पर वृक्ष लगाये गये जो पिछले वर्ष के क्षेत्र से 60934 एकड़ भूमि अधिक थी। व्यापारिक महत्त्व की लकड़ियों के कुल क्षेत्र का 39.8% दक्षिणी संयुक्त राज्य अमरीका में है क्योंकि यहाँ उष्ण जलवायु के कारण वन शीघ्र ही पैदा हो जाते हैं। मध्यपूर्वी एटलाण्टिक राज्य तथा उत्तर-पूर्वी भागों में कुल का 15.7% महान झील क्षेत्रीय राज्यों (मिशिगन, विस्कॉन्सिन और मिनेसोटा) में 11%, मध्यवर्ती राज्य (आयोवा, मिसोरी, इण्डियाना, इलीनोइस और कैण्टकी) में 9.6%, दक्षिणी रॉकी क्षेत्र में 3.4%, उत्तरी रॉकी क्षेत्र में 6.3%, कैलीफोर्निया में 3.5% और उत्तर-पश्चिमी प्रशान्त तटीय भागों में 10% वन हैं।

प्राकृतिक वनस्पति एवं वन सम्पदा

- (1) उत्तम किस्म की लकड़ी की बाहुल्यता।
- (2) वनों में विशिष्ट वृक्षों का एक क्षेत्र में अधिक संख्या में उपलब्ध होना।
- (3) सस्ते यातायात के साधनों की सुविधा।
- (4) वनों में सघन वनस्पति नहीं होनी चाहिए।
- (5) मांग के क्षेत्रों का समीप होना।
- (6) सस्ते एवं कुशल श्रमिकों की उपलब्धता।

शीत शीतोष्ण प्रदेशों के वनों में उपरोक्त सुविधाओं के सुलभ होने से यह व्यवसाय उष्ण प्रदेशों की अपेक्षा अधिक विकसित हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यद्यपि वन काटने के कारण वन क्षेत्र काफी कम हो गया है। परन्तु यहाँ पुनः वन उगाने का दूसरा चक्र प्रारम्भ हो गया है। यहाँ लकड़ी काटने का व्यवसाय निम्न सात क्षेत्रों में अधिक केन्द्रित है :

(1) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र : लकड़ी काटने का कार्य सर्वप्रथम न्यू इंग्लैण्ड प्रदेश में यूरोपवासियों के आगमन के साथ प्रारम्भ हुआ। यहाँ की श्वेत पाइन लकड़ी अधिक उत्तम है। पाइन, स्पूस, हेमलाक कोमल लकड़ी के और बीच, बर्च, ओक, मैपल कठोर लकड़ी के वृक्ष यहाँ काटे और चोरे जाते हैं।

(2) महान झीलों का प्रदेश : मिशिगन, विसकांसिन, मिनेसोटा राज्यों में पहले घने वन थे लेकिन उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में पाइन वृक्षों का अभाव होने से यहाँ लकड़ी काटने का कार्य आरम्भ हुआ। चूँकि अधिक मात्रा में लकड़ी काटे जाने के कारण अब यहाँ वन पूर्णतः समाप्त हो गये हैं।

(3) मध्यवर्ती कठोर लकड़ी का क्षेत्र : यहाँ कठोर लकड़ी के वृक्ष जैसे ओक, एश, एल्म, बीच, मैपल, वॉलनट, पापलर, हिक्की आदि पाये जाते हैं। इस क्षेत्र में चाटानुगा और इवांस विले स्थान लकड़ी चीरने के प्रसिद्ध केन्द्र हैं।

(4) दक्षिणी क्षेत्र : इस भाग में कई जातियों के पाइन वृक्ष पाये जाते हैं। सन् 1950 से पूर्व यह लकड़ी चीरने का प्रमुख क्षेत्र था लेकिन वनों के काटे जाने के कारण अब इसका महत्त्व घट गया है।

(5) राकी क्षेत्र : इस प्रदेश में उच्च भागों में नुकोली पत्ती वाले वन पाये जाते हैं लेकिन यातायात के साधनों के विकसित न होने से यहाँ लकड़ी काटने का व्यवसाय विकसित नहीं हो सकता है। लेकिन ये वन भविष्य के भण्डार हैं।

(6) पश्चिमी तटीय क्षेत्र : यहाँ डगलस वृक्षों की अधिकता है। यहाँ कोमल लकड़ी के वृक्षों की प्रचुरता होने से आजकल लकड़ी काटने एवं चीरने का व्यवसाय यहाँ अधिक विकसित हो रहा है।

(7) अलास्का : यहाँ कोणधारी वनों की प्रचुरता है। हेमलॉक, सिरका स्पूस तथा सीडार यहाँ उगने वाले प्रमुख वृक्ष हैं।

सं.रा. अमरीका में लकड़ी का प्रदेशवार उत्पादन  
(लाख घन मीटर में)

प्रदेश	लट्टा बनाने योग्य लकड़ी	समस्त संनिधि
1. उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य	144.6	480.3
2. दक्षिण-पूर्वी संयुक्त राज्य	877.2	1199.9
3. राकी पर्वत	219.0	184.4
4. प्रशान्त तट	1315.7	1009.0
रक्त तालीश पत्र उप-प्रदेश	786.7	582.8
योग संयुक्त राज्य	2761.8	2873.9

सर्वोत्तम प्रकार के वनों के कारण प्रशान्त-तट सं.रा. अमरीका का सर्वप्रमुख लट्टा-योग्य लकड़ी का उत्पादक क्षेत्र है, यद्यपि समस्त प्रकार की लकड़ियों के उत्पादन में दक्षिणी-पूर्वी प्रदेश उससे भी आगे है। राकी पर्वत क्षेत्र में लकड़ी-कटाई सम्बन्धी कठिनाइयों और बाजार से दूरी के कारण लकड़ी का उत्पादन बहुत कम होता है।

घनों का हास : प्रारम्भिक काल में इस प्रदेश के एक-चौथाई भाग पर वनों का विस्तार था। किन्तु उनका हास होने से अब केवल 15% भूमि पर वन रह गये हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं :

(1) वृक्षों के रोग : वन के वृक्षों को बहुत प्रकार के रोग हो जाते हैं; जैसे श्वेत पाइन को ब्लिस्टर रट, चेस्टनट को चेस्टनट ब्लाइट रोग नष्ट कर देते हैं।

(2) कीट : अनेक प्रकार के कीटों में छेदकर देते हैं जिससे वृक्ष कमजोर व खोखले पड़ जाते हैं और कालान्तर में वे गिर जाते हैं। कुछ कीड़े पत्तियों खा डालते हैं जिससे उनकी बढ़वार मारी जाती है।

(3) जंगली जानवर : चूहे, गिलहरी, सेही और जंगली सुअर वृक्षों को जड़ों को कमजोर कर देते हैं, जिससे वृक्ष गिर जाते हैं।

(4) पशु : पशु-चारण में भी वनों का हास होता है। भूमि पर गिरे हुए बाँजों को पशु खा जाते हैं जिससे नवीन वृक्ष नहीं उग पाते। पशु भूमि को रौंद डालते हैं और घास चर लेते हैं। इस कारण भू-कटाव अधिक होता है जिससे वृक्षों की जड़ें कट जाती हैं और वृक्ष गिरने लगते हैं।

(5) प्राकृतिक कोप : आँधी और बिजली भी वृक्षों को नष्ट करने में सहायक होती हैं। तेज आँधी से वृक्ष टूटकर गिर जाते हैं और बिजली गिरने से वे टूटकर नष्ट हो जाते हैं। कभी-कभी वनों में आग भी लग जाती है और बड़े-बड़े क्षेत्र नष्ट हो जाते हैं।

(6) मानव : मानव द्वारा वनों का असावधानी से प्रयोग करने से भी बहुत-से वन नष्ट हो गये हैं। खेती के लिए बहुत-से वन



सं.रा. अमेरिका में वनों का प्रदेशवार वितरण  
(लाख हेक्टेयर में)

प्रदेश एवं उप-प्रदेश	कुल क्षेत्रफल सभी प्रकार के वन	व्यापारिक वन	महत्त्व के वन
उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य	2546	722	695
न्यू इंग्लैण्ड	163	328	127
मध्य अटलाण्टिक	353	188	177
महान झीलों का क्षेत्र	846	223	212
केन्द्रीय वन-प्रदेश	1183	181	178
दक्षिण-पूर्वी संयुक्त राज्य	2074	891	813
दक्षिणी अटलाण्टिक	308	198	192
पूर्वी खाड़ी-तट	291	187	181
केन्द्रीय खाड़ी-तट	362	217	216
पश्चिमी खाड़ी-तट	1112	289	224
रॉकी पर्वत	2247	580	265
उत्तरी रॉकी	871	222	159
दक्षिणी रॉकी	1375	357	106
प्रशान्त तट	959	444	280
वॉशिंगटन-ओरेगन रक्त तालीसात्र			
उप-प्रदेश	142	117	105
चीफ़ उप-प्रदेश	280	100	81
तटीय अलास्का	131	54	23
कैलीफोर्निया	405	172	70
आन्दरिक अलास्का	1347	425	—
हवाई	16	8	4
योग संयुक्त राज्य	9191	3071	2059

हैं। बल्ली बनाने योग्य लकड़ी वाला वृक्ष उसे माना जाता है जिसके तने का व्यास कम से कम 12.7 सेमी. का हो। इस देश में सम्पूर्ण सैनिधि लकड़ी की मात्रा का विवरण इस प्रकार है—

प्रदेशवार समस्त सैनिधि की मात्रा

(अरब घनमीटर में)

प्रदेश	कोमल लकड़ी	कठोर लकड़ी	योग प्रतिशत
1. उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य	0.9	3.0	3.9 21.7
2. दक्षिण-पूर्वी संयुक्त राज्य	1.8	2.0	3.8 21.4
3. रॉकी पर्वत	2.6	0.2	2.8 15.7
4. प्रशान्त-तट	7.0	0.3	7.3 41.2
उप-प्रदेश रक्ततालीसात्र	3.2	0.3	3.5 19.6
योग सं. रा. अमेरिका	12.3	5.5	17.8 100.0

इसी प्रकार संयुक्त राज्य अमेरिका में लट्टा बनाने योग्य लकड़ी की मात्रा का अंशकलन निम्न सारिणी से स्पष्ट है—  
प्रदेशवार लट्टा बनाने योग्य लकड़ी की मात्रा  
(लाख घनमीटर में)

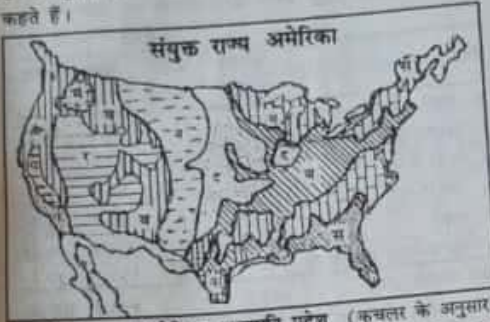
प्रदेश	कोमल लकड़ी	कठोर लकड़ी	योग प्रतिशत
1. उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य	15.7	57.4	73.1 12.2
2. दक्षिण-पूर्वी संयुक्त राज्य	53.0	44.2	97.2 16.2
3. रॉकी पर्वत	96.5	2.2	98.7 16.5
4. प्रशान्त-तट	320.3	9.0	329.3 55.0
5. हवाई	157.6	0.2	157.8 0.03
उप-प्रदेश रक्त तालीसात्र	—	8.1	165.7 27.7
योग संयुक्त राज्य	485.5	113.0	598.5 100.0

उपरोक्त दोनों सारिणियों से यह स्पष्ट है कि कोमल लकड़ी के वन कठोर लकड़ी के वनों की तुलना में बहुत सम्पन्न हैं। इसीलिए क्षेत्रफल में अपेक्षाकृत कम हो पर भी कोमल लकड़ी के वनों में काष्ठ साधन (Timber Resources) अधिक हैं। क्षेत्रीय दृष्टि से काष्ठ साधन में प्रशान्त-तट आगम्य है, क्योंकि यहाँ देश के केवल 13 प्रतिशत व्यापारिक वन में 41.2 प्रतिशत काष्ठ साधन विद्यमान हैं। लट्टा बनाने योग्य लकड़ी (lumber) की दृष्टि से तो इस प्रदेश का महत्त्व और भी बढ़ जाता है। यहाँ देश की 55 प्रतिशत लट्टा बनाने योग्य लकड़ी विद्यमान है। प्रशान्त-तट में भी फर उप-प्रदेश का महत्त्व और भी अधिक है, जहाँ देश के केवल 5 प्रतिशत व्यापारिक वन-क्षेत्र में लगभग 28 प्रतिशत लट्टा बनाने योग्य लकड़ी उपलब्ध हैं। रॉकी पर्वत क्षेत्र की भी स्थिति पूर्वी संयुक्त राज्य की तुलना में अच्छी है। उत्तरी-पूर्वी संयुक्त राज्य में देश का 34 प्रतिशत व्यापारिक वन-क्षेत्र है, जबकि यहाँ लट्टा बनाने योग्य लकड़ी की मात्रा देश की केवल 12 प्रतिशत है। इसी प्रकार दक्षिणी-पूर्वी सं.रा. अमेरिका में भी देश के 40 प्रतिशत व्यापारिक वन-क्षेत्र में केवल 16 प्रतिशत लट्टा बनाने योग्य लकड़ी पायी जाती है।

लकड़ी काटने और चीरने की व्यवस्था : वन लकड़ी के महान भण्डार होते हैं। लकड़ी का उपयोग फर्नीचर बनाने तथा कागज निर्माण उद्योग में होता है। व्यापारिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण वन वे होते हैं जिनमें कोमल लकड़ी वाले वृक्ष पाये जाते हैं। इसी कारण लकड़ी काटने का व्यवसाय शीत शीतोष्ण कटिबन्धीय वनों में अधिक विकसित हुआ है। उष्ण कटिबन्धीय वनों में साल, सागीन आदि इमारती लकड़ियाँ आर्थिक दृष्टि से काटी जाती हैं। लकड़ी काटने एवं चीरने के श्रम की दृष्टि से निम्नांकित सुविधाओं का होना आवश्यक है :

प्राकृतिक वनस्पति एवं वन सम्पदा

वाले प्रमुख वृक्ष जैतून, लारेल, ओक, कार्क, अंजीर, बालवट आदि हैं। यहाँ कुछ विशेष प्रकार की झाड़ियाँ भी उगती हैं जिनको चैपरेल कहते हैं।



**संयुक्त राज्य अमेरिका: वनस्पति प्रदेश** (कुचलर के अनुसार)  
(अ) मिश्रित चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन; (ब) चौड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन; (स) नुकीली पत्ती के सदाबहार वन; (द) मध्य ऊँचाई के घास प्रदेश; (य) निम्न ऊँचाई के घास प्रदेश; (र) चौड़ी पत्ती के सदाबहार झाड़ी प्रदेश; (फ) मिश्रित घास प्रदेश एवं दलदल; (घ) चपारेल-मांजोनिता से सम्बन्धित प्रदेश; (च) कोणधारी सदाबहार वन प्रदेश

**संयुक्त राज्य अमेरिका में वन** (Forest in U.S.A.)  
वर्ष 1998 में संयुक्त राज्य अमेरिका के अलास्का एवं हवाई द्वीप सहित 510212500 एकड़ क्षेत्र में व्यापारिक वन थे। यह क्षेत्र देश के एक-चौथाई भाग के बराबर है। इसके अन्तर्गत 226115500 एकड़ क्षेत्र में चीरने वाली लकड़ी, 129540300 एकड़ में लहूँ वाली लकड़ी, 128182000 एकड़ में सेमिल लकड़ी एवं 26374800 एकड़ में अन्य प्रकार की लकड़ी पायी जाती है। इन वन क्षेत्रों के 112746000 एकड़ पर संयुक्त राज्य अमेरिका की केन्द्रीय सरकार, 29219000 एकड़ पर राज्य एवं म्यूनिसिपल बोर्ड तथा 368246200 एकड़ - निजी अधिकार है। 140904200 एकड़ पर कृषि-फार्म हैं।

चीरने वाली लकड़ी में डगलस फर (Douglas fir) 22% दक्षिणी येलो पाइन 11%, पश्चिमी येलो पाइन (पोण्डेरोसा) 9%, मुलायम लकड़ी 38% तथा कठोर लकड़ी 20% सम्मिलित है। 1967 ई. में 13258744 मि. घन फुट इमारती लकड़ी काटो गई जबकि वार्षिक उत्पादन का औसत 17341300 मि. घन फुट है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 154 राष्ट्रीय वन हैं। इनके अन्तर्गत व्यापारिक और गैर-व्यापारिक लकड़ियों के 186921196 एकड़ क्षेत्र में वन पाये जाते हैं।

कभी-कभी वनों में आग लग जाती है जिसके परिणामस्वरूप वनों का बहुत-सा भाग जल जाता है। 1998 में 4231996 एकड़

वनों में आग लग गई थी जिसमें 33% भाग सुरक्षित नहीं है। अब 1136500000 एकड़, भाग आग-सुरक्षा-सेवा के अन्तर्गत संगठित किया गया है।

**व्यापारिक महत्व के वन** : सं.रा. अमेरिका में व्यापारिक महत्व के वनों का क्षेत्रफल 2059 लाख हैक्टेयर है, जो कुल वन-क्षेत्रफल का 67 प्रतिशत है। उत्तरी-पूर्वी और दक्षिणी-पूर्वी सं.रा. अमेरिका तथा प्रशान्त-तट पर वाशिंगटन और ओरेगन में अधिकांश वन व्यापारिक महत्व के हैं, लेकिन रॉकी पर्वत, अलास्का और कैलीफोर्निया में व्यापारिक वन कुल वन के आधे से भी कम हैं। संयुक्त राज्य की 74 प्रतिशत व्यापारिक वन पूर्वी आधे भाग में संकेन्द्रित हैं। पश्चिमी सं. रा. अमेरिका में देश का 13 प्रतिशत व्यापारिक वन प्रशान्त-तटीय प्रदेश और 12 प्रतिशत रॉकी वन-प्रदेश में है।

सं.रा. अमेरिका के व्यापारिक वनों में 1088 लाख हैक्टेयर में कठोर लकड़ी के वृक्ष और 971 लाख हैक्टेयर में कोमल लकड़ी के वृक्ष पाये जाते हैं। कोमल लकड़ी के व्यापारिक वनों का अधिकांश (506 लाख हैक्टेयर) देश के पश्चिमी भाग में और 328 लाख हैक्टेयर दक्षिणी-पूर्वी भाग में हैं। कठोर लकड़ी के वन लगभग पूर्णतया पूर्वी संयुक्त राज्य में हैं- 558 लाख हैक्टेयर उत्तरी भाग में और 485 लाख हैक्टेयर दक्षिणी भाग में। कठोर लकड़ी के वनों का क्षेत्रफल अधिक होने पर भी समस्त संनिधि (Growing stock) की मात्रा (सम्पूर्ण लकड़ी की मात्रा) कोमल लकड़ी के वनों में कठोर लकड़ी के वनों की तुलना में बहुत अधिक (दो गुने से भी अधिक) है।

#### काष्ठ संसाधन (Timber Resources)

इस देश में काष्ठ संसाधन का मूल्यांकन करने के लिये दो प्रकार की लकड़ियों को सम्मिलित किया जाता है :

(1) लट्टा बनाने योग्य लकड़ी की मात्रा का आंकलन किया जाता है। लट्टा उत्पादक वृक्ष उसे माना जाता है जिसके तने का व्यास कम से कम 28 से.मी. और पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका के कोमल लकड़ी के वृक्षों का व्यास कम से कम 23 से.मी. हो और जिससे कम से कम एक लट्टा कठोर लकड़ी के वृक्ष में 2.44 मीटर लम्बा और पश्चिमी शंकुधारी वृक्षों में 3.7 मीटर लम्बा प्राप्त हो सके।

(2) समस्त संनिधि (Growing Stock) की मात्रा का मूल्यांकन जिसमें लट्टा तथा बल्लो बनाने योग्य लकड़ी सम्मिलित होती है। इसमें किसी क्षेत्र में उगने वाले सभी छोटे-बड़े वृक्षों के समूह सम्मिलित होते हैं। लेकिन संनिधि का आंकलन करने में लट्टा तथा बल्लो बनाने योग्य लकड़ी को ही सम्मिलित करते

के हैं। इनमें सफेद पाइन (White pine), जैकपाइन (Jack pine), ब्लैक स्पूस (Black Spruce), बालसम फर (Balsam fir), बर्च (Birch) आदि वृक्ष उगते हैं। इनसे कागज की लुग्दी बनाई जाती है।

6. उत्तरी-पश्चिमी कोणधारी वन : रॉकी प्रदेश के उत्तरी-पश्चिमी भाग में कोस्ट रेन्ज और रॉकी पर्वत के ढालों पर भी उत्तम लकड़ी के कोणधारी वन पाये जाते हैं। इनका विस्तार ओरेगन और वाशिंगटन राज्यों के पर्वतीय ढालों पर तथा इडाहो और मॉण्टाना राज्यों के रॉकी पर्वत के ढालों पर है। यहाँ की जलवायु नम एवं ठण्डी होने के कारण यहाँ सघन कोणधारी वन पाये जाते हैं। अलास्का में इस प्रकार के वन एक विस्तृत क्षेत्र पर फैले हुए हैं। यहाँ इन्हें टैगा कहते हैं। इनमें डगलस फर (Douglas Fir), रेड सिडार (Red cedar), रेडवुड (Redwood), येलो पाइन (Yellow pine), सुगर पाइन (Sugar pine), एल्पाइन फर (Alpine Fir) आदि वृक्ष उगते हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में होने के कारण इनका अधिक शोषण नहीं हो सका है। सियेरानेवादा पर्वत पर पाये जाने वाली रेडवुड विश्व का सबसे मोटा वृक्ष होता है। रेडवुड के वनों में अभी भी विश्व के सबसे पुराने वृक्ष सुरक्षित हैं।

7. चीड़ी पत्ती वाले पतझड़ वन : संयुक्त राज्य के पूर्वी भाग में चीड़ी पत्ती वाले वन हैं। इनका क्षेत्र अपलेशियन पर्वत क्षेत्र और इसके पश्चिम के भागों में है। इनमें मैपल (Maple), बर्च (Birch), बीच (Beech), एल्स (Elm), ओक (Oak), चेस्टनट (Chestnut), पॉपलर (Poplar) आदि प्रकार के वृक्ष उगते हैं। इन वृक्षों की भी लकड़ी कठोर होती है और इमारती काम में प्रयुक्त होती है। इन वृक्षों की पत्तियाँ चीड़ी होती हैं जिनके द्वारा वाष्पीकरण अधिक होता है। अतः शीत ऋतु में जब वर्षा कम होती है तब इनकी पत्तियाँ गिर जाती हैं। मैपल वृक्ष के रस से चीनी बनायी जाती है। अब इस प्रदेश के वन काट डाले गये हैं और उनके स्थान पर खेती का विकास कर लिया गया है। यह प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख कृषि प्रदेशों में गिना जाता है। पर्णपाती वनों को एक पेटी ओहियो, इण्डियाना, मिसौरी, ओकलाहोमा राज्यों में विस्तृत हैं।

(8) उष्ण सदाबहार वन : मैक्सिको की खाड़ी के तटवर्ती भाग में सदाबहार वन पाये जाते हैं। इनका विस्तार लूसियाना, मिसौसिपी और अलाबामा राज्यों के दक्षिणी भाग तथा फ्लोरिडा राज्य में है। इनके क्षेत्र के अन्तर्गत मिसौसिपी नदी का डेल्टा आता है। यहाँ डेल्टाई वन पाये जाते हैं। इन्हें मैन्ग्रोव (Mangrove) वन कहते हैं। महोगनी (Mahogany) और रग्वोनी (Ragvoni) के



वृक्ष भी उगते हैं। वृक्षों पर अनेक प्रकार की लताएँ छायी रहती हैं। ट्रेपिलागम (Trepilagum) जाति के वृक्ष का गौद उत्तम माना जाता है। फ्लोरिडा इस गौद के लिए विख्यात है। इस प्रदेश की भूमि समतल है इसलिए खेती के लिए बहुत कुछ वन काटकर साफ कर दिये गये हैं। वहाँ वर्ष पर्यन्त वर्षा होती है अतः खेतों का विकास किया गया है। फ्लोरिडा में फलों के बाग हैं। ये वन क्षेत्र बहुत कम काम में लाये गये हैं। कठोर लकड़ी होने के कारण ये उपयोगी नहीं है तथा सघन होने के कारण लकड़ी काटने का कार्य बड़ा ही असुविधाजनक है। लेकिन यहाँ ये वन अब साफ कर दिये गये हैं।

(9) शुष्क शीतोष्ण सदाबहार वन (Dry Temperate Evergreen Forests) : 35° से 40° अक्षांशों के मध्य प्रशान्त महासागर के तट के सहारे स्थित कैलीफोर्निया के प्रदेश में भूमध्य सागरीय जलवायु पायी जाती है। यहाँ शीत ऋतु में पशुआ हवाओं से वर्षा होती है और ग्रीष्म ऋतु व्यापारिक पवनों के चलने के कारण शुष्क रहती है। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा 75 सेमी. होती है लेकिन शीतोष्ण जलवायु के कारण इतनी वर्षा भी पर्याप्त है। यहाँ चीड़ी पत्ती वाले सदाबहार वन उगे हुये हैं जो उष्ण सदाबहार वनों से भिन्न हैं। इन वृक्षों की प्रकृति ने ऐसे गुण प्रदान किये हैं जिनके कारण शुष्क ऋतु में भी इनमें पतझड़ नहीं होता है। इनकी जड़ें लम्बी होने से भूमि में गहराई तक प्रवेश कर जाती है तथा पत्तियाँ चिकनी व रोयेंदार होती हैं जिसके कारण इनमें वाष्पीकरण बहुत धीरे-धीरे होता है। इनके तने मोटी छाल द्वारा ढके रहते हैं। इसलिये ये पादप शुष्क ग्रीष्म ऋतु में भी हरे रहते हैं। यहाँ उगने



स.रा. अमेरिका : प्राकृतिक वनस्पति

मीटर तक होती है। इनको जहाँ मिट्टी में काफी गहराई तक होती है। इन घास के मैदानों में पशु चारण का काम किया जाता है। यहाँ मिट्टियों का रंग गहरा भूरा है। इनमें जैव अंश बहुत अधिक मात्रा में मिलते हैं तथा ये रूस की चरतोम मिट्टियों से बहुत अधिक मिलती जुलती है। कुछ भागों में ब्लूस्टैम घास मिलती है। इस घास की ऊँचाई 3 मीटर से अधिक होती है।

(2) छोटी प्रेयरी घास के मैदान : इस प्रकार की घास लम्बी प्रेयरी घास के मैदानों के पश्चिम में पाई जाती है, जहाँ वर्षा की मात्रा अपेक्षाकृत कम पाई जाती है। इस क्षेत्र को विशाल मैदानी क्षेत्र भी कहा जाता है। इनका विभाजन 50 सेमी. वार्षिक वर्षा की वर्षा-रेखा करती है। यहाँ पर वर्षा बसन्त एवं गर्मी के मौसम में होती है। गर्मी का औसत तापक्रम इस क्षेत्र में बहुत अधिक होता है। इन क्षेत्रों में गहरी चूना मिश्रित मिट्टियाँ पायी जाती हैं जो कि बहुत उपजाऊ एवं भुरभुरी होती हैं। नमी की मात्रा को कमी के कारण इन मिट्टियों में जैव अंश अधिक विकसित नहीं है। ये मिट्टियाँ भूरे रंग की चेस्टनट मिट्टियाँ हैं।

छोटी घास के मैदानों की पूर्वी सीमा 50 सेमी. वर्षा रेखा द्वारा निश्चित होती है। इसके पश्चिम की ओर ऊँचाई बढ़ने के साथ वर्षा के मात्रा घटती जाती है। इसके फलस्वरूप इसी क्रम में घास की ऊँचाई भी कम होती जाती है। पूर्वी भाग में घास 1 मीटर ऊँची होती है तो पश्चिम की ओर इसकी ऊँचाई मात्र 30 सेमी. रह जाती है। घास के बीच में यत्र-तत्र नाटे कद के वृक्ष या झाड़ियाँ भी उगी हुई पायी जाती हैं। इन घास के मैदानों में उगने वाली घास की प्रमुख किस्में ग्रामास, वफैलो घास तथा हीट घास हैं। ये न्यूमैक्सिको से लेकर टेक्सास तक फैले हुये हैं।

(3) समीशोतोष्ण सेजब्रश : यह मरुस्थलीय झाड़ियों का एक प्रकार है जिसमें पर्णपाती चमकदार हरे रंग की पत्तियों वाले सेज

ब्रश की प्रभावता होती है। पौधों की लम्बाई 2 मीटर से कम होती है। यह वनस्पति अधिकांश मध्य तथा उत्तरी पर्वतीय एवं पठारी घाटियों के दृष्टिगत प्रदेश में पाई जाती है। पश्चिमी पर्वतों के दृष्टिगत प्रदेशों में 50 सेमी. से कम वर्षा होती है। यह वर्षा दक्षिण की ओर क्रमशः घटती जाती है जैसा कि प्रशान्त सागरी तटीय क्षेत्रों में पाया जाता है। यहाँ पर छोटे-छोटे भूखण्डों पर घाहन एवं जूनीफर के जंगल पाये जाते हैं। ये जंगल ग्रेट बेसिन के काटक पर पाये जाते हैं, किन्तु यहाँ की प्रमुख वनस्पति मध्य अक्षांशीय घास एवं मरुस्थलीय किस्म की है। सेजब्रश घासों से तात्पर्य है घास एवं झाड़ियाँ, मिश्रित वनस्पति लेकिन अधिकांश भाग में खिसकने वाले बालू-कूट या तथले भागों से घिरे हैं।

(4) झाड़ियाँ तथा मरुस्थल : संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी भाग मुख्यतः निम्न कोलोरेडो बेसिन एवं कैलिफोर्निया प्रायद्वीप के भागों में यह वनस्पति मिलती है। यहाँ अधिकतर बाबु का उच्चाभार रहता है। यहाँ हवायें प्रशान्त महासागर के समानान्तर चलती हैं जिसके कारण यहाँ वर्षा बहुत कम होती है। यहाँ मौसमी तथा दैनिक तापक्रमों में बहुत अन्तर पाया जाता है। अधिकांश क्षेत्र वृक्ष विहीन मरुस्थल या स्टेपी घास की तरह है। परन्तु मरुद्विप (Xerophyte) वनस्पति, जब मौसमी आँधियों द्वारा वर्षा होती है तो पल्लवित एवं पुष्पित होती है। विभिन्न प्रकार के कैक्टस (Cactus), क्रिसोट (Creosote) आदि वनस्पतियाँ उग आती हैं। इस भाग में 12 सेमी. से भी कम वर्षा होती है। जहाँ वर्षा कुछ ज्यादा हो जाती है वहाँ अल्प अवधि वाली छोटी घास उग आती है। यह घास नमी समाप्त होते ही सूख जाती है। यहाँ ग्रामास, कली मैस्कवाइट या ड्रोपसीड जाति की घासें उगती हैं। यहाँ उगने वाली झाड़ियाँ कटीली तथा तना गुदेदार होता है। इनकी पत्तियाँ वाष्पीकरण को रोकने के लिये छोटी होती है ताकि पौधे में उपलब्ध जल का वाष्पोत्सर्जन कम हो सके।

(5) उत्तरी-पूर्वी कोणधारी वन North-eastern Conical Forests) : संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी भाग में न्यूइंग्लैण्ड में कोणधारी वृक्षों के वन हैं। विशाल झीलों के प्रदेश में भी इसी प्रकार की वनस्पति है। इन वृक्षों की पत्तियाँ अत्यन्त नुकीली होती है और कम चौड़ी भी। इस कारण इनसे वाष्पीकरण कम होता है। इन वृक्षों की चोटियाँ भी नॉकदार होती हैं। इनकी इस आकृति के कारण यहाँ गिरने वाली बर्फ इन पर कोई प्रभाव नहीं डालती। यहाँ खाकी-भूरी मिट्टी पायी जाती है। लोचिंग क्रिया के कारण 'बो' क्षैतिज पर्त में आम्लक अंश ज्यादा है। इन वृक्षों की लकड़ी मुलायम होती है, जो इमारतों और फर्नाचर बनाने के लिए उपयुक्त होती है। ये वन व्यापारिक दृष्टिकोण से बड़े महत्व

## प्राकृतिक वनस्पति एवं वन सम्पदा (Natural Vegetation and Forest Resources)

प्राकृतिक वनस्पति मिट्टी और जलवायु पर निर्भर करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका एक विशाल देश है जहाँ भूराजकीय स्वरूप एवं जलवायु सम्बन्धी भारी विविधता पायी जाती है। इसी विविधता के परिणामस्वरूप यहाँ जो प्राकृतिक वनस्पति में अत्यधिक क्षेत्रीय अन्तर होना स्वाभाविक है।

उत्तरी अमरीका की खोज के समय सारा महाद्वीप प्राकृतिक वनस्पति से ढका हुआ था। संयुक्त राज्य का अधिकांश भाग बनाच्छादित था। यूरोपवासियों जब इस देश में आये तो उन्हें विशाल वन क्षेत्र देखकर आश्चर्य हुआ था और वनों से लगाव भी। इसी कारण आज भी संयुक्त राज्य अमरीका में अनेक सुरक्षित वन हैं। वनों के बाद ही प्रेयरी घास के मैदान हैं तथा उसके बाद छोटी घास के क्षेत्र मिलते हैं। वनस्पति का यह वितरण वर्षा की मात्रा पर निर्भर है। छोटी घास के क्षेत्रों के पश्चिम में घास और वनों के मिश्रित क्षेत्र दृष्टिगोचर होते हैं। पर्वतीय ढालों पर जहाँ वर्षा अधिक होती है वहाँ घने वन पाये जाते हैं। उच्च पर्वतीय घाटियों में घास मुख्य वनस्पति है। पठार के शुष्क प्रान्त में कठोर काँटदार झाड़ियाँ उगती हैं। जहाँ-तहाँ अल्पवृक्ष प्रान्तों में वनस्पति देखने को भी नहीं मिलती। प्रशान्त महासागर के पश्चिमी तट के पर्वतीय ढालों पर वर्षा अधिक होती है अतः यहाँ चौड़े के वन हैं। इनमें कुछ वृक्ष तो 3000 वर्ष पुराने हैं। इन वनों की राष्ट्रीय सम्पति की भीति रक्षा की जाती है।

प्राकृतिक वनस्पति का विध्वंस तथा यूरोपियन प्रवासियों की विस्तार-दिशा एक ही रही है। जब यूरोपियन लोग पहली बार इस भू-भाग में आए और पूर्व में अटलांटिक तट प्रदेश में आकर रुके तो उन्हें सर्वत्र सघन जंगल मिले। अप्लेशियन उच्च प्रदेश कठोर लकड़ी के वृक्षों से भरे हुए थे। इन जंगलों ने यूरोपियन प्रवासियों को क्रियाशील होने की प्रेरणा दी, औजार दिए। प्रवासी लोगों ने इन्हें काट-काट कर खेतों तथा बागों के लिए नई भूमि प्राप्त की। यह प्रक्रिया क्रमशः पश्चिमोत्तर नए क्षेत्र प्रदान करती रही और अन्त में अप्लेशियन्स को पार करके एक ऐसे चौड़े मैदानी क्षेत्र में पहुँचे जहाँ विस्तृत भागों में ऊँची-ऊँची घास थी। इसे 'प्रेयरीज' नाम दिया गया। पश्चिम की ओर यह घास क्रमशः छोटी होती जाती है। यहाँ तक कि ग्रेट प्लेन्स के पश्चिमी भागों में इनकी लम्बाई 15 सेमी. ही रह जाती है। लम्बी तथा छोटी घास को अनुमानित सीमा 100 पश्चिमी देशान्तर मानी जा सकती है जिसके पश्चिम में 50 सेमी. से कम वर्षा हाती है। फिर आया रॉकी-क्रम, जहाँ

वनस्पति का स्वरूप ऊँचाई द्वारा नियन्त्रित है। यथा, नीचे भागों में घास, अनुकूल घाटी क्षेत्रों में वन तथा बहुत ऊँचाई पर टुण्ड्रा-तुल्य वनस्पति के दर्शन होते हैं। आगे और पश्चिम में शुष्क झाड़ियों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। अनेक भाग वनस्पति विहीन नंगी चट्टानों युक्त है। धुर पश्चिम में, प्रशांत तटीय पर्वत श्रेणियों पर घने जंगल हैं जिनके विकास का आधार वह भारी आर्द्रता है जो इस संभाग में चलने वाली आर्द्र हवाओं द्वारा प्रदान की जाती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका एक विकसित देश है। यहाँ के निवासियों ने कठिन परिश्रम करके देश में कृषि उद्योगों के क्षेत्र में अत्यधिक परिवर्तन किया है। इस आर्थिक विकास के फलस्वरूप देश के अधिकांश भाग में वनस्पति का प्राकृतिक स्वरूप नष्ट हो चुका है। अधिकांश वनों एवं घास के मैदानों को साफ कर दिया गया है। लेकिन इतना भारी परिवर्तन होने के बावजूद पश्चिम के अवासित क्षेत्रों और पर्वत क्रमों में वनस्पति का मौलिक रूप अक्षुण्य बना हुआ है। आज भी लगभग 1.4 मिलियन वर्ग किमी. में वनस्पति अपने प्राकृतिक स्वरूप में उपस्थित है।

### संयुक्त राज्य अमेरिका में वनस्पति के प्रकार

संयुक्त राज्य अमेरिका की वनस्पति को निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है। मोटे तौर पर यहाँ 8 प्रकार की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं :

- (1) लम्बी प्रेयरी घास (Tall Prairies Grass)
- (2) छोटी प्रेयरी घास (Short Prairies Grass)
- (3) समशीतोष्ण सेजब्रश (Sage-Brush)
- (4) झाड़ियाँ एवं मरुस्थलीय वनस्पति (Scrubs & Desertic Vegetation)
- (5) पर्वतीय वन एवं घास (Mountain Forests & Grasses)
- (6) कोणधारी वन (Coniferous Forest)
- (7) दक्षिणी मिश्रित वन (Southern Mixed Forest)
- (8) दलदल युक्त वन (Swamp Forest)

(1) लम्बी प्रेयरी घास के मैदान : प्रेयरी घास के मैदान संयुक्त राज्य अमेरिका के आन्तरिक भाग के एक बड़े भाग को घेरे हुए हैं। यह वनस्पति चारों ओर से पाइन पर्वतीय वनों, कठोर वनों तथा शंक्वाकार वनस्पति से घिरी हुई है। यहाँ की जलवायु गर्मी में अत्यधिक गर्म रहती है तथा लगभग 50 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्रों के अन्तर्गत ये पाई जाती है। इन घासों की लम्बाई दूध से तीन

(Eric) नामक विशाल झीलें हैं। इस मैदान की ऊँचाई उत्तर की ओर बढ़ती जाती है।

इस समतल और विस्तृत मैदान में ओचीता पहाड़ियाँ (Ouachita Hills) तथा ओज़ार्क पर्वत (Ozark Mountain) स्थित हैं। इस मैदान का निर्माण अधिकांशतः अवसादी चट्टानों (Sedimentary Rocks) द्वारा हुआ है। उत्तरी भाग में विशाल झीलों के निकट हिमनदों (Glaciers) द्वारा लाई हुई मिट्टी बिछी हुई है। विशाल झीलों का भी निर्माण हिमनदों द्वारा अपरदन (Erosion) के कारण हुआ। हिमयुग में हिमनदों ने कनाडा के बहुत से भागों की मिट्टी खुरचकर संयुक्त राज्य के उत्तरी भाग में लाकर बिछा दी और इस भाग को उपजाऊ बना दिया।

इस मैदान के पश्चिमी भाग में भूमि डालू होने के कारण मृदा अपरदन (Soil Erosion) का भयंकर रूप देखने में आता है। इस घास के प्रदेश में वृक्ष कटाचित् हो उगते हैं। यह मैदान कृषि के लिये प्रसिद्ध है किन्तु पश्चिमी भाग में वर्षा की कमी के कारण पशुचारण व्यवसाय विकसित है।

**4. रॉकी पर्वत (Rocky Mountains)**— संयुक्त राज्य अमरीका के पश्चिमी भाग में एक विस्तृत पर्वतीय प्रदेश है जो उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर फैला हुआ है। रॉकी पर्वत को इस देश का रॉकी पर्वतीय प्रदेश कहते हैं। पश्चिमी भाग में स्थित होने के कारण इसे पश्चिमी कॉलिडोरा (Western Corliderra) भी कहते हैं। संयुक्त राज्य में इस पर्वत प्रदेश का सबसे चौड़ा भाग है। इनकी उत्पत्ति मेसोजोइक, टर्शियरी आदि युगों में हुई थी, यह क्षेत्र भूस्तूलन की दृष्टि से संवेदनशील है।

रॉकी पर्वत प्रदेश की अधिकतम ऊँचाई 4270 मीटर है। इसमें तीन मुख्य श्रेणियाँ हैं:

(1) रॉकी पर्वत (Rocky Mountain), (2) कास्केड पर्वत (Cascade Mountain), (3) कोस्ट रेंज (Coast Range)

ये पर्वत रॉकी श्रेणी के पूर्व में कास्केड और सियेरा नेवादा श्रेणियाँ 1600 किमी. लम्बी और 160 किमी. चौड़ी हैं। कास्केड श्रेणी के अन्तर्गत माउण्ट बेकर, माउण्ट हुड, माउण्ट रेनियर, माउण्ट शस्ता श्रेणियाँ हैं जो 2000 से 3000 मीटर ऊँची हैं। सियेरा नेवादा में ह्वाइट व्हिटनी पर्वत है जो 4000 से 4500 मीटर ऊँचे हैं।

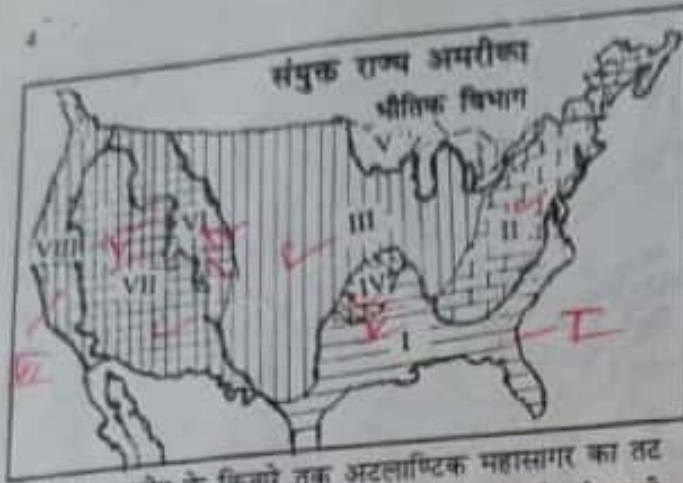
ये पर्वत-श्रेणियाँ मोड़दार पर्वत हैं जो प्रायः उसी काल में निर्मित हुए जिनमें हिमालय, आल्प्स और एण्डोइज पर्वतों का निर्माण हुआ। इस प्रदेश के अन्तर्गत कहीं-कहीं प्राचीन पर्वत भी हैं, जैसे यूटाह राज्य में हैनरी पर्वत। ये लावा-निर्मित चट्टानों से बने और अब घर्षण के कारण गुम्बदाकार हो गये हैं।

**5. अन्तर्पर्वतीय पठार (Intermontane Region)**— रॉकी प्रदेश के बीच में एक ऐसा पठार है जो पश्चिम में कास्केड (Cascade) तथा सियेरा नेवादा (Sierra Nevada) और पूर्व में रॉकी पर्वत-श्रेणियों से घिरा हुआ है। इस प्रदेश में कई पठार हैं जिनका निर्माण

भिन्न-भिन्न प्रकार से हुआ है। उत्तर की ओर कोलम्बिया पठार (Columbia Plateau) भारत के टुकन पठार की भाँति प्राचीन है। इसकी ऊँचाई 1000 मीटर है। इसकी मुख्य नदी ऐनेक है। यह पठार ओरेगन और इडाहो राज्यों में विस्तृत है। इस प्रदेश में बिछरी पहाड़ियाँ पायी जाती हैं। इसमें ज्वालामुखी से निकले हुए लावा की चट्टानें हैं। पठारों के बीच की घाटियों में दीकड़ों फुट मोटी लावा की तहें जमा हैं। इन चट्टानों की टूट-फूट से बनी हुई मिट्टी अत्यन्त उपजाऊ है। कोलम्बिया पठार के दक्षिण की ओर विशाल बेसिन (Great Basin) पठार स्थित है। यहाँ अन्तः प्रवाही नदियाँ पायी जाती हैं जो साल्ट लेक (Salt Lake) में गिरती हैं। यहाँ खारे पानी की अनेक झीलें थीं जो अब सूख गई हैं। अब उनके स्थान पर नमकीन मिट्टी के क्षेत्र रह गये हैं। इस विशाल बेसिन के चारों ओर पहाड़ों के तीव्र ढाल हैं। यहाँ सोधे खड़े किनारों वाली गहरी घाटियाँ हैं। इनमें 'मृत्यु घाटी' (Death Valley) सबसे गहरी है। यह समुद्र तल से 84 मीटर नीची है और संयुक्त राज्य का सबसे नीचा भाग है। विशाल बेसिन 5.4 लाख वर्ग किमी. में विस्तृत है। इससे दक्षिण-पूर्व की ओर कोलोरेडो का पठार (Colorado Plateau) है जो अरीजोना और यूटाह राज्यों में फैला हुआ है। इस पठार पर कोलोरेडो नदी बहती है जो संसार की सबसे गहरी घाटी बनाती है। इस घाटी को ग्राण्ड कैनियन (Grand Canyon) कहते हैं। यह अपनी मनोरम दृश्यावली के लिए प्रसिद्ध है।

नवाजो माउण्ट 3166 मीटर ऊँचा एक प्रमुख शिखर है। इसके दक्षिण में पेन्टेड मरुस्थल है जिसकी दक्षिणी सीमा पर मोलोगन पठार है। यह पठार साल्ट नदी एवं लिटिल कोलोरेडो नदियों के मध्य स्थित है।

**6. प्रशान्त तटीय प्रदेश (Pacific Coast Region):** प्रशान्त महासागर के किनारे एक संकरी पट्टी उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली हुई है। यह 320-1290 किलोमीटर की चौड़ाई में है। इन मैदानों के पूर्वी ढाल पर खड़े पर्वतीय भाग पाये जाते हैं। सियेरा नेवादा (Sierra Nevada), कास्केड रेंज (Cascade Mountains) और कोस्ट रेंज (Coast Range) मुख्य शृंखलाएँ हैं। घाटियों में कैलीफोर्निया की घाटी और विलमोर की घाटी मुख्य हैं। सियेरा नेवादा का निर्माण भूकम्प के कारण भूपर्पटी के एक भाग के ऊपर उठ जाने के कारण हुआ। कास्केड रेंज के बीच में एक श्रेणी है जो कोस्ट रेंज कहलाती है। यह सियेरा नेवादा और कास्केड रेंज की अपेक्षा कम ऊँची है। यहाँ अब भी भूकम्प आते हैं। कास्केड रेंज और कोस्ट रेंज के बीच में विलमोर घाटी है। कैलीफोर्निया की घाटी सियेरा नेवादा और कोस्ट रेंज के मध्य स्थित है। इस घाटी में सान जोक्विन (San Joaquin), कोलम्बिया और सैक्रामेण्टो (Sacramento) नदियाँ बहती हैं। यहाँ मिट्टी उपजाऊ है। इन नदियों पर बाँध बनाकर सिंचाई की व्यवस्था की गई है।



फ्लोरिडा प्रायद्वीप के किनारे तक अटलाण्टिक महासागर का तट फैला हुआ है। उत्तर से दक्षिण की ओर मैदानों की चौड़ाई बढ़ती जाती है। उत्तर में इनकी चौड़ाई 50 से 100 किमी. है जबकि दक्षिण में कहीं-कहीं चौड़ाई 220 से 300 किमी. तक हो जाती है। इस मैदान का तट कटा-फटा है। इससे आगे मैक्सिको की खाड़ी के किनारे संयुक्त राज्य की सीमा तक खाड़ी तट प्रदेश है। यह सारी तटीय पट्टी विभिन्न स्थानों पर 48 किमी. से 80 किमी. की चौड़ाई की है। जॉर्जिया और फ्लोरिडा में इसकी चौड़ाई सबसे अधिक है। अटलाण्टिक तट की अपेक्षा मैक्सिको की खाड़ी पर तटीय पट्टी अधिक चौड़ी है। इस प्रदेश की मिट्टी में पाये जाने वाले जीवावशेषों (Fossils) से यह प्रकट होता है कि यह भूमि किसी काल में समुद्र के अन्तर्गत थी। तटीय भाग विभिन्न कालों में समुद्रों में निमग्न होते रहे और ऊपर उठते रहे। न्यूजर्सी में अब भी तट 60 सेमी. प्रति शताब्दी की दर से समुद्र में धँस रहा है। दक्षिणी कैरोलिना में तट समुद्र से बाहर उठ रहा है। इस कारण यहाँ गिरने वाली नदियाँ अपने मुहाने बदलती रहती हैं। इन नव-निर्मित मैदानों की मिट्टी कृषि के लिए अत्यन्त उपयोगी है। उत्तरी कैरोलिना और पूर्वी वर्जीनिया में भूमि दलदली है। इस दलदल को डिस्मल स्वॉम्प (Dismal Swamp) अर्थात् उदास दलदल कहते हैं। यहाँ मीठे पानी को झीलें भी हैं।

न्यूयॉर्क से जॉर्जिया तक कठोर चट्टानों का उच्च भाग पश्चिमी भाग में मिल जाता है। यह भाग पीडमॉन्ट पठार (Piedmont Plateau) कहलाता है। यहाँ बहने वाली नदियाँ झरने बनाती हुई मैदान में उतरती हैं। इन झरनों की ऊँचाई लगभग समान है। इनको मिलाने वाली रेखा को प्रपात रेखा (Fall Line) कहते हैं। अन्य महासागर में गिरने वाली नदियाँ हडसन, केनबी, सस्केहाना, केपफियर, डेलावेयर, सेण्टो और सवाना हैं।

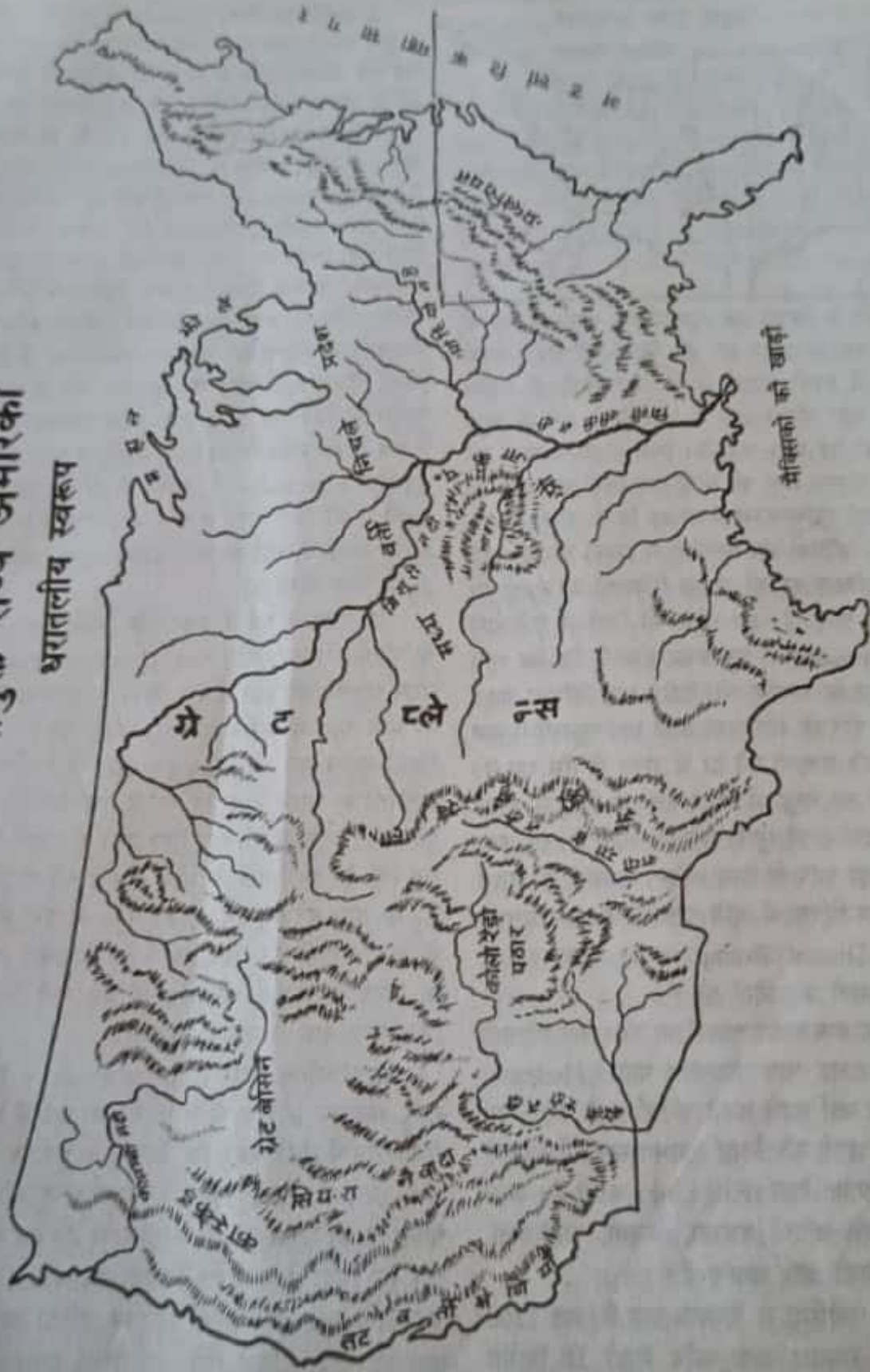
खाड़ी तटीय मैदान फ्लोरिडा से टेक्सास तक है। यह 2200 किमी. लम्बा है। यह समतल तथा काँप मिट्टी से निर्मित मैदान है। यहाँ फर्ल, ट्रिनिटी, रेड, सेवाइन, कोलोरेडो नदियाँ बहती हैं। मिसौरी नदी का मुहाना मैदानी भू-आकृति का मुख्य भाग है।

2. अप्लेशियन प्रदेश (Appalachian Region) - संयुक्त राज्य के पूर्वी भाग में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम में न्यू इंग्लैण्ड राज्यों तक एक पर्वतीय प्रदेश है जो अनेक श्रेणियों में फैला हुआ है। इसे अप्लेशियन पर्वत कहते हैं। यह पूर्व कैम्ब्रियन युग की चट्टानों से अपरदित होने से कटा-फटा है। इन पर्वतों के उत्तरी भाग में कैटस्किल पर्वत (Catskill mountain) है। इसके उत्तर भाग में अलेघनी (Alleghany) पठार है और आगे चलकर कम्बर्लैण्ड में अलेघनी (Alleghany) पठार है और आगे चलकर कम्बर्लैण्ड में अलेघनी (Alleghany) पठार है। संरचना की दृष्टि से यह पठार (Cumberland Plateau) है। संरचना की दृष्टि से यह प्रदेश बड़ा जटिल है। यहाँ भूमि बड़ी विषम है। इसका विस्तार अलाबामा, जॉर्जिया, उत्तरी कैरोलिना, दक्षिणी कैरोलिना, केन्टुकी, टेनेसी, पश्चिमी वर्जीनिया, ओहियो, पेन्सिलवानिया, न्यूयॉर्क, मिसाचुसेट्स, कनेक्टिकट, वर्मॉन्ट आदि राज्यों में है। दक्षिण में इसकी चौड़ाई 320 किमी. है। पोटोमैक नदी के उत्तर में इसकी चौड़ाई 96 किमी. हो रह जाती है। पेन्सिलवानिया के दक्षिणी भाग में इन्हें साठथ माउण्टेन कहते हैं। वर्जीनिया तक जहाँ इसका नाम ब्लू रिज (Blue Ridge) है, इनकी चौड़ाई 16-24 किमी. हो है। इनकी ऊँचाई 457 मीटर से 914 मीटर तक है। संयुक्त राज्य में इसकी उच्चतम चोटी माइकेल (Mt. Mitchell) है जो 2837 मीटर ऊँची है।

इस प्रदेश के पूर्व में प्रपात रेखा (Fall line) है। प्रपात रेखा के पश्चिम में पर्वतपटीय पठार (Piedmont Plateau) है। यह पठार पश्चिम की ओर क्रमशः ऊँचा उठता गया है। अप्लेशियन के मध्य भाग में कई समानान्तर श्रेणियाँ हैं। ये वलित पर्वत हैं जिनमें तृतीय युग (Tertiary Period) के निर्माण काल में हुए हलचलों के कारण मोड़ पड़ गये हैं तथा घाटियाँ शिलाखण्डों से पट गयीं। इनके ऊपरी भाग घिस जाने से पठारों की आकृति बन गये हैं। इन पर्वतों के नीचे कोयले की मोटी तहें जमी हुई हैं और ऊपर घने वन उगे हुए हैं। बहुत-से वनों को काटकर खेती के लिए उपयोगी बना लिया गया है। इसके उत्तरी भाग में हिमनिक्षेप के घर्षण के कारण अनेक झीलें बन गयी हैं। 195000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कोयला क्षेत्र हैं।

3. आन्तरिक मैदान (Interior Plain) - यह प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य में स्थित है और पूर्व में अप्लेशियन पर्वत से पश्चिम में रॉकी पर्वत तक फैला हुआ है। इस मैदान की ऊँचाई सभी भागों में समान नहीं है। संयुक्त राज्य की उत्तरी सीमा से मैक्सिको की खाड़ी तक इसका विस्तार है। यह मैदान नदियों द्वारा लाई हुई मिट्टी से बना है। मिसौरी (Missouri) और मिसिसिपी (Mississippi) और इसकी सहायक नदियों का इसके निर्माण में बड़ा योग है। ओहियो नदी अप्लेशियन पर्वत से निकलकर पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इसके उत्तरी भाग में खादार चट्टानों से बनी उच्च भूमि है। इसी भाग में सुपीरियर (Superior), मिशिगन (Michigan), ओण्टेरियो (Ontario), ह्युरोन (Huron) और ई

# संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय स्वरूप



प्रशांत महासागर



2  
ने अन्य महासागर के तटीय भाग में की, जिसे आज न्यू इंग्लैण्ड कहते हैं। इनके अतिरिक्त डच, स्वीडन, जर्मन, स्पेनी आदि निवासी भी यहाँ आकर बस गये। इन यूरोपीय आब्रजकों ने यहाँ के मूल निवासी रेड इंडियन से युद्ध कर उनको आन्तरिक भागों की ओर प्रवास के लिये बाध्य किया तथा उनके आवास क्षेत्र पर अपना आधिपत्य स्थापित किया। धीरे-धीरे पश्चिमी क्षेत्र का ज्ञान होने पर आब्रजकों का प्रवेश आन्तरिक भागों में होने लगा।

संयुक्त राज्य अमरीका के 7827976 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 50 राज्य हैं। इन्होंने पचास राज्यों का एक संघीय देश 'संयुक्त राज्य अमरीका' कहा जाता है। इस देश का सबसे बड़ा राज्य टैक्सस (Texas) है जो देश के लगभग 1/10 भाग के बराबर और फ्रान्स से बड़ा है। देश से मुख्य स्थल से अलग दो राज्य हैं जो अलास्का (Alaska) और हवाई द्वीप (Hawaii Island) के नाम से प्रसिद्ध हैं। सन् 1803 में उत्तरी अमरीका महाद्वीप में क्रान्ति-युद्ध के उपरान्त

**संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य एवं क्षेत्रफल**

राज्य	क्षेत्रफल	राज्य	क्षेत्रफल
मेन	86359	विस्कॉंसिन	146070
न्यू हेम्पशायर	24190	मिनेसोटा	218576
वरमोंट	24970	उत्तरी डकोटा	183729
मैसाचुसेट्स	21468	दक्षिणी डकोटा	200322
रोडद्वीप	3156	नेब्रास्का	200790
कनेक्टिकट	13023	आयोवा	146354
न्यूयॉर्क	121097	मिसौरी	175952
न्यूजर्सी	20373	कन्सास	213917
पैन्सिलवानिया	117865	अरकन्सास	138017
डेलैवियर	5345	ओकलाहोमा	181781
मेरीलैण्ड	27471	लूशियाना	126159
वर्जीनिया	106119	टैक्सस	695081
पश्चिमी वर्जीनिया	62870	मोण्टाना	382558
उत्तरी कैरोलिना	136791	इडाहो	217248
दक्षिणी कैरोलिना	200342	व्योमिंग	254676
जॉर्जिया	153051	कोलोरेडो	271042
फ्लोरिडा	152256	यूटाह	320781
अलाबामा	13418	नेवादा	287404
मिसौसिपी	124061	एरीजोना	296163
टेनेसी	109834	न्यू मेक्सिको	316331
कैन्टकी	105027	वाशिंगटन	177299
ओहियो	107177	ओरेगन	252150
इण्डियाना	34356	कैलोफोर्निया	414601
इलिनोइस	146640	अलास्का	1524640
मिशिगन	151361	हवाई द्वीपसमूह	16772

एक नवीन राष्ट्र संयुक्त राज्य अमरीका का निर्माण हुआ था। इसके उपरान्त 50 वर्ष के अन्दर देश अपना वर्तमान स्वरूप प्राप्त कर पाया। कहा जाता है कि संयुक्त राज्य अमरीका ने अलास्का को 1867 ई. में सोवियत संघ से खरीदा था। देश के राज्यों के नाम तथा उनका क्षेत्रफल अग्रे तालिका में अंकित है।

**आब्रजन का प्रभाव**

संयुक्त राज्य अमेरिका के विकास पर इन आब्रजकों का प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है। आब्रजकों ने आधिपत्य स्थापित कर यहाँ सर्वप्रथम कृषि का विकास किया। इस कार्य में आब्रजकों द्वारा दास बनाकर लाये गये नौग्री लोगों का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने यहाँ व्यापारिक वस्तुओं तथा उपजों के उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया क्योंकि ये वस्तुएँ यूरोप को निर्यात की जाती थी। उन्होंने यहाँ यूरोपीय परिवेश का विस्तार करने की दृष्टि से चर्च, विद्यालय, बाजार तथा नगर स्थापित किये। लेकिन स्थानीय प्राकृतिक परिवेश तथा यूरोप से विलगाव के कारण इनकी संस्कृति में भी परिमार्जन हुआ। स्थानीय प्राकृतिक सम्पदा का ज्ञान होने पर यूरोपीय देशों से प्राप्त तकनीकी ज्ञान के आधार पर यहाँ औद्योगिक विकास प्रारम्भ किया। परिवहन के साधनों का विस्तार होने के साथ ये आब्रजक पश्चिमी भागों की ओर फैलने लगे। धीरे-धीरे ये यूरोपीय आब्रजक यूरोपीय प्रभाव से मुक्त होकर संयुक्त राज्य को अपना राष्ट्र मानते हुये इसके आर्थिक विकास में संलग्न हो गये। इनके अथक परिश्रम तथा लगन के फलस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका एक शक्तिशाली एवं आत्म निर्भर राष्ट्र बन गया है।

**उच्चावच (Relief)**

संयुक्त राज्य अमरीका का धरातल विविध भू-आकृतियों से युक्त है। यहाँ के भू-आकृतिक स्वरूप के निर्धारण में हिम उत्रक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज से 10 से 25 हजार वर्ष पूर्व उत्तरी अमरीका हिम आवरण से ढका था। इस देश का उच्चावच एवं जल प्रवाह इसी की देन है।

संयुक्त राज्य के धरातल पर पर्वतों का विस्तार उत्तर-दक्षिण दिशा में है। इनके बीच में मैदान है। मोटे तौर से इसके निर्मांकित भाग किये जा सकते हैं:

1. अटलाण्टिक और खाड़ी-तटीय प्रदेश (Atlantic and Gulf-Coastal Plain)
2. अप्लेशियन पर्वत (Appalachian Region)
3. आन्तरिक मैदान (Interior Plain)
4. रॉकी पर्वत (Rocky Mountains)
5. अन्तपर्वतीय पठार (Inter Montane Region)
6. प्रशान्त तटीय प्रदेश (Pacific Coast Region)

1. अटलाण्टिक और खाड़ी-तटीय प्रदेश (Atlantic and Gulf-Coastal Plain) — न्यूयॉर्क नगर में दक्षिण की ओर

संयुक्त राज्य उत्तरी अमेरिका का ही नहीं विश्व का एक महान देश है। आर्थिक दृष्टि से बहुत सम्पन्न देश होने के कारण यह विश्व के विभिन्न राष्ट्रों पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रभुत्व जमाने को प्रयत्नशील रहता है। विस्तार की दृष्टि से यह विश्व के विशाल देशों में पाँचवें स्थान पर है। क्षेत्रफल की दृष्टि से इससे बड़े देश चीन, कनाडा, ब्राजील आदि हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका प्रथम देश है जिसने मानव को सर्वप्रथम चन्द्रमा पर भेजने में सफलता पायी। इसी से इसके सर्वाधिक विकसित और साधन सम्पन्न देश होने की पुष्टि होती है। इस देश की महत्ता के कारण उत्तरी अमेरिका विश्व का महत्वपूर्ण महाद्वीप बन गया है।

### स्थिति एवं विस्तार

संयुक्त राज्य अमेरिका का मुख्य भाग उत्तरी अमेरिका के मध्य भाग में स्थित है। इस भाग में 48 राज्य हैं। इसके दो राज्य अलास्का और हवाई द्वीप मुख्य देश से दूर स्थित हैं। इसका विस्तार पूर्व में अन्ध महासागर से लेकर पश्चिम में प्रशान्त महासागर तक है। पूर्व से पश्चिम तक इसका विस्तार 4480 किमी. और उत्तर से दक्षिण तक इसकी चौड़ाई 2578 किमी. है। मुख्य स्थल 24°30' उत्तरी

अक्षांश से 49° उत्तरी अक्षांश तक और 66° 57' पश्चिमी देशान्तर से 124°45' पश्चिमी देशान्तर तक फैला हुआ है। उत्तर से दक्षिण तक इसकी चौड़ाई 2560 किमी. है। पूर्व की ओर यूरोप यहाँ से 3200 किमी. दूर है। संयुक्त राज्य के पश्चिमी तट और पूर्वी एशिया के मध्य 8000 किमी. की दूरी है। हवाई द्वीप प्रशान्त महासागर के मध्य में स्थित है जो यूरोप से 4800 किमी. दूर है। अलास्का उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के उत्तरी-पश्चिमी कोने में स्थित है। साइबेरिया से यह 80 किमी. चौड़े जल डमरूमध्य बैरिंग स्ट्रेट द्वारा पृथक् है। अलास्का का विस्तार उत्तरी ध्रुव वृत्त के अन्दर तक चला गया है। अलास्का की दक्षिणी सीमा वाशिंगटन राज्य से लगभग 800 किमी. दूर है। इसके दक्षिण में मैक्सिको देश तथा मैक्सिको की खाड़ी स्थित है। उत्तरी-पूर्वी सीमा पर यहाँ की पाँच बृहत् झीलें-सुपीरियर, मिशिगन, ह्यूरन, एरी और ओण्टेरियो स्थित हैं।

### संयुक्त राज्य अमेरिका का राजनीतिक गठन

इस देश का गठन छोटे स्वतंत्र क्षेत्रों एवं उपनिवेशों को मिलाने से होने के कारण इसका नाम संयुक्त राज्य अमेरिका पड़ा है। इस देश में सर्वप्रथम उपनिवेश की स्थापना ग्रेट ब्रिटेन के निवासियों



संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य

**जलवायु**

यहाँ की जलवायु ठण्डी शीतोष्ण कटिबन्धीय है। यहाँ शीत ऋतु काफी ठण्डी और ग्रीष्म ऋतु शीतल होती है। शीत ऋतु कठोर होती है और हिमपात भी होता है। पर्वतीय भागों में औसतन 2 1/2 मीटर तक हिमपात होता है। मेन राज्य में शीत ऋतु का औसत तापमान -13° से रहता है। ग्रीष्म ऋतु गर्म होती है। यहाँ उपज वृद्धि के लिए उत्तर में 110 दिन और दक्षिण में 180 दिन का काल होता है। वर्षा 100 से 150 सेमी. तक होती है। वर्षा का वितरण वर्ष भर लगभग समान रहता है।

**वनस्पति और मिट्टियाँ**

प्रारम्भ में सम्पूर्ण प्रदेश वनों से ढका था। लेकिन यहाँ लोगों द्वारा वन काटे जाने के कारण अधिकांश मौलिक वन समाप्त हो गए हैं। लेकिन 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में जब लोगों ने यहाँ की अनुपजाऊ भूमि पर कृषि करना बंद कर दिया तो इस भूमि पर पुनः वन उग आए। आज वनों से आच्छादित प्रमुख क्षेत्र उत्तरी मेन और ग्रीन एवं ह्यूप्ट पर्वत हैं यहाँ संकुचारी वृक्ष जैसे स्प्रूस एवं फर के सदाबहार वन पाए जाते हैं। न्यू इंग्लैंड के मध्य भाग में संकुचारी-और पर्णपाती वनों से मिश्रित वन पाए जाते हैं। तटपट्टी बालू में झाड़ियों वाले ओक व शीदू के वृक्ष पाए जाते हैं। भूसर-भूरी पौधसौलिक प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं। हिमनद के कारण निचले भागों में घाटल हिमनदीय गोलाकार मिट्टी से ढका है। इसमें छोटे-बड़े चट्टानी टुकड़े और मिट्टी मिश्रित रूप में पाए जाते हैं। कनेक्टिकट की घाटी में उर्वर जलोढ़ मिट्टी का निक्षेप पाया जाता है।

**अर्थव्यवस्था**

यहाँ की अर्थव्यवस्था दोनों - प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के व्यवसायों पर निर्भर है।

**प्राथमिक व्यवसाय**

(1) वन उद्योग : न्यू इंग्लैंड का लगभग 3/4 भाग वनों से आच्छादित है। यहाँ देश का 6.7 प्रतिशत व्यापारिक वन क्षेत्र पाया जाता है। मेन और न्यू हेम्पशायर राज्यों में क्रमशः 64.5 और 83.9 प्रतिशत भूमि पर वनों का विस्तार है। जो वन आज मिलते हैं वे दोबारा उगे होने के कारण मौलिक वनों के समान गुण वाले नहीं हैं। यहाँ लकड़ी काटना व खीरना महत्वपूर्ण व्यवसाय है। वसंत ऋतु में मैपिल स्रार का संग्रह किया जाता है। यहाँ लुगदी बनाना तथा कागज उद्योग भी विकसित है। कागज बनाने के कारखाने होलपोक, पिट्स फील्ड और फाल रिवर में केन्द्रित हैं। इन कारखानों को सस्ती जल विद्युत भी उपलब्ध हो जाती है।

(2) कृषि : इस प्रदेश में कृषि योग्य भूमि का अभाव है तथा यहाँ की जलवायु दशाओं में फसलों के लिये वर्षा काल छोटा है। यद्यपि यूरोपवासियों के आगमन काल से यहाँ कृषि की जाती रही

है लेकिन जप्लोसिपन के मध्य पश्चिम के उर्वर मैदान में कृषि बढ़ने के लिये पर होने लगी तो यहाँ खराब भूमि पर खेती करना बंद कर दिया। इसके कारण 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध से यहाँ कृषि क्षेत्र कम होने लगा। इस कमी के अंतर्गत अब कृषि उन भागों में सीमित हो गई जहाँ मिट्टी उपजाऊ थी। एक परिवर्तन यह भी आया कि कृषि में विविधता की जगह विशिष्टीकरण की प्रवृत्ति बढ़ने लगी। यहाँ कृषि करना लोगों का पूर्णकालिक व्यवसाय न होकर पूरक व्यवसाय के रूप में है। कृषि के विशिष्टीकरण में तीन कार्य प्रमुख हैं - (1) दुग्ध उत्पादन, (2) मुर्गी पालन, और (3) फलों एवं सब्जियों की कृषि।

न्यू इंग्लैंड में दुग्ध उत्पादन के लिए गावों को पाला जाता है। दुग्ध उत्पादन व्यवसाय का केन्द्रीकरण वर्षाघट, पूर्वी न्यू हेम्पशायर और पूर्वी कनेक्टिकट में अधिक हुआ है। यहाँ की कुल कृष्य भूमि के 75 प्रतिशत भाग पर चारा पैदा किया जाता है। घास यहाँ व्यापक रूप में पैदा की जाती है। गावों के घासों पर निर्भर होने के कारण यहाँ की गावें अपेक्षाकृत कम दूध देती हैं। तरल दूध की खपत हो जाने से यहाँ क्रोम, मक्खन, पनीर आदि का उत्पादन अधिक नहीं होता है।

पश्चिम विश्व युद्ध के बाद मुर्गी पालन व्यवसाय यहाँ लोकप्रिय हुआ। द.पू. न्यू इंग्लैंड के उपनगरीय क्षेत्रों में इसका विकास अधिक हुआ है। पूर्वी कनेक्टिकट और द. मेन में मुर्गीपालन का केन्द्रीकरण अधिक हुआ है।

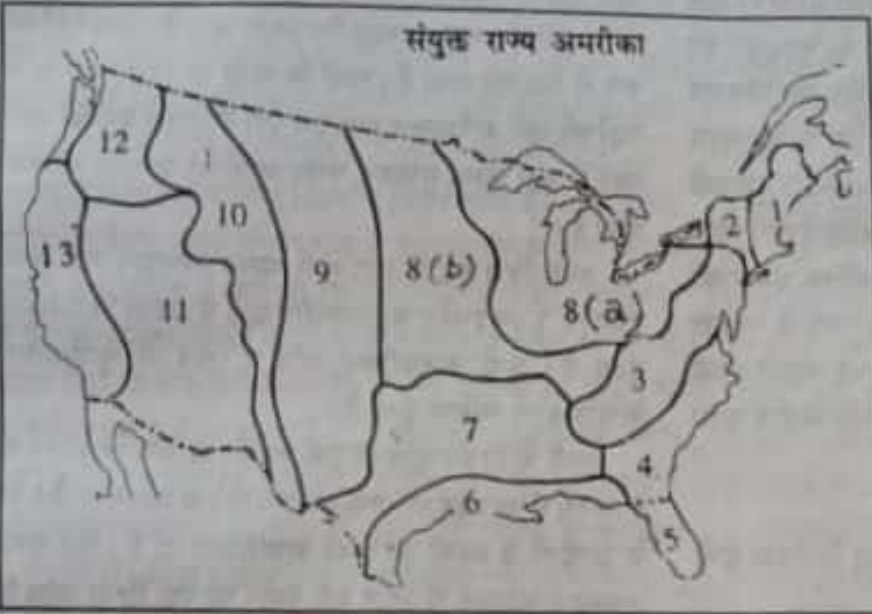
नगरों के निकट भूमि पर टुक फार्मिंग अधिक लोकप्रिय हो गई है। नगरों में फल एवं सब्जियों की मांग होने के कारण नगरीय अंचल के ग्रामीणों ने इनकी कृषि को प्राथमिकता दी है। मेन राज्य की अरुस्टुक काठपट्टी में आलू बढ़ने के लिये पैदा किया जाता है। द. न्यू इंग्लैंड में सेब, पीपर्स, पीपेज के बगीचे अधिक पाये जाते हैं।

घनत्व उद्योग : मछली पकड़ना यहाँ के लोगों का पुराना व्यवसाय है। यहाँ कैलीफोर्निया के अतिरिक्त संयुक्त राज्य की सर्वाधिक मछलियाँ पकड़ी जाती हैं। बोस्टन इस देश का सबसे बड़ा मछली पकड़ने का बंदरगाह है। मेसाचुसेट्स में प्रदेश का 75 प्रतिशत मत्स्य व्यवसाय होता है जबकि 25 प्रतिशत मेन राज्य में। यहाँ काड, हैडक, भाकरेल, हैरिंग जाति की मछली पकड़ी जाती है। यहाँ मत्स्य उद्योग के विकास के निम्न कारण हैं : (1) ठण्डी सागर का होना (2) बड़े-बड़े तट के कारण अच्छे पोताज्य का होना (3) प्रदेश की अधिकांश भूमि का कृषि अयोग्य होना (4) उष्ण और ठण्डी धारा के मिलने से प्लैकटन की अधिकता (5) देश में मछली की मांग होना।

उद्योग धंधे : न्यू इंग्लैंड में अर्थवासियों द्वारा सर्वप्रथम उद्योगों की स्थापना की गई। यहाँ उद्योगों के विकास के लिये अनेक कारण

संयुक्त राज्य अमेरिका को भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर अनेक प्रदेशों में बांटा जा सकता है। ध्यातव्य है कि भौगोलिक प्रदेश किसी क्षेत्र के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को समान विशेषताओं पर बांटे जाते हैं। इनमें प्रमुख रूप से भूम्याकृति, जलवायु, कृषि (जिसमें वनस्पति एवं मिट्टियों की विशेषताएं समाहित हैं), उद्योग (उत्खनन एवं शक्ति के साधनों का प्रतिफल), परिवहन तथा जनसंख्या के सामाजिक गुण आते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका को निम्न भौगोलिक प्रदेशों में विभाजित किया जा सकता है:



### संयुक्त राज्य अमेरिका के भौगोलिक प्रदेश

1. न्यू इंग्लैंड प्रदेश
2. न्यूयार्क एवं हडसन-मोहाक खाड़ी क्षेत्र
3. अपलेशियन क्षेत्र
4. अन्ध महासागर तटीय मैदान
5. फ्लोरिडा प्रायद्वीप
6. खाड़ी का तटीय मैदान
7. दक्षिणी आंतरिक प्रदेश
8. (a) उत्तर केन्द्रीय अथवा अन्तर्वर्ती / आन्तरिक प्रदेश  
(b) उत्तरी आंतरिक कृषि प्रदेश
9. वुहत् मैदान / पश्चिमी मैदानी प्रदेश
10. रॉकी पर्वतीय प्रदेश
11. अन्तर्पर्वतीय बेसिन एवं पठार
12. उत्तर-पश्चिमी प्रशान्त तट / उत्तरी पश्चिमी पठार एवं मैदान
13. कैलीफोर्निया प्रदेश
14. अलास्का प्रदेश
15. हवाई द्वीप समूह

### 1. न्यू इंग्लैंड प्रदेश (New England Region)

संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तर-पूर्वी राज्यों को सम्मिलित रूप में न्यू इंग्लैंड कहते हैं। सन् 1616 में इंग्लैंड निवासी जॉन स्मिथ ने इस प्रदेश को न्यू इंग्लैंड नाम से सम्बोधित किया था। यही वह भाग है जहाँ आब्रजक यूरोपीय लोगों ने उत्तरी अमेरिका में पहुँचने पर अपना आवास बनाया था। इस प्रदेश में मेन, वर्माण्ट, न्यू हैम्पशायर, मेसाचुसेट्स, कनेक्टिकट तथा रोड आईलैंड राज्य सम्मिलित हैं। इस प्रदेश का क्षेत्रफल लगभग 1,72,500 वर्ग किमी. है। यह देश

के 2 प्रतिशत क्षेत्र को घेरे है जिसमें देश की 6 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। इसके पूर्व तथा दक्षिण में समुद्र इसकी सीमा बनाता है। पश्चिमी सीमा पर टैकोनिक पर्वत और हडसन-शैम्पलेन निम्न भूमि है। उत्तर में कनाडा की सीमा द्वारा इसकी सीमा निर्धारित होती है। यह एक स्पष्ट भौतिक इकाई न होते हुए भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक दृष्टियों से यह एक पृथक प्रदेश है।

#### भूम्याकृति एवं जलप्रवाह

भौतिक दृष्टि से यह अप्लेशियन पर्वत क्रम का उत्तरी भाग है। न्यू इंग्लैंड एक उच्च भूमि या पठारी प्रदेश है। इसके पश्चिमी किनारे पर हडसन शैम्पलेन घाटी है। इसके उत्तर में शैम्पलेन झील है। टैकोनिक प्रदेश में व्यतिक्रमित पर्वत है। इसके पूर्व में वर्कशायर निम्न भूमि है जो समुद्र तल से 600 मीटर से भी नीची है। ग्रीन पर्वत 1200 मीटर से भी अधिक ऊँचे हैं। यहाँ का पठारी भाग विस्तृत रूप में जिसके धरातल को नदियों ने काटा है और हिमनद द्वारा प्रभावित है। 2000 मीटर ऊँचे ह्यड्रट पर्वत है जो अवशिष्ट पहाड़ियों का समूह है। समुद्रतटीय मैदान 150 मीटर से भी कम ऊँचे है। ह्यड्रट तथा ग्रीन पर्वतों के मध्य उत्तर-दक्षिण दिशा में फैली कनेक्टिकट की घाटी है। यह एक भ्रंश घाटी है। यहाँ के उच्चावच पर हिमानीकरण का प्रभाव है। उत्तरी भाग में हिमनद के अपरदन से मिट्टियाँ साफ हो गई हैं। दक्षिण और पूर्वी भाग में हिमोढ़ का जमाव पाया जाता है। यहाँ असंख्य छोटी झीलें हिमनद के कारण पाई जाती हैं।

हडसन, कनेक्टिकट, टान्टन, ब्लैक स्टोन, इसैटोनिक, केनेबक, मेरीमेक आदि नदियाँ प्रवाहित होती हैं। इनमें से कुछ नदियाँ जलशक्ति की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

आदि पूर्वी देशों को भेजा जाता है तथा पूर्वी देशों से, नारियल, वनस्पति तेल, सूती वस्त्र, चाय, चीनी, सोयाबीन, रेशम, खिलौने आदि आते हैं। इस मार्ग के संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख बंदरगाह सैनफ्रांसिस्को, लास एंजिल्स आदि हैं।

**पनामा नहर मार्ग:-** अंधमहासागर तथा प्रशांत महासागर को मिलाने वाली पनामा नहर के निर्माण से पूर्व और पश्चिमी अमेरिका ज्यादा निकट आ गये क्योंकि इसके पूर्व, पूर्व से पश्चिम की ओर जाने के लिए केपहार्न अन्तरीप होकर एक लंबे मार्ग को तय करना पड़ता था। इस नहर की प्रमुख व्यापारिक वस्तुएं कहवा, चाय, फल, गेहूं, लकड़ी, टिन, रबर, नाइट्रेट, तांबा तथा मांस आदि पश्चिम से तथा पूर्व से मशीनें, औषधियां, इंजन, रासायनिक पदार्थ, वस्त्र, मोटर कार, आदि वस्तुओं का परिवहन होता है। प्रमुख बंदरगाहों में खाड़ी तट के तथा अमेरिका के पश्चिम तट के बंदरगाह आते हैं।

**विदेशी व्यापार:-** मात्रा एवं मूल्य दोनों के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व में सर्वोच्च स्थिति बनाये हुए हैं। यहां देश विश्व के उन देशों में से हैं जिनका निर्यात-आयात मूल्य सदा संतुलित रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापारिक संबंध लगभग विश्व के सभी देशों से है। यह विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का व्यापार विश्व के अन्य देशों के साथ करता है। स्वाभाविक रूप से सं.रा. अमेरिका से निर्यात होने वाली वस्तुओं में निम्न वस्तुओं का बाहुल्य होता है।

#### निर्यात की वस्तुएं

1. निर्मित वस्तुएं:- विशेषकर मोटर वाहन, वायुयान, मशीनें, कपड़ा, कृत्रिम वस्त्र, रसायन, विद्युत उपकरण, इस्पात आदि।

2. कृष्य उत्पाद : कच्ची कपास, गेहूं, मक्का, सोयाबीन, मांस, दुग्ध संबंधी वस्तु उत्पाद, तन्बाकू, फल आदि।

3. खनिज एवं अन्य कच्चा माल : कोयला, पेट्रोलियम, मोलबेडिनम, धातुएं, फास्फेट पोटाश, गंधक और इमारती लकड़ी।

इस प्रकार देखा जाय तो संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग हर प्रकार की वस्तुओं का निर्यात व्यापार आयात से कहीं अधिक व्यापक एवं लाभकारी है।

#### आयात की वस्तुएं

1. खाद्य पदार्थ : चीनी, काफी, केला, कोक, किस्की है।

2. कच्चा माल : इसमें लकड़ी की लुग्दी, रबड़, उष्ण कटिबंधीय रेशे, ऊन, पेट्रोल, मिक्लि, टिन, मैंगनीज, बाक्साइट, तांबा, लोहा, एस्बेस्टस तथा हारे आते हैं।

3. निर्मित वस्तुएं : इनमें उच्च श्रेणी के अखबारों कागज, नरम लकड़ी, मोटर कार, कपड़ा, चीनी मिट्टी आदि हैं।

सामान्यतया संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयात की गई वस्तुओं में उष्ण कटिबंधीय उपजों तथा उद्योगों संबंधी कच्चे मालों की प्रधानता परिलक्षित होती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों का जीवन-स्तर उष्णकोटि का है लेकिन जनसंख्या अपेक्षाकृत कम है जिससे यहां का विदेशी व्यापार कम है। कुछ वस्तुएं जो संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पन्न नहीं होती जैसे प्राकृतिक रबड़, सिल्क, कुछ विशेष धातुएं, उष्ण कटिबंधीय फल और तेल के बीज लेकिन उसकी पूर्ति के लिए यहां पर अनेक कृत्रिम एवं वैकल्पिक उत्पाद तैयार कर लिए गये हैं, जैसे कृत्रिम रबड़, नाइलान, शीतोष्ण एवं उष्ण कटिबंधीय फल तथा वनस्पति तेल आदि। यहां पर विश्व का सबसे बड़ा व्यापारिक जहाजों बेड़ा है।

**व्यापार संरचना :** संयुक्त राज्य अमेरिका में सन् 1999 में 47465 करोड़ डालर मूल्य का निर्यात किया गया तथा 61024 करोड़ डालर मूल्य का आयात हुआ। सन् 1990-1999 के बीच निर्यात में 5.1 प्रतिशत एवं आयात में 6.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसका कारण यह हो सकता है कि इस समय संयुक्त राज्य अमेरिका अपने कच्चे माल आदि का संरक्षण कर रहा है तथा विदेशों से आयात कर रहा है।

यहां की निर्यात संरचना में मशीनें एवं उपकरण, औद्योगिक वस्तुएं तथा प्राथमिक उत्पाद अधिक हैं तथा ईंधन कम है। आयात संरचना में औद्योगिक पदार्थ, प्राथमिक उत्पाद, भोजन तथा ईंधन प्रमुख हैं जैसे-जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका में औद्योगिक विकास होता गया विदेशों से औद्योगिक उत्पादों के स्थान पर कच्चे मालों को आयात मात्रा बढ़ती गई। इसी तरह यहाँ से जो पहले कच्चे माल बाहर जाते थे उनकी जगह मशीनों, ऑटोमोबाइल व अन्य औद्योगिक वस्तुएं जाने लगी। कृषि विकास के साथ-साथ कृष्य उत्पाद की अतिरिक्त मात्रा बचने लगी जिसका निर्यात संभव था।

वस्तुतः आयात-निर्यात का स्वरूप कई अन्य तत्वों पर भी निर्भर करता है जिनमें देश की आर्थिक नीति, प्राकृतिक संसाधनों की खोज व उपयोग तथा अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक संबंध महत्वपूर्ण हैं इसीलिए सं.रा. अमेरिका के वर्तमान व्यापार या आयात-निर्यात की दिशा में परिवर्तन का स्वरूप बदल गया और आयात की मात्रा अधिक हो गई।

**प्रशांत, अटलांटिक तथा मैक्सिको की खाड़ी :** इन तीनों के तट प्रदेश सं.रा. अमेरिका को अनेक प्राकृतिक बंदरगाह प्रस्तुत करते हैं जो व्यापार में सक्रिय हैं फिर भी एक आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि देश के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 35 प्रतिशत अकेला न्यूयार्क बंदरगाह से होता है। इसका कारण है न्यूयार्क की स्थिति। अटलांटिक तट के अन्य व्यस्त बंदरगाहों में फिलाडेलफिया, बाल्टीमोर, बोस्टन तथा हैम्पटन रोड्स आदि महत्वपूर्ण हैं। प्रशांत तट पर सैनफ्रांसिस्को, लास एंजिल्स, सिएटल तथा पोर्टलैंड अधिकतर विदेशी व्यापार के लिए उत्तरदायी हैं।

कारण मिसिसिपी नदी व्यवस्था के अंतर्गत जलमार्गों की लम्बाई 9600 किमी. हो गयी है। इन नदी मार्गों द्वारा भारी वस्तुएं जैसे लोहा, कोयला, मांस, इस्पात, दूध आदि पदार्थ दक्षिणी क्षेत्रों में भेजे जाते हैं तथा कपास, चीनी, पेट्रोल आदि उत्तर के क्षेत्रों में भेजे जाते हैं। कनाडा की सेंट लॉरेंस नदी द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार होता है क्योंकि इस नदी का सीधा संबंध महान झीलों एवं अटलांटिक समुद्र तट से है। पश्चिम में कोलंबिया नदी में भी नावें तथा जहाजों द्वारा परिवहन होता है।

अधिकांश नदियों के मार्गों को झील क्षेत्र के जलमार्गों से जोड़ दिया गया है। मिसिसिपी व्यवस्था जलमार्ग का ओहियो सबसे अधिक व्यवस्त स्टेशन है।

#### मिसिसिपी-ओहियो नदियों पर परिवहन

वस्तुएं	-	कुल माल परिवहन का %
1. कोयला-कोक	-	37.2
2. पेट्रोलियम एवं पेट्रो पदार्थ	-	27.2
3. बालू, कंकड़	-	5.0
4. रासायनिक पदार्थ	-	4.5
5. अनाज	-	3.6

(ख) नहर परिवहन:- संयुक्त राज्य में अनेक विशाल नहरें जोड़ दी गई हैं। सर्वप्रथम इरी नहर का निर्माण हुआ था। हडसन नदी से बफैलो नदी तक इस नहर का विस्तार है। इस नहर से न्यूयार्क नगर का महत्व बहुत बढ़ गया है। ओहियो नहर-इसका निर्माण ओहियो नदी तथा इरी झील को मिलाने के लिए किया गया। अन्य नहरों में यहां शिपकैनाल, बैलाण्ड नहर तथा सेंटमेरी नहरों का स्थानीय महत्व अधिक है।

(ग) वृहद झील जल मार्ग:- संयुक्त राज्य में अनेक छोटी एवं बड़ी झीलें हैं। सभी झीलों से परिवहन किया जाता है, किन्तु व्यापारिक महत्व पांच महान झीलों के परिवहन मार्ग का ही अधिक है। इन झीलों द्वारा अंध महासागर तट तक परिवहन किया जाता है। इस मार्ग द्वारा पश्चिम के प्रेयरी प्रदेश का गेहूं पूर्व की ओर भेजा जाता है। पूर्वी प्रदेशों से अप्लेशियन प्रदेश का कोयला एवं निर्मित माल का परिवहन किया जाता है। झीलों को एक दूसरे से जोड़ने के लिए नहरों का निर्माण किया गया है। सुपीरियर तथा मिशीगन के मध्य 'साल सेप्टेमेरी', हयूरन तथा इरी झीलों के मध्य सू नहर (Soo Canal) इरी एवं सेंटलॉरेंस नदी के मध्य बैलाण्ड नहर निर्मित की गई है।

वृहद झीलों से संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 10% परिवहन होता है जबकि कुल आंतरिक व्यापार का 20% परिवहन होता है।

(घ) मैक्सिको की खाड़ी जल मार्ग:- यह जलमार्ग पूर्वी एवं दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको एवं मध्य अमेरिका (पनामा नहर से) को जोड़ता है। पश्चिमी द्वीप समूह एवं कैरेबियन द्वीपों से भी यह संबंधित है। मुख्यतः कच्चे माल जैसे गन्ना, काफी, तम्बाकू, कपास, लोहा, अनाज, पेट्रोलियम जैसे पदार्थ मध्य अमेरिका, कैरेबियन से निर्माण उद्योग के क्षेत्रों को जाते हैं तथा बदले में मशीनें, इस्पात, वस्त्र, औजार, शोधित-पेट्रोल, रसायन आदि का आयात होता है।

समुद्री जल परिवहन:- संयुक्त राज्य अमेरिका का पूर्व-पश्चिम तथा उत्तर-दक्षिण विस्तार इतना अधिक है कि यहां समुद्री जल परिवहन का विशेष महत्व है संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापारिक जहाजों बड़े में 1999 में कुल 1.8 करोड़ ट्रांस टन की क्षमता थी। इनमें तेल टैंकर 75 लाख ट्रांस टन वाले थे। जल परिवहन सस्ता एवं सुगम साधन है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तटों पर अनेक प्राकृतिक बंदरगाह हैं जिनके द्वारा परिवहन के इस साधन का महत्व और अधिक बढ़ गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख समुद्री निम्नवत हैं।

उत्तरी अंध महासागरीय मार्ग:- इस मार्ग द्वारा विश्व के दो महानतम औद्योगिक क्षेत्र जुड़े हैं। यूरोप तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य में अंध महासागर है जहां जलयान चलाये जाते हैं। विश्व के 60% अच्छे बंदरगाह इसी मार्ग पर स्थित हैं। दोनों ही क्षेत्रों के तटीय भाग घने बसे तथा औद्योगिक नगरों वाले हैं। इस मार्ग पर अनेक बंदरगाहों पर सस्ता कोयला, पेट्रोल उपलब्ध है जो जहाजों के ईंधन के रूप में प्रयुक्त होते हैं। इस मार्ग के प्रमुख देश फ्रांस, स्पेन, नावें, स्वीडन, ब्रिटेन, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि हैं जिनसे इस्पात, चाय, लुग्दी, अखबारी कागज, चीनी मिट्टी, अनाज, लकड़ी, डेरी उत्पाद, कपास, पेट्रोल, गंधक, गेहूं, मांस, इस्पात सामग्री आदि वस्तुओं का व्यापार होता है। इसके प्रमुख बंदरगाह हैं-

न्यूयार्क, बोस्टन, फिलाडेल्फिया, बाल्टीमोर, न्यू ओर्लिंस, पोर्टलैंड, पोर्टमाथ, सलेम, फालरिवर, प्रायिडेंस, थेम्सरिवर, न्यू लंदन, न्यू हैवन, पोर्टब्रिज, स्टेनफोर्ड, पोर्ट जुरसन हंटिंगटन, विलमिंगटन, हैम्टनरोड्स, नोर फाक, न्यूपोर्ट न्यूज, चार्ल्सटन, सक्व्राह, ब्रासविक जैक्सन विले, पामबीच, पोर्ट एवरहलेडस, मियामी, टेम्पा आदि।

प्रशांत महासागर परिवहन मार्ग:- इस जल मार्ग का विकास अलास्का के खनिज तथा जापान के औद्योगिक विकास से बहुत अधिक प्रभावित रहा है। इस मार्ग द्वारा अमेरिका का संबंध पूर्वी देशों से सीधे हो गया। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इस मार्ग से कागज की लुग्दी, लकड़ी, अनाज, कपास, खाद, मिट्टी का तेल, नमक, फल

सस्ते ईंधन की वजह से सड़कों की देखभाल जनता द्वारा की जाती है। सड़क परिवहन (लारी या ट्रक) ट्रेनों की अपेक्षा कम सामान ले जाती है। इस प्रकार की प्रक्रिया व्यापारियों एवं व्यक्तिगत रूप से सम्पन्न की जाती है।

अन्तरराष्ट्रीय सड़कों बहुत चौड़ी हैं जिन पर होकर एक साथ कई गाड़ियाँ गुजर सकती हैं। महत्व के अनुसार सड़कों के विभिन्न नाम हैं जैसे सुपर हाइवेज, एक्सप्रेस वेज, फ्री वेज आदि।

अब संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत सारी अंतर्महाद्वीपीय सड़कें हैं। सड़कों की दृष्टि से अमेरिका का स्थान विश्व में प्रथम है। पश्चिमी भाग में पड़ने वाले प्रत्येक नगर सड़क मार्गों द्वारा एक दूसरे से जोड़ दिये गये हैं। इसमें कृषि फार्म (Farmstead) सम्मिलित हैं। प्रत्येक फार्म स्वामीय नगरों एवं अन्य फार्मों से सड़कों द्वारा जुड़ा है। फार्मों से फल, दूध, सब्जी तथा अन्य उपजें सड़कों के मार्ग से भेजी जाती हैं। यहां सड़कें प्राथमिक आवश्यकता के रूप में हैं। सैकड़ों नागरिक कार द्वारा अपने कार्य-स्थल पर पहुंचते हैं। देश के सभी प्रमुख नगर सड़क मार्गों द्वारा एक-दूसरे से जुड़े हैं। इससे अब ईंधन एवं प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है।

**वायुमार्ग :** संसार के देशों की समृद्धि के साथ इस मार्ग का विकास बहुत तेजी से हुआ है। इस मार्ग के सामने किसी भी प्रकार का अवरोध (पहाड़, जंगल, मरुस्थल, दलदल, नदी, नाले, समुद्र) उपस्थित नहीं होते। इस मार्ग द्वारा देश के आंतरिक भाग तथा दूसरे महाद्वीप एक दूसरे से जुड़ गये हैं। शीघ्रगामी होने से समय की भी बहुत बचत होती है। संयुक्त राज्य में अंतर्देशीय उड़ानें विदेशी उड़ानों से लगभग 10 गुना अधिक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के वायु मार्ग से लगभग 60% संसार के यात्री यात्रा करते हैं तथा 50% भार ढोया जाता है। वायु मार्गों का विकास यहाँ इतना अधिक हुआ है कि कुछ व्यापार भी वायुयानों द्वारा ही होता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में वायुमार्ग कनाडा से अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ का स्थल परिवहन-वायु परिवहन से खराब है। यहां पर निम्न प्रमुख कंपनियों द्वारा वायुयान चलाये जाते हैं :

- (1) ईस्ट वेस्ट एयर लाइंस
- (2) ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस (T.W.A.)
- (3) एयर कनाडा
- (4) अमेरिकन एयरवेज

यहाँ के प्रमुख वायु मार्ग इस प्रकार हैं :

- (1) न्यूयार्क-शिकागो
- (2) न्यूयार्क-बाल्टीमोर
- (3) बाल्टीमोर-शिकागो
- (4) न्यूयार्क-लंदन
- (5) न्यूयार्क-बोस्टन

- (6) न्यूयार्क-मियामी
- (7) मियामी-सेंट पीटर्सबर्ग
- (8) लांसएंगिल्स-बोल्डर्सिटी
- (9) न्यूयार्क-लासएंगिल्स
- (10) बाल्टीमोर-बोस्टन
- (11) न्यूयार्क-बोस्टन
- (12) न्यूयार्क-टोरंटो
- (13) चोटलैंड-सीटल
- (14) लासएंगिल्स-सैनफ्रांसिस्को
- (15) शिकागो-कंसास सिटी
- (16) शिकागो-मिनियापोलिस
- (17) शिकागो-सेंटलुईस
- (18) अटलांटा-बर्मिंघम
- (19) हाउस्टन-न्यू ओर्लिंयांस
- (20) शिकागो-विण्डसर
- (21) शिकागो-सैनफ्रांसिस्को
- (22) शिकागो-डेनेवर

यहाँ के प्रमुख हवाई अड्डे शिकागो, न्यूयार्क, लासएंगिल्स, सैनफ्रांसिस्को, मियामी, कंसाससिटी, बाल्टीमोर, विण्डसर, वाशिंगटन आदि में हैं।

इन वायुमार्गों द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के सामरिक महत्व के केन्द्र भी सेवित हैं। प्रशांत महासागर पर होकर यहाँ से दो मार्ग जाते हैं जिनके द्वारा एशिया के देश इससे जुड़ जाते हैं। एक मार्ग उत्तरी प्रशांत से बड़े घुँट का मार्ग है तथा दूसरा हवाई, मिडवे, वेक, गॉम और मनीला द्वीपों द्वारा होता हुआ जाता है।

**जल यातायात:-** संयुक्त राज्य अमेरिका में दो प्रमुख जल परिवहन के रूप है।

1. आंतरिक जल परिवहन तथा 2. समुद्री जल परिवहन

**आंतरिक परिवहन:-** आंतरिक जलमार्गों की लंबाई 44,800 किमी. है। इसके अंतर्गत :

- (क) नदी जल परिवहन मार्ग, (ख) नहर जल परिवहन मार्ग, (ग) झील परिवहन मार्ग तथा (घ) मैक्सिको की खाड़ी के जल मार्ग आते हैं।

(क) नदी जल मार्ग:- यहाँ पर अनेक बड़ी नदियों जैसे मिसिसिपी, ओहियो, मिसौरी, इलिनायस आदि में परिवहन का संचालन होता है। मिसिसिपी नदी में 3200 किमी. ऊपर सेन्टपॉल तक आसानी से स्टीमर चलाए जा सकते हैं। मिसिसिपी नदी का जितना उपयोग ऊपरी भाग में होता है उतना निचले भाग में नहीं होता। अब इस नदी के पेटे की गहराई 3 मीटर कर दी गई है जिसके

रेल मार्ग हैं। पश्चिम के मध्य भाग से खाद्य पदार्थों का लदान पूर्वी क्षेत्रों को होता रहता है, पश्चिम और दक्षिण के कच्चे माल भी निर्माण उद्योग की पेटी में स्थित फैक्ट्रियों और प्लांटों को जाते रहते हैं। अतः पूर्व की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों में यज्ञायात की भीड़ रहती है। अफ्रीशियन कोयला क्षेत्रों से चारों ओर को कोयला ले जाने वाली गाड़ियों का भारी यातायात रहता है। निर्माण केन्द्रों से निर्मित सामग्री बाहर को जाती रहती है।

दक्षिणी राज्यों से रुई, तम्बाकू, फल, कोयला, पशु, लकड़ी आदि पदार्थों का रेल-परिवहन ठन व्यापार केन्द्रों को होता है, जो ओहियो और पोटोमैक नदियों के उत्तर में स्थित हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में कई कंपनियाँ ऐसी हैं जो एक तट से दूसरे तट तक सेवाएँ पहुँचाती हैं। अधिकांश पूर्वी लाइनें शिकागो या सेंटलुइस होकर जाती हैं क्योंकि अधिकांश पश्चिमी लाइनें यहीं से प्रारंभ होती हैं।

मिसिसिपी नदी के पूर्व में स्थित सपन निर्माण प्रदेश में 5 रेल मार्गों पर सबसे अधिक भार में माल ढोने का यातायात रहता है-

- (1) क्लीवलैंड से पिट्सबर्ग और फिलाडेल्फिया होकर न्यूयार्क का रेल-मार्ग।
- (2) पश्चिमी वर्जीनिया-केन्टुकी कोयला क्षेत्रों में टालेडो और नोर्फोल्क को जाने वाला रेल मार्ग।
- (3) बफैलो से न्यूयार्क का रेल-मार्ग।
- (4) बफैलो से स्कान्टन होकर फिलाडेल्फिया को जाने वाला रेल-मार्ग।
- (5) बहुत-सी दिशाओं से शिकागो रेल-मार्ग।

शिकागो संसार भर में सबसे बड़ा रेलवे केन्द्र है; यहाँ 21 ट्रंक लाइनें विभिन्न दिशाओं से आती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में एटलांटिक तट से पैसिफिक तट को पूर्व-पश्चिम दिशाओं में दौड़ने वाले रेल-मार्गों में तीन मार्ग प्रधान हैं : (1) उत्तरी, (2) मध्य, और (3) दक्षिणी रेल पेटी।

1. उत्तरी ट्रांस-महाद्वीपीय रेलमार्ग, यह पैसिफिक तट के सीएटल नगर से चलकर पोर्टलैंड, मिनिआपोलिस, सेंटपाल, इयूलुथ, मिलवाकी, शिकागो होता हुआ न्यूयार्क पहुँचता है। पश्चिम से पूर्व को आने वाले माल में सबसे अधिक मात्रा लकड़ी की होती है, अन्य मालों में खनिज पदार्थ चीन-जापान से प्राप्त कच्चा रेशम और चाय, जापान से प्राप्त डिब्बा बंद मछली, पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के सेब तथा मध्य राज्यों से प्राप्त कृषि-उत्पादन, मांस, पशु आदि मुख्य हैं।

2. मध्य ट्रांस-महाद्वीपीय मार्ग, यह

सेनफ्रांसिस्को से साल्ट लेक सिटी, ओमाहा, शिकागो, पिट्सबर्ग, फिलाडेल्फिया और न्यूयार्क पहुँचता है। पश्चिम से डिब्बा बंद फल, तरकारियाँ, ऊन, पशु, मांस आदि पूर्व को आते हैं।

3. दक्षिणी ट्रांस-महाद्वीपीय मार्ग लॉस एंजिलीस से चलकर अलबुकर्क आता है, जहाँ से इसकी दो शाखाएँ हो जाती हैं। एक शाखा उत्तर की ओर विचिता, कन्सास सिटी, शिकागो होती हुई न्यूयार्क जाती है। दूसरी शाखा दक्षिण को एलपासो, हाउसटन, गेलेवेस्टन, न्यूओर्लिनस को जाती है। पश्चिम से खनिज पदार्थ, फल, चरगाघों के उत्पादन जैसे ऊन, मांस, खाल, पशु, कपास, चीनी आदि पूर्व को आते हैं।

वर्ष 1999 में यहाँ 2115 करोड़ यात्री/किमी. परिवहन हुआ तथा 198750 करोड़ टन/किमी. भार को ढोया गया।

**सड़क परिवहन :** अगर मोटरकारों की संख्या में यह देश विश्व में प्रथम है तो अच्छी सड़कों की संबाई भी यहाँ विश्व में सर्वाधिक है। यहाँ पर हर मौसम तथा हर प्रकार की सतह पर सड़कों का निर्माण किया गया है। अत्यधिक घने बसे क्षेत्रों में राजमार्गों (Highways) का निर्माण किया गया है जिन पर एक्सप्रेस परिवहन किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका एवं कनाडा दोनों ही देशों में मोटर यात्रा एवं अत्यधिक नगरीय विकास के कारण उपमार्गों के निर्माण करने के बावजूद भीड़ पर नियंत्रण कर पाना कठिन हो गया है। जिनमें मुख्य रूप से ब्लोवर लोफ क्रॉसिंग, पार्कवे आदि आते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में 1999 में 14.7 करोड़ कारें तथा 4.6 करोड़ व्यापारिक गाड़ियाँ थीं। संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रत्येक परिवार के पास एक व्यक्तिगत कार अवश्य है जबकि कनाडा में प्रत्येक तीन व्यक्ति पर एक कार है।

रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन अधिक लचीला है।



सं. रा. अमेरिका के सड़क मार्ग



संयुक्त राज्य अमेरिका के बसाव और आर्थिक विकास में परिवहन के साधनों की भूमिका शुरू से ही महत्वपूर्ण रही है। प्रारम्भ में यूरोपियन लोग पूर्वी अटलांटिक तटीय भागों में आकर बसे फिर वहाँ से अप्लेशियन क्रम को पार कर विशाल भीतरी भागों में पहुँचे और फिर वहाँ से आगे उच्च रॉकी क्रम को पार कर पश्चिम के अर्द्ध-शुष्क भागों में आकर बसे। इस प्रकार प्रारंभ से ही बसाव की प्रक्रिया एवं परिवहन के साधनों का क्रमशः पश्चिम की ओर विस्तार साथ-साथ हुआ। जहाँ तक जल परिवहन का प्रश्न है, उसमें अनुरूपता दृष्टिगत होती है। पश्चिमोत्तर जाने के लिए प्रारंभ में महान झीलें, सेंटलॉरेंस तथा मिसौसिपी आदि नदियाँ तथा उसकी सहायक नदियाँ परिवहन के मुख्य मार्ग बनीं। इन्हीं के सहारे-सहारे 1763 में फ्रेंच लोग पश्चिमी भागों की ओर गये। अप्लेशियन क्रम को पार करने हेतु थल मार्ग भी कुछ ही थे जैसे कम्बरलैंड गैप में होकर कैन्डुको तक या फिर ओहियो घाटी में होकर। यह मार्ग दुष्कर, ऊबड़-खाबड़ तथा असुरक्षित थे। 1825 में इंरी नहर के निर्माण से यह बाधा दूर हुई। बाद में इसी गैप (हडसन-मोहाक) में होकर रेल लाईन भी बिछाई गई। थल मार्गों हेतु पहाड़ी श्रृंखलाओं की घाटियों को अपनाया गया। ऐसे मार्गों में सांताफे, गीला तथा ओरेगन आदि प्रमुख थे। कालांतर में जब पश्चिमी सं.रा. अमेरिका में रेल मार्गों का निर्माण किया गया तो इन्हीं मार्गों को अपनाया गया।

वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में परिवहन के तीनों साधन-जल, थल एवं वायु मार्ग काफी विकसित अवस्था में हैं। यहाँ पर रेल, मोटर तथा वायु मार्ग सभी यूरोपीय देशों की तरह विकसित हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में लम्बी दूरी वाली संचार व्यवस्थाएं अधिक प्रचलित हैं।

सं.रा. अमेरिका में कोई भी भाग ऐसा नहीं है जहाँ परिवहन सेवा न हो। केवल विषम उच्चावच तथा कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में जैसे अप्लेशियन, ओजाक जैसे प्रदेशों में पूर्ण की अपेक्षा कम मार्ग बने हैं। पूरे पश्चिमी आधे भाग में केवल प्रशान्त सागरीय तट को छोड़कर परिवहन मार्गों की कमी है क्योंकि पूर्व में अधिक घने बसे क्षेत्र हैं, विशेषकर उत्तरी-पूर्वी भाग। यहाँ 80% रेलवे लाइनें 100° पश्चिमी देशान्तर के पूर्व वाले भाग को परिवहन की सुविधाएं उपलब्ध करवाती हैं।

सं.रा. अमेरिका तथा कनाडा के मध्य काफी वस्तुओं का आदान-प्रदान स्थल एवं वायु मार्गों द्वारा किया जाता है। दोनों ही

देश एक ही जल मार्ग का उपयोग करते हैं जैसे महान सेंटलॉरेंस जल मार्ग।

### (1) संयुक्त राज्य अमेरिका के रेल-मार्ग

संयुक्त राज्य अमेरिका में संसार के 26% रेल-मार्ग हैं। बिना रेल-मार्गों के इस देश का औद्योगिक विकास होना असंभव था। 3,70,000 किमी. लंबे रेल-मार्गों पर इस देश का 40% अन्तर्गततीय भाड़ा-माल का यातायात होता है। द्वितीय महायुद्ध के अंत में 60% माल को रेलगाड़ियाँ ढोती थी, परंतु उसके बाद मोटर, ट्रक और स्थलीय जल-मार्गों की प्रतिस्पर्धा से उसकी मात्रा में यह कमी आ गई है। यूनियन ऑफ पेसिफिक रेलवे, संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रथम रेलवे लाइन है जो कि पूर्व से पश्चिम की ओर जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका का रेल परिवहन सड़क परिवहन से अधिक सक्षम है। न्यूयार्क मध्य रेलवे-हडसन-मोहाक घाटी का उपयोग करती है किन्तु पेन्सिलवेनिया रेलमार्ग पिट्सबर्ग से फिल्लाडेल्फिया और न्यूयार्क तक भार ढोने का अधिक काम करती है। यह दोनों कंपनियों अब एक दूसरे में समाहित हो गई है। पश्चिमी लाईन दोहरी लाइन वाली है। यहाँ सर्वाधिक व्यस्त मार्ग हैं।

एटलांटिक तट से लेकर लगभग 100° देशान्तर रेखा तक (50 सेमी. वार्षिक वर्षा के प्रदेश तक) रेलों का जाल बिछा हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के 80% रेलमार्ग इसी भाग में स्थित हैं। इसके पश्चिम में अर्द्धशुष्क जलवायु का प्रदेश आरंभ हो जाता है, जहाँ पशु चरने के विस्तृत बाड़े हैं और जनसंख्या बहुत कम है। पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में रेल मार्ग कम हैं, क्योंकि वहाँ नगरों और आबादी की कमी के कारण यातायात अल्प है। पश्चिम में केवल कैलिफोर्निया की घाटी, पजेट साउंड की निम्न भूमि और वाशिंगटन राज्य के पूर्वी भाग में रेल-मार्गों के छोटे-छोटे जाल हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में रेल-मार्गों का प्रतिरूप अधिकतर रेखीय प्रतिरूप (Linear Pattern) है। उत्तरी अमेरिका में पहले रेल-मार्ग बने थे, और बाद में बस्तियाँ उनके सहारे-सहारे स्थापित थीं। मिसौसिपी घाटी के पार पश्चिम की ओर को रेल-मार्गों के फैलने के कारण ही ऐसा हुआ था कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के त्रैयरी मैदानों के उर्वर प्रदेश में बस्तियाँ स्थापित हुई थीं।

रेल-मार्गों को क्रियान्वित रखने और रेल यातायात की गति को तेज रखने के लिये, उच्चकोटि की टेक्नोलॉजी का, विशेष सिग्नलिंग विधियों का तथा दोनों ओर से रेडियो संचार का प्रयोग किया जाता है। पूर्वी सघन आबादी के प्रदेश में दोहरे-पथ और तीहरे-पथ के

द्वितीय विश्व युद्ध के पहले सं.रा. अमेरिका सोसा निर्यातक देश था, लेकिन युद्धकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इसे सोसा विदेशों से आयात करना पड़ा। इसके बाद आयात का महत्व बढ़ता ही गया और अब केवल एक-चौथाई सोसे की आवश्यकता की पूर्ति देशी खदानों से होती है, शेष में आयी आवश्यकता की पूर्ति आयात द्वारा तथा आयी की द्वितीयक सोसे द्वारा की जाती है।

यहाँ का सर्वप्रमुख सोसा उत्पादक राज्य मिन्सोटी है। दक्षिणी-पूर्वी मिन्सोटी की सोसे की पट्टी से कुल उत्पादन का 2/3 प्राण किया जाता है। यह विश्व के बड़े सोसा उत्पादक क्षेत्रों में एक है। दूसरा प्रमुख राज्य इटाहो है। इटाहो का प्रसिद्ध कोल्ड रिजलैंड (Coeur d'Alene) क्षेत्र, जो संयुक्त राज्य का सबसे बड़ा चाँदी उत्पादक क्षेत्र है, सोसे और जस्ते का एक प्रमुख स्रोत है। उटा और कोलोराडो का क्रमशः तृतीय और चतुर्थ स्थान है। ये चारों राज्य मिलकर देश का 80 प्रतिशत सोसा निकालते हैं। अन्य उत्पन्नकारीय सोसा उत्पादक राज्य क्लिफगटन और एरीजोना हैं। सं. रा. अमेरिका में 1999 में कुल 387 हजार मीट्री टन सोसे का उत्पादन हुआ, जो विश्व के कुल उत्पादन का 16.2 प्रतिशत था।

**सोसा (Gold) :** संयुक्त राज्य अमेरिका में सोने का उत्पादन बहुत पहले से ही रहा है, लेकिन पहले उत्पादन की मात्रा अत्यन्त कम थी। यहाँ बड़े पैमाने पर उत्पादन 1849 में कैलीफोर्निया की 'सोने के लिए भागदड़' (Gold Rush) के बाद प्रारम्भ हुआ। सन् 1840 में जैम्स डब्ल्यू. गार्जल नामक व्यक्ति ने विषय केन्द्रित से निकालने वाली पट्टियों के तेल में सोने के कम देखे। सोने की प्राप्ति की सूचना जैसे ही पूर्वी भागों में पहुँची, यहाँ से लोग बड़ी संख्या में कैलीफोर्निया में सोसा खाने के लिए भागने लगे। इस भागदड़ के फलस्वरूप कैलीफोर्निया की जनसंख्या एकदम बढ़ गयी। कैलीफोर्निया में सभी को सोसा न मिलने और बहुतों को जीवन-

दान का भी कोई साधन न मिलने के कारण लोग अन्य जीवन-राज्यों में बसने लगे। इस बसाव के फलस्वरूप सोने की खानें खोज हुईं।

पहले सं.रा. अमेरिका का सर्वप्रमुख स्वर्ण उत्पादक राज्य कैलीफोर्निया था, उसके बाद कोलोराडो हुआ, फिर नेवादा और अब दक्षिणी डकोटा है, जो देश का 34 प्रतिशत सोने का उत्पादन करता है। दक्षिणी डकोटा में ब्लैक हिल्स की होयब्रटेन खानें देश की सबसे बड़ी सोने की खदान हैं। यहाँ के एक टन खदान में 1/3 औंस सोसा निकलता है। उटा राज्य में विंथम की खानें सोने की दूसरी महत्वपूर्ण खदान हैं। यहाँ सोने का एक टन उत्पाद है। सोसा खदान सोने की दूसरी महत्वपूर्ण खदान है। सोसा उत्पादन में अलास्का का स्थान तीसरा है। कैलीफोर्निया का चौथा है। यहाँ पट्टी पट्टियों की बान्गु से सोसा निकाला जाता है। यहाँ सोने का उत्पादन भी पर रहा है।

**फास्फेट (Phosphate):** फास्फेट खनिज के उत्पादन में संयुक्त राज्य का प्रथम स्थान है। इस की खोज 1869 में संयुक्त राज्य का प्रथम स्थान है। इस का खोजकर्ता रोस फोस्फेट का कुल उत्पादन का 50% से भी अधिक फास्फेट यह देश पैदा करता है। इस देश में फास्फेट की खुदाई का कार्य सन् 1867 ई. में दक्षिण कैरोलिना राज्य में प्रारम्भ किया गया। अब तो अन्य अनेक राज्य से भी फास्फेट प्राप्त किया जाता है, जिनमें उटा, क्लिफगटन, क्लिफगटन, अराकन्सास, मोंटाना, इटाहो आदि राज्य विशेष स्थान रखते हैं। टेनेसी तथा फ्लोरिडा के क्षेत्रों में उच्च कोटि का फास्फेट प्राप्त किया जाता है। इस देश का अधिकांश फास्फेट अनेक राज्य से प्राप्त किया जाता है जो कि इस देश के फास्फेट के कुल उत्पादन का लगभग 70% फास्फेट प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त ब्राजील में फ्लोरिडा के निकट से भी फास्फेट निकाला जाता है। इस देश से विश्व के कुल उत्पादन का लगभग 25% फास्फेट प्राप्त किया जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के पहले सं.रा. अमेरिका सीसा निर्यातक देश था, लेकिन युद्धकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इसे सीसा विदेशों से आयात करना पड़ा। इसके बाद आयात का महत्व बढ़ता ही गया और अब केवल एक-चौथाई सीसे की आवश्यकता की पूर्ति देशी खदानों से होती है, शेष में आधी आवश्यकता की पूर्ति आयात द्वारा तथा आधी की द्वितीयक सीसे द्वारा की जाती है।

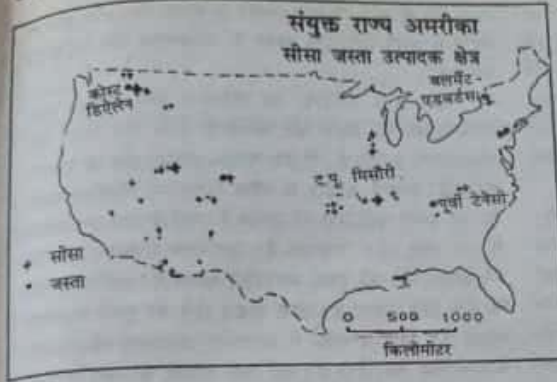
यहाँ का सर्वप्रमुख सीसा उत्पादक राज्य मिसौरी है। दक्षिण-पूर्वी मिसौरी की सीसे की पेट्री से कुल उत्पादन का 2/5 प्राप्त किया जाता है। यह विश्व के बड़े सीसा उत्पादक क्षेत्रों में एक है। दूसरा प्रमुख राज्य इडाहो है। इडाहो का प्रसिद्ध कोएर डिऐलेन (Coeur d. Alene) क्षेत्र, जो संयुक्त राज्य का सबसे बड़ा चाँदी उत्पादक क्षेत्र है, सीसे और जस्ते का एक प्रमुख स्रोत है। उटा और कोलॉरेडो का क्रमशः तृतीय और चतुर्थ स्थान है। ये चारों राज्य मिलकर देश का 80 प्रतिशत सीसा निकालते हैं। अन्य उल्लेखनीय सीसा उत्पादन राज्य वाशिंगटन और एरीजोना हैं। सं. रा. अमेरिका में 1999 में कुल 587 हजार मीटरी टन सीसे का उत्पादन हुआ, जो विश्व के कुछ उत्पादन का 16.2 प्रतिशत था।

**सोना (Gold) :** संयुक्त राज्य अमेरिका में सोने का उत्पादन बहुत पहले से हो रहा है, लेकिन पहले उत्पादन की मात्रा अत्यन्त कम थी। यहाँ बड़े पैमाने पर उत्पादन 1849 में कैलीफोर्निया की 'सोने के लिए भगदड़' (Gold Rush) के बाद प्रारम्भ हुआ। सन् 1840 में जैम्स डब्ल्यू. मार्शल नामक व्यक्ति ने सियरा नेवादा से

यापन का भी कोई साधन न मिलने के कारण लोग अन्य अमेरिकी राज्यों में बसने लगे। इस बसाव के फलस्वरूप सोने की खोज हुई।

पहले सं.रा. अमेरिका का सर्वप्रमुख स्वर्ण उत्पादक कैलीफोर्निया था, उसके बाद कोलॉरेडो हुआ, फिर नेवादा और अब दक्षिणी डकोटा है, जो देश का 34 प्रतिशत सोने का उत्पादन करता है। दक्षिणी डकोटा में ब्लैक हिल्स की होमस्टेक खदान देश की सबसे बड़ी सोने की खदान है। यहाँ के एक टन खदान में 1/3 औंस सोना निकलता है। उटा राज्य में बिंघम की खदान सोने की दूसरी महत्वपूर्ण खदान है। यहाँ सोने का एक गीण उत्पाद है। सोना खदान सोने की दूसरी महत्वपूर्ण खदान है। सोना उत्पादन में अलास्का का स्थान तीसरा है। कैलीफोर्निया का चौथा है। यहाँ नदी घाटियों की बालू में सोना निकाला जाता है। यहाँ सोने का उत्पादन भी घट रहा है।

**फास्फेट (Phosphate):** फास्फेट खनिज के उत्पादन में संयुक्त राज्य का प्रथम स्थान है। रुसर को छोड़कर शेष संयुक्त राज्य कुल उत्पादन का 50% से भी अधिक फास्फेट यह देश पैदा करता है। इस देश में फास्फेट की खुदाई का कार्य सन् 1867 ई. में दक्षिणी कैरोलिना राज्य में प्रारम्भ किया गया। अब तो अन्य अनेक राज्यों से भी फास्फेट प्राप्त किया जाता है, जिनमें उटा, वा.जी.मंग, टेनेसी, फ्लोरिडा, अरकन्सास, मोन्टाना, इडाहो आदि राज्य विशेष मान रखते हैं। टेनेसी तथा फ्लोरिडा के क्षेत्रों में उच्च कोटि का फास्फेट प्राप्त किया जाता है। इस देश का अधिकांश फास्फेट फ्लोरिडा राज्य से प्राप्त किया जाता है जो कि इस देश के फास्फेट के कुल उत्पादन का लगभग 70% फास्फेट प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त



कैलीफोर्निया के सियर्स इंग्ल के पानी से भी पर्याप्त पोटाश प्राप्त किया जाता है। इसके अतिरिक्त उटा तथा नेब्रास्का में खारी जल के केन्द्रों से भी पर्याप्त पोटाश प्राप्त किया जाता है। प्रथम विश्व महायुद्ध से पूर्व संयुक्त राज्य जर्मनी से पोटाश का आयात करता था क्योंकि उस समय तक जर्मनी पोटाश के उत्पादकों में प्रधान था। संयुक्त राज्य का पोटाश का उत्पादन दिन-प्रतिदिन उन्नति करता जा रहा है। अब यहाँ से पर्याप्त पोटाश निर्यात भी किया जाता है।

**चूना पत्थर (Lime-stone):** चूने का पत्थर संयुक्त राज्य में अधिक मात्रा में नहीं पाया जाता है। इस देश में चूने का पत्थर इण्डियाना, मिशीगन, मिस्सोरी, इलीनॉइस, ओहियो, न्यूयार्क तथा पेन्सिलवेनिया आदि राज्यों में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त थोड़े-थोड़े मात्रा में चूने का पत्थर डेलावेयर, डकोटा, रोडद्वीप तथा न्यूहैम्पशायर आदि राज्यों में भी पाया जाता है।

कते हैं। पूर्वी राज्यों का महत्व बढ़ा है और अब वे आधा से अधिक उत्पादन करते हैं। लेकिन पूर्वी राज्यों में भी क्षेत्रीय परिवर्तन आया है। न्यूजर्सी में, जो पहले सर्वप्रमुख था, उत्पादन 1958 में पूर्णतया बन्द कर दिया गया और उसी वर्ष 65 वर्ष पहले बन्द किये गये पेन्सिलवेनिया को फ्राइडेन्सविल खदान में फिर से खनन प्रारम्भ किया गया। टेनेसी में उत्पादन तीव्र गति से बढ़ा है और अब यह जस्ता के खनन में अग्रगण्य है। पूर्वी राज्यों में वर्जीनिया, इलिनॉइस और न्यूयार्क भी उल्लेखनीय हैं। पश्चिमी राज्यों में रॉकी पर्वतीय राज्य, जैसे इडाहो, उटा, एरीजोना और कोलोरेडो प्रमुख जस्ता उत्पादक राज्य हैं। रॉकी पर्वत क्षेत्र में जस्ता, सीसा, चाँदी और सोने के साथ मिलता है।

सन् 1976 में सं. रा. अमरीका ने 439.5 हजार मीटरी टन जस्ता का उत्पादन किया, जबकि इसी वर्ष कनाडा ने 1039.7 हजार मीटरी टन, सोवियत संघ ने 720.0 हजार मीटरी टन आस्ट्रेलिया ने 479.3 हजार मीटरी टन, जस्ता का उत्पादन किया। घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सं. रा. अमेरिका विदेशों, विशेष करके कनाडा, मैक्सिको और पीरू से जस्ता आयात करता है।

**पोटाश (Potash):** पोटाश पैदा करने वाले देशों में संयुक्त राज्य का प्रथम स्थान है। यहाँ पर पोटाश के उत्पादन का कार्य प्रथम विश्व महायुद्ध काल में प्रारम्भ हुआ था। इस देश का पोटाश का क्षेत्र मैक्सिको से टेक्सास तक फैला है। इस क्षेत्र का कार्ल्यवाद प्रदेश पोटाश के उत्पादन के लिये विशेष उल्लेखनीय है। इस प्रदेश के पोटाश क्षेत्र का विस्तार 103600 वर्ग किलोमीटर पर है। इस देश से पोटाश के निर्यात करने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, क्योंकि यातायात व्यय बहुत अधिक लगता है। इसका एकमात्र कारण खाड़ी तट के पत्तनों से बहुत दूर स्थित होना है।

खनिजों में भी पाया जाता है।  
**गोदन्ति:** यह एक उपयोगी खनिज पदार्थ है जो संयुक्त राज्य में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इस देश के प्रधान उत्पादक राज्य न्यूयार्क, मिशीगन, आयवा, नेवादा, कैलीफोर्निया तथा टेक्सास आदि हैं। इसके उत्पादन में इस देश का सर्वप्रथम स्थान है।

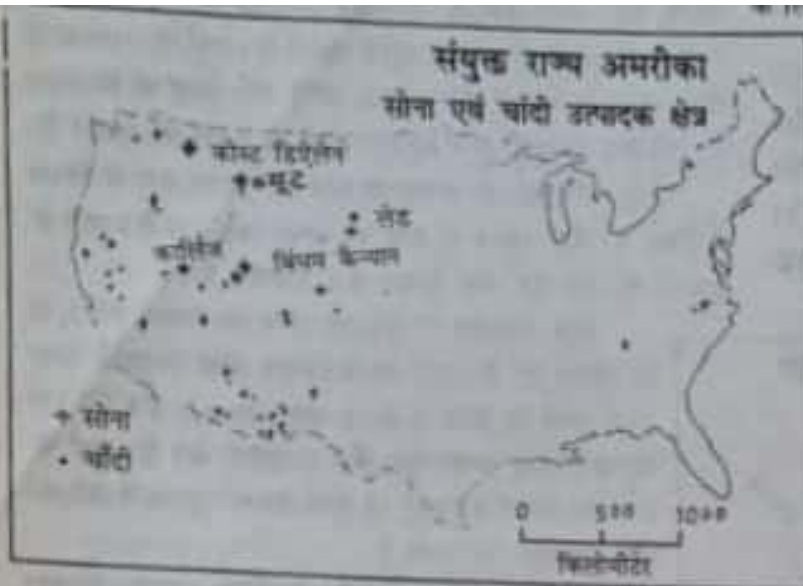
**गन्धक (Sulphur):** आधुनिक युग का एक अत्यन्त उपयोगी खनिज पदार्थ गंधक है। इसका अत्यधिक उपयोग तेजाब बनाने में किया जाता है। गंधक तीन रूपों में मिलता है :

- (1) ब्रिमस्टोन
- (2) पाइराइट
- (3) सल्फर डाइ-आक्साइड

संयुक्त राज्य में ब्रिमस्टोन प्रकार का गंधक खनिज बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह इस देश में लुजियाना तथा टेक्सास राज्यों के तटीय भागों से मुख्य रूप से प्राप्त किया जाता है। यह देश विश्व का लगभग 66% ब्रिमस्टोन प्रदान करता है। इन क्षेत्रों में इस खनिज की सुरक्षित मात्रा बहुत अधिक है। इन क्षेत्रों में पाये जाने वाले गंधक में शुद्ध अंश की मात्रा अधिक होती है। इन क्षेत्रों से खनिज की खुदाई थोड़े व्यय में की जाती है। इस देश का गंधक के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान है।

**सीसा (Lead):** सं. रा. अमरीका विश्व का सबसे बड़ा सीसा उत्पादक, उपभोक्ता और प्रगालक देश है। मूल्य की दृष्टि से सं. रा. अमरीका के धात्विक खनिजों में सीसे का स्थान पाँचवा है।

सं. रा. अमरीका में सीसे का सबसे बड़ा उपभोक्ता विद्युत उद्योग है, जो कुल का आधा उपभोग करता है। दूसरा बड़ा उपभोक्ता, जो 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत उपभोग करता है, रसायन उद्योग है।



**अधक (Mica) :** इस देश में उत्तम कोटि की अधक बहुत कम मिलती है। उत्तम कोटि की चट्टान खण्ड की अधक के उत्पादन में इस देश का स्थान नगण्य है। यहाँ की केवल 1% अधक ही उच्च कोटि की होती है। इस देश की अधिकांश अधक खंडित रूप में प्राप्त होती है। इस प्रकार की खंडित अधक का लगभग 80% यहाँ देश पैदा करता है। उत्तम कोटि की चट्टान खण्ड वाली अधक उत्तरी कैरोलिना तथा न्यू हैम्पशायर राज्यों में मिलती है। जबकि अन्य प्रकार की अधक यहाँ अनेक राज्यों में आग्नेय शैलों से मिलती है तो इसको यहाँ पीसकर कारीक बना लिया जाता है और अनेक कामों में प्रयुक्त की जाती है। विशेषकर इसका उपयोग छतों, कागज, सजावट के सामान, कृत्रिम खंड तथा रंग रोगन आदि के सामान बनाने में किया जाता है। आधुनिक काल में फिल्म उद्योग के विकसित होने से इसकी मांग बढ़ गई है क्योंकि फिल्म उद्योग में भी इसका प्रयोग किया जाता है। संयुक्त राज्य अधक की चादरी का विदेशों से आयात करता है। इस देश का अधिकांश अधक भारत से आयात किया जाता है। भारत में अधक बहुत अधिक मात्रा में तथा उच्च कोटि का खनन किया जाता है जबकि खपत बहुत कम है। इसलिये भारत अपना अधिकांश अधक संयुक्त राज्य को निर्यात कर देता है।

अतिरिक्त कुछ अन्य राज्यों से भी थोड़ी मात्रा में एम्बेडिंग प्राप्त किया जाता है।

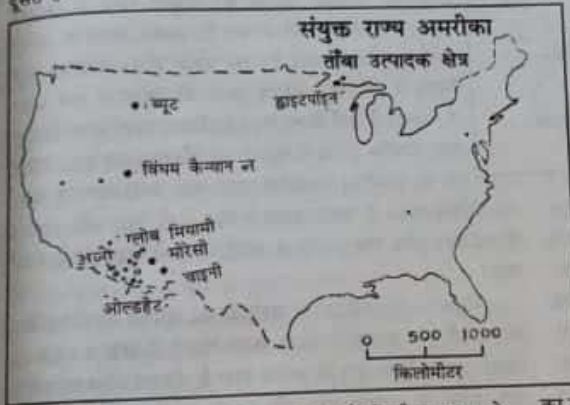
**जस्ता (Zinc) :** संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा जस्ता प्रगातक और उपभोक्ता राष्ट्र है, यद्यपि जस्ता-उत्पादन में इसका स्थान चौथा है। मूल्य की दृष्टि से जस्ता संयुक्त राज्य का तीसरा (ताँबा और लौहा के बाद) सर्वप्रमुख धात्विक खनिज है। संयुक्त राज्य में इसका उत्पादन पहले की अपेक्षा घटा है, जबकि विश्व के अन्य क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ा है। इस प्रकार सं.रा. अमेरिका का विश्व में सापेक्षिक महत्व पहले की तुलना में अब घटा है। 1920 में यहाँ विश्व का 62 प्रतिशत जस्ता उत्पाद किया गया, जबकि 1976 में केवल 7.8 प्रतिशत। सन् 1963 तक सं. रा. अमरीका विश्व का सबसे बड़ा जस्ता उत्पादक देश था, लेकिन 1964 में पहला स्थान कनाडा ने ले लिया और 1967 में सोवियत संघ तथा 1975 में आस्ट्रेलिया भी इससे आगे बढ़ गया।

संयुक्त राज्य अमेरिका में जस्ते का 40 प्रतिशत उपभोग लोहे की चादरी और इस्पात के ऊपर जस्ता चढ़ाने में होता है। एक-तिहाई उपभोग मिस्र धातु के रूप में होता है, जिससे मोटर गाड़ियों और मशीनों के अवयव और चर्चन इत्यादि बनाये जाते हैं। पीतल, ताम्बे और जस्ते के मिश्रण से ही बनाया जाता है। बेल्लित जस्ते का उपयोग शुष्क सेल, बैटरी केन और शीशे के दर्तबानों के टक्कन बनाने में होता है। प्लास्टिक-ऑक्सिडेंट का उपयोग रंगों के रूप में और कई रसायनों तथा औषधियों में होता है।

जस्ता कहीं-कहीं अकेला भी पाया जाता है, लेकिन प्रायः सोना, ताँबा, सेना, चाँदी या अन्य कई धातुओं के साथ मिलता है। द्वितीय विश्व युद्ध के पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में बराबर महत्व के तीन जस्ता उत्पादक प्रदेश थे- (1) पश्चिमी पर्वतीय राज्य, (2) मिचिगन, ओकलाहामा और कन्सास का ट्रिस्टास (Tri-state) क्षेत्र जो काल्पी समय तक विश्व का सबसे बड़ा जस्ता उत्पादक क्षेत्र था और (3) मिचिगनपी नदी के पूर्व का क्षेत्र, जिसमें न्यू जर्सी का फ्रैंकलिन फरनेस प्रदेश सबसे महत्वपूर्ण था। धीरे-

टैबलास में प्रोपेट और वेलास्को आदि स्थानों में समुद्र जल से मैंगनीशियम बनाया जाता है। संयुक्त राज्य विश्व में सबसे अधिक मैंगनीशियम का उत्पादन करता है। इसका उत्पादन बढ़ता जा रहा है। इसका उत्पादन अब घट रहा है।

**ताँबा (Copper) :** सं. रा. अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा ताँबा उत्पादक और उपभोक्ता राष्ट्र है। मूल्य की दृष्टि से ताँबा यहाँ का सर्वप्रमुख धातुिक खनिज-उत्पादन है। यहाँ ताँबे का अनुमानित संचित भण्डार लगभग 250 लाख मीटरी टन है। संचित भण्डार की दृष्टि से इसका विश्व में स्थान चिली के बाद दूसरा है।



यहाँ ताँबे का खनन सर्वप्रथम 1843 में मिशीगन राज्य के केवीना (Keweenaw) प्रायद्वीप में प्रारम्भ हुआ। 1885 तक यह देश का सर्वप्रमुख स्रोत था। यह क्षेत्र महान झीलों और देश के सर्वप्रमुख औद्योगिक प्रदेशों के निकट स्थित है। यहाँ खनन सम्बन्धी अनेक कठिनाइयों के बावजूद यहाँ अभी भी ताँबे का खनन किया जाता है। यहाँ की खदानें बहुत गहरी हैं। कुछ तो 1.6 किमी. तक गहरी हैं। यहाँ का अच्छा अयस्क अब समाप्तप्राय है, इसलिए उत्पादन में निम्न कोटि के सल्फाइड अयस्क को मात्रा बढ़ती जा रही है।

19 वीं सदी के उत्तरार्द्ध में सं. रा. अमेरिका के कई पश्चिमी राज्यों में निम्न कोटि के ताँबा-अयस्क की खोज हुई और खनन तथा संसाधन की तकनीकों में सुधार और रेलमार्गों के प्रसार के साथ-साथ उन अयस्कों का शोषण भी प्रारम्भ हुआ। आज संयुक्त राज्य का 90 प्रतिशत से अधिक ताँबा पाँच पश्चिमी राज्यों-एरीजोना, उटा, मोन्टाना, नेवादा और न्यू मैक्सिको में निकाला जाता है।

एरीजोना सं. रा. अमेरिका का सबसे बड़ा ताँबा उत्पादक राज्य

है। यह पूरे देश का लगभग आधा ताँबा उत्पन्न करता है। यहाँ प्रति वर्ष लगभग चार लाख से पाँच लाख टन ताँबे का उत्पादन होता है। यहाँ ताँबे के कई जमाव हैं। यहाँ की प्रमुख खदानें मोरेसी, ओल्डहेट, अजो, बिरबी, रे, ग्लोब-मियामी और यूरेका में हैं। इनमें सबसे बड़ी मोरेसी की खुली खदान है। यहाँ के अयस्क से गौण उत्पाद के रूप में मोलिब्डेनम, चाँदी और सोना भी निकलता है। एरीजोना में खुली और भूमिगत दोनों ही प्रकार की खदानें हैं। सं. रा. अमेरिका की सर्वप्रमुख ताँबे की खदान उटा में विंघम में स्थित है। यहाँ 1904 से ताँबे का खनन चल रहा है। यहाँ के अयस्क में ताँबे का अंश केवल 0.8 प्रतिशत है।

ताँबा-उत्पादन में मोन्टाना राज्य का स्थान 1925 से ही तीसरा रहा है। यहाँ का सर्वप्रमुख ताँबा उत्पादक केन्द्र उत्तरी रॉकी के झोट में स्थित ब्यूट (Butte) क्षेत्र है। यह देश का दूसरा प्राचीनतम ताँबा उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ से आज तक विश्व के किसी भी ताँबा क्षेत्र की तुलना में अधिक ताँबा निकाला जा चुका है।

नेवादा, न्यू मैक्सिको और मिशीगन लगभग बराबर महत्व के हैं, जिनमें नेवादा और न्यू मैक्सिको अपेक्षाकृत नये ताँबा उत्पादक राज्य हैं और मिशीगन सबसे पुराना। सं. रा. अमेरिका में 1976 में 1456.6 हजार मीटरी टन ताँबे का उत्पादन हुआ, जो विश्व के कुल उत्पादन का 18.6 प्रतिशत है।

**संगमरमर (Marble) :** इस देश में पर्याप्त संगमरमर का उत्पादन होता है। इस देश के संगमरमर प्रदान करने वाले राज्यों में वर्मॉण्ट, कोलोरेडो, जार्जिया, टेनेसी तथा मिसौरी आदि का प्रमुख स्थान है। इन राज्यों से इस देश का लगभग 85% संगमरमर प्राप्त किया जाता है। दूसरे देश का संगमरमर प्रदान करने वाले राज्यों में वर्मॉण्ट का प्रमुख स्थान है। इस राज्य में संगमरमर ग्रीन पर्वत के पश्चिमी ढालों पर पाया जाता है। इस देश में पाया जाने वाला संगमरमर कई रंगों का होता है। यहाँ का संगमरमर केवल श्वेत ही नहीं होता है बल्कि हरे एवं गुलाबी रंग का भी होता है। कुछ संगमरमर को पत्थरों में हरी तथा गुलाबी रंग की धारियाँ भी मिलती हैं। टेनेसी राज्य के संगमरमर का अधिकतर प्रयोग सजावट की वस्तुओं में किया जाता है। इसके अतिरिक्त फर्श बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है। संगमरमर का क्षेत्र नाक्सविले स्थान के निकट विस्तृत है।

**चाँदी (Silver) :** संयुक्त राज्य में प्रति वर्ष लगभग 1.1 लाख किलोग्राम चाँदी निकाली जाती है। विश्व के चाँदी उत्पादक देशों में इस देश का द्वितीय स्थान है। इस देश के चाँदी उत्पादक राज्यों में इडाहो तथा उटा विशेष उल्लेखनीय हैं। इन दोनों राज्यों से इस

हल्की धातु है तथा यह संक्षारण विरोधी होने के साथ विद्युत चालक होती है। इस देश में भवन निर्माण में सबसे अधिक उपयोग होता है। दूसरा बड़ा उपभोक्ता परिवहन है जो कुल का 20% उपभोग करता है। कुल उपभोग का 15% भाग फर्नीचर, बर्तन तथा मशीन निर्माण के उपयोग में आता है। बॉक्साइट ही ऐसा अपस्क है जिसमें से एल्यूमीनियम सरलता से निकाला जा सकता है। इसके उत्पादन की तीन अवस्थाएँ होती हैं- (1) बॉक्साइट का खनन (2) संशोधित बॉक्साइट से एल्यूमिना का निर्माण और (3) एल्यूमिना से एल्यूमिनियम का निर्माण।

सं.रा. अमेरिका में विश्व के कुल संचित भण्डार का 1 प्रतिशत है जो 500 लाख टन है। लेकिन यहाँ बॉक्साइट का 4 लाख मोटरी टन वार्षिक उत्पादन होता है जो विश्व उत्पादन का लगभग 0.4 प्रतिशत है। यहाँ अरकन्सास राज्य में लिटिल रीक के दक्षिण-पश्चिम में 712 वर्ग किमी. का क्षेत्र है। यह क्षेत्र देश के कुल उत्पादन का 95% बॉक्साइट पैदा करता है। जॉर्जिया और अलाबामा राज्यों में भी कुछ मात्रा में बॉक्साइट निकाला जाता है। अरकन्सास से निकलने वाले बॉक्साइट में एल्यूमिना की मात्रा 47 से 52 प्रतिशत तक होती है।

सन् 1895 में यहाँ केवल 20 टन बॉक्साइट का उत्पादन हुआ। लेकिन 1918 में उत्पादन बढ़कर 5 लाख टन और 1943 में 6 लाख टन से अधिक पहुँच गया। सन् 1999 में 2460 हजार मी. टन उत्पादन हुआ। यहाँ उत्पादन निरन्तर घट रहा है। इसका कारण सं.रा. अमेरिका द्वारा सस्ती दर पर विदेशों से बॉक्साइट का आयात

आदि बनाई जाती हैं। इस प्रकार के इस्पात में कैथोड ताय का की पर्याप्त क्षमता होती है। इसीलिए इससे इंजन और भट्टियाँ बनाई जाती हैं। इस प्रकार के इस्पात पर जंग नहीं लगता है। इस अतिरिक्त इला हुआ लोहा बनाने में भी इसका उपयोग किया जाता है। इस धातु का 90% भाग संयुक्त राज्य अमेरिका में पाया जाता है। इसके भण्डार इस देश में कोलोराडो राज्य के रॉकी पर्वतीय उच्च प्रदेश पर स्थित हैं। इस खनिज क्षेत्र की समुद्र तल से ऊँचाई लगभग 4050 मीटर है। इस क्षेत्र को क्लाइमैक्स क्षेत्र के नाम से भी पुकारा जाता है। वैसे यह क्षेत्र बहुत थोड़े क्षेत्र में विद्यमान है। इसके अतिरिक्त नेवादा, न्यूमैक्सिको, एरीजोना, उटा तथा कैलीफोर्निया आदि राज्यों से भी मालिबडेनम धातु प्राप्त की जाती है। संयुक्त राज्य इस धातु का प्रमुख निर्यातक है। यह देश अपना मालिबडेनम यूरोपीय देशों को निर्यात करता है। सन् 1948 में कुल उत्पादन 12114 मीट्रिक टन था जो बढ़कर 1965 में 35095 मीट्रिक टन तक पहुँच गया तथा वर्तमान में 39035 मीट्रिक टन है।

**मैंगनीशियम :** मैंगनीशियम उत्पन्न करने वाले देशों में संयुक्त राज्य का प्रमुख स्थान है। इस देश में समुद्र तल, खारी जल तथा डोलोमाइट एवं मैंगनेसाइट से मैंगनीशियम तैयार किया जाता है। लुजियाना में ड्रील चार्ल्स, नेवादा में लासवेगास, वाशिंगटन में स्कोकेन, मिशिगन में रीबर राउज, ओहियो में यॉराल विलेज, टेक्सास में जॉस्टन, कैलीफोर्निया में मान्टेका, कनेक्टिकट में काल आदि स्थानों पर डोलोमाइट से मैंगनीशियम बनाने के कारखाने हैं। इसके अतिरिक्त मिशिगन राज्य में मैरीजविले तथा लुइसियाना पर भौतरी जलाशयों से मैंगनीशियम का निर्माण किया जाता

Mary wat

निम्न संसाधन

का संशोधन भण्डार है। यहाँ की खानें भूमि में गहराई पर स्थित हैं। अतः धातु की खुदाई पर अधिक व्यय आता है। लेकिन यहाँ के पत्थर व चूना भी निकट मिलने से लोहा इस्पात उद्योग विकसित गया है।

(2) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र : इस क्षेत्र में अपिरेनडाक श्रेणी तथा कानेवाल क्षेत्र से लोह-धातु निकाली जाती है। अपिरेनडाक श्रेणी यूनाईटेड राज्य में स्थित है तथा कानेवाल क्षेत्र का विस्तार मिसिसिपी, न्यूजर्सी तथा दक्षिणी-पूर्वी न्यूयार्क राज्यों में है। सबसे पहले लोह-धातु की खुदाई का कार्य यहीं प्रारम्भ हुआ। इस लोह-धातु में मैंगनेटाइट धातु मिलती है जिसमें शुद्ध लोहा 60 प्रतिशत होता है। इस क्षेत्र में लोह-धातु का भण्डार अधिक नहीं है। इसलिए इस क्षेत्र की लोह-धातु की खपत समीपवर्ती इस्पात के केन्द्रों में हो जाती है। बल्कि कभी-कभी इन इस्पात केन्द्रों को चलाने के लिए भी लोह-धातु का आयात किया जाता है। वर्तमान में यहाँ अनेक खानें बन्द हो गई हैं।

(3) पश्चिमी क्षेत्र : इस क्षेत्र की खानें वायमिंग, नेवादा, कैलीफोर्निया तथा यूटाह राज्यों में पाई जाती हैं। इन खानों से लोहा बहुत कम निकाला जाता है। इसलिए इस क्षेत्र की लोह-धातु का केवल स्थानीय महत्व ही है। द्वितीय विश्व महायुद्ध काल में इनसे अधिक मात्रा में लोह-धातु प्राप्त की जाने लगी। उस समय विदेशों से लोहा प्राप्त नहीं हो रहा था इसलिए उस समय स्थानीय लोहे की माँग में पर्याप्त वृद्धि हुई। इन खानों के पास ही लोह-धातु एवं इंजीनियरिंग उद्योगों का पूर्ण विकास हुआ है जिनमें उटा का जिनिवा कारखाना, कोलोरेडो का म्यबलो लोहा कारखाना तथा कैलीफोर्निया राज्य की फोन्टाना लोहा फैक्ट्री विशेष उल्लेखनीय हैं। इन कारखानों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए इस देश को ब्राजील, स्वीडन, चिली, अल्जीरिया, ब्राजील आदि देशों से लोह धातु मंगानी पड़ती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का केवल 7% लोह धातु उत्पादन इस क्षेत्र में होता है। सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र उटा में है, जहाँ आयरन माउण्टेन और डेसर्ट माउण्ट में खुली खदान विधि से धातु प्राप्त हो जाती है। यहाँ की मैंगनेटाइट धातु में 50 से 53% लोहांश है। कैलीफोर्निया की खान में 51% लोहांश पाया जाता है। यहाँ भी खुली खदान विधि प्रयोग में आती है।

(4) सुपीरियर झील क्षेत्र : यह क्षेत्र सुपीरियर झील के दक्षिण तथा पश्चिम की ओर विस्तृत है। मिशीगन, मिनेसोटा तथा विसकांसिन आदि राज्यों में इसकी खानें स्थित हैं। इस क्षेत्र में छः प्रमुख लोह श्रेणियाँ हैं जो इस देश को 85% लोह धातु प्रदान करती हैं। इस देश को अधिकांश मात्रा इसी क्षेत्र से प्राप्त की जाती है। इस क्षेत्र की निम्नलिखित छः श्रेणियाँ हैं:-

सुपीरियर झील क्षेत्र में प्रमुख लोह-श्रेणियाँ		
राज्य	रैंज	उत्पादन प्रतिशत
मिनेसोटा	मेसाबी	71.5%
	ब्रामिलियन	2%
मिशोगन व विसकांसिन	क्व्यूना	3%
	जोजेविक	10.5%
	मारक्वेट	11%
	मिनोमिनी	2%

मेसाबी श्रेणी इन सब में प्रमुख है जो अन्य पाँच रैंजों के सम्मिलित उत्पादन का तीन गुना लोहा उत्पन्न करती है। यह लगभग 5 किमी. लम्बी तथा 1.5 किमी. चौड़ी श्रेणी है। इस श्रेणी में लोहे की परतें धरातल के निकट ही विद्यमान बड़े-बड़े पिण्डों में पायी जाती हैं। ये पिण्ड चिकनी मिट्टी की पतली परत से ढके हैं। इस कारण खुदाई आसानी से हो जाती है। इस परत की भाप द्वारा संचालित विशाल ब्लेड युक्त मशीनों द्वारा साफ कर दिया जाता है और लोह-अयस्क के पिण्ड उधड़ आते हैं जिन्हें सीढ़ीदार क्रम में काट-काट कर बाहर निकाला जाता है। अन्दर ये खानें सीढ़ीनुमा खेती का दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

इसी कारण यहाँ लोहे की खुदाई अपेक्षाकृत सस्ती रहती है। यहाँ का लोहा हेमेटाइट किस्म का है। यहाँ लोहा औसतन 20 मीटर मोटे हिमनदीय जलोढ़ के नीचे पाया जाता है। यहाँ खुले खनन द्वारा लोहा निकाला जाता है। मेसाबी रैंज का लोहा रेल मार्ग द्वारा झीलों के पतनों तक और वहाँ से महान झीलों द्वारा इस्पात के कारखानों तक भेजा जाता है। यहाँ शीत ऋतु में हिम आवरण जमा होने पर खनन कार्य में बाधा पड़ती है।

मेसाबी के पश्चिम में स्थित क्व्यूना में भौगोलिक परिस्थितियाँ मेसाबी रैंज के समान होते हुये भी उत्पादन तथा खनन विस्तार कम है। मेसाबी के उत्तर-पश्चिम में ब्रामिलियन श्रेणी है। यह लगभग 16 किमी. दूर है। यह श्रेणी पूर्णतः यहाँ के इस्पात निगम के अधिकार में है।

जोजेविक, मारक्वेट, मिनोमिनी श्रेणियाँ सुपीरियर झील के दक्षिण में स्थित हैं। ये तीनों पश्चिम से पूर्व की ओर जोजेविक, मारक्वेट तथा मिनोमिनी इसी क्रम में स्थित हैं। यहाँ भी धातु पिण्ड रूप में पायी जाती है। यहाँ पिण्ड गहराई पर है और कठोर चट्टानों से घिरे हैं। यहाँ शाफ्ट विधि से खुदाई होती है। जोजेविक रैंज की कुछ खदानों की गहराई 1.6 किमी. से अधिक है।

मैंगनीज (Manganese) : औद्योगिक दृष्टि से अति उन्नत देश होने के कारण यहाँ मैंगनीज की खपत बहुत ज्यादा है। संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे अधिक लोहा-इस्पात का निर्माण करता है। यहाँ पर मैंगनीज के भण्डारों को बहुत खोज की गई। किन्तु इन



यहाँ पर पाई जाने वाली लोह धातु भी है। इस लोह धातु का अपार भण्डार है। इसमें लोह-धातु सतह के समीप ही मिलती है इसलिए खुदाई में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती है। यहाँ पर लोह-धातु प्राप्त करने के लिए विशेष प्रकार की मशीनें काम में लाई जाती हैं जिसके फलस्वरूप खुदाई सस्ती होती है।

इस देश में लोह धातु के चार क्षेत्र हैं जो कि निम्नलिखित हैं:-

- (1) दक्षिणी अपलेशियन क्षेत्र
- (2) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र
- (3) पश्चिमी क्षेत्र
- (4) सुपीरियर झील क्षेत्र
- (5) मध्य और खाड़ी क्षेत्र

संचित भण्डारों की दृष्टि से सुपीरियर झील क्षेत्र विशेष उल्लेखनीय है। इन क्षेत्रों का सुरक्षित भण्डार निम्न तालिका से स्पष्ट है-

संयुक्त राज्य अमेरिका-लोह अयस्क संचित भण्डार  
(मिलियन लॉंग टन)

प्रदेश	निम्न कोटि अनुमापित और संचित धातु	परिलक्षित सम्भावित धातु		
सुपीरियर झील	51.5	1308	500	61000
उत्तर-पूर्वी	25	526	390	1500
दक्षिण-पूर्वी	35	1561	560	270
पश्चिमी	50	141	275	140
मध्य और खाड़ी	50	179	25	5

वितरण एवं उत्पादन : लोह-अयस्क उत्पादक देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका का महत्वपूर्ण स्थान है। सन् 1957 तक यह देश लोह-अयस्क के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर था। 1957 में यहाँ विश्व का एक-चौथाई लोह-अयस्क निकाला गया। बाद

के वर्षों में सोवियत संघ उत्पादन का 1960 में इस देश में लोह अयस्क का उत्पादन कुल विश्व उत्पादन का 18.7 प्रतिशत था जो घटकर 1996 में 6 प्रतिशत रह गया है जिसके कारण अब यह विश्व का छठवाँ बड़ा उत्पादक हो गया है।

18 वीं शताब्दी में सर्वप्रथम आव्रजकों द्वारा न्यू इंग्लैण्ड प्रदेश में स्थानीय रूप में उपलब्ध लोह-अयस्क को गलाकर कच्चा लोह तैयार किया जाता था। लोहा गलाने के लिये चारकोल और लकड़ों का उपयोग होता था। लेकिन सुपीरियर झील क्षेत्र में लोहे के भण्डार मिलने पर बड़े पैमाने पर लोह-इस्पात उद्योग का विकास हुआ। बाद में अन्य क्षेत्रों में भी लोहे की खोज हुई। आज इस देश में लोह अयस्क का वितरण इस प्रकार है :

(1) दक्षिणी अपलेशियन क्षेत्र : इस क्षेत्र का अधिकांश अलाबामा राज्य में है। इसीलिए इसे अलाबामा क्षेत्र भी कहते हैं। इसका कुछ भाग टेनेसी राज्य में भी पड़ता है। अलाबामा राज्य का यह लोह-क्षेत्र बरमिंघम जिले में है। इसके अतिरिक्त टेनेसी का क्षेत्र वाटानुगा जिले में आता है। सुपीरियर झील की अपेक्षा इस क्षेत्र का लोह-अयस्क कुछ घटिया प्रकार का है किन्तु इसकी एक विशेषता यह भी है कि इसमें चूना भी मिला होता है। दक्षिणी अपलेशियन का कोयला क्षेत्र भी इसके समीप ही है। इन वस्तुओं की सुलभता ने इस क्षेत्र से लोहा निकालने को बहुत प्रोत्साहित किया है, जिसके फलस्वरूप इस क्षेत्र से पर्याप्त लोहा प्राप्त किया जाता है। इस क्षेत्र से इस देश का लगभग 10 प्रतिशत लोहा प्रतिवर्ष निकाला जाता है। हैमेटाइट तथा लिमोनाइट दोनों प्रकार की लोह धातु यहाँ मिलती है। लिमोनाइट की मात्रा यहाँ अधिक है। इस धातु में चूना 15-25 प्रतिशत तक होता है। यहाँ लगभग 150 करोड़

आज मानव लम्बी विकास यात्रा के बाद जिस सांस्कृतिक विकास के स्तर पर पहुँचा है उसे शक्ति और यंत्र का युग कह सकते हैं। खनिजों के ज्ञान तथा प्राप्ति के आधार पर मानव पाषाण युग से ताम्र, कांस्य और लोह युग की संस्कृति में प्रवेश कर सका है। लोह खनिज के उपयोग से मानव संस्कृति में तीव्र गति से परिवर्तन आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका खनिजों में सम्पन्न देश है। इस देश की भौतिक प्रगति का श्रेय यहाँ की खनिज सम्पदा को ही है। अनेक खनिजों के उत्पादन में यह देश विश्व में अग्रणी है।

खनिज प्राप्ति में संयुक्त राज्य का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। कई खनिजों (लोहा, कोयला, पेट्रोलियम, ताँबा) के उत्पादन में तो संयुक्त राज्य अमेरिका अग्रगण्य है। इनके अलावा सोना, चाँदी निकल, सीसा, जस्ता आदि खनिज प्राप्त होते हैं। इस प्रकार संयुक्त राज्य की खनिज सम्पदा विशाल है। संयुक्त राज्य की आश्चर्यमय उन्नति का श्रेय एक हद तक इस देश की विशाल खनिज सम्पदा को ही जाता है। यहाँ मशीनरी निर्माण के लिए उत्तम लोहा और ताँबा मिलता है। चालक शक्ति के स्रोत-कोयला और पेट्रोलियम के अक्षय भंडार भरे पड़े हैं। इस देश की खनिज सम्पत्ति की विशालता का एक कारण इस देश की नवीनता है। अमेरिका महाद्वीप की खोज बड़ी देर से हुई, अतः यहाँ सब भण्डार अशोषित पड़े थे, जिनके बल पर आज संयुक्त राज्य विश्व के महानतम देशों का अगुवा बना है। संयुक्त राज्य में विभिन्न खनिजों का वितरण



सं. रा. अमेरिका : खनिज पदार्थ

इस प्रकार है।

### लोह-अयस्क (Iron Ore)

लोहा विश्व के खनिज पदार्थों में सबसे महत्वपूर्ण है। एक छोटी सी कौल से लेकर विशालकाय संयंत्र के निर्माण में लोहे का उपयोग होता है। इसीलिये वर्तमान युग को 'लोह-इस्पात का युग' कहते हैं। यह एक सस्ती धातु है जिसमें कठोरता, दृढ़ता और लचीलापन होता है। लोह अयस्क को कच्ची धातु भी कहते हैं यह कच्ची धातु के रूप में मिट्टी में मिला होता है जिसे भट्टियों में गलाकर साफ किया जाता है। भट्टियों में इसे गलाकर इसमें मिश्रित अशुद्ध पदार्थ जैसे मिट्टी, एलुमिना, चूना, गंधक, सिलिका आदि को पृथक करके कच्चा लोहा तैयार किया जाता है।

लोह-अयस्क के प्रकार — खनिज लोह चार प्रकार का होता है—

1. मैग्नेटाइट : इसमें लोहे की मात्रा 72.40 प्रतिशत होती है। यह धातु आग्नेय चट्टानों में बिखरे रूप में पायी जाती है। इसका रंग भूरा या काला होता है। इसमें आक्सीजन तथा हाइड्रोजन का मिश्रण होता है।

2. हेमेटाइट : विश्व में पाये जाने वाले लोहे का सबसे अधिक भाग इसी धातु का है। इसका रंग भूरा या लाल होता है। इसमें लोहे का अंश 60-70 प्रतिशत होता है। यह धातु उत्तम मानी जाती है क्योंकि यह आसानी से साफ हो जाती है। विश्व में यह सर्वत्र सुलभ है। इसमें लोहे और आक्सीजन का मिश्रण होता है।

3. लाइमो नाइट : इस धातु का रंग थोड़ा पीलापन युक्त होता है। इसमें धातु का 60% अंश होता है। यह पतदार चट्टानों में पाया जाता है। इसमें लोहा, आक्सीजन और हाइड्रोजन का मिश्रण होता है। यह विश्व में कम मात्रा में खोदा जाता है।

4. साइडराइट : यह धातु लोहे व कार्बन के मिश्रण से बनती है। इसका रंग राख जैसा होता है। इसमें लोहे का 48 प्रतिशत तक अंश होता है। इसमें अधिक अशुद्धियाँ होने के कारण इसका उत्खनन कम होता है।

लोह खनिज का संचित भण्डार : पृथ्वी के धरातल के निर्माण में लोह तत्व की मात्रा 5% है। विश्व का 90% ज्ञात भण्डार 10 देशों में निहित है। इन 10 देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका भी सम्मिलित है। यहाँ सीधा प्रयुक्त होने योग्य लोह



### बसन्तकालीन गेहूँ की पेट्टी (Spring Wheat Belt):

बसन्तकालीन गेहूँ सं. रा. अमेरिका के उत्तर-मध्य एवं ध्रुव उत्तर-पश्चिम में कोलम्बिया बेसिन में पैदा किया जाता है। उत्तर-मध्य में स्थित मेखला का विस्तार उत्तरी-डकोटा, दक्षिणी-डकोटा, मोन्टाना (पूर्वी भाग) आदि राज्यों में है। शीतकालीन गेहूँ की मेखला की तरह यह सम्भाग की अर्द्ध-आर्द्ध अर्द्ध-शुष्क प्रदेश में स्थित है। मिट्टियाँ यहाँ काली या चैस्टनट प्रकार की हैं। हिम युगीन आगामिज झील का क्षेत्र होने से मिट्टियाँ उपजाऊ हैं। इनमें ड्रमस तत्व पर्याप्त हैं। जाड़ों के दिनों में, उत्तर-मध्य यू.एस.ए. में स्थित राज्यों में तापक्रम हिमालय से नीचे हो जाते हैं, बर्फ जमती है। अतः गेहूँ को बोने या उसके अंकुर फूटने लायक तापक्रमीय दशाएँ वस्तुतः मार्च में ही आ जाती हैं, इसीलिए इसे बसन्तकालीन गेहूँ के नाम से पुकारा जाता है।

सं.रा. अमेरिका के उत्तर-पश्चिम में कोलम्बिया बेसिन में कोलम्बिया तथा स्नेक नदियों से जल उपलब्ध करवाकर गेहूँ का क्षेत्र विकसित किया गया है। वस्तुतः यहाँ गेहूँ को यह मेखला अन्तः पर्वतीय शुष्क पठारों में विकसित की गई है जो पूर्णतया सिंचाई पर आधारित है। इस मेखला का विस्तार वाशिंगटन, इडाहो तथा ओरेगन आदि राज्यों में है। यहाँ गेहूँ को बुवाई बसन्त ऋतु में ही होती है। बसन्त ऋतु के बाद तापक्रम एकदम ऊँचे उठने लगते हैं जो गेहूँ की बालों को शीघ्र पकाने में सहयोग करते हैं। बसन्ती गेहूँ अपेक्षाकृत जल्दी पकता है।

बसन्तकालीन गेहूँ मेखला में खेतों की तैयारी, जुताई एवं खाद आदि का कार्य सर्दियों में पहले ही अक्टूबर माह में कर लिया जाता है। बाद में ये भाग अत्यधिक सर्दों से जमे जैसे हो जाते हैं। इसलिए खेतों को लगभग तीन माह तक खाली छोड़ दिया जाता है। बसन्त के प्रारम्भ के साथ-साथ जैसे-जैसे हिम पिघलने लगती है, इस क्षेत्र में नमी बढ़ने लगती है। तापक्रम भी इस समय तक 17°-20° से. हो जाते हैं जो बुवाई के लिए उपयुक्त है। मई-जून में ताप के साथ-साथ पीथा बढ़ता है। अगस्त के अन्त तक फसल तैयार हो जाती है और अगस्त-सितम्बर तक खेतों में हारवेस्टर्स दिखाई देने लगते हैं। सितम्बर तक फसल कट कर दूसरी फसल के लिए तैयारी होने लगती है। इस प्रकार बसन्तकालीन गेहूँ की पेट्टी में एक ही फसल होती है। इस पेट्टी के खेत अपेक्षाकृत बड़े हैं। सारा कार्य मशीनों से होता है।

#### बसन्तकालीन गेहूँ का उत्पादन 1999

(000 बुशल में)

राज्य	राज्य	राज्य	राज्य
उत्तरी डकोटा	110,000	वाशिंगटन	134,000
दक्षिणी डकोटा	87,000	इडाहो	80,000
मोन्टाना	104,500		

### 6. चरागाह तथा दुग्ध व्यवसाय मेखला (Hay and Dairying Belt)

इस मेखला को उत्तरी सीमा लॉरेन्शियल शील्ड तथा पूर्वी सीमा एडिरनोडोक तथा न्यू इंग्लैण्ड के पर्वत निश्चित करते हैं। यह पेट्टी निम्न झील प्रदेश से होती हुई पश्चिम में डकोटा को सीमाओं तक फैली हुई है। दक्षिण में मक्का मेखला और अप्लेशियन उच्च और पठारी भूमि इसकी सीमा बनाती है। दक्षिण पूर्व में यह मक्का और शीतकालीन गेहूँ की पेट्टी से मिल जाती है। इस मेखला के दक्षिणी किनारों पर अधिक मक्का उत्पादन होता है परन्तु उसका प्रमुख उपयोग हरे चारे के रूप में किया जाता है। शरद कालीन गेहूँ भी दक्षिणी मेखला के किनारों पर उत्पन्न किया जाता है विशेषकर



विस्कॉन्सिन, मिशीगन राज्यों में परन्तु यह अधिकतर फसल चक्र के रूप में ही ऐसा होता है। इस मेखला की जलवायु घास के उत्पादन के लिए उपयोगी है। लगातार हल्की वर्षा तथा कम वाष्पीकरण ऐसी अवस्थाएँ हैं जो घास के उगाने में सहायता करते हैं जिससे कि प्राकृतिक चरागाह तथा चारागाह स्वाभाविक तौर पर बन पाते हैं। भूमि कहीं-कहीं पर बहुत ही रेतीली है और दलदली है। धरातल भी विषम है। इन सब कारणों ने घास और दुग्ध मेखला को बनाने में सहयोग दिया है।

इस मेखला में पशुओं की नस्ल सुधारने का कार्य भी किया गया जिससे कि अच्छे पशु और अधिक दूध देने वाले पशु रखे जा सकें। यूरोप से मँगायी गयी बर्दिया किस्म की गाँवें इस मेखला में पाली जाती हैं जिनमें होल्स्टीन तथा डरहम मुख्य हैं।

अनुकूल जलवायु, बर्दिया किस्म की घास और उन्नत प्रकार के पशुओं के पालन से इस क्षेत्र में दुग्ध व्यवसाय का श्रीगणेश हुआ। दुग्ध उपयोग करने वाले बड़े-बड़े शहर निकट ही हैं जहाँ इन वस्तुओं की माँग अधिक रहती है। इस प्रकार इस मेखला में दक्षिणी विस्कॉन्सिन, न्यूयार्क, मिशीगन, इण्डियाना, इलिनॉस तथा ओहियो राज्यों में पशु पाले जाते हैं और दुग्ध व्यवसाय विकसित हुआ है।

दुग्ध और उससे प्राप्त वस्तुओं (मक्खन, पनीर, दुग्ध चूर्ण) के उत्पादन में संयुक्त राज्य का महत्वपूर्ण स्थान है। इस देश में

मिडियाँ काली, गहरी एवं उपजाऊ हैं।

**5. गेहूँ मेखला (Wheat Belt)**

संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व के अग्रणी गेहूँ उत्पादक व निर्यातक देशों में से एक है। विश्व का लगभग 15% गेहूँ यहाँ पैदा किया जाता है। लगभग एक दशक पूर्व तक यह देश गेहूँ उत्पादन मात्रा दृष्टि से विश्व में रूस के बाद दूसरे स्थान पर है। गेहूँ एक शीतोष्ण कटिबन्धीय पौधा है।

गेहूँ की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक विशेषकर जलवायु दशाओं से स्पष्ट है कि जिस समय बीज पनप रहा हो उस समय तापक्रम नौचे होने चाहिए। यू.एस. ए. के भीतरी मध्य भागों में जाड़ों में तापक्रम हिमोंक से कुछ ऊँचा रहता है (जो गेहूँ के बीज पनपने के लिए उपयुक्त है) लेकिन उत्तर में तापक्रम कम हो जाता है, हिमोंक से नीचे चला जाता है। अतः वहाँ जाड़ों में फसल नहीं बोयी जाती बरन् बसन्त ऋतु में बोई जाती है। अतः उसे 'बसन्त गेहूँ' कहा जाता है। इस दृष्टि से सं.रा. अमेरिका के गेहूँ प्रदेशों को दो समूहों में रखा जा सकता है-

1. शीतकालीन कटोर गेहूँ की पेट्टी
2. बसन्तकालीन गेहूँ की पेट्टी।

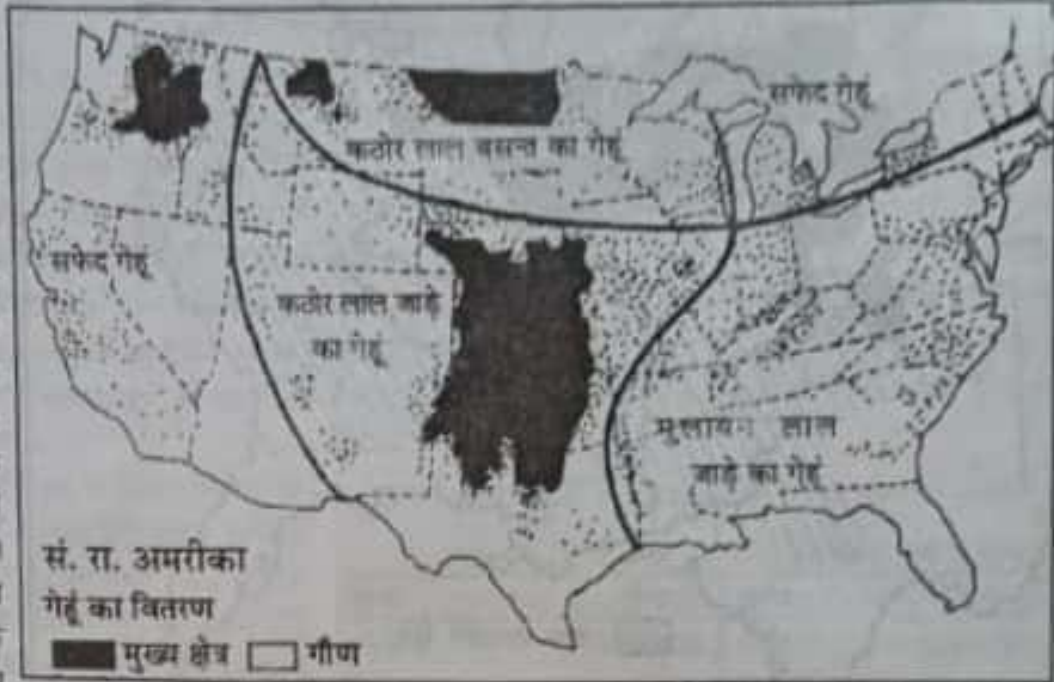
**शीतकालीन कटोर गेहूँ की पेट्टी**

(Winter Wheat Belt):

'मक्का तथा शीतकालीन गेहूँ की मेखला' के ठीक पश्चिम में शीतकालीन कटोर गेहूँ की मेखला स्थित है। इस मेखला का क्षेत्र कई दृष्टियों से संक्रमणीय स्थिति में है। इसके पूर्व में आर्द्र-कृषि के क्षेत्र तथा पश्चिम में ग्रेट-प्लेन्स विद्यमान हैं, जिनमें पशुचारण के अतिरिक्त और कोई कार्य सम्भव नहीं। इस मेखला के पूर्वी भागों में वर्षा 80 सेमी. तथा पश्चिमी भागों में 50 सेमी. होती है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि पूर्व में 80 सेमी. से अधिक वर्षा वाले भागों में मक्का पैदा की जाती है और पश्चिम में फसली कृषि (जाड़े का गेहूँ) की सीमा 50 सेमी. का सम-वर्षा रेखा है। धरातलीय दृष्टि से यह पूर्व के निचले प्रेयरी मैदानों

कोलॉराडो, नेब्रास्का, न्यू मैक्सिको, मिचुरी आदि राज्यों में है।

ग्रेट प्लेन्स के पूर्वी सीमान्त में इस मेखला की भौगोलिक दशाएँ शीतकालीन गेहूँ के लिए प्राकृतिक रूप से ही उपयुक्त हैं। यहाँ जाड़ों में तापक्रम 14° से. एवं गर्मियों में 18-21° से तक रहते हैं। जाड़ों के दिनों में विस्मंदेह पालत पड़ता है परन्तु इतना नहीं होता जो गेहूँ के पौधे पनपने में बाधक हो। मेखला के अर्द्ध-पश्चिम भाग में पानी की कमी अवश्य एक भीषण समस्या है जिसके



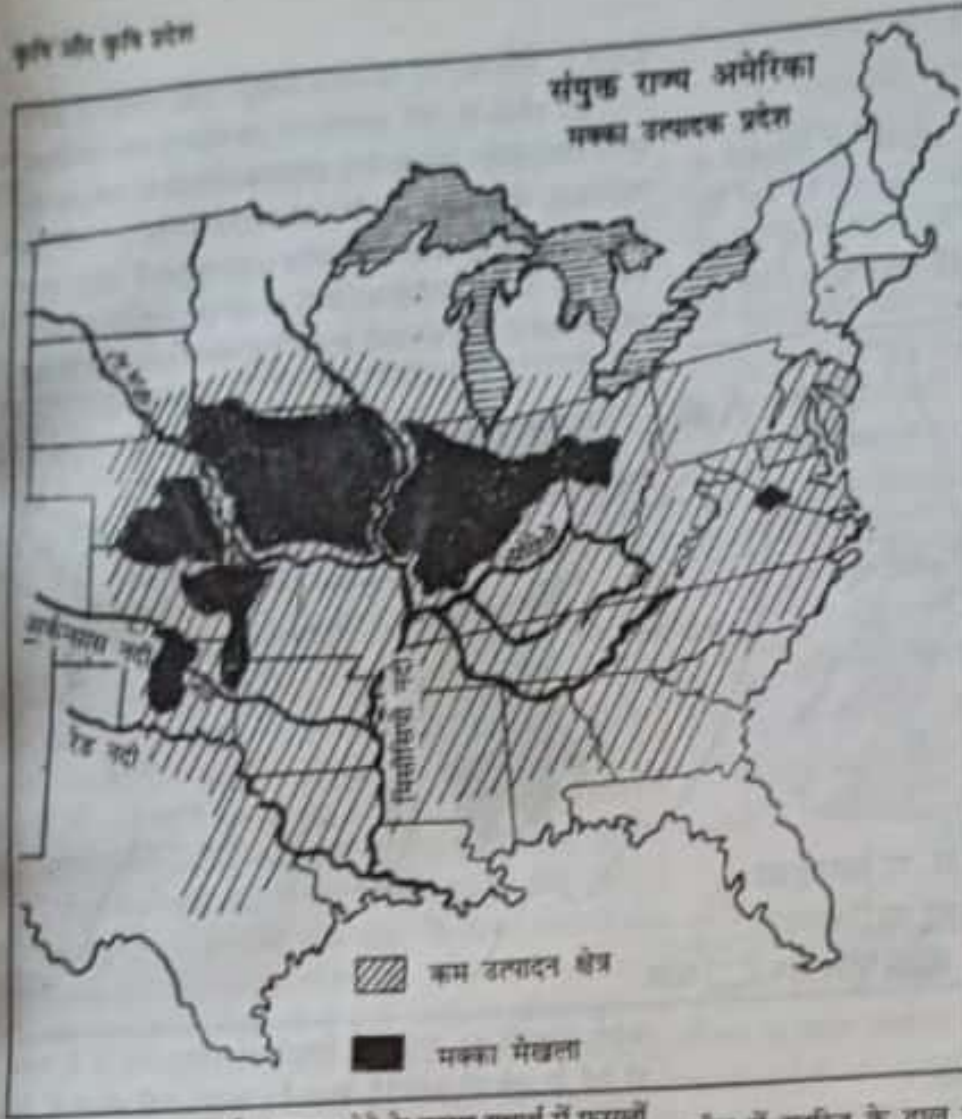
कारण वनस्पति का अभाव एवं मिट्टी का कटाव होता ही है साथ ही गेहूँ के दाने को प्रभावित करता है। वस्तुतः नमी की कमी के कारण ही यहाँ का दाना लाल, कटोर एवं छोटा होता है। अब कुछ सिंचाई की व्यवस्था की गई है। दूसरे यहाँ बोई जाने वाली किस्म ऐसी विकसित की गई है कि जिसे पानी की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती।

भू-क्षरण को रोकने के लिए वृक्षावलिप्यो लगाई गई हैं। बलुआ जमीन पर थोड़ी दूर-दूर पर मेंढें बनाई गई हैं एवं जुताई भी डाल के आर-पार की जाती है ताकि नमी सुरक्षित रहे और जो कुछ भी पानी है वह जमीन में ही समा जाए, बहकर नहीं जाए। कुछ फार्मों में भूमि कुछ समय को खाली भी छोड़ दी जाती है ताकि नमी एकत्रित हो जाए। सिंचाई के लिए अनेक ट्यूबवैल खोदे गए हैं।

प्रमुख राज्यों में शीतकालीन गेहूँ का उत्पादन 1999

(1000 बुराल में)

राज्य	उत्पादन	राज्य	उत्पादन
-------	---------	-------	---------



1. असमान धरातलीय स्वरूप होने के कारण यद्यार्थ में फसलों में सगी भूमि कम है।

2. मक्का मेखला की हिमानीकृत मिट्टियों की तुलना में इस सम्भाग की मिट्टियाँ कम उपजाऊ हैं।

3. भू-क्षरण से प्रभावित जमीन इस मेखला में ज्यादा है।

4. मिट्टियों की उत्पादक शक्ति शीघ्र ही धक जाती है अतः निरन्तर खाद तथा उर्वरकों का प्रयोग योजनीय है।

धरातलीय स्वरूप, मिट्टी की विविधता तथा जलवायु आदि तत्व इस मेखला के विभिन्न क्षेत्रों में समता एवं एकता स्थापित करते हैं और सम्भवतः इसीलिए फसलों सम्बन्धी विविधता और किसी एक फसल के प्राधान्य के अभाव में भी चेकर ने इसे एक मेखला का नाम दिया है। यह मेखला लगभग 1600 किमी. की लम्बाई में फैली है। सम्पूर्ण लम्बाई के एक-तिहाई पश्चिमी भाग में ही वर्षा 100 सेमी. से कम है अन्यथा सर्वत्र अधिक है। मेखला का कोई भी भाग ऐसा नहीं है जहाँ वर्षा 80 सेमी. से कम होती हो। गर्मियों में मेखला के उत्तरी भागों में 34 से. तथा दक्षिणी भागों में 35 से. तक तापक्रम रहता है। पाले रहित दिनों की अर्धाधि 180

से 200 दिन तक रहती है। शीतकाल में तापक्रम हिमाल से ऊपर ही रहते हैं। यही वजह है कि यहाँ शीतकाल में ही गेहूँ की फसल सफलतापूर्वक बो दी जाती है।

मक्का, शीतकालीन गेहूँ तथा चारे की फसलें अधिकांश फार्मों की प्रमुख फसलें हैं। निम्नलिखित गेहूँ का अनुपात क्रमशः उत्तर तथा पश्चिम की ओर बढ़ता जाता है। पहाड़ियों के पास जो फार्म हैं वहाँ गेहूँ अनुपस्थित है। ऐसे असमान धरातल वाले प्रदेश में मक्का, चरागाह तथा फार्मवासियों के उपयोग के लिए सच्चियाँ पैदा की जाती है। वर्जीनिया तथा मेरीलैंड के समतल उपजाऊ तटवर्ती मैदानी भागों में तम्बाकू प्रधान फसल है। तम्बाकू के उत्पादन में सं.रा. अमेरिका विश्व में प्रथम है। दक्षिण-पूर्वी पेन्सिल्वेनिया राज्य के पीडमोंट प्रदेश, वर्जीनिया तथा उत्तरी-पश्चिमी कैरोलिना में मेखला का आम स्वरूप ही है अर्थात् मक्का, शीतकालीन गेहूँ तथा चारे की फसलों का प्राधान्य है परन्तु बीच-बीच में

बीच में ज्यूरिज के ढाल प्रदेशों या शैलानटोआह घाटों के दोनों तरफ सेवों के बाग या पीडमोंट प्रदेश में तम्बाकू के खेतों ने भूदुरय में परिवर्तन कर दिया है। आगे दक्षिण-पश्चिम में अप्लेचियन पठार के ऊबड़-खाबड़ प्रदेश हैं जहाँ जंगलों का प्राधान्य है। बीच-बीच में कहीं-कहीं फार्म नजर आते हैं।

वस्तुतः इस मेखला के अन्तर्गत ही विविध भौगोलिक इकाइयों में कृषि फसलों में विविधता आ गई है। अतः इसे 'मिश्रित मेखला' भी कहा जाय तो गलत न होगा। लैकिंगटन तथा नॉरथविले के विखण्डित धरातल में मिट्टी फॉस्फोरस तथा चूने के अंश युक्त होने के कारण चरागाहों एवं घोड़ा पालन के लिए बड़ी उपयुक्त रही है। तम्बाकू में भी इस क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त की गई है। ओजाक-औचित्त पर्वत प्रदेश में मिट्टियाँ प्रायः अनुपजाऊ या बहुत कम उपजाऊ हैं जिनका उपयोग बागों के लिए किया गया है। उपयुक्त स्थानों पर सेव तथा नाशपाती के बागान हैं और भी आगे पश्चिम में, पूर्वी कन्सास राज्य के प्रेयरी मैदानों में खाद्यान्नों की कृषि तथा सघन पशु पालन (मुख्यतः सुअर) होता है क्योंकि यहाँ की प्रेयरी

'मक्का को मौसम में बदलने वाली, मशीन एवं मक्का की पेटों को सुअर के गोस्त की पेटों' कहा जाए तो व्यापक उपयुक्त होगा। सं.रा. अमेरिका में लगभग 120 मिलियन सुअर हैं जिनका तीन-चौथाई भाग मक्का मेखला में विद्यमान है। यहाँ सुअर काटने के बड़े-बड़े कार्टोपर हैं जिनमें रोजाना लगभग 3 लाख सुअर काटे जाते हैं। शिकागो न केवल सं.रा. अमेरिका वरन् विश्व की सबसे बड़ी गोस्त की मण्डी है। अन्य में ओमाहा, कन्सास तथा मिनिसोटा आदि उल्लेखनीय हैं।

सं.रा. अमेरिका में मक्का उत्पादन के लिए बड़ी उपयुक्त दशाएँ मिलती हैं: (i) लगभग समतल भूमि जिस पर बड़े पैमाने पर कृषि यन्त्रों का प्रयोग होता है, (ii) उर्वर मिट्टी, (iii) तीन महीने तक गर्म दिन और गर्म रातें, (iv) 140 से 180 दिन तक फसल उगने का मौसम, (v) मक्का की पेटों में 50 सेमी. से 100 सेमी. तक वर्षा, (vi) ग्रीष्म काल में गरज के साथ तेज वर्षा के बाद तेज धूप और ऊँचा तापमान, (vii) उर्वरकों का प्रयोग अधिक करके सभन वैज्ञानिक कृषि का प्रति हैन्टेयर उपज अधिक प्राप्त करना।

कृषि विशेषज्ञों तथा सं. रा. अमेरिका के मौसम विभाग का कहना है कि मक्का की बृद्धि, आकार तथा प्रति एकड़ उत्पादन जुलाई की वर्षा पर बहुत निर्भर करते हैं। यह तथ्य 1901 में और भी उजागर हो गया जबकि जुलाई में वर्षा न होने के कारण प्रति एकड़ उपज बहुत कम हुई सर्वाधिक अनुकूल दशाएँ, मक्का मेखला में तब होती है जब दिन गर्म होते हैं और बीजों पर रात्रि में धाती हैं।

इस प्रकार मक्का एक गर्म-आर्द्र मौसम की फसल है जिसके प्रति हैन्टेयर उत्पादन पर भौगोलिक दशाओं का बड़ा नियंत्रक प्रभाव होता है। ओ.ई.बेकर ने मक्का-मेखला के ही अन्तर्गत ऐसे क्षेत्रों का भी संकेत दिया है जहाँ प्रति वर्ग किमी. भू-भाग में उत्पादन का औसत 2000 बुशल बैठता है। स्वाभाविक रूप से ऐसे भाग अनुकूलतम भौगोलिक दशाओं से युक्त हैं। ऐसे भाग मिसोसिपी मेखला के उत्तरी-पश्चिमी सम्भाग में स्थित हैं। इनकी तुलना पश्चिम के भागों से की जा सकती है जहाँ अपेक्षाकृत कम वर्षा होती है तथा—टेक्सास तथा ओकलाहामा आदि राज्यों में ऐसी किस्में विकसित की गयी हैं जो कम पानी में भी पनप सकें। मेखला के उत्तरी भागों में जल्दी पकने वाली नस्लें बोयी जाती हैं क्योंकि यहाँ उच्च तापक्रम युक्त अवधि अपेक्षाकृत छोटी होती है।

समस्त मक्का मेखला में केवल एक ही फसल बोयी जाती है। यह समझना भी भ्रंति होगी वस्तुतः यहाँ भी फसल-क्रम है और इस क्रम में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भाग मक्का का होता है। फसल-क्रम की अन्य फसलों में जई, जाड़े का गेहूँ तथा चारे की फसलें मुख्य हैं जो प्रत्येक लगभग 15% भाग घेरें हैं। पश्चिमी

भाग में, जहाँ कुछ शुष्कता है, फसल क्रम में अल्फाफा घास बोयी जाती है। स्थानीय रूप से आलू, मटर, बीन्स, भूगर्जली आदि भी उल्लेखनीय हैं। पिछले वर्षों में सोयाबीन का प्रयोग चारे की फसल के रूप में काफी बढ़ा है। सोयाबीन का सर्वाधिक केन्द्रीकरण इलीनोइस राज्य के दक्षिण-पूर्व में स्थित कम उपजाऊ मिट्टियों में हुआ है।

पिछले 3-4 दशकों में मक्का में संलग्न क्षेत्रफल में थोड़ी कमी की गयी है। 1910 में मक्का का विस्तार 110 मिलियन एकड़ 1940 में 86, 57 मिलियन एकड़ तथा 1999 में केवल 51 मिलियन एकड़ भूमि में मक्का बोयी गयी। यह कमी इसलिए नहीं कि यू.एस.ए. के कृषि-डॉक्टरों में मक्का का महत्त्व कम हो गया है वरन् प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ जाने से (80 बुशल से ज्यादा) अतिरिक्त मात्रा वाली जमीन दूसरी फसलों में लगा दी गई है।

यंत्रिकरण, कृत्रिम एवं मिश्रित किस्मों के अच्छे खाद तथा बीजों के प्रयोग एवं गहरी कृषि की ओर रुझान होने के कारण उत्पादन प्रतिवर्ष बढ़ता जा रहा है। 1999 में प्रमुख मक्का उत्पादन राज्यों का उत्पादन इस प्रकार था:

सं.रा. अमेरिका के प्रमुख राज्यों में मक्का उत्पादन-1999

(1000 बुशल में)

राज्य	उत्पादन	राज्य	उत्पादन
आयोवा	902,000	ओहियो	265,000
इलीनोय	710,000	विस्कांसिन	137,000
नेब्रास्का	820,000	मोटांजा	102,000
मिन्सोटा	358,000	दक्षिण डकोटा	132,000
इण्डियाना	425,000		

#### 4. मक्का तथा शीत गेहूँ की मेखला

(Corn and Winter Wheat Belt)

मक्का तथा शीतकालीन गेहूँ की मेखला, जैसा कि बंकर ने स्पष्ट किया है, उत्तर में मक्का मेखला तथा दक्षिण में कपास मेखला के मध्य फिल्ट पहाड़ियों से लेकर पूर्व में अप्लेसियन पठार तक फैली है। आगे पूर्व में यह उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ गई है जहाँ इसका चारे की फसल एवं दुग्ध व्यवसाय मेखला तथा कपास मेखला के मध्य है। फिल्ट पहाड़ियों का विस्तार 80 सेमी. की सम वर्षा रेखा के सहारे-सहारे है। अतः दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि इस सम्पूर्ण मेखला में आर्द्र अर्थात् पैट्राल्फर मिट्टियों का विस्तार है। मक्का मेखला की तुलना में यह भाग अपेक्षाकृत ज्यादा असमान, जंगलयुक्त तथा घास क्षेत्रों से युक्त है। यहाँ कारण है कि कुल भू-क्षेत्र में मक्का मेखला से बड़े होते हुए भी इस मेखला में केवल आधे मूल्य की कृषि-उपज प्राप्त होती है। इसके निम्न प्रधान कारण हैं:

#### पशुओं

संयु

है। 50

कृषि-क्रि

प्रमुख ध

पश्चिम

राज्य में

जीवन क

के रहने

होता है।

आगडन

पालने क

संयु

सोमान्त

पश्चिमी

में 50 हे

तथा अन्

यहाँ पर

सम्भव न

गया। परि

पर नहीं

वार उगा

ती सुविध

हैं बहुत

रा प्राप्त

### कृषि और कृषि प्रदेश

भाग की जलवायु जितनी कपास के लिए अनुकूल है उतनी ही कोड़े के लिए। इसीलिए कपास की खेती अब धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ रही है। वहाँ पर सिंचाई के साधन बढ़ाये जा रहे हैं। क्योंकि उस भाग की जलवायु कोड़े की वृद्धि के लिए अच्छी नहीं है।

(5) वहाँ पर कपास की खेती-नींदी लोग करते हैं परन्तु अब यह लोग कला-कौशल वाले क्षेत्रों में काम करने चले गये हैं। अतः कपास के क्षेत्रों में मजदूरों की कमी आने लगी है।

उपयुक्त कठिनाइयों के होते हुए अब भी संयुक्त राज्य में संसार की सम्पूर्ण उपज की 40 प्रतिशत कपास उत्पादन की जाती है।

#### कपास उत्पादक राज्य, उत्पादन 1999

राज्य	('000 गॉड)	राज्य	('000 गॉड)
टेक्सास	5645	टेनेसी	213
मिसौसिपी	1155	एरीजोना	1425
ओकलाहोमा	225	अलाबामा	282
लुजियाना	465	द कैरोलिना	86
जोर्जिया	205	अरकन्सास	456

पहले की अपेक्षा संयुक्त राज्य से अब कपास कम मात्रा में विदेशों को निर्यात की जाती है। प्रथम तो यहाँ की उपज में कमी हो गयी है, दूसरे यहाँ सूती कपड़े के कारखाने अधिक खुल गये हैं। इसलिए अधिकतर कपास देश में ही खप जाती है। कुछ कपास का निर्यात न्यूजिलैंड, गालवेस्टर तथा सवाना के बन्दरगाहों से किया जाता है।

### 3. मक्का मेखला

मक्का का स्थान सं. रा. अमेरिका में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। अमेरिका में मक्का का भले ही कोई विशिष्ट प्रकार न हो परन्तु मक्का विशिष्ट और परम्परागत रूप से अमेरिकन फसल ही है। मक्का के अन्तर्गत क्षेत्रफल एवं उत्पादन मात्रा की दृष्टि से मक्का उत्तरी अमेरिका के खाद्यान्नों में प्रथम है। यह सं.रा. अमेरिका के तीन-चौथाई फार्मों पर बोयी जाती है एवं गेहूँ, जई, जौ, राई तथा चावल आदि खाद्यान्नों के सम्मिलित बोये गये क्षेत्र से कहीं अधिक क्षेत्र पर यह अकेली फसल बोई जाती है। देश में खाद्यान्न फसलों से होने वाले कुल आय का लगभग आधा भाग अकेली मक्का से प्राप्त होता है।

मक्का एक उष्ण कटिबन्धीय फसल है जिसका मूल स्थान अमेरिका (मध्य अमेरिका) ही माना जाता है। यहाँ इसे 'रेड

इण्डियन' लोग बोया करते थे। देश की आर्थिक व्यवस्था विशेषकर कृषि-क्षेत्र के विकास में मक्का का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। इसका अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि भीतरी आन्तरिक मैदानों में प्रवासी युरोपियनों की सफलता का राज मक्का में ही निहित है। जो वन या घास प्रदेश साफ किए गए उनमें मक्का आसानी से पनप गयी और उसके साथ ही इन भागों में प्रवासी लोगों का जमाव भी बढ़ता गया। पशुओं को चारा और मनुष्यों को भोजन प्रदायनी यह फसल अगर उस समय इस सम्भाग में न पनपी होती तो शापद अमेरिकन कृषि का स्वरूप कुछ दूसरा ही होता।

कुछ मामूली अपवादों को छोड़कर मक्का दक्षिण में मैक्सिको की खाड़ी तथा उत्तर में महान् झीलों एवं पश्चिम में ग्रेट प्लेन्स तथा पूर्व में अटलांटिक तट के मध्य स्थित लगभग समस्त आन्तरिक निचले मैदानी भाग में पैदा की जाती है। इस प्रकार इस फसल का विस्तार पूर्व से पश्चिम लगभग 2400 किमी. तथा उत्तर से दक्षिण लगभग 1600 किमी. लम्बे भू-भाग में है। निस्सन्देह उत्पादन की सघनता एवं मात्रा की दृष्टि से इस भाग में भारी भिन्नता है और इस भिन्नता के कारण हैं- मिट्टी की दशाएँ, धरातल का स्वरूप एवं जलवायु दशाएँ आदि। इस बड़े विस्तार वाले भाग के अन्तर्गत एक ऐसा भाग है जहाँ मक्का की अत्यन्त सघन टोपी होती है। इसी भाग को 'मक्का मेखला' के नाम से जाना जाता है। इस मेखला का विस्तार इलीनॉय, आयोवा, कन्सास, ओकलाहामा, कोलोरेडो, ओहियो, नेब्रास्का तथा व्योमिंग आदि राज्यों में है। महान् झीलों के दक्षिण-पश्चिम में स्थित मक्का मेखला की शुरूआत ओहियो राज्य से होकर, पश्चिम में इलीनॉय, आयोवा, उत्तरी मिसूरी तथा मध्य नेब्रास्का की ओर विस्तृत है। एक दूसरा विस्तार भाग-पूर्वी कन्सास तथा ओकलाहामा आदि राज्यों में होकर दक्षिण में टेक्सास राज्य की तरफ चला गया है।

मक्का मेखला में सबसे ज्यादा सघन उत्पादन के क्षेत्र आयोवा तथा इलीनॉय राज्यों में हैं जो क्रमशः मिसौसिपी के पश्चिम एवं पूर्व में (शिकागो के दक्षिण) में स्थित हैं। दोनों राज्यों में से प्रत्येक लगभग 400 मिलियन बुराल मक्का पैदा करता है। इन दोनों राज्यों में अगर इण्डियाना के उत्पादन तथा क्षेत्र को भी जोड़ दिया जाए तो उत्पादन समस्त देश का लगभग आधा हो जाता है। मक्का यू.एस. ए. में निस्सन्देह खाद्यान्न है परन्तु मानवों का नहीं सूअरों का। मक्का में चिकनाई तथा मोटा करने की क्षमता ज्यादा होती है। अतः इसे खाकर सूअर बहुत मोटे ताजे हो जाते हैं। सूअर का माँस अमेरिका चांसियों का प्रिय एवं प्रधान भोजन है। इस दृष्टि से सूअर को

1. Haystead and Fite-The Agricultural Regions of the United States.  
2. Jones and Bryan-North America, p. 224.



में महत्वपूर्ण स्थान है। अमरीका में कपास की पैटी की उत्तरी सीमा 26° उ. अक्षांश रेखा और पश्चिम में 100° देशान्तर द्वारा निश्चित की गयी है। यहाँ उत्तरी भाग में तापक्रम 26°से. और दक्षिणी भागों में तापक्रम 28°से. से 30°से. तक रहता है। उस भाग में बहुत कम कपास पैदा की जाती है जहाँ 200 दिन पाले रहित नहीं होते। दक्षिणी भाग में यह ऋतु लगभग 360 दिन तक रहती है। सारी पैटी में वर्षा 60 से 150 सेमी. तक होती है जिसमें घोष्य में अधिक और शेष भागों में कम। मुख्यतः सभी प्रमुख क्षेत्र पतझड़ ऋतु में 50 सेमी. से कम वर्षा वाले भाग हैं।

निम्नलिखित तालिका से कपास के बोने, चुनने, आदि में कितना समय लगता है, यह स्पष्ट होगा:

कपास की पैटी	बोने का समय	कपास की चुनाई का आरम्भ	चुनाई की समाप्ति
उत्तरी	अप्रैल 20	सितम्बर 10	दिसम्बर-जनवरी
दक्षिणी	मार्च 20	अगस्त 10	दिसम्बर

संयुक्त राज्य में कपास उत्पादक क्षेत्र मुख्यतः दक्षिणी राज्यों में ही सीमित है क्योंकि इन भागों की जलवायु कपास के लिए आदर्श है। यहाँ के मुख्य कपास उत्पादक क्षेत्र ये हैं:

(1) मिसौसिपी तथा उसकी पूर्वी सहायक यंगो नदी का बाढ़ वाला मैदान कपास क्षेत्र के मध्य में स्थित है और एक बड़ा क्षेत्र है। यह क्षेत्र मिसौसिपी नदी पर स्थित मेंफिस से (जो टेनेसी राज्य में है) 320 किमी. की लम्बाई में विक्सबर्ग के निकट तक फैला हुआ है। नदियों द्वारा लुईसियाना की चिकनी मिट्टी में यहाँ बढ़िया कपास पैदा होती है। इस क्षेत्र के कुछ भागों में बिना खाद के ही कपास पैदा की जाती रही है। यहाँ लम्बे रेशे वाली कपास पैदा की जाती है।

(2) उपर्युक्त क्षेत्र से मिला हुआ पश्चिम में रेड तथा अरकनसास नदियों द्वारा निर्मित मैदान (जिसे टेक्सास का काला भोमीप्रेरी प्रदेश कहते हैं) संयुक्त राज्य का ही नहीं बल्कि सारे संसार का कपास पैदा करने वाला सबसे बड़ा तथा उत्तम क्षेत्र है।

(3) मिसौसिपी नदी तथा अटलाण्टिक के बीच दो बड़े क्षेत्र कपास के उत्पादक हैं। इनमें एक पीडमोंट पठार के निकट ब्लूरिज दक्षिणी-पूर्वी भाग में तथा कुछ भाग ब्लेक बरियर नदी और टेनेसी नदी के मध्य में स्थित हैं। उत्तर में इस क्षेत्र की सीमा ब्लूरिज (श्रेणी) तक तथा कुछ उस स्थान तक है जहाँ तक कि 200 दिन तक पाला नहीं पड़ता है।

(4) कैरोलिना, जार्जिया तथा अलाबामा का मध्य भाग और मिसौसिपी का उत्तरी-पूर्वी भाग (या ऊपरी तटीय मैदानों क्षेत्र) काली मिट्टी का भाग है जो अलाबामा के मध्य और दक्षिणी भाग में स्थित है। इस क्षेत्र की मिट्टी में चूना पाया जाता है। यहाँ की

कपास (5) सी आईलैण्ड (Sea-Island) कपास जार्जिया तथा कैरोलिना के समुद्र-तटीय द्वीपों में तथा तटवर्ती क्षेत्र में पैदा की जाती है। यहाँ की कपास के रेशे 3.5 सेमी. से 5 सेमी. तक होते हैं। चूंकि इसके रेशे बड़े मुलायम तथा चमकीले होते हैं इसलिए इसको माँग अधिक रहती है। इससे बढ़िया कपड़े तैयार किये जाते हैं। इस कपास के लिए अधिक नमी की आवश्यकता होती है तथा इसको इकट्ठा करने में भी अधिक परिश्रम करना पड़ता है।

(6) कैलीफोर्निया की इम्पेरियल घाटी, ऐरीजोना में साएल्ट नदी की घाटी तथा कैलीफोर्निया की मध्य घाटी में भी कपास पैदा की जाती है।

(7) इम्पेरियल घाटी के अतिरिक्त (जो मैक्सिको तक चली गयी है) मैक्सिको में भी लैंगूमा के क्षेत्र में लम्बे रेशे वाली कपास पैदा की जाती है। यहाँ की उपज यहाँ की खपत से अधिक होती है।

सन् 1930 के पूर्व कपास के उत्पादन से संयुक्त राज्य का स्थान प्रमुख था। यहाँ से विश्व के उत्पादन का 60% प्राप्त होता था। सन् 1870 में 40.47 लाख हैक्टेयर में कपास पैदा की जाती थी। 1926 में यह क्षेत्रफल 180 लाख हैक्टेयर था। किन्तु 1933 के बाद से ही इसके क्षेत्रफल में निरन्तर कमी होती गयी है। 1933 में 120 लाख हैक्टेयर में और 1950 से 81 लाख हैक्टेयर में कपास बोयी जाती थी। 1961 में इस क्षेत्रफल में और भी कमी हो गयी। इस कमी के मुख्य कारण इस प्रकार हैं:

(1) विश्व के अन्य देशों में विशेषतः रूस, चीन, भारत, ब्राजील और अज़ोका तथा लेटिन अमरीका के मानसूनी उष्ण कटिबन्धीय भागों में कपास का क्षेत्रफल और उत्पादन बढ़ गया है।

(2) कपास उत्पादक क्षेत्रों की भूमि पर निरन्तर खेती किये जाने से अनुपजाऊ हो गयी है।

(3) बहुत समय तक संयुक्त राज्य के दक्षिणी भाग में केवल कपास की ही खेती होती थी। परन्तु जिस वर्ष फसल नष्ट हो जाती थी, यहाँ के लोगों की जीविका का साधन ही समाप्त हो जाता था। इसलिए अब कपास के क्षेत्र में जलवायु के अनुकूल चावल तथा गन्ने की भी खेती होने लगी है। इस प्रकार कपास के क्षेत्र में भी कमी हो गयी।

(4) बाल वीविल कीड़ा यहाँ काफी फैल चुका है। यहाँ पर इस कीड़े का फैलना सन् 1892 ई. में मैक्सिको से प्रारम्भ हुआ। यद्यपि इसको नष्ट करने के लिए अनेक उपाय किये गये हैं तो भी ये कीड़ा काफी मिलता है। इसको मारने के लिए कैलसियम आर्जिनेट हवाई जहाजों द्वारा कपास क्षेत्रों में छोड़ा जाता है परन्तु इस साधन के प्रयोग में धन अधिक खर्च होता है। इस

### कृषि और कृषि प्रदेश

है यद्यपि कपास के लिए अधिक वर्षा हानिकारक होती है परन्तु टेक्सास राज्य के तटवर्ती भाग में उपजाऊ भूमि के कारण कपास की उपज प्राप्त की जाती है। यहाँ पहले पशु चराये जाते थे परन्तु अब कुछ ही क्षेत्रों में पशु चराये जाते हैं, शेष में चावल की खेती की जाती है। चावल उत्पादन के लिए सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है यद्यपि काफी अधिक वर्षा इस भाग में होती है। पूर्वी भाग में लूसियाना राज्य में गन्ने की खेती की जाती है।

(1) चावल की खेती— चावल के उत्पादन के लिए समतल भूमि, उपजाऊ मिट्टी तथा अधिक पानी की आवश्यकता पड़ती है। तापक्रम भी 23°से. के लगभग होना चाहिए। वर्षा भी 100 सेमी. के लगभग इस फसल के लिए उपयोगी है। इस मेखला में मिसौसिपी डेल्टा के पश्चिमी भाग में काँप मिट्टी पायी जाती है। वार्षिक वर्षा का औसत भी दक्षिणी लूसियाना राज्य में 140 सेमी. है तथा नदी के जल को खेतों में मोड़कर उसका उपयोग कर लिया जाता है। यहाँ पर चावल की खेती मशीनों की सहायता से की जाती है, इसीलिए प्रति श्रमिक उत्पादन पूर्व के देशों की अपेक्षा अधिक है।

#### तटवर्ती राज्यों में चावल का उत्पादन वर्ष 1999

	( '000 मी. टन)
लूसियाना राज्य	1,289
टेक्सास राज्य	1,275
मिसौसिपी राज्य	282

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि चावल का उत्पादन, खाड़ी तट के राज्यों में सबसे अधिक किया जाता है।

(2) गन्ना (Sugarcane) : इस मेखला की प्रमुख फसलों में गन्ना भी मुख्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका में इसी मेखला में केवल गन्ने का उत्पादन होता है। उन भागों में जहाँ तापमान 25°से. से 30°से. रहता है, यह पैदा किया जाता है। पाला इसके लिए हानिकारक है। इसी कारण लूसियाना राज्य में शीघ्र पकने वाली किस्म के गन्ने का उत्पादन होता है। इस फसल के लिए 150 सेमी. वर्षा आवश्यक होती है परन्तु अनेक भागों में इससे कम वर्षा वाले भागों में जहाँ सिंचाई की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, गन्ने की खेती की जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में खाड़ी तट पर समस्त अवस्थाएँ गन्ने के उत्पादन के लिए अनुकूल हैं जिससे गन्ना इस पेट्री में अधिक उत्पन्न किया जाता है। समुद्री वायु भी (जो गन्ने की उपज के लिए लाभकारी है) प्राप्त हो जाती है।

संयुक्त राज्य में गन्ने का उत्पादन : इस मेखला में गन्ना उत्पन्न करने के दो प्रमुख क्षेत्र हैं— (i) मिसौसिपी की निचली घाटी तथा खाड़ी तट का जार्जिया,

मिसौसिपी राज्यों का भाग, (ii) फ्लोरिडा राज्य (i) मिसौसिपी की निचली घाटी तथा डेल्टा गन्ना उत्पन्न करने का प्रमुख क्षेत्र है। यद्यपि गन्ना उत्पादन करने वाले अक्षांशों की उत्तरी सीमा के निकट होने के कारण गन्ने में इसकी मात्रा कम होने से प्रति एकड़ उपज उष्ण कटिबंधों की अपेक्षा कम है। लूसियाना राज्य में गन्ना 80.5 लाख टन उत्पन्न किया जाता है तथा एवरलेइस शक्कर उत्पादन करने का मुख्य नगर है।

इस मेखला के अतिरिक्त गन्ना हवाई द्वीप में भी उगाया जाता है। यद्यपि विस्तार की दृष्टि से हवाई द्वीप में गन्ना अधिक क्षेत्र में नहीं उगाया जाता परन्तु प्रति एकड़ उपज भी यहाँ अधिक है। लावायुक्त मिट्टी तथा सिंचाई की सुविधाएँ इसके विस्तार में प्रमुख कारण हैं। हवाई द्वीप समूह में मुख्य द्वीप जहाँ गन्ने की खेती की जाती है उनमें हवाई, ओहो, मोय मुख्य हैं।

गन्ना उत्पादक राज्यों में लूसियाना में 7.65 लाख टन तथा हवाई द्वीप में 125.6 लाख टन उत्पादन हुआ।

फल और शाक-सब्जियाँ : खाड़ी तट के राज्यों के वे भाग जो खाड़ी से प्रभावित हैं, फल और शाक-सब्जियाँ खूब उत्पन्न करते हैं। सबसे अधिक महत्वपूर्ण भाग 640 किमी. लम्बा और 224 किमी. चौड़ा फ्लोरिडा प्रायद्वीप में है। फ्लोरिडा का धरातल समतल है एवं समुद्री सतह से उठा होने के कारण भूमि अधिक उपजाऊ है परन्तु कुछ भागों में दलदल भी पाये जाते हैं। फ्लोरिडा राज्य अपने रसदार फलों के लिए प्रसिद्ध है। संतरे, स्ट्रॉबेरी, अंगूर तथा खरबूजे पैदा किये जाते हैं। फलों के अतिरिक्त हरी फलियाँ, टमाटर तथा अन्य शाक-सब्जियाँ पैदा होती हैं। सेण्टजोन नदी की निचली घाटी आलू के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। इसी प्रकार टेम्पा के निकट प्लाण्ट सिटी, स्ट्रॉबेरी के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

#### 2. कपास मेखला (Cotton Belt)

संयुक्त राज्य अमेरिका का कपास उत्पन्न करने वाले देशों



सं. रा. अमेरिका : कपास उत्पादक क्षेत्र

पशु पालन भांस के लिये भी किया जाता है। गाए, बैल और सूअर भांस उत्पादन के लिये पाले जाते हैं। इनके लिये खेत सद्मय खुले स्थान उपलब्ध कराये जाते हैं तथा इन्हें कृषि उत्पाद खिलाये जाते हैं।

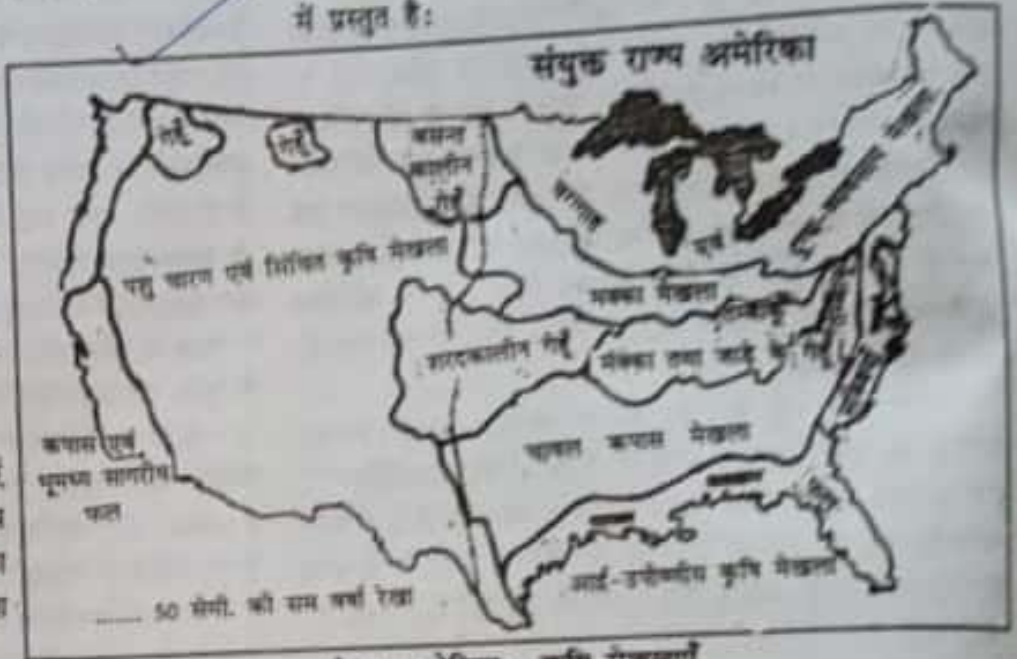
### कृषि प्रदेश (Agricultural Regions)

कृषि प्रदेश एक जैसे सामान्य कृषि विशेषताओं से गठित होता है। इसके प्रमुख लक्षणों में निम्न सम्मिलित हैं:

1. कृषिगत समरूपता जो कृषि उपजों एवं कृषि विधियों में दृष्टिगोचर होती है,
  2. फसलों एवं पशुओं का सह सम्बन्ध,
  3. कृषि का उद्देश्य-जीवन निर्वाह या व्यापार
  4. श्रम, पूंजी एवं प्रबन्ध संगठन का स्वरूप,
  5. कृषि उत्पादों का उपभोग प्रतिरूप,
  6. यांत्रिकीकरण का स्तर एवं प्राविधिकी,
  7. कृषि पद्धति एवं भौतिक दशाएँ
- संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य स्थित विशालाकार आन्तरिक निचला प्रदेश है जिसे कृषि हृदय प्रदेश कहा जाता है।

फसल, एक ही स्वरूप, एक ही प्रकार के कृषि-यन्त्र नजर आते हैं। यांत्रिक-कृषि में कृषि-यन्त्रों के सफल एवं आर्थिक उपयोग के लिए विद्युत खेती आवश्यक भी है।

यू.एस.ए. के कृषि क्षेत्रों का विभाजन श्री जी. ई. वेबेर के नाम से जुड़ा हुआ है जिन्होंने भौगोलिक वातावरण, उत्पादन संघनता, उत्पादन-औकड़ों तथा अन्य प्रकार के यांत्रिकीय-आधारों पर इस देश के कृषि प्रदेशों को कृषि-मेखलाओं में विभाजित किया है। प्रस्तुत विभाजन उन्हीं के आधारों को मानकर व उनमें कुछ संशोधन करते हुए निम्न कृषि मेखलाओं के रूप में प्रस्तुत है:



### सं. रा. अमेरिका : कृषि मेखलाएँ

1. आर्द्र-उपोष्ण कृषि मेखला
2. कपास मेखला।
3. मक्का मेखला।
4. मक्का तथा जौ के गेहूँ की मेखला
5. गेहूँ मेखला
6. चरागाह एवं दुग्ध-व्यवसाय मेखला।
7. पशु चारा एवं सिंचित कृषि मेखला
8. भूमध्यसागरीय कृषि मेखला

### 1. आर्द्र-उपोष्ण कृषि मेखला (Humid Sub-Tropical Belt)

आर्द्र-उपोष्ण मेखला मैक्सिको की खाड़ी के डेल्टाई भाग से फ्लोरिडा राज्य तक फैली हुई है। उत्तर की ओर अन्य वातावरण के तटवर्ती क्षेत्र में इसका विस्तार है। उष्ण आर्द्र जलवायु तथा दलदली भूमि होने के कारण यह मेखला कुछ कृषि उपजों के लिए संयुक्त राज्य में अधिक महत्त्व रखती है। यह मेखला चावल तथा गन्ना उत्पादन करने का संयुक्त राज्य में एक मात्र क्षेत्र है।

इस मेखला के पश्चिमी भाग में कपास का उत्पादन होता

Production): संयुक्त राज्य अमेरिका के कृष्य उत्पादों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार परिवर्तन हुए हैं, तदनुसार उत्पादन के प्रादेशिक प्रतिरूपों में बदलाव आया है। विश्व में कृषि पदार्थों की मांग का भी इस पर प्रभाव पड़ा है। इसके साथ आर्थिक एवं तकनीकी परिवर्तनों तथा परिवहन के विकास से भी कृष्य उत्पादों का प्रादेशिक प्रतिरूप बदला है। उदाहरणार्थ कृत्रिम धागों के प्रयोग से कपास एवं ऊन के उत्पादन में कमी आई है। संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या बढ़ी है किन्तु सूती कपड़े की खपत कम हुई है। 1945 में प्रति व्यक्ति कपास की खपत 16 किलो थी जो 1999 में 8 किलो रह गई। ऊनी रेशों की इसी अवधि में खपत प्रति व्यक्ति 2 किलो से घटकर एक किलो रह गई।

जनसंख्या के भोज्य पदार्थों के बदलते रूप से भी कृषि में परिवर्तन आये हैं। अनाज एवं हर चारा जानवरों को खिलाकर उनके मांस का भक्षण किया जाता है, अतः शस्य संयोजन एवं पशु उद्योग में बदलाव आया है। जनसंख्या बढ़ने से दूध का उत्पादन बढ़ा है किन्तु पशुओं की चर्बी के रूप में कम प्रयोग की प्रथा से डेयरी उत्पादों में कमी आई है क्योंकि चर्बी से स्वास्थ्य को खतरा हो जाता है।

खाद्यान्नों में गेहूँ, धान तथा राई का उत्पादन होता है। मक्का, सरपम, जौ, ओट तथा हरी भासों का उत्पादन बढ़ा है क्योंकि इन्हें उन जानवरों को खिलाया जाता है जिन्हें मांस प्राप्ति हेतु पाला जाता है। गेहूँ का अधिक उत्पादन जानवरों के लिए किया जाता है। तेल वाले कृष्य उत्पाद जैसे मूंगफली, सोयाबीन, फ्लेक्स की खेती बढ़ी है।

उत्पादकता क्रांति (Productivity Revolution): कृषि क्षेत्र में प्रति व्यक्ति उत्पादन बढ़ा है। इसका कारण शोध एवं विकास है। प्रयोगशालाओं में उन्नत एवं उपयुक्त बीजों, अच्छी नस्ल के पशुओं, उत्तम खादों, कोटनाशकों का विकास होने से कृषि की उत्पादकता बढ़ी है। सन् 1970-2000 में कृषि क्षेत्र में कमी आई किन्तु उत्पादन बढ़ता रहा। कपास की उत्पादकता तेजी से बढ़ी है। इस पर कुशल जलपूर्ति के विकास का भी प्रभाव पड़ा है। पश्चिमी शुष्क राज्यों में कपास की खेती होने लगी है। अनिश्चित वर्षा के क्षेत्रों की कृषि में सिंचाई से काफी सुधार हुआ। टेनेसी घाटी बहुउद्देशीय सिंचाई योजनाओं का विकास इसका प्रमाण है।

मशीनों, कृत्रिम खादों, बीजों एवं पशुओं के विकास से मानव श्रम का कम प्रयोग होने लगा किन्तु प्रति कृषक अधिक जनसंख्या का भरण-पोषण सम्भव हुआ।

परिस्थितिकी एवं कृषि (Ecology & Agriculture): आज भी संयुक्त राज्य अमेरिका की कृषि संकट काल से गुजर रही है। यांत्रिकीकरण, कृत्रिम खाद, कोटनाशकों आदि के प्रयोग से मिट्टियाँ प्रदूषित हो गई हैं। उनका उपजाऊपन घटा है। प्राकृतिक वनस्पति

समाप्त होने से परिस्थितिकी का ह्रास हुआ है। पशु जीवन नगण्य हो गया है। जल के कृत्रिम स्रोतों से मिट्टियों की लवणता एवं कृषि परिस्थितिकी में अप्राकृतिक बदलाव आया है तथा उसका विघटन आसन्न है।

कृषि भूदृश्य की प्रमुख विशेषताएँ (Salient Characteristics of Agricultural Landscape): संयुक्त राज्य अमेरिका की आबजक जनसंख्या ने सर्वप्रथम तो पूर्वी क्षेत्र के चनों को साफ कर रेड इंडियन से सीखी गई मक्के की खेती प्रारम्भ की थी। पूर्वी क्षेत्र में जनसंख्या का दबाव बढ़ने से तथा परिवहन सम्पर्क के विस्तार से पश्चिम की ओर आंतरिक आबजन हुआ। इन क्षेत्रों की प्राकृतिक वनस्पति घास थी जिसे साफ करना आसान था और यहाँ की मिट्टियाँ भी उपजाऊ थीं। साथ ही पूर्व में क्रमशः औद्योगीकरण प्रधान होने लगा तथा घास के मैदानों में कृषि प्रधान होती गयी। 19वीं सदी में वाष्प इंजन के प्रयोग से कृष्य उत्पादों के स्थानान्तरण में क्रांति आई थी। बीसवीं सदी प्रारम्भ से बिजली का प्रयोग होने के कारण कृषि में यांत्रिकीकरण बढ़ गया तथा उत्पादन में वृद्धि होने लगी। स्थानीय मांग कम होने से उत्पादन में वृद्धि का लक्ष्य विदेशी व्यापार रहा है।

कृषि उपज- संयुक्त राज्य अमेरिका में विविध जलवायु एवं मिट्टियाँ पायी जाती हैं तदनुसार कृषि उपजों में भी वैविध्य मिलता है। मक्का, गेहूँ, धान मुख्य अनाज हैं। कपास, तम्बाकू, सोयाबीन, मूंगफली एवं फल प्रमुख व्यावसायिक फसलें हैं। जलवायु, मिट्टियाँ, उच्चावच एवं जनसंख्या के अनुरूप कृषि उपजों का प्रादेशीकरण हुआ है। पाला रहित दिन, वर्षा की मात्रा तापमान जैसे जलवायविक तत्वों ने कृषि प्रदेशों का सीमांकन किया है।

फार्मस्टीड सदृश्य खेती (Farmstead type of agriculture): संयुक्त राज्य अमेरिका के विशाल मैदानों पर कृषि हेतु वृहत् फार्म बनाये गये हैं जहाँ एक परिवार 20 हेक्टेयर से 100 हेक्टेयर तक के फार्म पर खेती करता है। यह फार्म पूर्णतः यंत्रों से संचालित होता है तथा कृषक को स्याई आवास की सुविधा भी प्रदान करता है। सम्पूर्ण कृषि कार्य परिवार के सदस्यों द्वारा सम्पन्न होते हैं। प्रायः परिवार में पति-पत्नी तथा अवयस्क बच्चे होते हैं। एक दो सहायक भी मिल जाते हैं। फार्मस्टीड पर सभी आधुनिक सुविधाएँ होती हैं तथा यह अमेरिकी कृषि संस्कृति का अंग है।

डेयरी एवं सम्बन्धित कार्य : संयुक्त राज्य अमेरिका में दूध के लिए पशुपालन तथा मुर्गीपालन आदि भी कृषि के सहायक क्रिया-कलाप हैं। जनसंख्या का जीवन स्तर ऊँचा होने से दूध, मक्खन, पनीर आदि की मांग भी अधिक होती है। यहाँ के उत्तरी-पूर्वी भाग में चारे की खेती दुधारू पशुओं के लिए होती है। यहाँ मुर्गी पालन भी वैज्ञानिक ढंग से बढ़े पैमाने पर किया जाता है।

(ब) मध्याकार व्यापारिक पारिवारिक फार्म : इस श्रेणी के फार्मों में से प्रत्येक को वार्षिक उत्पादन क्षमता 2500 से 20,000 डालर तक की है। ये समस्त फार्मों का लगभग 39 प्रतिशत भाग बनाते हैं एवं बेचे जाने वाली फार्म-उपजों का 23 प्रतिशत भाग प्रस्तुत करते हैं।

(स) छोटे व्यापारिक फार्म : ये समस्त फार्मों के 41% हैं। ये बेचे जाने वाली कुल फार्म उपजों का 3% भाग प्रस्तुत करते हैं। इनमें से प्रत्येक फार्म का उत्पादन-मूल्य औसतन 50 से 2500 डालर तक होता है।

अन्य सभी प्रकार के फार्म दूसरी श्रेणी में रखे जा सकते हैं जो स्थानीय या स्वदेशी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उत्पादन में कार्यरत हैं। ऐसे फार्म देश के समस्त फार्मों का लगभग 32% भाग बनाते हैं। औसतन उत्पादन क्षमता लगभग 2500 डालर है। ये आकार में छोटे हैं। ये प्रायः छोटे किसान-परिवारों के स्वामित्व में हैं।

भारत या जापान के खेतों के विपरीत अमेरिका के फार्मों को सीमाएँ सीधी हैं जिन्हें तारों या लट्टों से सीमाबद्ध किया गया है। सीमाओं के सहारे-सहारे या बीच में होकर छोटी सड़कें बना ली जाती हैं जो व्यवस्था को दृष्टि से उपयोगी हैं। फार्म के एक कोने में रिहायशी क्वार्टर होता है। प्रायः इसी के पास पशुओं के घर बनाए होते हैं। सभी फार्मों पर आजकल सूअर, गाय, मुर्गियाँ आदि पाले जाने लगे हैं। इस प्रकार ये अमेरिकी फार्म दिन प्रतिदिन मिश्रित कृषि का स्वरूप लेते जा रहे हैं। अमेरिका के फार्म दुनिया के सर्वाधिक 'मैकेनाइज्ड' फार्म हैं। देश के सभी फार्मों को विद्युत-शक्ति प्राप्त है। भूमि को जुताई, फसल की बुवाई, निराई, कटाई एवं भूसे से अनाज साफ करने तक के सभी कार्य मशीनों द्वारा सम्पादित किए जाते हैं। दूध दुहना, गायों को सानी करना भी मशीनों का कार्य है। मुर्गी पालन में विद्युत शक्ति का भरपूर प्रयोग किया जाता है। इस समय देश में लगभग 68 लाख ट्रेक्टर खेतों में कार्य कर रहे हैं। भूसा तथा अनाज के यातायात के अन्य कार्यों के लिए 33 लाख से अधिक ट्रक खेतों में कार्यरत हैं। कपास मेखला में रुई चुनती हुई या मक्का मेखला में भुट्टों को एकत्र करती हुई मशीनें यहाँ के कृषि क्षेत्रों की विकासशील अवस्था की छोटक हैं। मानव का कार्य केवल इन मशीनों का संचालन-मात्र है। कितना अन्तर है एक भारतीय कृषक, उसके कृषि-औजारों और कृषि-विधियों तथा इन अमेरिकन आधुनिक किसानों के क्रिया-कलाप में।

## कृषि (Agriculture)

संयुक्त राज्य अमेरिका की कृषि संसार में कई बड़े देशों से काफी उन्नत है तथा कृषि का कुल उत्पादन भी कहीं अधिक है।

उसकी उपभोग क्षमता से उसका उत्पादन कहीं अधिक है। यहाँ पर संसार का 40% मक्का उत्पन्न किया जाता है। साथ ही चावल एवं गेहूँ भी अपनी छपत से बहुत ज्यादा उत्पन्न किया जाता है। इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका कृष्य उत्पादों का निर्यात करता है। इसीलिए संयुक्त राज्य अमेरिका कृष्य उत्पादों का निर्यात करता है। लूसियाना में गन्ना की कृषि, कोलोराडो में चुकन्दर, न्यू इंग्लैण्ड और वाशिंगटन में सेब तथा अन्ननास, फ्लोरिडा में पैदा किया जाता है। यहाँ के डेयरी मवेशियों द्वारा संसार का 20% दूध, पनीर और मक्खन प्राप्त किया जाता है। विश्व की 20% कपास भी यहाँ उत्पन्न की जाती है। विश्व के सबसे अधिक रसीले फल भी संयुक्त राज्य अमेरिका में ही उत्पन्न किये जाते हैं। यद्यपि कृषि के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्राकृतिक दशाएँ बहुत अधिक उपयुक्त हैं परन्तु फिर भी यहाँ कुछ उष्ण कटिबन्धीय उपजें जैसे चाय, कहवा, काफी, रबर और जूट आदि उत्पन्न नहीं किये जा सकते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 30 लाख किसान हैं। एक अनुमान के अनुसार प्रति किसान के पास लगभग 160 हेक्टेयर भूमि है। अधिकांश कृषि अत्यधिक मशीनीकृत एवं विद्युतीकृत है। खेतों में खाद का उपयोग भी बहुत अधिक किया जाता है। किन्तु गहन कृषि कुछ ही क्षेत्रों में जैसे उत्तरी-पूर्वी, मध्य-पश्चिमी एवं प्रशांत सागरीय निम्न भूमि पर ही की जाती है। पश्चिमी पठार के सिंचित भाग में भी गहन कृषि की जाती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्षा की मात्रा के अलावा मिट्टियों की विशेषताओं का प्रभाव कृषि पर पड़ता है। दक्षिणी मिट्टियाँ पथरीली हैं और कहा जाता है कि उन पर अनाज की जगह पत्तों की खेती सरल है। न्यू इंग्लैण्ड में अन्य व्यवसायों के कारण कृषि कार्य कम या अंशकालिक हो गया है। कहीं भूमि क्षरण के कारण कृषि का ह्रास हुआ है। अधिकांश मिट्टियों में उर्वरकों की आवश्यकता होती है। कछारी क्षेत्रों में यदि उद्योगों का वाणिज्य का दबाव नहीं है तो कृषि अमान है। ऐसे क्षेत्रों में सब्जी, फल, डेयरी पदार्थ, मुर्गी पालन आदि मुख्य हैं। खेत छोटे होते हैं तथा उन पर पूंजी का विनियोग अधिक होता है।

अधिकांश कृष्य भूमि पर चारे की खेती होती है ताकि डेयरी उद्योग पनप सके। यहाँ चारा और मक्का होता है जो फसल से पूर्व काट लिया जाता है। रोहट्टोप में मुर्गी पालन अधिक होता है।

नगरों के समीप सच्चिव्यों की खेती (Truck Farming) अधिक होती है। गाजर, टमाटर, प्याज, सलाद प्रमुख सच्चिव्यों हैं जो न्यू इंग्लैण्ड के नगरों एवं न्यूयार्क के पास अधिक होती हैं। मेन एवं ब्रुजविक राज्यों में आलू अधिक पैदा होता है। स्ट्राबेरी, सेब, नाशपाती, पीच, खुबानी, न्यू इंग्लैण्ड के दक्षिणी राज्यों में पैदा किये जाते हैं।

कृष्य उत्पाद प्रतिकल्प (Patterns of Agricultural

संयुक्त राज्य के 35% क्षेत्रफल में खेत तथा चारागाह हैं। रोप भाग पहाड़ी, वन प्रदेश, दलदल अथवा सड़कों और नगरों के अन्तर्गत है। खेती के अन्तर्गत केवल 17% भूमि ही है। एक हैक्टेयर फसल भूमि के पीछे यहाँ दो हैक्टेयर चारागाह तथा वन प्रदेश हैं। यहाँ विभिन्न भागों में विभिन्न प्रकार का भूमि-उपयोग दृष्टिगोचर होता है। उत्तरी-पूर्वी प्रदेश में अधिकतर पशु पाले जाते हैं और दूध का धन्या किया जाता है अथवा क्षेत्र विशेष में विशेष प्रकार की फसलें पैदा की जाती हैं जैसे अरकस्टक काऊण्टी में आलू तथा कनैक्टिकट घाटी में तम्बाकू। न्यूयार्क, इण्डियाना, मिशीगन तथा विस्कॉन्सिन राज्यों में दूध का धन्या बड़े विस्तृत पैमाने पर किया जाता है अतः घास भरने के लिए बड़े-बड़े बखारे और पशुओं के लिए बाड़े मिलते हैं।

सुदूर दक्षिण में जहाँ कपास प्रभूति मुद्रादायिनी फसल बोयी जाती है वहाँ, मशीनों द्वारा कपास चुना जाता है किन्तु खेत 30 से 50 हैक्टेयर के होते हैं। इनके बीच-बीच में अरकन्सास, टेक्सास और लुसियाना में चावल के खेत भी मिलते हैं। फ्लोरिडा और लुसियाना में गन्ने तथा मध्य फ्लोरिडा में रसदार फलों के बाग बहुतायत से मिलते हैं। कर्न-बैल्ट के पश्चिम की ओर उपजाऊ भूमि वाले भागों में मध्य अटलाण्टिक के राज्यों में अनेक बाड़े, खेत तथा पशु और मनुष्यों के लिए बने घर मिलते हैं।

दक्षिणी पर्वतीय भागों में मुर्गियाँ, सूअर और गायें सभी पाली जाती हैं जिन्हें अधिकतर मक्का खिलाई जाती है। कहीं-कहीं तम्बाकू भी पैदा होता है।

बड़े मैदानों के पूर्वी भाग में ग्रीष्मकालीन वर्षा तथा उत्पादक मौसम अच्छा रहने से मध्यवर्ती भाग में शीतकालीन गेहूँ और उत्तरी भाग में पतझड़ ऋतु का गेहूँ पैदा किया जाता है। पशुओं को खिलाने के लिए चारा तथा सरसम भी पैदा किये जाते हैं। यहाँ के खेत 640 एकड़ या उससे भी बड़े आकार के होते हैं। उन भागों में जहाँ वर्षा 50 सेमी. से कम होती है। तीन वर्षों में एक बार खेतों को ग्रीष्म ऋतु में खाली छोड़ दिया जाता है। कई खेतों में गेहूँ की खेती पूर्ण रूप से यन्त्रों द्वारा ही की जाती है।

बड़े मैदान के सुखे और ऊँचे-नीचे भाग, रॉकी पर्वत तथा पठारों में अधिकतर भेड़ें और पशु पाले जाते हैं। अधिकांश चारागाह 5,000 से 20,000 एकड़ के होते हैं। इनमें कुछ तो 1 लाख एकड़ से भी अधिक के होते हैं। ये एक-दूसरे से अलग-अलग होते हैं। गन्ने के व्यापार के केन्द्र एक-दूसरे से 50 से 100 मील दूर होते हैं।

जिन क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएँ मिलती हैं तथा उत्पादक मौसम 150 दिनों तक के लिए उपयुक्त होता है वहाँ गहरी खेती की जाती है। भिन्न-भिन्न भागों में फसलों का विशिष्टीकरण हो

गया है। प्रायः सभी जगह अल्पफास घास पैदा किया जाता है। साल्टलेक सिटी के निकट वाशिंगटन की याकोया और वेनटची घाटियों तथा ओरेगन की हूड नदी की घाटी में सेब, नफ्तायू नासपाती तथा रसभरी आदि अधिक पैदा की जाती है। इडाहो की स्नेक नदी की घाटी में, वाशिंगटन की याकिया और मोजे ड्रिल क्षेत्र में तथा कैलीफोर्निया के डेल्टा प्रदेश में आलू पैदा किया जाता है। यूटाहा और दक्षिणी इडाहो में चुकन्दर तथा याकिया और विलमोण्ट घाटी में हाँप्स की कृषि की जाती है। कैलीफोर्निया में नारंगियाँ, अंगूर तथा दूसरे फल भी पैदा किये जाते हैं।

यद्यपि संयुक्त राज्य की निर्मित वस्तुओं का मूल्य कृषि वस्तुओं के मूल्य से अधिक है किन्तु कृषि आज भी संयुक्त राज्य का आधार उद्योग है। देश की क्रम शक्ति का 1/8 भाग कृषि में लगा हुआ है तथा कृषि से उद्योगों के लिए कच्चा माल प्राप्त होता है। सं.रा. अमेरिका की कृषि में मशीनों का बहुत अधिक उपयोग होता है तथा कृषि उत्पादकता बहुत बढ़ी हुई है। यहाँ के कृषि मजदूरों की संख्या संसार के कुल मजदूरों की संख्या का 1.5 प्रतिशत है किन्तु कृषि उत्पादन संसार के कुल कृषि उत्पादन का 16 प्रतिशत है। अमरीकी कृषि में पारिवारिक फार्मों का, जो वहाँ की एक परम्परागत विशेषता रही है, महत्व आज भी पाया जाता है। इस विशेषता के कारण कृषक लगन से कार्य करता है। सरकार के द्वारा भी समय-समय पर कृषि उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे अनुसन्धान, कृषि शिक्षा, नये-नये यन्त्रों का आविष्कार आदि अपनाये जाते हैं।

विस्तृत-खेती तथा यंत्रों के प्रयोग के विकास के फलस्वरूप यू.एस.ए. के जनसंख्या के ढाँचे में पर्याप्त अन्तर आया है। एक शताब्दी पूर्व देश की समस्त जनसंख्या का लगभग तीन-चौथाई भाग ग्रामीण था जबकि वर्तमान में 24% से भी कम जनसंख्या ग्रामीण है। फार्म पर कुल मिलाकर 6 मिलियन लोग निवास करते हैं जो समस्त जनसंख्या का 3% से भी कम भाग बनाते हैं।

कृषि के स्वरूप की दृष्टि से संयुक्त राज्य अमेरिका के फार्मों को दो भागों में बाँटा जा सकता है:

1. व्यापारिक उत्पादनों में संलग्न फार्म
2. स्व-आवश्यकता की पूर्ति में संलग्न फार्म।

प्रथम प्रकार के फार्म देश की आर्थिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनको तीन श्रेणियों में रखा जा सकता है:

(अ) विस्तृत फार्म : ये फार्म बड़े आकार के हैं। इनमें से प्रत्येक फार्म में लगभग 20,000 डॉलर की कौमत् का उत्पादन होता है। ये पूर्णतः यंत्रिक हैं। बड़े होने के कारण वैज्ञानिक श्रमिक भी इनमें संलग्न हैं। देश के समस्त फार्मों का 20% तथा बचे जाने वाली फार्म-उपजों का 74 प्रतिशत भाग प्रस्तुत करते हैं।

मुरली मनोहर चाण्डेकर  
भारतवरा

## संयुक्त राज्य अमेरिका : भूमि उपयोग (Land Use)

कृषि पर भौतिक वातावरण का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है और बिना आदर्श भौतिक अवस्थाओं के गेहूँ में दाना नहीं पड़ सकता, कपास नहीं फूलेगी और न ही गायें अपनी वंश वृद्धि कर सकेंगी।

कृषि के लिए भूमि की आवश्यकता होती है। कृषि योग्य भूमि का विस्तार किसी राष्ट्र या देश के जीवन के लिए अत्यधिक आवश्यक है। कृषि योग्य भूमि से तात्पर्य होता है उस क्षेत्र से जो पौधों को उनके विकास की आदर्शतम अवस्थाएँ प्रदान कर सके। स्मरण रहे कि प्रत्येक समतल भू-भाग कृषि योग्य हो ऐसा नहीं है और न ही प्रत्येक असमतल भाग कृषि अयोग्य है।

स.रा. अमेरिका जैसे विशाल देश का केवल 30% भाग ही कृषि के योग्य है। कृषि योग्य भूमि के क्षेत्रफल की दृष्टि से स.रा. अमेरिका का स्थान विश्व में दूसरा है। प्रथम स्थान पर रूस है।

संयुक्त राज्य की स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि क्षेत्र में विशेष कर भूमि के ढंगों और भूमि के उपयोग में उन्नति हुई है। कर्न-क्षेत्र और उत्तरी मैदान के राज्यों में जहाँ उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त वर्षा तथा फसलों के पकने के लिए साधारणतः अच्छा मौसम पाया जाता है, भूमि का लगभग 50% कृषि के अन्तर्गत है। अन्य किसी क्षेत्र में कृषि योग्य भूमि का इतना अधिक प्रतिशत नहीं मिलता। दक्षिण में यह प्रतिशत केवल 20.4; उत्तर-पूर्व में 18.1; न्यू इंग्लैण्ड और पहाड़ी राज्यों में 10 से भी कम तथा प्रशान्त तट के राज्यों में तो केवल 7.6 ही है। कृषि के उन्नत तरीके, मशीनों का उपयोग तथा रोगों से मुक्त बीजों के प्रयोग के कारण उत्पादन में विशेष वृद्धि हुई है।

चारागाह भूमि स.रा. अमेरिका के पश्चिमी भागों के 17 राज्यों में ही अधिक पायी जाती है जहाँ वर्षा की अपर्याप्तता के कारण फसल उगना कठिन होता है तथा कृषि उत्पादन केवल सिंचित क्षेत्रों तक ही सीमित है। बड़े मैदानों के पूर्व की ओर चारागाह, कुल भूमि के लगभग 20% से भी कम भाग पर मिलते हैं। उत्तर-पूर्वी भाग में कुल भूमि के 55.7% भाग में वन पाये जाते हैं। न्यू इंग्लैण्ड राज्य में यह प्रतिशत 75.8 तक बढ़ जाता है। स.रा. अमेरिका के दक्षिण भाग में दक्षिणी मैदानों को छोड़कर अन्य भागों में यह प्रतिशत 50 से 60 तथा झोल-राज्यों में 45% तक है। प्रशान्त

तट के 3 राज्यों में वनों का प्रतिशत 46.5% तथा पहाड़ी राज्यों में 22.6% तक ही है। वनों का सबसे कम क्षेत्र (केवल 1.94%) बड़े मैदान के उत्तरी भाग में है। इनसे स्पष्ट होता है कि संयुक्त राज्य की आवश्यकताओं के वन प्रदेश पर्याप्त है, यदि उनकी व्यवस्था सही ढंग से की जाये।

स.रा. अमेरिका के विभिन्न राज्यों में भी कृषि योग्य भूमि के वितरण की असमानता परिलक्षित होती है। मध्य क्षेत्र के राज्यों विशेषकर इण्डियाना, इलीनाय, टक्सी डकोटा, कन्सास, अयोवा आदि में कृषि योग्य भूमि कुल क्षेत्रफल के 50 प्रतिशत तथा इस से भी अधिक भाग पर मिलती है। अतः कृषि योग्य भूमि की दृष्टि से ये अधिक भाग्यशाली हैं। इसके विपरीत पश्चिमी भाग के राज्य जैसे व्योमिंग, न्यू मैक्सिको, एरोजोना, यूटाह, नेवादा आदि कृषि योग्य भूमि कुल क्षेत्रफल के 5% के बराबर ही है। पूर्वी राज्यों न्यूयार्क, न्यूजर्सी, पेन्सिलवेनिया, मिशिगन, मैरीलेण्ड, दक्षिण कैरोलिना, जार्जिया आदि में कुल कृषि योग्य भूमि का प्रतिशत 27-30 के बीच है।

स्मरण रहे कि आज भी यूरोप तथा एशिया के विकसित देशों की तुलना में कृषि योग्य भूमि के क्षेत्रफल का औसत स.रा. अमेरिका तथा कनाडा से अधिक है। यदि चीन, भारत तथा जापान देशों के साथ स.रा. अमेरिका की तुलना की जाये तो स्पष्ट होगा कि पूर्वी देशों में कृषि के ऊपर जनसंख्या का भार काफी अधिक है। इस विषय का प्रभाव विश्व की राजनीति पर भी परिलक्षित होता है।

## कृषि फार्म व्यवस्था (Farming Systems)

मानव श्रम के अभाव तथा कृषि योग्य भूमि की विपुलता के परिणामस्वरूप स.रा. अमेरिका में खेतों का क्षेत्रफल अधिक है। विश्व के खेतों का आकार का अध्ययन करने से ज्ञात होता है कि आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैण्ड में बहुत बड़े फार्मों की अधिकता है जबकि एशिया व यूरोप में फार्मों का आकार बहुत छोटा है। स.रा. अमेरिका के फार्म मध्यम आकार के हैं। स.रा. अमेरिका में सन् 1920 में औसत फार्म 60 हेक्टेयर का था जो 1973 में 155 हेक्टेयर का हो गया। वर्तमान में इनका आकार 175 हेक्टेयर के लगभग है। स.रा. अमेरिका में फार्मों का क्षेत्रफल विभिन्न फसलों के लिए अलग-अलग है।

1. ".....A wheat grain will not mature, an apple ripen, a calf become a cow before the right time". A.Y. Chuprov.